3 राजधानी
कोहरे के कारण 50 से अधिक उड़ाने लेट

6 अभिमत
नहीं हो सकी ट्रंप की सम्मानजनक विदाई

11 स्पोर्ट्स
रोहित व गिल पवेलियन लौटे

12 विदेश
बाइडन की 100 करोड़ टीका लगाने की योजना

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 9 अंक 72
नई दिल्ली, रविवार, 17 जनवरी, 2021
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

अनोखे बच्चे
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

www.dailypioneer.com

न ये उम्र थी और न यह समय था जाने का, सबको रुला गईं उषा जी

- पायनियर दिल्ली संस्करण की स्थानीय संपादक का निधन, मैक्स साकेत में ली अंतिम सांस
- सीईओ शोबरी गांगुली ने कहा-हमने अपनी एक बेशकीमती सहयोगी को खो दिया
- केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और हरियाणा के सीएम मनोहर लाल समेत कई राजनेताओं और पत्रकारों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

न ये उम्र थी और न यह समय था जाने का। लेकिन नियति के आगे सब विवश हैं। शनिवार को हिंदी पायनियर की स्थानीय संपादक उषा श्रीवास्तव के असमय निधन की खबर सबको स्तब्ध कर गई। पायनियर परिवार के लिए यह एक बड़ी क्षति है। वे पिछले ढाई महीनों से बीमार चल रही थीं लेकिन उनकी जिंदादिली और इच्छाशक्ति को देखकर कभी ऐसा नहीं लगा कि वे इतनी जल्दी सबको अलविदा कह जाएंगी। वे 59 वर्ष की थी। उनके निधन से साथी पत्रकारों में शोक की लहर दौड़ गई है। उषा जी लीवर की बीमारी से जूझ रही थीं। पिछले 26 दिसंबर को मैक्स, वैशाली गाजियाबाद में उनका लीवर ट्रांसप्लांट किया गया था। लेकिन उनकी हालत बेहतर न होने पर मैक्स साकेत शिफ्ट किया गया। डॉक्टरों के अथक प्रयासों के बावजूद उनकी हालत बिगड़ती गई और शनिवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। बड़ी संख्या में राजनीतिक दलों को नेताओं और पत्रकारों ने शोक जताया है। उनके निधन से भावुक हो उठे पायनियर के समूह संपादक चंदन मित्रा ने कहा कि उन्होंने अपने बच्चे की तरह हिन्दी पायनियर को पाला पोसा। वे बेहद ऊर्जावान, प्रतिबद्ध और जिंदादिल सहकर्मी थीं, उनकी स्थान को आसानी से नहीं भरा जा सकेगा। दुख के कारण मैं शब्दविहीन हो गया हूं।' पायनियर की सीईओ शोबरी गांगुली ने उषा जी को 'बेशकीमती' सहयोगी बताया जो अपने आसपास सबका ख्याल रखती थीं। उन्होंने कहा कि मुझे अब भी विश्वास नहीं हो रहा है कि वे हमको छोड़कर चली गई हैं। वे एक पवित्र आत्मा थीं।' केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल समेत कई राजनेताओं और पत्रकारों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। उनकी अंत्येष्टि रविवार सुबह 10.30 लोधी रोड पर की जाएगी। करीब एक पखवाड़े इंतजार के बाद 25 दिसंबर को उन्हें लीवर का डोनर मिला था। इस दौरान वे अस्पताल में थी और आईसीयू में आना-जाना लगा था। डोनर मिलने की खबर के बाद पायनियर ने राहत की सांस ली थी। अगले दिन जब उन्हें ऑपरेशन थियेटर ले जाया जा रहा था तो हम में से कई लोगों ने उनसे अस्पताल में मुलाकात की थी। लेकिन किसको पता था कि उनसे यह मुलाकात आखिरी होगी। जीवन के लिए उन्होंने भरपूर संघर्ष किया लेकिन हमारी प्रार्थनाएं और डॉक्टरों का प्रयास भी नियति को नहीं बदल सका। वे बिना हमसे कुछ कहे चली गईं। पिछले साल अक्टूबर के अंत में जब वे बीमार पड़ी तो हमने सपने में भी नहीं सोचा था कि वे हमें छोड़कर चलीं जाएंगी। उनकी मौजूदगी का हमारी आदत में शुमार हो गया था। राजनीतिक मुद्दों पर बहस में बढ़चढ़कर इस तरह हिस्सा लेना कि हमें लगता ही नहीं था कि कभी कोई चीज उनको पछाड़ पाएगी। लेकिन हम लोग गलत सोचते थे। ऊर्जा से भरपूर और अपने बेबाकपन के लिए मशहूर उषा जी दिल से किसी मासूम बच्चे की तरह थीं। साथियों की मदद में सबसे आगे रहती थीं। उनसे मिलने वाला उनका मुरीद होकर रह जाता था। बनारस के काशी हिंदू विश्वविद्यालय से पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने वहां के प्रतिष्ठित समाचार पत्र दैनिक 'आज' से करियर की शुरुआत की और उसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। कलम से बेहद धनी उषा जी ने करीब 30 साल भाजपा को कवर किया। 'आज' के बाद वे दिल्ली आ गई और 'अमर उजाला कारोबार' से अपनी दूसरी पारी शुरू की। यह हिन्दी में अपने समय का बेहद प्रतिष्ठित अखबार था। इसके बाद उन्होंने 'दैनिक जागरण' में भी कुछ समय के लिए काम और फिर 'राजस्थान पत्रिका' नई दिल्ली में बतौर राजनीतिक संपादक के तौर ज्वाइन किया। यहां पर लंबे समय तक काम करने के बाद 2011 में वे दिल्ली में हिंदी 'पायनियर' की स्थानीय संपादक बनीं और 'द पायनियर' के हिंदी संस्करण की शुरुआत हुई। उषा जी के ही नेतृत्व में पायनियर का हरियाणा संस्करण लांच किया गया। वाराणसी के बेहद प्रतिष्ठित परिवार में जन्मी उषा जी का बनारस कभी नहीं छूटा। वर्षों दिल्ली में रहने के बावजूद काशी और शिव की भक्त बनी रहीं। बनारसी सादगी और बेबाकपन उनकी थाती थी। जब भी मौका मिलता था वे वहां चली जाती थी। अपने बनारस के मित्रों को बेहद प्यार से याद करती थीं। लेकिन अंतिम बार जब आपको विदाई देने का वक्त आया तो हमारी आंखें आंसुओं से लबरेज हो गई हैं। अलविदा उषा जी, हम आपको कभी भुला नहीं पाएंगे।

उषा की कमी को आसानी से पूरा नहीं किया जा सकेगा: चंदन मित्रा

जन्म-12-02-1961
निधन-16-01-2021

भारत में दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का आगाज

- प्रधानमंत्री मोदी ने की शुरुआत, कोरोना महामारी के खात्मे की जगी उम्मीद
- स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कोविशील्ड व कोवैक्सीन को बताया संजीवनी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में कोरोना पर वार करने के लिए दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शनिवार को शुरू हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए इस राष्ट्रव्यापी अभियान की शुरुआत की। सबसे पहले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में एक सफाई कर्मी टीका लगाया गया।

इस महाअभियान के साथ ही 10 महीनों में लाखों जिंदगियों और रोजगार को लील लेने वाली इस महामारी के खात्मे की उम्मीद जगी है। देशभर में शनिवार को 3,351 सत्र स्थलों पर 1.65 लाख से अधिक लाभार्थियों का कोविड-19 टीकाकरण किया गया और अब तक टीका लगाए जाने के बाद किसी को अस्पताल में भर्ती किए जाने का कोई मामला सामने नहीं आया है। सरकार ने यह बात कोरोना वायरस के खिलाफ भारत के व्यापक टीकाकरण अभियान के पहले दिन कही। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव मनोहर अगनानी ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि पहले दिन कोविड-19 टीकाकरण अभियान सफलतापूर्वक चलाया गया। पहले चरण में अग्रिम मोर्चों पर तैनात तीन करोड़ स्वास्थ्य व अन्य विभागों के कर्मियों को टीके की पहली खुराक दी जाएगी।

एक करोड़ से अधिक लोगों के संक्रमित होने और 1.5 लाख लोगों की मौत के बाद भारत ने कोविषील्ड और कोवैक्सीन टीके के साथ महामारी को मात देने के लिए पहला कदम उठाया है और देशभर के स्वास्थ्य केंद्रों पर टीकाकरण किया जा रहा है। टीकाकरण शुरुआत के मौके पर एम्स में मौजूद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने दोनों वैक्सीन को संजीवनी करार दिया है और लोगों से बेखौफ होकर इसे लगवाने की अपील की। साथ ही कोरोना से बचने के लिए सभी दिशा-निर्देशों का पालन करने को कहा। स्वास्थ्य कर्मियों के साथ-साथ एम्स (दिल्ली) के निदेशक रणदीप गुलेरिया, नीति आयोग के सदस्य वीके पॉल, भाजपा सांसद महेश शर्मा और पष्चिम बंगाल के मंत्री निर्मल माजी उन लोगों में शामिल हैं, जिन्हें टीके की पहली खुराक दी गई। पॉल कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए चिकित्सा उपकरण एवं प्रबंधन को लेकर गठित अधिकार समूह के प्रमुख भी हैं।

अभियान की शुरुआत से पहले राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि टीके की दो खुराक लेनी बहुत जरूरी है और इन दोनों के बीच लगभग एक महीने का अंतर होना चाहिए। उन्होंने टीका लेने के बाद भी लोगों से कोरोना संबंधी सभी दिशा-निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया और एक बार फिर दवाई भी, कड़ाई भी का मंत्र दिया। उन्होंने लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के मेड इन इंडिया टीकों की सुरक्षा के प्रति आश्वस्त होने के बाद ही इसके उपयोग की अनुमति दी गई है। मोदी (शेष पेज 9)

नई दिल्ली में कोविड-19 से बचाव का टीका लगवाते एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया

> **टीके** की दो खुराक लेनी बहुत जरूरी है और इन दोनों के बीच लगभग एक महीने का अंतर हो। वैक्सीन लेने के बाद भी देशवासी कोविड-19 संबंधी सभी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें।
>
> **-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी**

एसआईआई के सीईओ पूनावाला ने लगवाया कोविशील्ड का टीका

पायनियर समाचार सेवा। पुणे

भारत में शनिवार को कोविड-19 का टीकाकरण अभियान शुरू होने के साथ ही सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने भी स्वास्थ्यकर्मियों के साथ कोविशील्ड का टीका लगवाया। पूनावाला ने टीका लगवाने का एक छोटा वीडियो ट्विटर पर साझा किया। उन्होंने ट्वीट किया, मैं दुनिया का सबसे बड़ा कोविड-19 टीकाकरण अभियान शुरू होने पर भारत और श्री नरेंद्र मोदी जी की सफलता की कामना करता हूं। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि कोविशील्ड इस ऐतिहासिक प्रयास का हिस्सा है और इसकी सुरक्षा एवं प्रभाविता का अनुमोदन करने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों के साथ मैंने खुद भी टीका लगवाया। कोविशील्ड का विकास ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और ब्रिटेन-स्वीडन की कंपनी एस्ट्राजेनेका ने किया है और इसका निर्माण पुणे स्थित एसआईआई कर रहा है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महामारी के खिलाफ दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू किया।

महाराष्ट्र से 14 प्रतिकूल घटनाएं आईं सरकार ने अभियान को बताया सफल

- वैक्सीन लेने के बाद एक भी व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती नहीं कराना पड़ा: केंद्र

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

कोविड-19 के खिलाफ भारत के ऐतिहासिक राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान की शुरुआत के पहले दिन महाराष्ट्र में प्रतिकूल घटनाओं के 14 मामले दर्ज किए गए। हालांकि उनमें से कोई भी घातक नहीं है।

केंद्र सरकार ने कहा कि टीकाकरण अभियान सफलतापूर्वक चल रहा है और ऐसा कोई केस सामने नहीं आया जो टीका लगने के बाद व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा हो। महाराष्ट्र के अधिकारियों ने कहा कि वे प्रतिकूल घटनाओं के मामलों की जांच कर रहे हैं। पहले दिन तीन लाख लोगों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया था। शाम छह बजे तक देशभर में लगभग दो लाख लोगों के वैक्सीन लेने की पुष्टि हुई। कुछ स्थानों पर पंजीकृत लाभार्थियों की सूची अपडेट करने में देर हुई तो कई जगह से गैर सूचीबद्ध टीकाकरण की घटनाएं हुईं। राष्ट्रीय राजधानी में आरएमएल अस्पताल समेत कुछ अन्य वैक्सीनेशन केंद्रों पर डॉक्टरों के एक वर्ग ने भारत बायोटेक द्वारा विकसित कोवैक्सीन की प्रभावकारिता पर संदेह जताते हुए इसे लगवाने में (शेष पेज 9)

कोवैक्सीन टीके से प्रतिकूल प्रभाव होने पर मुआवजे का आश्वासन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में शनिवार को कोवैक्सीन का टीका लगवाने वाले स्वास्थ्यकर्मियों के लिए एक सहमति पत्र (कंसेंट फॉर्म) बनाया गया था जिस पर उन्हें हस्ताक्षर करने थे।

इस फॉर्म में यह वादा किया गया है कि अगर टीके की वजह से किसी तरह का दुष्प्रभाव या गंभीर प्रभाव पड़ता है तो मुआवजा दिया जाएगा। कोवैक्सीन ने चरण एक और चरण दो के ट्रायल में कोविड-19 के खिलाफ एंटीबॉडी का निर्माण करने की क्षमता को प्रदर्शित किया है। हालांकि अभी इसके तीसरे चरण के नतीजे आने बाकी हैं। फॉर्म में कहा गया है कि हालांकि, क्लीनिकल प्रभावशीलता संबंधी तथ्य को स्थापित किया जाना अभी बाकी है और इसका अभी भी चरण-3 क्लीनिकल ट्रायल में अध्ययन किया जा रहा है।

इसलिए यह जान लेना महत्वपूर्ण है कि टीके की खुराक लेने का मतलब यह नहीं है कि कोविड-19 (शेष पेज 9)

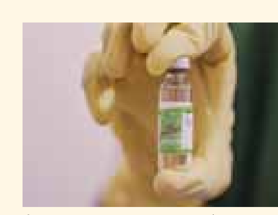

स्पूतनिक वी के तीसरे चरण के परीक्षण को मंजूरी

- डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज करेगी एक हजार 500 लोगों पर ट्रायल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दवा कंपनी डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज ने शुक्रवार को कहा कि उसे कोरोना वायरस रोधी टीके स्पूतनिक वी के तीसरे चरण का क्लिनिकल परीक्षण करने के लिए भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) से मंजूरी मिल गई है। हैदराबाद स्थित कंपनी ने बताया कि इस टीके का तीसरे चरण का परीक्षण 1,500 लोगों पर किया जाएगा। इस हफ्ते के शुरू में, डेटा एवं सुरक्षा निगरानी बोर्ड (डीएसएमबी) ने टीके के दूसरे चरण के क्लिनिकल परीक्षण के आंकड़ों की समीक्षा की थी और तीसरे चरण के लिए स्वयंसेवकों को भर्ती करने की सिफारिश की थी। अपनी रिपोर्ट में डीएसएमबी ने कहा था कि टीके में किसी प्रकार की सुरक्षा चिंता का पता नहीं चला है। डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेटरीज़ के सह अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक जी वी प्रसाद ने कहा कि यह टीके के अहम क्लिनिकल परीक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद है कि तीसरे चरण का अध्ययन हम इसी महीने शुरू कर देंगे और भारतीय जनता के लिए सुरक्षित एवं प्रभावी टीका लाने के अपने प्रयास जारी रखेंगे।' स्पूतनिक वी रूस निर्मित टीका है।

बाजार

सेंसेक्स	49,034	
निफ्टी	14,433	
सोना	48,690	/10g
चांदी	65,157	/kg

क्विक न्यूज

सीबीआई ने घूस लेने के आरोप में अपने दो कर्मचारी निलंबित किए

नई दिल्ली। सीबीआई ने बैंक धोखाधड़ी करने की आरोपी कंपनियों के खिलाफ जांच में कथित तौर पर समझौता करने के वास्ते रिश्वत लेने के मामले में अपने चार कर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज करने के कुछ दिन बाद उनमें से दो - निरीक्षक कपिल धनखड़ और स्टेनोग्राफर समीर कुमार सिंह को निलंबित कर दिया है और शेष दो के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की अनुशंसा की है। अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि एजेंसी ने कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग को पुलिस उपाधीक्षकों आर के ऋषि और आर के सांगवान के खिलाफ प्रशासनिक कार्वाई करने की सिफारिश की है। उन्होंने बताया कि कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग सीबीआई के लिए नोडल मंत्रालय है।

किसान संगठन का अनुरोध

शीर्ष अदालत समिति में नए लोगों का करे चयन

- बीकेयू, लोकशक्ति ने कहा-परस्पर सौहार्द के आधार पर काम करने वालों को रखा जाए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एक किसान संगठन ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया कि तीन विवादास्पद कृषि कानूनों पर जारी गतिरोध को समाप्त करने के लिए बनाई गई समिति से शेष तीनों सदस्यों को हटाया जाए और ऐसे लोगों को उसमें रखा जाए जो परस्पर सौहार्द के आधार पर काम कर सकें। भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति ने कहा कि यह नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन होगा क्योंकि चार सदस्यीय समिति में जिन लोगों को नियुक्त किया गया है उन्होंने इन कानूनों का समर्थन किया है। एक हलफनामे में संगठन ने केंद्र सरकार की एक याचिका को भी खारिज करने की मांग की है जिसे केंद्र सरकार ने दिल्ली पुलिस के (शेष पेज 9)

नई दिल्ली में सिंघू वार्डर पर डटे किसान

दिल्ली के चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू की दस्तक

- मृत पाए गए उल्लू में हुई पुष्टि

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू ने दस्तक दे दी है। हाल ही में मृत मिले उल्लू के नमूने में यह बीमारी होने की पुष्टि हुई है। चिड़ियाघर के निदेशक रमेश पांडेय ने शनिवार को बताया कि चिड़ियाघर में ब्राउन फिश उल्लू अपने पिंजड़े में मृत मिला था। उसके नमूनों को जांच के लिए दिल्ली सरकार के पशुपालन इकाई को भेजा गया था। एहतियातन पिंजड़ों में रखे गए पक्षियों को पृथक कर दिया गया है और उनके स्वास्थ्य एवं व्यहार की लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि चूना, विरकोन-एस, और सोडियम हाइफोक्लोराइट का छिड़काव किया जा रहा है। पक्षियों के पैरों को दिन में नियमित अंतराल पर पोटेशियम परमेगनेट से साफ किया जा रहा है। चिड़ियाघर में जानवरों को खिलाने के लिए मुर्गियों को लाने पर रोक लगा दी गई है, चिड़ियाघर के भीतर वाहनों की आवाजाही की पहले ही मनाही है और कर्मचारियों की भी आवाजाही नियंत्रित है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को भोपाल स्थित आईसीएआर- राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान में आरटी-पीसीआर पद्धति से जांच की गई जिसमें उसके एच5एन8 एवियन इनफ्लुएंजा से संक्रमित होने की पुश्टि हुई। पांडेय ने बताया कि केंद्र एवं दिल्ली सरकार के नियमों एवं दिशानिर्देश के अनुसार चिड़ियाघर को रोगाणु मुक्त करने एवं निगरानी को बढ़ा दिया गया है और यथा संभव एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि गत सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के पार्कों एवं झीलों में मृत मिले कौए और बत्तखों के भी बर्ड फ्लू होने की पुष्टि हुई थी।

प्रतीकात्मक चित्र

महाराष्ट्र के नौ जिलों में बर्ड फ्लू, मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ में कुक्कुट पक्षियों को मारना जारी

नई दिल्ली। केंद्र ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र के नौ जिलों में कुक्कुट पक्षियों में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है और मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के एक-एक जिले में कुक्कुट पंछियों का मारने का अभियान चल रहा है। सरकार ने कहा कि कुक्कुट पक्षियों के अलावा उत्तराखंड, गुजरात और उत्तर प्रदेश में कौवां में तथा दिल्ली में कबूतर, ब्राउन फिश उल्लू और सारस में इस संक्रमण की पुष्टि हुई है। हालांकि केंद्र सरकार ने कुक्कुट उत्पादों की बिक्री पर पाबंदी लगाने के अपने निर्णय पर पुनर्विचार करने तथा गैर संक्रमित क्षेत्रोंाराज्यों से कुक्कुट उत्पादों की बिक्री की अनुमति देने का अनुरोध किया। भारत में, खासकर सितंबर से मार्च तक सर्दियों के दौरान आने वाले प्रवासी पक्षियों से बर्ड फ्लू या एवियन इंफ्लूएंजा फैला है। यह पशुजन्य बीमारी है।

बर्ड फ्लू की स्थिति पर नवीनतम आंकड़ा जारी करते केंद्रीय मात्स्यिकी, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय ने कहा कि शनिवार तक महाराष्ट्र के लातूर, परभनी, नांदेड़, पुणे, सोलापुर, यवतमाल, अहमदनगर, बीड और रायगढ़ जिलों में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। उसने कहा कि मुम्बई के केंद्रीय कुक्कुट विकास संगठन की रिपोर्ट के अनुसार आम तौर पर कुक्कुट की मौत फार्म पर पाई (शेष पेज 9)

गौतमबुद्धनगर में 6 केंद्रों पर चला टीकाकरण अभियान

सांसद महेश शर्मा और जिम्स के डायरेक्टर डॉ. राकेश गुप्ता ने सबसे पहले लगवाया टीका

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कैलाश अस्पताल में कोरोना का टीका लगवाते सांसद डॉ. महेश शर्मा।

नोएडा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कोरोना के खिलाफ वेक्सीनेशन शनिवार सुबह शुरू हुआ। नोएडा में कैलाश अस्पताल में बनाए केंद्र में सबसे पहले सासंद डॉ महेश शर्मा और ग्रेटर नोएडा के राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान जिम्स में डायरेक्टर डॉ राकेश गुप्ता ने सबसे पहले वेक्सीन ली। गौतमबुद्धनगर जिले में 6 केंद्रों पर टीकाकरण किया गया जिसमें शाम तक प्रत्येक केंद्र पर 100-100 स्वास्थ्यकर्मियों को टीका लगाया गया। जिम्स को टीकाकरण के लिए नोडल केंद्र बनाया गया है।

राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान ग्रेटर नोएडा के निदेशक डॉ राकेश गुप्ता ने बताया कि जिले में छह केंद्रों पर कोरोना वायरस के खिलाफ वेक्सीनेशन चल रहा है। इनमें तीन केंद्र नोएडा और तीन केंद्र ग्रेटर नोएडा में स्थापित किए गए हैं। नोएडा में जिला अस्पताल, चाइल्ड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल और कैलाश अस्पताल को केंद्र बनाया गया है। ग्रेटर नोएडा में राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिसरख अस्पताल और शारदा हॉस्पिटल को केंद्र बनाया गया है। शनिवार को पहले चरण में इन सभी केंद्रों पर 100-100 स्वास्थ्यकर्मियों को कोरोना वैक्सीन दी गई। जिम्स में 300 स्वास्थ्यकर्मियों को कोरोना वैक्सीननेशन दी जाएगी। इनमें से 100 लोगों को शनिवार को और बाकी 200 स्वास्थ्य कर्मियों को सोमवार को वैक्सीन लगाई जाएगी। गौतमबुद्धनगर के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा नोएडा में शनिवार की सुबह सबसे पहले कोरोना वैक्सीन लगवाने वाले स्वास्थ्य कर्मी बने।

दरअसल, डॉ महेश शर्मा पेशे से चिकित्सक हैं और कैलाश अस्पताल समूह के संचालक हैं। वैक्सीनेशन के बाद मीडिया से मुखातिब होते हुए डॉ महेश शर्मा ने कहा कि यह वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है। विपक्ष के भ्रम में किसी को भी फ ंसने की आवश्यकता नहीं है।

गाजियाबाद में महिला अस्पताल की सीएमएस को लगा पहला वैक्सीन

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

देश के साथ-साथ राजधानी दिल्ली से लगे गाजियाबाद में कोरोना टीकाकरण की शुरूआत महिला अस्पताल से की गई। जिले में पहला टीका महिला अस्पताल की अधीक्षक डा संगीता गोयल को लगाया गया। इस दौरान प्रदेश के स्वास्थ्य राज्यमंत्री अतुल गर्ग, डीएम अजय शंकर पांडेय एवं सीएमओ एवं विभाग के दूसरे अधिकारी मौजूद रहे।

टीकाकरण के साथ महिला अस्पताल अधीक्षक को विभाग की तरफ से सर्टिफिकेट दिया गया। इस बीच स्वास्थ्य राज्य मंत्री अतुल गर्ग ने कहा कि इस दिन का एक लंबे समय से इंतजार था। पूरी दुनिया देख रही है। भारत अपने पैरों पर खडा है। दूसरे देश भारत में तैयार वैक्सीन को खरीदना चाहते हैं लेकिन, देश ने स्पष्ट कर दिया है कि सर्व प्रथम अपने देश के नागरिकों का टीकाकरण किया जाएगा। इसके बाद ही कोई दूसरा अन्य फैसला लिया जाएगा। सवालों के जबाव में उन्होंने कहा कि कभी पोलियो अभियान को लेकर सवाल खड़े किए जाते थे,जबकि चिकित्सक खुद से टीकाकरण करा रहे हैं। जिस दिवस देश के 30 करोड़ लोगों का टीकाकरण का लक्ष्य पूरा होगा इसके बाद कोरोना से कोई मौत न हो ये बड़ी कामयाबी होगी।

गजिले में प्रथम चरण में 28 हजार लोगों के टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया है। सीएमओ डा एनके गुप्ता ने कहा कि देशव्यापी अभियान को जिले में कामयाब बनाने के लिए चार स्थानों पर टीकाकरण की व्यवस्था की गई है।

यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशांबी गाजियाबाद में देश के प्रथम चरण के कोविड टीकाकरण का आरंभ हुआ। इस दौरान हॉस्पिटल के कोविड-19 प्रबंधन एवं स्ट्रेटजी के निदेशक डॉक्टर आर.के. मनी ने पहले रजिस्टेशन कराया और टोकन नंबर एक के साथ उनको सबसे पहला टीका लगाया गया। हॉस्पिटल के टीकाकरण केंद्र पर जिला प्रशासन एवं मुख्य चिकित्साधिकारी की टीम द्वारा सात अलग-अलग चरणों में सौ लोगों के टीकाकरण का संचालन किया गया।

ग्रेनो में ताला तोड़कर चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

● 4 गिरफ्तार, महाराष्ट्र के ज्वैलर को बेचते थे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा की बीटा-दो कोतवाली पुलिस ने बंद घरों के ताले तोड़कर चोरी करने वाले गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस की टीम ने तीन बदमाशों समेत चोरी का माल खरीदने वाले एक ज्वैलर को भी गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने गिरोह के पास से 42 हजार नगद और जेवर सहित दूसरी चीजें बरामद की हैं। यह गैंग रेकी कर चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। गैंग के बदमाशों के खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में 10 से ज्यादा आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस की पूछताछ में गिरोह ने कई हैरान करने वाली घटनाओं का खुलासा किया है।

एडिशनल डीसीपी विशाल पांडे ने शुक्रवार को इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीटा-2 कोतवाली पुलिस की टीम ने चेकिंग के दौरान रामपुर गोल चक्कर के पास से तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया। इन तीनों की पहचान सोनू उर्फ अभिनव पांडे, निवासी-मैनपुरी, प्रवीण पांडे, निवासी-भलस्वा डेरी नई दिल्ली, चन्दन शर्मा निवासी-हाजीपुर, बिहार और सूरज मोरे, निवासी-जिला सांगली, महाराष्ट के रूप में हुई है। सूरज मोरे ज्वैलर है। पकड़े गए बदमाश चोरी के गहने सूरज मोरे को बेचते थे।

घर की रेकी कर बनाते थे निशाना

एडिशनल डीसीपी विशाल पांडे ने बताया कि गिरफ्तार किए गए बदमाश बहुत शातिर हैं। यह गैंग बंद घरों को निशाना बनाता था। इसके लिए गैंग के सदस्य पहले रेकी करते थे। फिर मौका देख कर घरों का ताला तोड़कर नगदीए गहने और कीमती सामान चोरी कर फरार हो जाते थे। कुछ घटनाओं की सीसीटीवी फुटेज से पुलिस को इनके बारे में पता चला था। सीसीटीवी फूटेज से पुलिस ने इन बदमाशों की पहचान की। पुलिस काफी वक्त से इनकी तलाश में थी। पूछताछ में इन्होंने शहर में हुई चोरी की कई वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। पुलिस इन आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रही है।

नोएडा में कोरोना के 7 मामले सामने आए

नोएडा। जनपद में शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के सात मामले सामने आए। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। जिला निगरानी अधिकारी डॉक्टर सुनील दोहरे ने बताया कि शनिवार सुबह तक कोरोना वायरस संक्रमण का सात मामला सामने आया है जिससे संक्रमितों की संख्या बढ़कर 25,267 पर पहुंच गई है। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटे के भीतर कोविड-19 के 23 मरीज उपचार के बाद ठीक हुए हैं, जिसके साथ ही जनपद में अब तक 24,975 मरीज संक्रमण मुक्त हो चुके हैं।

कोहरे के कारण आपस में टकराए कई वाहन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शनिवार सुबह घने कोहरे के कारण ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर दर्जन भर गाड़ियां आपस में टकरा गईं। जिससे इस घटना में चार लोगों को मामूली चोट आई है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि क्रेन की सहायता से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात को दोबारा शुरू किया गया।

उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह घने कोहरे के चलते ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर चल रहे दर्जनभर वाहन आपस में एक के बाद एक सीरीज मे टकराते चले गए। उन्होंने बताया कि इस घटना में चार लोगों को मामूली चोट आई है और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि क्रेन की सहायता से दुर्घटनाग्रस्त सभी वाहनों को हटाया गया तथा यातायात को चालू किया गया। दूसरी ओर पुलिस ने बताया कि यमुना एक्सप्रेस वे पर भी शनिवार सुबह आधा दर्जन वाहन कोहरे के चलते आपस में टकरा गए जिसमें तीन लोगों को मामूली चोट आई है।

चार लोग घायल

युवक की पिटाई का वीडियो हुआ वायरल, रिपोर्ट दर्ज

गाजियाबाद। मोदीनगर निवाड़ी थाना क्षेत्र के गांव डबाना में शराब लाने से मना करने पर युवक को अगवा कर उसके साथ बेहरमी से मारपीट करने का मामला सामने आया है। दंबगों ने मारपीट का वीड़ियो भी वायरल कर दिया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

गांव सौंदा निवासी अजय शर्मा के अनुसार वह 9 दिसंबर को एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहा था। जब वह सौंदा नहर पुल से पहले पहुंचा तो उसे गांव डबाना निवासी दो युवक मिले और उससे शराब लाने को कहा तो उसने मना कर दिया। इस बात से नाराज होकर युवक उसे उठाकर एक सुनसान स्थान पर ले गए और उसके साथ बेरहमी से मारपीट की। इतना ही नहीं दबगों ने युवक के साथ की गई मारपीट की वीड़ियो भी बना ली।

सर्राफा कारोबारी के चालक से चांदी की लूट, तीन गिरफ्तार

● आरोपियों में होमगार्ड के दो जवान भी शामिल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सेक्टर 39 क्षेत्र के नोएडा एक्सप्रेसवे पर 14 जनवरी को एक व्यापारी के चालक के साथ हुई 30 किलो चांदी की लूट के मामले में पुलिस ने शनिवार दोपहर बाद होमगार्ड के दो जवानों समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए लोगों के पास से लूटी हुई 30 किलो चांदी बरामद कर ली गई है।

अपर पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) रणविजय सिंह ने बताया कि आगरा के रहने वाले सर्राफा व्यापारी सुशील चौहान का ड्राइवर अजय 14 जनवरी की सुबह दिल्ली से 211 किलो चांदी अपनी डस्टर कार में रखकर नोएडा एक्सप्रेसवे के रास्ते आगरा जा रहा था। उन्होंने बताया कि नोएडा एक्सप्रेसवे के सेक्टर 93 के पास मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए दो लोगों ने उसकी कार रोकी। मोटरसाइकिल सवार लोगों ने चालक से कहा कि वे नोएडा में अधिकारी हैं और कार चालक ने अपने मालिक से उनकी बात करवाई। दोनों आरोपियों ने कार चालक से जबरन चांदी की एक सिल्ली लूट ली, जिसका वजन करीब 30 किलो है।

उन्होंने बताया कि इस मामले की जांच कर रही थाना सेक्टर 39 पुलिस ने शनिवार दोपहर बाद होमगार्ड के दो जवानों समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। सिंह ने बताया कि उनकी पहचान उमेश, सुरेंद्र तथा विक्रांत के रुप में हुई है। गिरफ्तार होमगार्ड थाना एक्सप्रेसवे तथा थाना सेक्टर 20 में तैनात हैं।

अवैध पटाखा फैक्ट्री पर छापा, तीन दबोचे

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर की दादरी थाना पुलिस और आबकारी विभाग की टीम ने एक पटाखा फैक्ट्री का पर्दाफ ाश किया है। पुलिस ने मौके से 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा पुलिस ने भारी मात्रा में पटाखे बनाने में प्रयुक्त होने वाला सामान बरामद किया है।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि पुलिस और आबकारी विभाग की टीम ने दादरी में चल रही अवैध पटाखा फैक्ट्री पर छापा मारकर 3 लोगों को मौके से गिरफ्तार किया है।

सोसाइटी में बुजुर्ग ने पंखे से फंदा लगाकर की खुदकुशी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सूरजपुर थाना क्षेत्र के ओमीक्रान-3 सेक्टर में स्थित एक सोसाइटी में रहने वाले 65 वर्षीय व्यक्ति ने बीती रात को पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वहीं दूसरी ओर दिल्ली की रहने वाली एक महिला ने पंखे से फंदा लगा लिया।

पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आत्महत्या करने वाले बुजुर्ग की पहचान शंकर शुक्ला के रूप में की गई है जबकि महिला की पहचान नीलम (27) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एक अन्य घटनाक्रम में पुलिस ने बताया कि दादरी रेलवे स्टेशन पर बीती रात ट्रेन की चपेट में आने से लक्ष्मण प्रसाद (55) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बारहवें मामले में सुरेंद्र कोली को फिर सुनाई फांसी की सजा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

निठारी कांड

नोएडा के चर्चित निठारी कांड में मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली को एक बार फिर फांसी की सजा सुनाई गई है। शनिवार को गाजियाबाद में विशेष न्यायाधीश सीबीआई ने बारहवें मामले में फैसला सुनाया है। जिसमें सुरेंद्र कोली को फांसी की सजा दी गई है। एक लाख का आर्थिक जुर्माना भी लगाया गया है।

इस मामले में एक युवती की हत्या करने, अपहरण करने और उसका मांस खाने का आरोप सुरेंद्र कोली पर लगाया गया था। जिसमें अदालत ने सुरेंद्र कोली को दोषी करार दिया था। मिली जानकारी के मुताबिक नोएडा के निठारी गांव के पास रहने वाली युवती का अपहरण करने, युवती से दुष्कर्म और हत्या करने के मामले में सुरेंद्र कोली को फ ांसी की सजा सुनाई गई है। सीबीआई की विशेष अदालत में कोली को फैसला सुनाया है।

थाने पर महिला ने किया प्रदर्शन

गाजियाबाद। पुलिस के सिपाही द्वारा पड़ोसी महिला से अभद्रता करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पुलिस ने सिपाही को बिना कार्रवाई के ही छोड़ दिया। इससे नाराज पीड़िता के परिजनों एवं आसपास के लोगों ने थाने के बाहर प्रदर्शन किया। थानाध्यक्ष के आश्वासन के बाद लोग शांत हुए और घर लौट गए। क्षेत्र की एक कॉलोनी निवासी महिला घर में अकेली थी। उसका पति बाहर गए थे। इसका फायदा उठाते हुए पड़ोसी युवक जो उप्र पुलिस में सिपाही है उनके घर के बाहर आकर गाली-गलौज करने लगा।

गौतमबुद्धनगर के परिषदीय स्कूल बनेंगे हाईटेक

प्रधानाचार्य टेबलेट से लगाएंगे बच्चों की हाजिरी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बागडोर संभालने के बाद से ही राज्य सरकार सूबे में प्राथमिक शिक्षा सुधार को लेकर अभूतपूर्व काम कर रही है। योगी आदित्यनाथ खुद भी स्कूलों में तकनीक को बढ़ावा देने के हामी हैं।

अब तक शिक्षकों को सेल्फी के जरिए अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होती थी। अब स्कूल के छात्रों को भी ऑनलाइन हाजिरी लगानी पड़ेगी। इसके लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। बेसिक शिक्षा विभाग से संचालित परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों को भी हाईटेक बनाया जाएगा। स्कूलों के प्रधानाचार्य को टेबलेट दिए जाएंगे। इस टेबलेट में स्कूलों की निगरानी से संबंधित सभी ऐप शामिल किए जाएंगे। इसके लिए शिक्षकों की ऑनलाइन ट्रेनिंग भी कराई जाएगी। यह ट्रेनिंग 1 महीने तक चलेगी। इसके बाद उपकरण शिक्षकों को उपलब्ध कराए जाएंगे। गौतमबुद्धनगर में 600 से अधिक परिषदीय विद्यालय संचालित हो रहे हैं। इनमें 80 हजार से अधिक छात्र-छात्राएं पढ़ाई कर रहे हैं।

बच्चों की शिक्षा पर सरकार की तरफ से करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं। छात्रों को पाठ्य पुस्तकों के साथ-साथ जूते-मोजे, स्वेटर और मध्यान भोजन भी दिया जाता है। अब शासन ने परिषदीय विद्यालय के शिक्षकों को हाईटेक बनाने का निर्णय किया है।

एक स्कूल में इंचार्ज या प्रधानाध्यापक को टेबलेट दिया जाएगा। इससे पहले उन्हें एक महीने की ऑनलाइन ट्रेनिंग भी दी जाएगी। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद शिक्षकों को टेबलेट दे दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

चिल्ला बॉर्डर पर रस्साकसी का खेल खेलते किसान।

बेकाबू कैब ने स्कूटी में मारी जोरदार टक्कर

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में गुरुवार को हुए एक हादसे में बीएड की एक छात्रा की मौत हो गई। जबकि, दूसरी छात्रा गंभीर रूप से घायल है। उसका नजदीक के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। मामला नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र का है। गुरुवार को एक तेज रफ्तार कैब चालक ने दो छात्राओं की स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार एक छात्रा आठ फीट ऊंची उछलकर जमीन पर गिरी। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे में दूसरी छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे फ ौरन नजदीक के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल उसका इलाज चल रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने छात्रा के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ग्रेटर नोएडा के रोजा जलालपुर निवासी नगेंद्र नागर ने बताया कि उनके भाई पूर्व बीडीसी राजेंद्र नागर की बेटी मंजू और बिसरख निवासी उसकी सहेली नेहा, शारदा विश्वविद्यालय से बीएड की पढ़ाई कर रही थीं। गुरुवार को मंजू और नेहा स्कूटी पर सवार होकर विवि जा रही थी। इसी दौरान नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में नासा गोल चक्कर के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार कैब ने स्कूटी में टक्कर मार दी।

किसानों ने प्राधिकरण कार्यालय पर दिया धरना

नोएडा। दिल्ली-मुम्बई रेल कॉरिडोर के लिए सीधे खरीदी गई जमीन से प्रभावित किसानों ने शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण पर धरना प्रदर्शन किया है। किसानों की मांग है कि उन्हें नए भूमि अधिग्रहण अधिनियम के तहत मिलने वाली सुविधाएं दी जाएं। किसानों का आरोप है कि जिनकी जमीन प्राधिकरण ने सीधे खरीदी है। उस वक्त उन्हें भविष्य में सारी सुविधाएं देने का वादा किया गया था। जिससे अब प्राधिकरण और दिल्ली मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर कॉरपोरेशन मुकर गए हैं। डीएमआरसी से प्रभावित गांवों के किसानों ने शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के दफ्तर के सामने धरना दिया। नए अधिग्रहण कानून को लागू कराने की मांग की। बाद में 31 सदस्यों की किसानों के प्रतिनिधिमंडल से प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी नरेंद्र भूषण से वार्ता की। अब डीएम और दादरी के एडीएम के साथ बैठक होगी।

टंकी पर चढ़कर युवकों ने मचाया उत्पात

गाजियाबाद। डासना के हिना कॉलोनी में स्थित पानी की टंकी पर असामाजिक तत्वों द्वारा जमावड़ा लगा होने के चलते स्थानीय लोगों में भय है। पूर्व में भी पानी की टंकी पर कुछ युवकों के चढ़े होने के बाद स्थानीय लोगों ने इस मामले की शिकायत पुलिस में की थी। बावजूद इसके लोग सुधरने का नाम नहीं ले रहे और अपनी जान की चिंता को छोड़कर पानी की टंकी पर चढ़कर अनैतिक कार्य करते हुए देखे गए। स्थानीय लोगों की मानें तो पानी की टंकी के ऊपर, आसपास असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। जिससे वह टंकी पर खड़े होकर आसपास के घरों की रेकी करने का कार्य करते हैं और आए दिन चोरी व अन्य घटना क्षेत्र में घटित होने से नहीं रुक रही। पहले भी एक बार टंकी पर चढ़े होने की सूचना पुलिस को दी गई थी पर अभी तक कोई भी कार्यवाही नहीं की गई। बावजूद इसके असामाजिक तत्वों का हौसला बुलंद होता गया और टंकी पर चढ़कर अनैतिक कार्य करते हुए देखे गए। वहीं दूसरी तरफ टंकी पर चढ़ा होने से जान का खतरा भी बना रहता है। पुलिस में शिकायत के बावजूद भी कोई कार्यवाही नहीं होती।

ICICI Bank

शाखा कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय जेएसईएल बिल्डिंग, मालवीय नगर जेएलएन मार्ग-जयपुर 302017

सार्वजनिक सूचना - संरक्षित संपत्ति की बिक्री हेतु निविदा-सह-नीलामी

नियम 8 (6) का परंतुक देखें,
अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना

अचल संपत्तियों के विक्रय के लिये ई-नीलामी विक्रय सूचना वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पून: निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के अन्तर्गत सहठित प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन नियम, 2002 की धारा 8(6) के साथ अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए जारी की गई है ।

सर्वजन तथा व्यक्तिगत रुप से कर्जदार एवं जमानतदार को इस सूचना द्वारा सूचित किया जाता है कि नीचे दर्शायी गई अचल संपत्ति के संरक्षित ऋणदाता केपास बंधक/ अधिभारित है उनका भौतिक अधिग्रहण आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड (संरक्षित ऋणदाता) के प्राधिकृरित अधिकारी द्वारा कर लिया गया है एंव दर्शाये विवरण अनुसार उनके द्वारा "जहाँ है, जैसी है" एवं जैसी है, वैसी है " एवं जिस भी स्थीत में है " के आधार पर अचल संपत्ति के विक्रय के लिये प्रस्ताव आमंत्रित किये जा रहे है :-

क्र. सं.	कर्जदार (रों)/ सह-कर्जदारों/ गारंटरों का नाम/ ऋण खाता संख्या	प्रत्याभूत आस्ति का विवरण, ऋणभारों सहित, यदि कोई	बकाया राशि (रू. में)	सुरक्षित मूल्य (रू. में) / धरोहर राशि जमा (रू. में)	सम्पत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय	नीलामी की तिथि एवं समय
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)	(जी)
1.	श्री जोगिंदर कुमार (कर्जदार) सुनीता देवी (सह-कर्जदार) लोन नं LBBWD00003939712	फ्लैट नंबर- 3803, दूसरी मंजिल द पार्क, ब्लॉक सी खसरा नंबर 200, 201, 202, 191, 181, 192, 519/189, 518/1, ग्राम शाहपुर, तहसील तिजारा भिवाड़ी-301411 सुपर बिल्ट-अप एरिया- 1125 वर्ग फीट	रू. 24,47, 941/- (जनवरी 08, 2021 तक)	रू. 18,00, 000/- / रू. 1,80,000/-	फरवरी 01, 2021 को सु. 11:00 बजे से दो. 02:00 बजे तक	फरवरी 18, 2021 सु. 11:30 बजे से

ऑनलाइन नीलामी हमारी नीलामी संस्था मैसर्स नेक्सजेन सॉल्युशन्स प्राइवेट लिमिटेड की, वेबसाइट **(URL Link https://disposalhub.com)** पर संचालित होगी । बंधकदाताओं/ सूचना प्रेषितकर्ताओं कों **फरवरी 17, 2021** को **शाम 05.00** बजे से पूर्व तक कुल बकाया राशि उस पर आगे ब्याज सहित भुगतान करने का अतिंम अवसर दिया जाता है, जिससे विफल रहने पर यह संरक्षित सम्पतियों की बिक्री निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी।

संभावित बोलीकर्ता (बोलीकर्ताओं) को बयाना राशि (ईएमडी) डिमाण्ड ड्राफ्ट (डीडी) (सारणी **ई** संदर्भ करें) जो **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय जेएसईएल बिल्डिंग, मालवीय नगर जेएलएन मार्ग-जयपुर 302017** में जमा करना अनिवार्य है एवं इसके पश्चात् वे अपना प्रस्ताव उपरोक्त वर्णित वेबसाइट के माध्यम से ईएमडी के भुगतान साक्ष्य अर्थात बैंक डीडी पावति की स्कैन इमेज सहित दिनांक- **फरवरी 17, 2021** तक **शाम 05.00** बजे से पूर्व जमा करे। कृपया नोट करें कि संभावित बोलीकर्ता (बोलीकर्ताओं) वेबसाइट के माध्यम से उनके प्रस्ताव को जमा कराने में विफल रहने पर वे **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय जेएसईएल बिल्डिंग, मालवीय नगर जेएलएन मार्ग-जयपुर 302017** में निविदा प्रलेखों की हस्तांक्षरित प्रति को दिनांक **फरवरी 17, 2021** को **शाम 05.00** बजे से पूर्व तक जमा करवा सकते हैं । बयाना राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट पे आर्डर किसी भी राष्ट्रीयकृत/ शैडूल्ड बैंक द्वारा **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड** के पक्ष में **भिवाड़ी** शाखा में भुगतान हेतु होना चाहिए।

सम्पति अवलोकन, नीलामी के नियम एवं शर्तो तथा निविदा प्रक्रिया के संदर्भ में स्पष्टीकरण हेतु कृपया **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड** को फोन नंबर **8584874809/7230004964** या मैसर्स **नेक्सजेन साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड** को फोन नंबर **9710029933/ 9810029926/ 01244233933** पर संपर्क करे।

कृपया नोट करें कि मार्केटिंग एजेंसिया **1. नेक्सजेन साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड 2. ओजीओ असेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड** इस सम्पति की बिक्री में सुगमता हेतु सलंग्न है।

प्राधिकृत अधिकारी बिना किसी कारण दर्शाये किसी एक अथवा अधिक निविदा अथवा बोली को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रखते है। बिक्री की विस्तृत नियमो एवं शर्तो हेतु कृपया वेबसाइट **www.icicibank.com/n4p4s** पर संपर्क करे ।

तिथि : जनवरी 16, 2021
स्थान : दिल्ली/ एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 17 जनवरी, 2021

कोविड-19 के खिलाफ एक टीका जिदंगी का

पायनियर लाइव

कोविड-19 टीकाकरण के पहले दिन दिल्ली के अस्पतालों में उत्साह देखा गया है। सुबह से लगी लंबी लाइनें साबित कर रही थी कि अब देश कोरोना के खिलाफ जंग जीतकर ही रहेगा। पायनियर के वरिष्ठ संवाददाता ज़ाहिद अली ने मौके पर जाकर टीकाकरण की प्रक्रिया का जायजा लिया। पेश है उनकी रिपोर्ट...

सुबह 11.30

जीटीबी अस्पताल में रहा बेहतर इंतजाम

जीटीबी अस्पताल पूर्वी दिल्ली के सबसे बड़े अस्पतालों में शुमार है। यहां की कमान अस्पताल के मेडिकल सुप्रीडेंट ने संभाली हुई थी। यहां बेहतर इंतजाम देखने को मिले।

सबसे पहले चार फ्रंटलाइनर डॉक्टरों को टीका लगाया गया। टीकाकरण के बाद डॉ आकांशा ने बताया कि पहले डोज लेने के बाद वह पहले की तरह एकदम सेहतमंद है। वहीं डॉ अंबुज ने बताया कि डाई रन टायल में भी उन्होंने भाग लिया था। वह वैक्सीन के सभी प्रभावों के बारे में जानते है। डॉ. अखिलेश और डॉ. अनुज ने पीएम मोदी और सीएम केजरीवाल को धन्यवाद दिया।

राजीव गांधी अस्पताल : लंबी कतारें दिखीं

सुबह 11 बजे

टीका लगवाने के लिए लगी लंबी लाइन

नई दिल्ली। दिल्ली के कोरोना के टीके की खेप राजीव गांधी अस्पताल में रखी गई थी। यहां से दिल्ली के बाकी अस्पताल में वैक्सीन को भेजा गया। यहां अस्पताल कर्मियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। हालांकि टीकाकरण सुबह करीब 11 बजे शुरू होना था लेकिन नौ बजे से ही यहां लंबी लाइन लग गई। सबसे पहले नर्सिंग स्टाफ ने अस्पताल के नोडल ऑफिसर विकास डोगरा और अनिल जैन को टीका लगाया। परिसर से बाहर आए दोनों डॉक्टरों का आभार जताने के लिए स्टॉफ और आम लोगों ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया।

वैक्सीनेशन की लाइन में लगे दीपक, प्रवेश, सोनिया और सीनेजा (सभी नर्सिंग स्टॉफ) ने बताया कि वो काफी समय से कोरोना मरीजों के इलाज से जुड़ी है। इस बाबत अस्पताल प्रशासन ने उनका नाम पहले सौ मरीजों में रखा। टीके के लेकर उन्हें कोई शंका नहीं है। वहीं सनेजा ने बताया कि उन्हें यह सोचकर अच्छा लगता कि जब कोरोना को लेकर जब लोग डर रहे थे तो वह उनकी सेवा कर रही थी। सोनिया ने बताया कि परिवार टीके को लेकर कुछ शंका में था मगर परिवार भी जनता है कि टीका न केवल कोविड के खिलाफ लड़ेगा साथ ही कोरोना के खिलाफ जंग में उसकी भागेदारी भी रखेगा।

दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान: भावुक हुई डॉक्टर

सुबह 11.45

राजीव गांधी कैंसर अस्पताल में भी डॉक्टर और स्टाफ उत्साह से लबरेज था। यहां सबसे पहले डॉक्टर प्रज्ञा शुक्ला को टीका लगाया गया। कमरे से बाहर आकर डॉ शुक्ला ने बताया कि इंजेक्शन लेने के बाद वह काफी भावुक है। पिछले नौ माह उनके के लिए निराशा भरे थे लेकिन जब से टीका इजाद हुआ जबसे काफी उत्साहित है। वह पहले की तरह की सामान्य महसूस कर रही है। एक अन्य डॉक्टर चांदनी ने बताया कि उन्हें अपने देश के वैज्ञानिकों पर पूरा विश्वास है।

पंचशील अस्पताल: उत्साह में रहा स्टॉफ

दोपहर 12.45

पूर्वी दिल्ली की प्राइवेट अस्पताल में भी टीकाकरण अभियान चला। यहां सबसे पहले स्टाफ को वैक्सीन लगाई गई। अस्पताल ने बताया कि उनके स्टाफ ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। हालांकि यहां कोविड-19 केवल दस बैड ही थे। इस कारण कोविड के इलाज के लिए कुछ स्टाफ ही लगा था। यहां के फॉरमेंसी में काम करने वाले अमित आत्म संतोष से भरे हुए थे। उन्होंने बताया कि कोविड ने उनकी ड्यूटी दवाई देने में लगी थी। उन्होंने टीके को लेकर को शंका नहीं है। वह दूसरी डोज लेने के लिए भी उत्साहित है।

पिछले नौ माह से घर नहीं गए डॉ. विकास डोगरा

राजीव गांधी अस्पताल के डॉ. विकास डोगरा वो नाम है जिन्होंने कोविड काल में नौ माह तक अस्पताल को ही अपना घर बना लिया। सरकार ने उन्हें कोविड के नोडल ऑफिसर बनाया है। वह परिवार से दूर कोरोना मरीजों की देखभाल में लगे रहे। अस्पताल परिसर में बने एक ऑफिस को सोने का कमरा बना लिया है। 14 दिन लगातार ड्यूटी करने के बाद उन्हें 14 दिन कॉरटींन जाना पड़ता है। टीकाकरण होने के बाद भी विकास जज्बे से भरे है। जब उनसे सवाल पूछा गया कि क्या वो परिवार के पास जाकर आराम करेंगे, वे मुसकराकर कर जवाब को टाल गए।

कोरोना जांच केंद्र से लोग गायब

कोविड-19 टीका आने के बाद राजीव गांधी अस्पताल, राज्य कैंसर और जीटीबी अस्पताल में कोरोना जांच कराने वाले गायब मिले। अकसर इनके काउंटरों पर मरीजों की लंबी लाइन देखने को मिलती थी। जांच कर रहे एक पैरा मेडिकल स्टॉफ ने बताया कि शनिवार को केवल वो ही मरीज आए जिनको डॉक्टरों ने जांच की सलाह दी थी। सामान्य रूप से आने वाले आम लोग नदारद ही रहे।

स्वास्थ्य कर्मी को वैक्सीन लगाकर अभियान शुरू

● महामारी के खिलाफ लड़ाई में अग्रिम मोर्चे पर तैनात स्वास्थ्य कर्मियों को सबसे पहले टीके लगे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शनिवार को कोविड-19 टीकाकरण अभियान शुरू हुआ। महामारी के खिलाफ लड़ाई में अग्रिम मोर्चे पर तैनात स्वास्थ्य कर्मियों को सबसे पहले टीके लगाए जा रहे हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में जहां सफाई कर्मी मनीश कुमार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन की उपस्थिति में पहला टीका लगाया गया। एम्स के निदेशक रणदीप गुलेरिया को भी वैक्सीन लगाई गई।

इस दौरान वहां उपस्थित लोगों ने तालियां बजाकर उनकी सराहना की। इसके बाद नीति आयोग के सदस्य वी के पॉल और फिर अन्य डॉक्टर, नर्स व स्वास्थ्य कर्मियों को टीके लगाए गए। इस अवसर पर वहां मौजूद हर्षवर्धन ने कहा कि दोनों टीके भारत बायोटेक का स्वदेशी कोवैक्सीन और ऑक्सफोर्ड एस्ट्राजेनेका का कोविशील्ड इस महामारी के खिलाफ लड़ाई में संजीवनी हैं। दोनों टीके पूरी तरह से सुरक्षित और प्रभावी हैं।

टीका अभियान की शुरुआत के बाद हर्षवर्धन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हमने पोलियो के खिलाफ लड़ाई जीती है और अब हम कोविड के खिलाफ युद्ध जीतने के निर्णायक चरण में पहुंच गए हैं।

इस बीच, दिल्ली सरकार द्वारा संचालित लोकनायक जय प्रकाश नारायण अस्पताल में 48 वर्षीय नर्स बिजी टॉमी को सबसे पहले टीका लगाया गया। टॉमी मूल रूप से केरल की हैं। अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली में टीकाकरण के किसी भी दुष्प्रभाव को देखने के लिए टीकाकरण के बाद हर व्यक्ति को 30 मिनट तक निगरानी में रखा जाएगा। मध्य जिला कार्यक्रम अधिकारी पुनीत जेटली एलएनजेपी में टीका लगवाले वाले दूसरे व्यक्ति थे।

उन्होंने कहा कि मुझे यह टीका लगवाए हुए 30 मिनट हो चुके हैं और मैं बिल्कुल ठीक महसूस कर रहा हूं। एलएनजेपी अस्पताल के प्रशाासन विभाग के अधिकारी नवीन कुमार ने भी टीका लगवाया। उन्होंने भी कहा कि वह टीका लगने के बाद बिल्कुल सामान्य महसूस कर रहे हैं। बीएलके सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, राजेंद्र प्लेस में सबसे पहले अस्पताल के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के प्रमुख संदीप नायर को टीका लगाया गया।

एम्स अस्पताल में पहली डोज लेते मनीष कुमार: फोटो रंजन डिमरी

मनीष और टॉमी ने कहा- कोविड वैक्सीन लगवाने पर गर्व

नई दिल्ली। दिल्ली में कोविड-19 का टीका लगवाने वाले पहले शख्स और एम्स में कार्यरत 34 साल के मशीन ऑपरेटर मनीश कुमार और एलएनजेपी की नर्स बिजी टॉमी ने कहा कि वैक्सीन की सबसे पहले खुराक लेने पर उन्हें गर्व महसूस हो रहा है। मनीश ने कहा कि अधिकारियों ने उनसे पहला टीका लगवाने को कहा क्योंकि इस काम के लिए चुने गए उसके साथियों को टीका लगवाने में डर लग रहा था। कुमार की मां लक्ष्मी रानी भी एम्स में काम करती हैं। उन्होंने कहा कि वह बिल्कुल भी नहीं घबराया, अच्छे से सोया। नजफगढ़ के रहने वाले मनीश कुमार ने कहा कि मुझे पता नहीं था कि मैं टीका लगवाने वाला पहला शख्स हूं। इसके अलावा एलएनजेपी में नर्स टॉमी को पहला टीका दिया गया। उन्होंने कहा कि वह इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनकर बहुत गौरवान्वित और कृतज्ञ महसूस कर रही हैं। हमने अपने जीवन को जोखिम में डालकर मरीजों की सेवा की है। जैसे ही टॉमी टीका लगवाने के 30 मिनट बाद बाहर निकलीं, लोगों ने उनका तालियां बजाकर अभिनंदन किया और बधाई दी।

आरएमएल के डॉक्टर ने मांगी कोविशील्ड

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल के रेजीडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) ने उन्हें ऑक्सफोर्ड द्वारा विकसित कोविड-19 का टीका कोविशील्ड लगाए जाने का शनिवार को चिकित्सा अधीक्षक से अनुरोध किया है।

आरडीए ने चिकित्सा अधीक्षक को लिखे एक पत्र में कहा कि

रेजीडेंट डॉक्टरों को कोवैक्सीन को लेकर कुछ संदेह है और वे लोग बड़ी संख्या में टीकाकरण अभियान में हिस्सा नहीं लेंगे और इस कारण शनिवार से देश में शुरू हुए टीकाकरण अभियान के उद्देश्य की पूर्ति नहीं हो सकेगी।

पत्र में कहा गया है कि हमें पता चला है कि आरएमएल अस्पताल द्वारा कोविड-19 टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। यहां भारत बायोटेक द्वारा निर्मित कोवैक्सीन को सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा निर्मित कोविशील्ड पर प्राथमिकता दी जा रही है।

पहले 3 करोड़ लोगों को लगेगा कोविड-19 टीका: कटारिया

● कोरोना वैक्सीन को विकसित करने को महत्व देकर प्रधानमंत्री सभी के प्रेरणा स्रोत बने

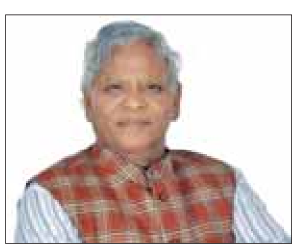

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय जल शक्ति व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रत्नलाल कटारिया ने कहा कि भारत में विश्व के सबसे बड़े कोरोना वैक्सीन टीकाकरण अभियान को प्रारंभ कर एक बार फिर दिखला दिया है कि मोदी है तो मुमकिन है।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा जिन वैज्ञानिक ने कोरोना के इलाज के लिए स्वदेशी वैक्सीन को विकसित किया है, वे सदैव धन्य हैं। प्रधानमंत्री ने कोरोना के इलाज के लिए वैक्सीन को विकसित करने के महत्व को समझा और प्रारंभ से ही वैक्सीन विकसित करने के कार्य को दिशा दी। आज पूरा विश्व भारत की ओर देखता है। कोरोना वैक्सीन को विकसित करने को महत्व देकर प्रधानमंत्री सभी के प्रेरणा स्रोत बने हैं। उनका यह कदम सदैव अनुकरणीय रहेगा।

कोरोना संक्रमण के दौरान थाली-ताली बजाकर देश के नागरिकों ने अपना मनोबल बनाए रखा है। अब कोरोना की वैक्सीन विकसित किए जाने से भारत का विश्व में मान बढ़ा है। टीकाकरण के प्रथम चरण में 3 करोड़ लोगों को टीका लगाया जाएगा। टीकाकरण के दूसरे चरण में लगभग 30 करोड़ लोगों को टीका लगाए जाने का लक्ष्य रहेगा।

अफवाहों पर नहीं दें ध्यान, टीका सुरक्षित: केजरीवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को लोगों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान नहीं दें और विषेशज्ञों की बात सुनें। विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड-19 टीके पूरी तरह सुरक्षित हैं।

केजरीवाल ने लोक नायक जय प्रकाश नारायण (एलएनजेपी) अस्पताल में टीकाकरण अभियान का निरीक्षण किया और टीका लगवा चुके कुछ स्वास्थ्यकर्मियों से बात की। उन्होंने महामारी के खिलाफ लड़ाई में स्वास्थ्यकर्मियों के योगदान की सराहना की। एलएनजेपी अस्पताल में तैनात नर्सिंग अधिकारी आत्मजा प्रियदर्शनी नायक ने मुख्यमंत्री की मौजूदगी में टीका लगवाया।

केजरीवाल ने कहा कि टीके लगने के बाद भी फेस मास्क लगाने की तथा सामाजिक दूरी बनाए रखने की जरूरत है। सरकार ने टीकाकरण अभियान के वास्ते सभी तैयारियां की थीं और षनिवार को राजधानी के 81 केन्द्रों पर लगभग 8,100 लोगों को टीका लगाया जाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टीकाकरण के लिए लोगों के पंजीकरण के लिए एक अलग ऐप की शुरुआत करने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि केन्द्र ने पूरे देश के लिए समान प्रणाली तैयार की है।केजरीवाल ने कहा कि आने वाले दिनों में टीकाकरण केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 175 तक की जाएगी और इसके बाद जैसे-जैसे टीके की उपलब्धता बढ़ती जाएगी, हम एक हजार केन्द्र तक बनाने के लिए तैयार हैं। एलएनजेपी अस्पताल के निदेशक डा. सुरेश कुमार ने कहा कि विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान दिल्ली में एलएनजेपी अस्पताल से शुरू हुआ है।

वैक्सीन लगवाने के बाद स्वास्थ्य कर्मियों को मिली चॉकलेट, केक और जूस

नई दिल्ली। कोविड-19 के खिलाफ भारत के देशव्यापी टीकाकरण अभियान की शुरुआत के पहले दिन यहां एक अस्पताल में टीका लगवाने वाले स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगाए जाने के बाद चॉकलेट, केक और जूस दिए गए और शुरु में थोड़े सहमे कुछ स्वास्थ्य कर्मियों के चेहरे पर इन उपहारों से मुस्कान आ गई। टीका लगाए जाने के बाद गिफ्ट हैंपर पाकर स्वास्थ्य कर्मी खुश हो गए। अस्पताल में कार्डियो सर्जन और नोडल अधिकारी ने बताया कि पहले से गिफ्ट हैंपर की योजना नहीं थी। अचानक यह फैसला हुआ और हमें खुशी है कि इनसे कर्मियों के चेहरों पर मुस्कान आई। हम इस बारे में सोचेंगे कि इसे जारी रखें या नहीं। इस केंद्र पर रोजाना 100 लोगों को टीका लगाया जाएगा। अस्पताल में अपराह्न दो बजे तक 37 स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगाया गया। अप्रैल, 2020 में कोरोना वायरस संक्रमित हो चुकीं नर्स शाहीन रियाजुद्दीन ने कहा, डॉक्टर ने मुझे बताया कि मेरी कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली के कारण मुझे संक्रमण हुआ था। हमारे वरिष्ठों ने हमें टीकाकरण के बारे में बताया और कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है।

राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने आरएमएल में टीकाकरण का जायजा लिया।

कोरोना के खिलाफ निर्णायक लड़ाई: चौबे

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल में टीकाकरण अभियान का जायजा लिया। टीके लगवाने वाले स्वास्थ्य कर्मी एवं अन्य फ्रंटलाइन कोरोना वॉरियर्स से मुलाकात की। उनका अनुभव जाना।

केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री चौबे ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू हो चुका है। कोरोना के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई शुरू हो चुकी है। 16 जनवरी 2021 का दिन भारत के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जिस ढंग से कोरोना बीमारी को नियंत्रित किया गया और निर्णायक लड़ाई की ओर ले जाया गया। इसके लिए उन्हें बधाई देता हूं।

केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री चौबे ने देशवासियों से अपील की कि वे किसी भी अफवाह में ना आए। विपक्षी दलों द्वारा टीके को लेकर जो अफवाह फैलाया जा रहा है। वह ठीक नहीं है। भारत के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत के बाद मेड इन इंडिया वैक्सीन तैयार हुई है।

उन्होंने यह भी कहा कि वैक्सीन पर उंगली उठाने का मतलब भारत के वैज्ञानिकों का अपमान करना है। टीका पूरी तरह सुरक्षित है।

वो खिलखिलाती हंसी और प्यार भरी झिड़की अब नहीं सुनाई देगी

प्रदीप तिवारी। नई दिल्ली

पायनियर का न्यूज रूम अब पहले जैसा नहीं रहेगा। तनाव भरे माहौल में उषा जी की खिलखिलाती हंसी सबको एकदम सहज कर जाती थी। उनका इस तरह जाना सबको रुला गया। उन्होंने कभी बॉस की तरह व्यवहार नहीं किया।

वो एक ऐसी टीम लीडर थीं जो आगे बढ़कर नेतृत्व करती थीं। ऑफिस की दुनिया से आगे वे हम लोगों के परिवार की सदस्य कब बन गई यह पता ही नहीं चला। जितना गमगीन आज हमारे दफ्तर का माहौल है, वैसा ही माहौल आज हमारे घरों में हैं। चाहे वो हमारी अंग्रेजी की टीम हो या हिन्दी की वे समान रूप से सबकी प्रिय थी। ढाई महीने तक बीमारी से लड़ना भी उनके जुझारू स्वभाव का ही एक हिस्सा था। कभी ऐसा लगा ही नहीं हम उनको खो देंगे, लेकिन ईश्वर की कुछ और ही मर्जी थी।

दिल्ली की गलाकाट प्रतिस्पर्धा भी उनके भीतर की बनारसी मासूमियत को नहीं छीन पाई। शायद यही कारण था कि थोड़ी ही देर में वे सबको अपना बना लेती थी।

वे हम साथियों को सहकर्मी नहीं परिवार का सदस्य मानती थीं। हर सुख-दुख में उनका साथ खड़ा होना हमेशा याद रहेगा। कई बार जब हेडिंग को लेकर जद्दोजहद चलती रहती थी तो अचानक वे कोई

उषा जी की फाइल फोटो

जबरदस्त हेडिंग लेकर आ जाती थीं। उनके साथ पूरी टीम एक लय में काम करती थी। उनके जाने के बाद अब एक नए सिरे से हमें शुरुआत करनी होगी। उन्होंने हिन्दी पायनियर का जो बीज रोपा है उसे आगे बढ़ाना है। आपसे बहुत कुछ कहना था लेकिन अब ये बात अब दिल में ही रह जाएंगी। अलविदा उषा जी हम आपको नहीं भुला पाएंगे।

कोहरे से 50 से अधिक उड़ानें लेट सड़क व रेल यातायात भी प्रभावित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी में घना कोहरा होने के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर 50 से अधिक उड़ानों के संचालन में विलंब हुआ। इसके अलावा सड़क यातायात भी बुरी तरह प्रभावित हुआ। रेलवे अधिकारियों के अनुसार करीब 25 ट्रेनें भी लेट हुईं।

भारत मौसम विभाग ने बताया कि राजधानी में शनिवार को बहुत घना कोहरा होने के कारण दृष्यता कम होकर शून्य मीटर पर आ गई।

हवाई अड्डा अधिकारियों ने बताया कि इसका असर उड़ानों पर पड़ा है और 50 से अधिक उड़ाने विलंबित रही है। इस मौसम में यह तीसरा मौका है जब राजधानी में दृष्यता कम होकर शून्य मीटर पर आ गई है। इससे पहले आठ दिसंबर और एक जनवरी को दृष्यता कम होकर शून्य मीटर पर आ गई थी। अधिकारी ने बताया कि बहुत घना कोहरा होने के कारण पालम एवं सफदरजंग में दृश्यता कम होकर शून्य मीटर पर आ गई है। राजधानी में रविवार को भी घना कोहरा छाने का पूर्वानुमान जारी किया गया है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान शनिवार को 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से एक डिग्री कम है।

लोधी रोड मौसम केंद्र में न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। राजधानी के वायु गुणवत्ता सूचकांक में कोई बदलाव नहीं हुआ है और यह लगातार गंभीर श्रेणी में बनी हुआ है। आंकड़ों के अनुसार 24 घंटे का औसत सूचकांक शुक्रवार को 460, बृहस्पतिवार को 429, बुधवार को 354 था।

संक्षिप्त समाचार

सुरक्षा को लेकर पुलिस आयुक्त की बैठक

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस के पहले दिल्ली पुलिस आयुक्त एस एन श्रीवास्तव ने शनिवार को एक समीक्षा बैठक की, जिसमें उन्होंने कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए किसान आंदोलन स्थलों में व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में पुलिस प्रमुख ने आतंकवाद निरोधक उपायों के अलावा जुआ, चोरी और आबकारी तथा स्वापक औषधियों और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियमों के उल्लंघन करने वाले अपराधियों की खिलाफ की गई कार्रवाई की भी जानकारी ली।

टॉयकाथन-2021 आयोजन को लेकर करार

नई दिल्ली। देश में खिलौना निर्माण को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) ने ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन के साथ मिलकर टॉयकाथन-2021 आयोजित करने संबंधी एक करार किया है। कॉमन सर्विस सेंटर के प्रबंध निदेशक डॉ दिनेश त्यागी ने कहा कि टॉयकाथन 2021 के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के स्टार्टअप में क्रिएटिविटी को एक मंच देने और लोगों में उत्साह के साथ ही मनोबल को बढ़ाना भी है। टॉयकाथन, केंद्र सरकार के 6 मंत्रालयों का एक संयुक्त प्रयास है। इसे शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल ने एआईसीटीई के साथ मिलकर शुरू किया है। जिसे महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अलावा वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, लघु-सूक्ष्म-मध्यम मंत्रालय के साथ ही कपड़ा मंत्रालय और सूचना प्रसारण मंत्रालय का भी सहयोग हासिल है।

सांग संस्कृति को बचाना ही मेरा उद्देश्य : विष्णु दत्त

100 साल पहले हरियाणा में पंडित लख्मीचंद ने जिन रागनियों के माध्यम से ना केवल समाज को कई तरह के संदेश दिए, बल्कि आने वाले समय के बारे में भी इन रागनियों में बहुत कुछ कहा गया। उनकी रागनियों में दिए गए संदेशों के मुताबिक आज बहुत कुछ घटित हो भी रहा है। अनपढ़ होते हुए पंडित लख्मीचंद ने लोक कला सांग को जन-जन में लोकप्रिय बनाया। आज उनकी इस कला को उनकी तीसरी पीढ़ी में विरासत के रूप में संभाले हुए उनके पौत्र विष्णु दत्त शर्मा। यहां बस अड्डे के सामने गोशाला में चल रहे सांग उत्सव के दौरान संवाददाता संजय कुमार मेहरा ने उनसे सांग के इतिहास और वर्तमान पर बातें की। पेश है उनसे बातचीत के अंश: -

सवाल: आपकी सांग सीखने में रुचि कैसे हुई ?

जवाब: मैं दादा लख्मीचंद की तीसरी पीढ़ी से हूं। मेरे दादा लख्मीचंद ने वर्ष 1944 तक सांग किया। फिर 15 साल तक उनके शिष्ट पंडित सुल्तान सिंह ने और वर्ष 2008 तक मेरे पिता पंडित तुलेराम ने सांग किया। 2009 से अब तक मैं सांग कर रहा हूं। हमें सांग कला विरासत में मिली है। सांग संस्कृति को बचाना ही मेरा उद्देश्य है।

सवाल: क्या आपकी आगे की पीढ़ी की भी सांग में रुचि है ?

जवाब: हां, बिल्कुल। मेरा बड़ा लड़का चेतन शर्मा भी सांग कर लेता है। वैसे वह रोहतक में फिल्म एंड टेलिविजन संस्थान में एक्टिंग का कोर्स भी कर रहा है। हमारा प्रयास यही है कि चाहे आगे की पीढ़ियां किसी भी क्षेत्र में जाएं, लेकिन सांग के गुण-सूत्र उनमें होने चाहिए।

सवाल: दादा लख्मीचंद की कही कोई विशेष बात, जो आज सार्थक हुई हो ?

जवाब: दादा लख्मीचंद ने 100 साल पहले एक महल का वर्णन अपनी रागनी में किया था। बताया था कि एक बटन दबेगा और रोशनी फैल जाएगी। तब लाइट नहीं थी। आज के समय को कोई सोच भी नहीं सकता था। तब उन्होंने यह रागनी बनाई।

सवाल: सांग में आज भी महिला का किरदार पुरुष निभा रहे हैं, कोई विशेष कारण है क्या ?

जवाब: जी हां, आज के समय में सिर्फ सांग ही बचा है, जहां महिलाओं का किरदार पुरुष निभाते हैं। यह सांग कला की विशेषता है। सांग के प्रति रुचि बढ़ाने को जरूरी नहीं कि उसमें गलैमर हो, सांग अपने आप में ही गलैमर है। पुराने समय के लोग आज भी सांग के मुरीद हैं। वैसे लोग राय भी देते हैं कि महिलाओं को मंच पर लाया जाए, लेकिन सांग कला इसकी इजाजत नहीं देती।

सवाल: आज के समय की रागनियों में फूहड़ता परोसी जा रही है, क्या कहना चाहेंगे ?

जवाब: यह बिल्कुल सच है कि आज के समय रागनियों का स्वरूप बदल गया है। डबल मीनिंग की रागनियां गायी जा रही हैं। यह हमारी भावी पीढ़ी को गलत रास्ते पर ले जा रहा है। हालांकि इसमें सुधार की गुंजाइश है।

सवाल: वेस्टर्न कल्चर में पीढ़ी ज्यादा जा रही है, उसे सांग की तरफ कैसे लाएंगे ?

जवाब: वेस्टर्न कल्चर की तरफ युवा पीढ़ी आकर्षित हो रही है। जैसे ही उनमें मैच्योरिटी आती है तो उन्हें अपनी कल्चर याद आती है। वे दावे के साथ कह सकते हैं कि ग्रामीण अंचल में एक उम्र के बाद लोग सांग, पौराणिक रागनियों को मनोरंजन का सहारा बना रहे हैं।

सवाल: पौराणिक कलाकारों का नाम विलुप्त तो नहीं हो रहा ?

जवाब: मैं इसे विलुप्त नहीं कहूंगा। पुराने कलाकारों की उपेक्षा कहूंगा। देश की आजादी में बलिदान देने वालों को याद किया जाता है। उस समय के कलाकारों ने भी देश में अपनी रागनियों, लोक गीतों के माध्यम से जागृति पैदा की थी। उनको भी उचित सम्मान मिलना चाहिए।

सवाल: युवाओं को अपने संदेश में क्या कहेंगे ?

जवाब: मेरा युवाओं से यही कहना है कि वे पाश्चात्य संस्कृति की तरफ ना भागें। अपनी संस्कृति को जानें। इतिहास को पढ़ेंगे तो पता चलेगा कि हमारी कला और संस्कृति कितनी महत्वपूर्ण है। आज बॉलीवुड भी हमारी संस्कृति, हमारी माटी के योद्धाओं के जीवन पर फिल्में बनाकर अरबों का कारोबार कर रहा है। फिल्में देखने की तरह हमें सांग कला को भी तवज्जो देनी चाहिए।

प्रसिद्ध सांगी पंडित लख्मीचंद की तीसरी पीढ़ी के सांगी उनके पौत्र विष्णु दत्त शर्मा।

दादा लख्मीचंद की सांग कला को आगे बढ़ा रहे विष्णु दत्त

एक उम्र के बाद लोगों को याद आ रही है अपनी यह संस्कृति

संक्षिप्त समाचार

सोहना में फौजियों के लिए 155 यूनिट रक्तदान

सोहना। देश की सीमा पर रहते हुए देशवासियों की रक्षा कर रहे वीर जवानों के लिए रक्तदान शिविर लगाया। जिसमें शहर के समाजसेवियों, छात्र-छात्राओं, शिक्षक, दुकानदार और पुलिस कर्मियों ने रक्तदान किया। शनिवार को शहर की पंजाबी धर्मशाला में सामाजिक संगठनों द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर 155 यूनिट ब्लैड दान किया। एएमसी यूनिट हैडक्वार्टर से आई डॉक्टरों की टीम ने रक्त इक्ट्ठा किया। रक्तदान करने वालों में शहर के दुकानदारों से लेकर पार्षद, समाज सेवी, छात्र-छात्राओं, सेवा निवृत्त सेनानी, अधिवक्ता, पुलिस कर्मी, मजदूर और ठेला चलाने वाले शामिल थे। सोहना सीआईए पांच में तैनात हवलदार विनित जांगड़ा ने बताया कि देश की सीमा पर रहते देशवासियों की रक्षा कर रहे प्रहरियों के आम नागरिकों का भी दायित्व बनता है। देश के जवान की सजगता के लिए हमें भी अपना योगदान देने की जरुरत है। आज जो जोश देखा गया देश के वीर जवानों की हिफाजत के लिए खून दान करने का जोश था।

कोलकाता के कलाकारों ने दिखाया गौड़िया नृत्य

गुरुग्राम। हरियाणा कला परिषद् द्वारा कोरोना महामारी के चलते विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया रहा है। जिसमें हरियाणा प्रदेश के अतिरिक्त अन्य प्रदेशों के कलाकारों की प्रतिभा से रूबरू होने का प्रदेशवासियों को अवसर मिल रहा है। इन कार्यक्रमों से न केवल आमजनमानस का मनोरंजन हो रहा है, अपितु सभी को संस्कृति के विभिन्न आयामों को जानने का अवसर भी मिल रहा है। इसी कड़ी में पश्चिम बंगाल के पारम्परिक नृत्य गौड़िया की प्रस्तुति हरियाणा कला परिषद द्वारा करवाई गई। जिसमें विश्व विख्यात नृत्यांगना डा. महुआ मुखर्जी व साथी कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। साप्ताहिक संध्या का संचालन हरियाणा कला परिषद के मीडिया प्रभारी विकास शर्मा ने किया। कार्यक्रम से पूर्व कला परिषद के निदेशक संजय भसीन ने अपने विचार सांझा करते हुए कहा कि सभी नृत्यों का मूल शास्त्रीय नृत्य हैं। नृत्य साधना में कलाकार अपनी प्रतिभा में निखार लाते हुए जहां एक ओर भारतीय संस्कृति को जन जन तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं वहीं देश को सांस्कृतिक दृष्टि से भी समृद्ध बना रहे हैं। इसी तजऱ पर प्रतिभावान कलाकार डॉ. महुआ मुखर्जी गौड़िया नृत्य को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने में कामयाब रही हैं। डॉ. महुआ मुखर्जी के अनुसार गौड़िया नृत्य उस समय से प्रचलित है, जब बंगाल को गौड़िय के नाम से जाना जाता था। गौड़िया नृत्य की पहचान को कायम रखने के लिए डा. मुखर्जी द्वारा भारत में असंख्य जगहों पर इस नृत्य की प्रस्तुति के साथ साथ एंथेस, अमेरिका, ओकलाहोमा, मैमफिश, सिंगापुर, बांग्लादेश सहित दुनियां के कई देशों में अपनी नृत्य प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी हैं। साप्ताहिक संध्या में पहली प्रस्तुति चण्डी वंदना की रही, जिसमें महिला कलाकारों ने नृत्य के माध्यम से मां चण्डी की आराधना की। इसके बाद सौम्य भौमिक, सुनिष्ठा मण्डल, पूर्णिमा चटर्जी, सुदेशना मजूमदार और पारोनीता बैनर्जी ने रास लीला नृत्य में भगवान कृष्ण और गोपियों को दर्शाया। अगली प्रस्तुति डा. महुआ मुखर्जी की रही, जिसमें बाल कृष्ण की अठखेलियों को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। अयान मुखर्जी और सुदेशना मजूमदार द्वारा प्रस्तुत शिव पार्वती नृत्य ने सभी का मन मोहा। अंतिम प्रस्तुति नवदुर्गा नृत्य की रही, जिसमें महिला कलाकारों ने गौड़िया नृत्य के माध्यम से दुर्गा के नौ रुपों को दिखाया। कार्यक्रम में संगीत अमिताव मुखर्जी का रहा। एक के बाद एक बेहतरीन प्रस्तुति में कलाकारों की प्रतिभा और जोश ने सभी को मदमस्त कर दिया। अंत में मीडिया प्रभारी विकास शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं में परिवार पहचान पत्र जरूरी

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार द्वारा परिवार पहचान पत्र बनाने के कार्य को लेकर शनिवार को सेक्टर-27 स्थित सामुदायिक भवन में अतिरिक्त उपायुक्त प्रशांत पंवार की अध्यक्षता में आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों की बैठक भी बुलाई गई। उन्होंने बताया कि परिवार पहचान पत्र बनाने का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। बैठक में उपस्थित आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों को संबोधित करते हुएअतिरिक्त उपायुक्त प्रशांत पंवार ने कहा कि आज हरियाणा में रहने वाले हर निवासी के लिए पहचान पत्र बनवाना अनिवार्य है। भले ही चाहे निवासी किराए पर हो या स्थायी तौर पर रहता है। पहचान पत्र के माध्यम से सभी सरकारी सुविधाओं का जोड़ा गया है। साथ ही सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए इसका होना आवश्यक है। इसके लिए अब निवासियों को अपने पारिवारिक सदस्यों की केवल मूल जानकारी ही मुहैया करानी है, जिसमें आधार, पैन कार्ड इत्यादि है। इसके लिए क्षेत्रीय पार्षद कार्यालय एवं चिन्हित स्थानों पर कैंप लगाए गए हैं, जहां लोग इन्हें बनवा सकते है। परिवार पहचान पत्र के बिना ड्राईविंग लाइसेंस, गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन, किसी भी प्रकार की पेंशन का लाभ, मैरिज रजिस्ट्रेशन, जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र, सरकारी नौकरियां, संपत्ति की खरीद-फरोख्त व नगर निगम की सुविधा, बिजली मीटर कनेक्शन लेने समेत किसी भी कार्यों को कराना मुश्किल होगा। किसी भी परेशानी या जानकारी के लिए पार्षदों से संपर्क साध सकते है। बैठक में जोन-3 से वार्ड-30 से पार्षद महेश दायमा, वार्ड-31 के पार्षद कुलदीप बोहरा, वार्ड-32 से पार्षद पति अनिल यादव, वार्ड-34 से पार्षद आरएस राठी, जोन-3 के संयुक्त आयुक्त हरिओम अतरी, जोन-4 के संयुक्त आयुक्त प्रदीप अहलावत भी मौजूद रहे।

टीकारण : 600 स्वास्थ्य कर्मियों को लगाई कोरोना की संजीवनी

वजीराबाद पीएचसी में सफाईकर्मी राधा चौधरी बनीं पहली वैक्सीन लगवाने वाली महिला

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोरोना वैक्सीन लगाने की शुरुआत के साथ ही देशभर के स्वास्थ्य केंद्रों में वैक्सीनेशन का कार्य शुरू हुआ। द्रोण नगरी गुरुग्राम में राजकीय विद्यालय वजीराबाद गांव समेत छह स्थानों पर टीकाकरण की शुरुआत की गई। वजीराबाद में पीएचसी की सफाईकर्मी राधा चौधरी वैक्सीन लगवाने वाली पहली महिला रहीं। लोगों में वैक्सीन के प्रति संशय दूर करने के लिए इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. विरेंद्र यादव, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एमपी सिंह ने भी कोरोना वैक्सीन लगवाई।

कोरोना वैक्सीन लगवाने को कई दिनों से की जा रही तैयारियों के बाद शनिवार को आखिरकार संजीवनी के रूप में कोरोना की दवा का वैक्सीनेशन शुरू हो गया। सबसे पहले स्वास्थ्यकर्मियों को यह वैक्सीन लगाने की शुरुआत की गई है। पूर्व में तैयार की गईसूची के अनुसार ही वैक्सीनेशन किया गया। वैक्सीन लगवाने को किसी पर किसी तरह का कोई दबाव नहीं होगा, इस बात को प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग पहले ही कह चुका है। यह सबकी मर्जी पर निर्भर करता है कि वे कोरोना की वैक्सीन लगवाएं या नहीं।

कोरोना वैक्सीनेशन के दौरान मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चंडीगढ़ से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए गुरुग्राम स्थित मेदांता मेडिसिटी में बनाए गए सेंटर पर टीकाकरण की प्रक्रिया देखी। टीका लगवाने वाले स्वास्थ्य कर्मियों को संदेश दिया। उन्होंने कहा कि टीका पूरी तरह से सुरक्षित है। कोरोना लाइलाज बीमारी नहीं है। उन्हें भी हो गई थी। कोई चिंता की बात नहीं।

गुरुग्राम में कोरोना की वैक्सीन लगवाते मेदांता मेडिसिटी के चेयरमैन डॉ. नरेश त्रेहान, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एमपी सिंह, सिविल सर्जन डॉ. विरेंद्र यादव।

वैक्सीनेशन के बाद भी बरतें सावधानी : सीएम

सीएम बोले, वैक्सीन की पहली डोज लगने के 42 दिन बाद व्यक्ति के शरीर में एंटीबॉडीज विकसित होनी शुरू होती हैं। इसलिए मास्क का प्रयोग, एक-दूसरे के बीच 2 गज की दूरी और साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें, सावधानी बरतें। जिसे पहली डोज लगे, वे दूसरी डोज अवश्य लगवाएं। वजीराबाद के राजकीय विद्यालय और मेदांता अस्पताल, दोनों जगहों पर गुरुग्राम के उपायुक्त डॉ. यश गर्ग भी रहे मौजूद। मेदांता मेडिसिटी के चेयरमैन डॉ. नरेश त्रेहान, मेदांता के सह-संस्थापक सुनील सचदेवा और डॉ. सुशीला कटारिया समेत मेदांता की पूरी टीम ने कोरोना का टीका लगवाया।

ब्राह्मण समाज ने जरूरतमंद को दिए वस्त्र

जरूरतमंदों को वस्त्र भेंट करते ब्राह्मण समाज के सदस्य।

गुरुग्राम। ब्राह्मण समाज ने शनिवार को एक दर्जन से भी ज्यादा जगहों पर जरूरतमंद लोगों को कंबल व महिलाओं को साड़ी उपहार स्वरूप दी। ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ नेता टीपी शर्मा ने बताया कि ब्राह्मण समाज ने सदैव दान और ज्ञान देने में विश्वास किया है। उसी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए आज में धर्मपुर, सेक्टर-108, साउथ सिटी वन, सिलोखरा गांव, मियांवाली कालोनी, साइबर सिटी, श्रीराधा-कृष्ण गौशाला सेक्टर-9 आदि स्थानों पर जरूरतमंदों को उपहार दिए गए।

यह सहायता समय-समय पर जरूरतमंद लोगों को उपहार स्वरूप दी जाएगी। जिसमें ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ नेताओं से सलाह मशवरा करके दी जाएगी। ब्राह्मण एकता मंच अध्यक्ष राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित पूर्व इंस्पेक्टर चंद्र प्रकाश भारद्वाज ने कहा कि दान देने से धन दो गुना होता है। यह परंपरा हमारी सदियों से चली आ रही है। मैंने और हमारी टीम ने सेवानिवृत्ति के बाद समाज सेवा में ज्यादा से ज्यादा काम करने का बीड़ा उठाया है। पूर्व पुलिस अधिकारी विजय शर्मा ने कहा कि सर्दियों में जरूरतमंद लोगों को गर्म वस्त्र देना एक पुण्य का कार्य है। यह हमने अपने बुजुर्गों से विरासत में सीखा है। ब्राह्मण समाज ने सदैव दान देने में विश्वास किया है। वह चाहे आशीर्वाद हो या और चीजों से दिया जाने वाला दान हो। ब्राह्मण समाज सदैव आगे रहा है। पूर्व पुलिस अधिकारी लालचंद शर्मा ने कहा कि आज के युग में जरूरतमंद को उसकी जरूरत का सामान मिल जाए तो वह बड़ा ही पुण्य का काम है।

जिले में हुए 12 लाख 32 हजार 58 मतदाता

गुरुग्राम। एक जनवरी 2021 को अर्हता तिथि मानकर फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनर्निरीक्षण का अन्तिम प्रकाशन 15 जनवरी को सम्बन्धित बीएलओ के माध्यम से जिला के सभी मतदान केंद्रों पर कर दिया गया है। सूची के मुताबिक अब तक जिले में 16,701 नए मतदाताओं समेत कुल 12 लाख 32 हजार 58 मतदाता हो गए हैं।

पुनर्निरीक्षण के दौरान पटौदी निर्वाचन क्षेत्र में 4708 नए मतदाता, बादशाहपुर में 4146, गुरुग्राम में 1824 और सोहना में 6023 नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल किये गये हैं। जिला उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी यश गर्ग के मुताबिक अन्तिम प्रकाशन अनुसार जिला गुरुग्राम में कुल 1232058 मतदाता हो गये हैं, जिनमें पटौदी निर्वाचन क्षेत्र में 224236, बादशाहपुर में 403399, गुरुग्राम में 367611 तथा सोहना में 236812 मतदाता हैं। मतदाता अपने क्षेत्र के बीएलओ के पास उपलब्ध वर्तमान मतदाता सूची में अपना नाम नि:शुल्क देख सकते हैं। कोई भी व्यक्ति अधिक जानकारी के लिये निर्वाचन अधिकारी हरियाणा की वेबसाईट पर अपना नाम चेक कर सकते हैं। अधिकारी ने बताया कि मतदाता सूचियों के संक्षिप्त पुनर्निरीक्षण 2021 के दौरान मृतक, स्थाई तौर पर स्थानांतरित मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से विलोपित किये हैं। यदि योग्य व्यक्ति का नाम फोटोयुक्त मतदाता सूची में दर्ज नहीं हैं तो वह अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करवाने के लिए फार्म-6 अवश्य भरें।

फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनर्निरीक्षण का हुआ अंतिम प्रकाशन

जिला जेल में मिले मोबाइल, आठ बंदियों पर केस दर्ज

सोहना। भोंडसी जिला जेल में शुक्रवार को चले तलाशी अभियान में तीन मोबाइल फोन बरामद हुए। जेल अधिकारी की शिकायत पर भोंडसी पुलिस ने आठ बंदियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। भोंडसी जिला जेल के ब्लॉक 8 के भाग ए व बी में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान बी ब्लॉक में एक मोबाइल फोन कैदी आबादी से बरामद हुआ। पूछताछ में उसने बताया कि इसका इस्तेमाल बंदी फरीद, जमालुद्दीन और गौरव उर्फसोनू भी करते थे। यह फोन बंदी राजेश उर्फ राजे का है। राजेश उर्फराजे को फरीद ने मोबाइल फोन लाकर दिया दिया था। दूसरा मोबाइल फोन ब्लॉक 8ए में बंदी मंजीत से बरामद हुआ। मंजीत ने बताया उसके अलावा मोबाइल फोन का उपयोग राशिद व अभिषेक भी करता था। तीसरा मोबाइल फोन ब्लॉक 8ए के बाथरूम बंदी की पेंट की जेब से मिला।

यूपी पॉवर कारपोरेशन लि. पर फर्जीवाड़े व भ्रष्टाचार के आरोप

पायनियर समाचार सेवा। ग्रेटर नोएडा

उत्तर प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड पर एक बिजली उपभोक्ता ने फर्जीवाड़े व भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उपभोक्ता के मुताबिक उनके स्वर्गीय पिता के नाम पर पावर कारपोरेशन ने हजारों रुपये का बकाया बिल भेजा है, जबकि उनके देहांत से पहले ही उनके नाम के बिजली कनेक्शन के बिल का पूरा भुगतान कर दिया गया था।

ग्रेटर नोएडा के गांव दयानतपुर निवासी एवं जेवर विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी युवा नेता मंजीत ठाकुर की ओर से यूपी के ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा को भेजी गई शिकायत में कहा है कि उनके पिता जेवर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक ठाकुर छत्तरपाल सिंह के नाम से बिजली मीटर था। उनके देहांत से पहले ही उनके नाम से लगे बिजली के मीटर का पूरा भुगतान 9 अगस्त 2016 को जेवर बिजली घर के तत्कालीन एसडीओ सजूल कुमार व जेई महेंद्र शर्मा की मौजूदगी में कर दिया गया था। जिसकी पीडी फीस की रसीद की क्रम संख्या-521299 है।

अब चार साल बाद 86799 रुपये का बकाया बिल दिखाकर कारपोरेशन ने 16 जनवरी को भेजा है। मंजीत ठाकुर ने शिकायत में बताया है कि वर्ष 2016 में पूरा भुगतान करने के बाद और ठाकुर छत्तरपाल सिंह के देहांत के बाद उनके आवास का बिजली कनेक्शन उनकी पुत्रवधू बीना देवी के नाम करा दिया गया था। जिसका बिजली बिल हर माह भरा जा रहा है।

भाजपा नेता मंजीत ठाकुर ने ऊर्जा मंत्री को लिखे पत्र में गुहार लगाई है कि यहां की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। उपभोक्ताओं को यह सीधे तौर पर परेशान करने की कार्रवाई है। इसलिए विभाग के संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने बिजली विभाग में घूसखोरी व भ्रष्टाचार की बात कही है। इसे लेकर वे जल्द ही प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य से मुलाकात भी करेंगे।

देहांत के चार साल बाद भेजा 86799 रुपये का बिल

देहांत से पहले ही ठाकुर छत्तरपाल सिंह के नाम से बिजली कनेक्शन का पूरा भुगतान कर दिया था

बस स्टैंड के अंदर नहीं आती हैं रोडवेज बसें

सड़क पर बस देख यात्रियों को लगानी पड़ रही दौड़

एन रोहिल्ला। सोहना

सोहना के सामान्य बस स्टैंड पर सुबह के समय बसें अंदर न आने से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दिन के समय में भी बसें बूथ पर नहीं लगती हैं। जिससे यात्रियों को दौड़-दौड़कर बसें पकड़नी पड़ती हैं। ऐसे में यात्रियों के चोटग्रस्त होने का खतरा बना रहता है।

सोहना के सामान्य बस स्टैंड पर जिला नूंह, पलवल की तरफ से आने वाली हरियाणा रोडवेज की बसें बाहर-बाहर से ही चली जाती हैं। जबकि दिल्ली, गुरुग्राम जाने वाले यात्री स्टैंड परिसर में बसों का इंतजार करते रह जाते हैं। ऐसे में यात्री समय पर अपने गंतव्य पर नहीं पहुंच पाने से परेशान हैं। सुबह के समय दिल्ली और गुरुग्राम के कॉलेज, यूनिवर्सिटी में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं भी शामिल हैं। जिन्हें कॉलेज, यूनिवर्सिटी पहुंचने में देर हो रही है।

सोहना बस स्टैंड परिसर में आने वाली बसें बूथ पर खड़ी नहीं होती है। यात्री स्वयं बसों तक बैठने के लिए दौड़ लगाते है।

क्या कहना है यात्रियों का

सोहना निवासी छात्रा योगिता का कहना है कि वह दिल्ली यूनिवर्सिटी में शिक्षा प्राप्ती के लिए रोजाना सोहना से जाती है। वह और उसकी सहेली रोजाना सुबह 7 बजे सोहना बस स्टैंड पर पहुंच जाती हैं, लेकिन पलवल और नूंह की ओर से आने वाली हरियाणा रोडवेज की बसें अंदर नहीं आती हैं। ऐसे में कोहरा होने पर बसें बस स्टैंड से नजर नहीं आती। राजेश का कहना है कि वह मानेसर एक कंपनी में नौकरी करता है। उसे सुबह 8 बजे गुरुग्राम के लिए बस पकड़नी होती है, लेकिन बसें स्टैंड से बाहर चली जाती हैं। बस स्टैंड प्रभारी सुबह अपनी सीट से नदारद होने के कारण ऐसे अपनी शिकायत भी किसी को दर्ज नहीं करा पा रहे हैं। बस स्टैंड प्रभारी का यहां आने का कोई समय निरधारित नहीं है।

बूथ पर नहीं लगती है

सामान्य बस स्टैंड के अंदर भी हरियाणा रोडवेज की बसें बूथ पर खड़ी नहीं होतीं। जबकि यात्री बूथ पर बस लगने का इंतजार करते रहते हैं। बस परिचालक द्वारा दूर से आवाज लगाई जाती है। जिसे सुनकर यात्री दौड़ पड़ते हैं। जिनमें बच्चे, युवा और वृद्ध यात्री शामिल होते हैं। जिनके दौड़ने पर चोटग्रस्त होने का खतरा बना रहता है। जगबीर का कहना है कि कई बार वृद्ध यात्री चोटिल हुए हैं। महिलाओं और बच्चों को चोटें लगी हैं। बाइक-स्कूटर चालक भी तेजी से निकलते हैं। इस संबंध में बस स्टैंड प्रभारी से सवाल किया गया तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

तीन सट्टेबाजों से 10 हजार रुपये बरामद

सोहना। सट्टाखाई के खिलाफ सीआईए सोहना, सिटी थाना सोहना और भोंडसी थाना पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान में तीन आरोपियों को काबू किया है। पुलिस ने आरोपियों से 10310 रुपये बरामद किए हैं। आरोपियों के खिलाफसिटी थाना सोहना में दो और भोंडसी थाना में एक मामला दर्ज किया गया है। सोहना सिटी थाना से एएसआई प्रहलाद सिंह ने अनाज मंडी में चाय की दुकान पर सट्टाखाई करने वाले इसराइस निवासी वार्ड-17 पठान वाड़ा मोहल्ला को गिरफ्तार किया। उसके पास से 940 रुपये बरामद किए हैं। सीआईए सोहना सीआईए पांच के हवलदार सोनू ने शहर की चुंगी नंबर के निकट शराब के ठेका के पास सट्टाखाई करने वाले सतीश निवासी गोराउपरवार थाना चौबेपुर जिला वाराणसी उत्तर प्रदेश को पकड़ा। उसके पास 4530 रुपये बरामद किए।

मिवी रोम 2 रिव्यू : भारत में बना पहला ब्लूटूथ स्पीकर, बजट रेंज का सबसे बेहतरीन स्पीकर

2000 एमएएच (2000mah) की बैटरी से लैस है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत की जानी-मानी टेक कंपनी मिवी ने बाजार में देश में ही बना ब्लूटूथ स्पीकर मिवी रोम 2 पेश किया है। यह स्पीकर पूरी तरह से देश में ही निर्मित हुआ है और कंपनी ने इसे प्रीमियम लुक दिया है। इसकी सबसे खास बात है एक तो यह वाटर प्रूफ है और यह 2000 एमएएच (2000mah) की बैटरी से लैस है जिससे 24 घंटे बैकअप मिलता है और इसमें शानदार एचडी सटीरियो (Stereo) साउंड के लिए सुपर बास समेत पावरफुल ड्राइवर्स दिए गए हैं। रिव्यू में जानते हैं कि कैसा है यह भारत में बना पहला ब्लूटूथ स्पीकर। मिवी रोम 2 में 5 वॉट का स्पीकर दिया गया है और ब्लूटूथ 5.0 है, जिसकी कनेक्टिविटी रेंज 10 मी है। वहीं, इस स्पीकर को आईपीएक्स (IPX 67) की रेटिंग मिली है जिसका मतलब यह स्पीकर वाटरप्रूफ है। हमने मिवी रोम 2 (Mivi Roam 2) पर पानी का टेस्ट किया और यह उसमें खरा उतरा।

मिवी रोम 2 (MIVI Roam 2) ब्लूटूथ स्पीकर की एक और खास बात इसका प्रीमियम लुक है जो इसे काफी आकर्षक बनाता है। वजन में हल्का होने के कारण इस स्पीकर को आसानी से कहीं भी ले जाया जा सकता है। ट्रेवल करने वालों के लिए यह एक बेहतरीन विकल्प है।

निष्कर्ष : मिवी रोम 2 (MIVI Roam w) अपना प्रभाव पूरी तरह से छोड़ता है। इसकी ऑडियो क्वालिटी बेहतरीन हैं और कनेक्टिविटी भी दमदार है। इसके अलावा स्पीकर में माइक की सुविधा दी गई है, जिसकी मदद से आप फोन पर बात कर सकते हैं। अगर आपको 2,000 रुपये से कम कीमत में ब्लूटूथ स्पीकर खरीदना है तो आप मिवी रोम 2 (MIVI Roam 2) को खरीद सकते हैं। यह स्पीकर बैटरी, डिजाइन, साउंड और कनेक्टिविटी के मामलों में खरा उतारा है। अगर रेटिंग की बात की जाए तो हम इसे 10 में से नौ नंबर देंगे।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार 17 जनवरी, 2021

वैक्सीन के साइडइफैक्ट से बचाएंगी एईएफआई किट : डॉ. मोहित

कविता। फरीदाबाद

जिले में कोवीशील्ड और कोवैक्सीन का टीकाकरण शुरू हो चुका है। जिले में पूरे एहतियात के साथ टीकाकरण किया जा रहा है। लेकिन इसके बावजूद यदि जिले में किए जा रहे टीकाकरण से किसी भी तरह का कोई साइडइफैक्ट या कुछ और समस्या टीकाकरण के बाद सामने आती है, तो उसके लिए सरकार की तरफ से बचाव के लिए एनाफिलैक्सिस किट भी उपलब्ध करवाई गई हैं।

शहर के बीके सिविल अस्पताल में यह किट शनिवार को स्टाफ को उपलब्ध करवा दी गई हैं, ताकि टीकाकरण के बाद किसी भी प्रकार की समस्या हो तो इस किट के माध्यम से किसी के जीवन को बचाया जा सके।

इस किट के बारे में जानकारी देते हुए बीके अस्पताल के कोविड-19 के इंचार्ज डॉ. मोहित अग्रवाल ने बताया कि एईएफआई किट टीकाकरण के बाद होने वाले साइडइफैक्ट से लोगों का बचाव करेंगी। इस किट में दो इंजेक्शन हैं,

एईएफआई कीट देखते डॉ. मोहित और स्टाफ नर्स ज्योति

जिसमें एक हाईड्रोफोटिजोन और दूसरा एडिनली शामिल है। तीन-तीन सिरिंज (एक एमएल की 3 और 5 एमएल की 3 सिरिंज शामिल है), एक फ्लूड की बोतल, आरएल, डी-5 के अलावा मेडिकल टेप, 2 वैंडेज आदि सभी सामान उपलब्ध हैं। ताकि रोगी का इलाज समय पर किया जा सके।

किट पर हैं नोट्स

डॉ. मोहित अग्रवाल ने बताया कि किट पर नोट्स उपलब्ध है, कि किस उम्र के व्यक्ति को कितनी डोज में इस इंजेक्शन को दिया जाना है। वहीं दूसरी तरफ इंजेक्शन की कौन सी सिरिंज का इस्तेमाल करना है। इस सबकी जानकारी किट में उपलब्ध करवाई गई है।

अपातकालीन कक्ष में किट

स्टाफ नर्स ज्योति ने बताया कि अपातकालीन कक्ष में एनाफिलैक्सिस किट को उपलब्ध करवाया गया है। ताकि यहां टीकाकरण के बाद आने वाले मरीजों को तुरंत इसकी सुविधा उपलब्ध करवाई जा सके। उन्होंने बताया कि पहले दिन कोई भी मरीज टीकाकरण के बाद नहीं आया है।

तत्काल उपचार

डॉ. मोहित ने बताया कि एनाफिलैक्सिस किट के माध्यम से अपातकालीन कक्ष में रोगियों को तत्काल उपचार दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह एलर्जी प्रतिक्रिया की गंभीरता को कम करेगा और कुछ हद तक एलर्जी को भी हटा सकता है। अगर एलर्जी उच्च होती है और इसमें मौजूद इंजेक्शन के बाद लक्षण दूर हो जाएंगे।

जिले में मंत्रियों और विधायकों ने की कोरोना टीकाकरण शुरुआत

पहले चरण में हेल्थ वर्करों को दी जा रही वैक्सीन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फोटो : राजेश पुंजानी

आखिर वह समय आ गया, जिसका सभी को ब्रेसबी से इंतजार था। कोरोना पर अंतिम वार के लिए शनिवार को टीकाकरण शुरू हो गया। प्रदेश को कोवीशील्ड की 2 लाख 41 हजार 500 डोज और कोवैक्सीन की 20 हजार डोज मिली हैं। पहले चरण में हेल्थ वर्करों को यह वैक्सीन दी जा रही है। जिले में विभिन्न स्थानों पर इसकी शुरुआत धूमधाम से की गई। जिसमें केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, मंत्री मूलचंद शर्मा, विधायक राजेश नागर, नरेन्द्र गुप्ता, सीमा त्रिखा, जिला उपायुक्त यशपाल यादव और सीएमओ रणदीप सिंह पूनिया के अलावा अन्य स्वास्थ्य कर्मी मुख्य रूप से मौजूद रहे। पहली डोज सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर स्टाफ को लगाई गई।

पहला केंद्र: सेक्टर-30 में स्थित प्रथम रेफलर सेंटर में केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने शनिवार को कोविड-19 के संक्रमण से बचाव के लिए बनाए गए वैक्सीनेशन सेंटर से वैक्सीन लगाने की विधिवत शुरुआत की। उन्होंने देश और प्रदेश वासियों को सम्बोधित करते हुए वैक्सीन लगाने के कार्य के शुभारंभ होने की शुभकामनाएं और बधाई दी। उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना के संक्रमण से पूरे विश्व की मनुष्य जाति प्रभावित हो रही। जिसे देखते हुए टीकाकरण शुरू किया गया है।

इस मौके पर विधायक सीमा त्रिखा, विधायक नरेंद्र गुप्ता, उपायुक्त यशपाल, आईएमए से डॉ. पुनीता हसीजा और सीएमओ डॉक्टर रणदीप पूनिया, डॉ. जयंत आहुजा सहित एफआरयू सेंटर का पूरा स्टाफ उपस्थित था।

दूसरा केंद्र: एफआरयू दो सेक्टर-3 में हरियाणा के परिवहन एवं खनन विभाग के कैबिनेट मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा ने कोविड-19 महामारी से बचाने के लिए वैक्सीन लगाने के कार्य का शुभारंभ किया। मंत्री मूलचन्द शर्मा ने टीकारण कार्यक्रम का रिबन काटकर शुभारंभ किया। इस केन्द्र पर सबसे पहला टीका सफाई कर्मचारी माया को लगाया गया है। माया ने बताया कि यह टीका सामान्य टीके की तरह ही है। इस मौके पर डॉक्टर गजराज सहित एफआरयू सेंटर का पूरा स्टाफ मौजूद रहा। उन्होंने कहा कि लोगो को इससे डरने की जरूरत नही है।

तीसरा केंद्र: तिगांव स्थित स्वास्थ्य केन्द्र पर वहां के विधायक राजेश नागर ने वैक्सीन की शुरुआत की। तिगांव में पहला टीका आंगनबाड़ी हेल्पर विमला देवी को लगाया गया। यहां आशा वर्कर्स ने गीत गाकर अभियान की शुरुआत की। नागर ने कहा कि प्रथम चरण में कोविड-19 से बचाने के लिए सबसे पहले सरकारी और प्राइवेट स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को वैक्सीन लगाई जाएगी।

दूसरे चरण में पुलिस विभाग, होमगार्ड और कोविड बचाने के लिए फ्रंट लाईन में कार्य कर रहे अधिकारियों और कर्मचारियों को, तीसरे चरण में 50 साल से अधिक आयु के उन लोगों को जो किसी भी बीमारी से ग्रस्त है तथा चौथे चरण में 50 से कम आयु के उन लोगों को लगाई जाएगी जो अन्य बीमारियों से ग्रस्त है।

पहले दिन 508 लोगों को लगा टीका

उपायुक्त यशपाल ने बताया कि फरीदाबाद में पहले दिन 491 लोगों को कोविड-19 के टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया था और 508 का टीकाकरण किया गया। पहले दिन 5 केंद्रों पर टीकाकरण किया गया।

हर परिवार का सम्मान होती हैं बेटियां : त्रिखा

गरीब लोगों की मदद के लिए आगे आएं : नरेंद्र गुप्ता

कन्यादान से बडा कोई दान नहीं : ललित नागर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सामाजिक संस्था माता कैलाशो देवी मैमोरियल ट्रस्ट के वार्षिकोत्सव एवं संस्थान अशोक स्वीटस एंड रेस्टोरेंट के 37वीं वर्षगांठ के तत्वावधान में समाजसेवी अशोक जिंदल अशोका स्वीटस रेस्टोरेंट परिसर में गरीब कन्या की शादी का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षणिक, धार्मिक संस्थाओं के सदस्य एवं शहर के गण्यमान्य लोगों ने हिस्सा लेकर नव दंपति के सुखद जीवन की कामना की।

बड़खल विधानसभा क्षेत्र की विधायक सीमा त्रिखा ने कहा कि ऐसे पुण्य कार्य करने से समाज को भी एक सीख मिलती है और सामाजिक संस्थाएं ऐसे पुनीत कार्यों में अपनी शक्ति का प्रदर्शन करें ताकि जरूरतमंद लोगों की मदद हो सके। उन्होंने कहा कि देश में बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ का अभियान तेजी से चल रहा है, क्योंकि बेटी एक नहीं दो परिवारों का सम्मान बढ़ाती है। इस अवसर पर बेटी का कन्यादान

कर हमें पुण्य का लाभ मिलता है। विधायक नरेंद्र गुप्ता ने कहा कि अशोक जिंदल के नेतृत्व में चल रहे विभिन्न प्रकार के सामाजिक कार्यों की श्रृंखला बहुत लंबी है और यह शादी इसका एक उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा किए जा रहे गरीबों को वस्त्र वितरण, पक्षियों को दाना, स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन जैसे पुण्य कार्यों में संलग्न ट्रस्ट के सभी सदस्य बधाई के पात्र है। पूर्व विधायक ललित नागर ने कहा कि कन्यादान से बड़ा कोई दान नहीं है जिंदल परिवार ने जिस तरह कन्या का विवाह कर समाज के लिए उदाहरण पेश किया है उसी तरह हमारा भी कर्तव्य बनता है कि हम लोग मजबूर और गरीब लोगों की मदद के लिए आगे आए। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव अजय गौड़ ने कहा कि संस्थान की 37वीं वर्षगांठ के अवसर पर गरीब कन्या का विवाह कर जिंदल परिवार ने पुनीत का कार्य किया है। विजय प्रताप सिंह, अनीता शर्मा, सुरेंद्र बबली, कुलदीप सिंह साहनी, टोनी पहलवान, रविंद्र मंगला, राजेंद्र कुमार, सीपी कटारिया, रणबीर चंदीला, रमेश मंगला, राधेश्यामश्याम, ग्यासीराम शर्मा, निशांत जिंदल, राजेंद्र जिंदल, के.के. मित्तल, सहित सैंकडों गण्यमान्य लोगों ने विवाह समारोह में शिरकत कर नवदंपति को अपना आशीर्वाद दिया।

अर्थ सेवियर फाउंडेशन को दी खाद्य सामग्री व आर्थिक मदद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मानव कल्याण, जीव-जन्तुओं एवं पर्यावरण के उत्थान को समर्पित अर्थ सेवियर फाउंडेशन संस्था द्वारा बंधवाड़ी गांव के साथ-साथ अब मंडावर गांव में स्थापित अपने नए आश्रम में शनिवार को पंजाबी सेवा समिति बल्लभगढ़ के प्रधान प्रेम खट्टर, महासचिव ज्योति भाई, और फरीदाबाद एस्टेट एजेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव गुरमीत सिंह देओल, संजय विरमानी, बिट्टू पंजाबी, वेद प्रकाश छाबड़ा, ग्रोवर और कथूरिया आदि ने मिलकर वहां रह रहे मंदबुद्धि, बेसहारा, विकलांग लोगों को मिष्ठान सामग्री, बिस्किट के पैकेट, रसोई घर में भोजन आदि के लिए सूखा राशन 3 बोरी आटा, 7 कट्टे चावल, चीनी और गर्म कपड़े भेंट किये।

साथ-साथ एक लाख एक हजार रुपये सहयोग राशि के रूप में भी भेंट

की। संस्था के संस्थापक रवि कालरा ने नवनिर्मित आश्रम जो अभी 4 एकड़ में अस्थाई रूप से चल रहा है। और भविष्य में यहां 9 मंजिला स्थाई पक्का निर्माण करवाकर लगभग 2000 आश्रितों के लिए स्थाई व्यवस्था की जाएगी।

आए हुए प्रतिनिधि मंडल ने उनके जन्म दिवस की पूर्व संध्या पर उन्हें एक गुलदस्ता भेंट किया और भविष्य में आश्रम की जरूरतों के लिए सदैव तन-मन-धन से सहयोग करने का आश्वासन भी दिया।

गैस की पाइप लाइन फटी

फरीदाबाद। सेक्टर 16 ए श्री सनातन धर्म मंदिर के निकट शनिवार को गैस कनेक्शन के लिए बिछाई गई पाइप लाइफ फट गई। गैस की पाइप लाइन फटने के पीछे जियो कंपनी की तरफ से लाइन बिछाने के लिए खुदाई के चलते लाइन फटने का मुख्य कारण रहा। जहां पर काफी देर तक गैस लीकेज होती रही। गैस की दुर्गंध से एरिया के लोगों में दहशत का महौल रहा। जिसकी सूचना संबंधित अधिकारियों के साथ फायर ब्रिगेड को दी गई। इस दौरान फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी मौके पर पहुंची। सेक्टर-16 ए आरडब्ल्यूए प्रधान संत गोपाल गुप्ता व वीरेंद्र गौड ने बताया कि शनिवार को पीएनजी की पाइप लाइन फट गई। अफसरों को सूचना देने के बाद पाइप लाइन बंद कराई गई, लेकिन इस बीच आसपास के इलाके में लोग दहशत में डूबे रहे। करीब 4 घंटे तक मरम्मत के बाद पाइप लाइन को दुरुस्त कर दोबारा सप्लाई शुरू की गई।

ग्राम चौकीदारों के समर्थन में करेंगे प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन सीटू की सचिव मंडल की बसेलवा कॉलोनी स्थित यूनियन कार्यालय में हुई बैठक में आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में लिए निर्णय के अनुसार फरीदाबाद जिले के 24 गांव को नगर निगम में समायोजित करने से ग्रामीण चौकीदारों की सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। इनकी सेवा सुरक्षा की मांग को लेकर केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर के निवास पर ग्रामीण चौकीदार यूनियन के सैकड़ों सदस्य रविवार को प्रदर्शन करते हुए मांगों का ज्ञापन सौंपेंगे।

यह जानकारी सीटू के जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने दी। 18 जनवरी को डीसी ऑफिस में महिला किसान दिवस का आयोजन किया जाएगा। आयोजन में आशा वर्कर, आंगनबाड़ी वर्कर, मिड डे

मील, सहित मदर ग्रुप समिति की सभी महिलाएं भाग लेंगी। इसके बाद 23 जनवरी को सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष में एक सेमिनार का आयोजन सेक्टर 12 ओपन एयर थिएटर में किया जाएगा। महान क्रांतिकारी सुभाष चंद्र बोस ने देश की आजादी के लिए आजाद हिंद फौज की स्थापना की थी। वह महान स्वतंत्रता सेनानी थे।

बैठक में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के दिन देश के किसानों के आंदोलन के समर्थन में बाइक रैली निकाली जाएगी। यह रैली चावला कॉलोनी चौक से सोहना रोड होते हुए सेक्टर 24 और 25 के औद्योगिक क्षेत्र से होकर हार्डवेयर चौक पर समाप्त की जाएगी।

मोस्ट वांटेड मनोज मंगरिया का साथी गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच 30 प्रभारी इंस्पेक्टर विमल की टीम ने गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर धौज थाना क्षेत्र से आरोपी सुंदर को स्विफ्ट गाड़ी में अवैध पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक देसी पिस्तौल व एक कारतूस बरामद किया गया।

आरोपी के खिलाफ थाना धौज में अवैध हथियार रखने के जुर्म के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी सुंदर पुत्र राजन, मांगरिया गांव का रहने वाला है और मोस्टवांटेड अपराधी मनोज मांगरिया का साथी है। मनोज मंगरिया ने ही आरोपी को अपने परिवार की सुरक्षा के लिए कट्टा उपलब्ध कराया था। आरोपी के अनुसार वह इसके अलावा अन्य किसी प्रकार की वारदात में शामिल नहीं है। आरोपी का भाई अशोक उर्फ पाटिल इससे पहले ही मनोज भाटी हत्याकांड में जेल में सजा काट रहा है।

मानव तस्करी रोकने को व्यापक जांच जरूरी

मानव तस्करी के लिए आजकल अपनाए जा रहे हैं नए-नए तरीके

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दीपक गुप्ता के दिशा निर्देशानुसार एवं मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की देखरेख में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद ने शक्ति वाहिनी एनजीओ के साथ मिलकर सेक्टर 12 स्थित न्यायिक परिसर में शनिवार को एक कार्यशाला का आयोजन मानव तस्करी को लेकर किया गया।

कार्यशाला में जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक गुप्ता ने कहा कि नशीली दवाओं और हथियारों के कारोबार के बाद मानव तस्करी बुनियादी मानव अधिकारों का उल्लघंन करने वाला तीसरा सबसे बड़ा संगठित अपराध है मानव तस्करी। भारत की मुख्य समस्याओं में से एक है मानव तस्करी यानी लोगों का लेना-देना या लोगों को एक जगह से दूसरी जगह ट्रांसफर करना उन्हें कुछ समय के लिए डरा धमका कर रखना उसे हम मानव तस्करी कहते हैं। मानव तस्करी बहुत कारणों से होती है लेकिन 90 प्रतिशत मानव तस्करी सेक्स के लिए या कमर्शियल सेक्स के लिए या पोर्नोग्राफी के लिए होती है। कई बार देखा गया है कि एक राज्य से दूसरे राज्य में भेज कर या तो उसे जबरदस्ती शादी कर ली जाती है या डॉमेस्टिक वर्कर के नाम पर उन्हें प्रताड़ित किया जाता है। छोटे-छोटे गांव से मानव तस्कर एजेंट बच्चों को खरीद कर बड़े शहरों में बेच देते हैं और इस मानव तस्करी में 90 प्रतिशत छोटे बच्चे बच्चियां है।

दीपक गुप्ता ने कहा कि मानव तस्करी एक बड़ा सर्कल है और सभी स्टेकहोल्डरओं को मिलकर आगे आना होगा तभी हम इसको किसी हद तक रोक सकते हैं। शक्ति वाहिनी के प्रेसिडेंट रवि कांत ने लोगों को बताया कि मानव तस्करी के लिए आजकल नए-नए तरीक अपनाए जा रहे हैं। ऑनलाइन सिस्टम के द्वारा भी मानव तस्करी को बढ़ावा मिल रहा है और कहा कि मानव तस्करी पीड़ित व्यक्ति को पूरे जहन से प्रताड़ित करता है। उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस को इसके लिए मानव तस्करी केस में डिटेल्स इंवेस्टीगेशन करनी चाहिए। बताया कि मानव तस्करी के बारे में पहले कोई विशेष कानून नहीं था लेकिन अब आईपीसी में सेक्शन 370 जोड़ा गया है जो कि मानव तस्करी से संबंधित लिप्त व्यक्तियों को 7 साल से 10 साल तक की सजा के कानून की बात करता है।

कार्यशाला में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश राजेश गर्ग ने भी लोगों का मार्गदर्शन किया। मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने हरियाणा विक्टिम कंपनसेशन स्कीम 2013 के बारे में संपूर्ण रूप से जानकारी दी और उपस्थित लोगों को बताया कि किस प्रकार एक रेप विक्टिम मानव तस्करी से पीड़ित एसिड अटैक विक्टिम या अन्य पीड़ित इस स्कीम के तहत मुआवजा ले सकता है। इस कार्यशाला में जुडिशल ऑफिसर एडवोकेट्स पुलिस ऑफिशल्स पैरा लीगल वालंटियर चाइल्ड हेल्पलाइन चाइल्ड वेलफेयर कमिटी व अन्य संस्थाओं के रिप्रेजेंटेटिव भी मौजूद थे।

कोरोना : 21 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 46017

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के लगातार मामले सामने आ रहे है। शनिवार को 21 मरीज सामने आए। जिससे जिले में कोविड-19 का आंकड़ा 46017 पर पहुंच गया। वहीं दूसरी तरफ जिले में राहत की बात यह रही कि जिले में 15 मरीजों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 98.5 प्रतिशत पर पहुंच गया।

यहां से पॉजिटिव

21 पॉजिटिव में सेक्टर-28 (1), सेक्टर-16 (2), सेक्टर-17 (1), झाडसेंतली (1), सेक्टर-21 (3), एनएच-3 (1), नीमका जेल (1), सेक्टर-7 (1), जवाहर कालोनी (1), सेक्टर-9 (1), सेक्टर-35 (1), आर्या नगर (1), कृष्णा कालोनी (1), सूर्या बिहार (1), मौर्या पार्क (1), अन्य एरियों से दो मरीज शामिल है।

ये हैं आंकड़े

अब तक कुल जांच	: 481087
अब तक पॉजिटिव	: 46017
अब तक नेगेटिव	: 433820
रिपोर्ट आनी शेष	: 1250
ऑक्सीजन पर	: 7
वैंटीलेटर पर	: 2
अब तक मौत	: 410
अब तक ठीक	: 45322

संक्षिप्त समाचार

मंगला आरडब्ल्युए के प्रधान चुने गए

फरीदाबाद। समाजसेवी रविंद्र मंगला स्वामी दयानंद एनक्लेव सेक्टर-16 आरडब्ल्यूए के सर्वसम्मति से प्रधान चुने गए। इस मौके पर सरबत दा भला चैरिटेबल ट्रस्ट के सभी सेवादारों ने रविंद्र मंगला को प्रधान बनने पर अपनी ओर से हार्दिक मुबारकबाद दी। इस अवसर पर मंगला ने कहा कि सेक्टर वासियों ने उनको जो जिम्मेदारी सौंपी उसको वे पूरी ईमानदारी से निभाएंगे। उन्होंने कहा कि वे आरडब्यूए के विकास के लिए पूरी तरह समर्पित होकर कार्य करेंगे तथा यहां के निवासियों को शिकायत का कोई मौका नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि वे अपनी टीम के साथ आरडब्ल्यूए की समस्याओं को लेकर प्रशासन से शीघ्र मुलाकात करेंगे ताकि यहां नागरिकों को किसी भी प्रकार की कोई कठिनाई न रहे। उन्होंने उपस्थित सभी गणमान्य जनों का प्रधान मंगला ने धन्यवाद व्यक्त किया। रविंद्र मंगला के सर्वसम्मति से प्रधान बनने पर सरबत दा भला चैरिटेबल ट्रस्ट के सेवादारों जीवन छाबड़ा, टोनी पहलवान, कुलदीप सिंह साहनी, अनिल अरोड़ा, सुरेंद्र सांगा, प्रिया शाह, शिव गुप्ता, राजू बेदी, संजय खंडेलवाल एवं अन्य गणमान्य लोगों ने रविंद्र मंगला को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर मुबारकबाद दी।

प्रतियोगिताओं के मध्यम से दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

फरीदाबाद। एनएच-तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एन एच तीन फरीदाबाद में जूनियर रेडक्रॉस, सैंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड और गाइडस ने मिलकर प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। प्राचार्य मनचन्दा ने कहा कि बालिकाओं ने निबंध और पेटिंग प्रतियोगिता में भागीदारी कर सुरक्षित चले और सुरक्षित रहें का संदेश दिया। सड़क सुरक्षा में घायलों की मदद, प्राथमिक चिकित्सा के जरिए उनकी जीवन रक्षा करने का प्रशिक्षण, नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर जैसी गतिविधियां भी इस दौरान आयोजित की जाती हैं एवं विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सड़क सुरक्षा का महत्व बताया जाता है। उन्होंने बताया कि हेलमेट-सीटबेल्ट, ओवर स्पीडिंग, नाबालिग द्वारा वाहन चालन, फिटनेस, परमिट, प्रदूषण जांच, प्रेशर हॉर्न, मल्टी ट्यून हॉर्न, हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट आदि विशेष जांच अभियान का आयोजन जिला स्तर पर किया जाता है। मनचन्दा ने प्राध्यापिका जसनीत कौर, आशा वर्मा और शीटू एवं जूनियर रेडक्रॉस, गाइडस और सैंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड सदस्य छात्राओं शीतल, अंजलि, नेहा, ताबिंदा, निशा, गायत्री, सोनी, पूनम, शिवानी और मानसी ने निबंध लेखन और पेटिंग कर सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने की प्रार्थना की ताकि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली बहुमूल्य जिंदगियों को बचाया जा सके।

मंडल स्तर पर कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण सत्र शुरू

फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी जिला फरीदाबाद की तिगांव व पृथला विधानसभा क्षेत्र के सात मंडलों में मंडल स्तर पर कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण वर्ग शुरू हुआ। स्वागत सत्र के साथ सुबह 10.30 बजे प्रशिक्षण वर्ग की शुरुआत हुई। उद्घाटन सत्र में केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, वरिष्ठ बुद्धिजीवी गंगा शंकर मिश्र, लोकसभा निगरानी कमेटी के अध्यक्ष ओमप्रकाश रक्षवाल, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष सुखबीर मलेरना, जिला उपाध्यक्ष बिजेन्द्र नेहरा ने मुख्य वक्ता के तौर पर अलग-अलग विषय पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया। अन्य सत्रों में प्रदेश महामंत्री संदीप जोशी, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार अजय गौड़, वरिष्ठ भाजपा नेता सोहनपाल सिंह, चेयरमेन हुकम सिंह भाटी, जिला महामंत्री आर एन सिंह, जिला उपाध्यक्ष बिजेंद्र नेहरा, जिला मीडिया प्रभारी विनोद गुप्ता, जिला सचिव भारती भाकुनी, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष लाजर रणजीत सेन, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्षा राजबाला सरधाना, जिला प्रशिक्षण प्रमुख प्रवीण चौधरी ने अखिल भारतीय मंडल प्रशिक्षण योजना के तहत फरीदाबाद के इन 7 मंडलों के प्रशिक्षण वर्ग में वक्ता के तौर पर कार्यकर्ताओं को अलग अलग विषयों में प्रशिक्षित किया। जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा जी की अध्यक्षता में इन सभी प्रशिक्षण शिविरों की रूप-रेखा जिला महामंत्री मूलचन्द मित्तल, आरएन सिंह व जिला प्रशिक्षण प्रमुख प्रवीण चौधरी ने तैयार की एवं मंडलों के प्रशिक्षण शिविरों की व्यवस्था व रचना मंडल प्रभारियों मदन पुजारा, नरेंद्र पहलवान, राज कुमार वोहरा, रविंद्र त्यागी और मुकेश शर्मा व मंडल अध्यक्षों विरेंद्र यादव, विवेक मिश्रा, ज्ञानेंद्र नागर, गजराज कौशिक व भूपेन्द्र रावत ने मिलकर की।

पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने को हमें जुड़ना होगा : प्रो. वीरेंद्र

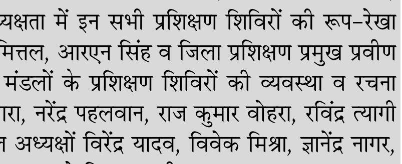

फरीदाबाद। वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग और पर्यावरण विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सिविल इंजीनियरिंग और पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में उन्नत तकनीकों पर आयोजित दो दिवसीय आनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न हो गया। इस सम्मेलन शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों, औद्योगिक विशेषज्ञों और विद्यार्थियों सहित देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सम्मेलन के समापन सत्र में उन्नात भारत अभियान के राष्ट्रीय समन्वयक तथा ग्रामीण विकास और प्रौद्योगिकी केंद्र, आईआईटी, दिल्ली से प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार विजय मुख्य अतिथि रहे। सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। निर्माण उद्योग विकास परिषद के वरिष्ठ सलाहकार बीआर चौहान विशिष्ट अतिथि रहे। इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. वीरेंद्र कुमार विजय ने देश में विकास के साथ बढ़त जल एवं भूमि प्रदूषण के बारे में चिंता जताई। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि पर्यावरण के बारे में किताबी ज्ञान पर्यावरणीय चिंता को दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके लिए संस्कृति और दर्शन को बदलना होगा।

नशीले पदार्थों के साथ तस्कर गिरफ्तार

फरीदाबाद। थाना सेक्टर 58 प्रभारी इंस्पेक्टर अनिल व उनकी टीम ने गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर आरोपी रामविलास को अवैध नशा तस्करी करने के जुर्म में सेक्टर 58 के ट्रांसपोर्ट नगर एरिये से गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 50 ग्राम गांजा, 50 ग्राम अफीम व 440 ग्राम भुक्की बरामद की गई है। आरोपी के खिलाफ थाना सेक्टर 58 में एनडीपीएस की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अनिल को गुप्त सूत्रों से सूचना मिली थी कि आरोपी नशे की अवैध तस्करी करता है जिसकी वजह से दूसरे लोगों को इसकी लत लग जाती है और उन्हें आर्थिक के साथ-साथ शारीरिक नुकसान भी पहुंचता है। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी ने आरोपी को पकड़ने के लिए टीम गठित की और मौके पर आरोपी को अवैध नशे के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी सेक्टर 58 के ट्रांसपोर्ट नगर में एक ढाबा चलाता है। क्योंकि ट्रांसपोर्ट नगर में दूसरे राज्यों से ट्रक आते रहते हैं तो वह उन्ही के माध्यम से अवैध नशा मंगवाता है। आरोपी पिछले 2 साल से या ढाबा चला रहा था और उसकी आड़ में नशे का अवैध व्यापार कर रहा था। आरोपी रामविलास उर्फ़ अनिल पुत्र रामचरण सेक्टर 58 के ट्रांसपोर्ट नगर का रहने वाला है जिसे अदालत में पेश करके जेल भेज दिया गया है।

नहीं हो पाई ट्रंप की सम्मानजनक विदाई

दूसरे महाभियोग का कलंक डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपतित्व का उपयुक्त अंतिम परिणाम है। यदि वो सम्मानित अथवा बेहतर समझ वाले व्यक्ति होते तो शांतिपूर्ण तरीके से पद त्याग देते।

देवेंद्र सिंह असवाल
(लेखक लोकसभा के पूर्व अपर सचिव हैं।

एक ऐतिहासिक निर्णय के तहत, अमेरिकी प्रतिनिधियों के सदन ने कैपिटल हिल पर हाल ही में हुए हमले को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर महाभियोग की प्रक्रिया प्रारम्भ की थी, और यह निर्णय देश के इतिहास में अभूतपूर्व है। सदन ने एक प्रस्ताव पेश कर उपराष्ट्रपति माइक पेंस से आग्रह किया है कि वो राष्ट्रपति ट्रंप को पदच्युत करने के लिए 25वें संशोधन का प्रयोग करें। प्रस्ताव, जिसमें पेंस को 25 संशोधन को सक्रिय बनाने के लिए कैबिनेट को परियोजित करने का आह्वान किया गया है, के पक्ष में 223 और विरोध में 205 वोट पड़े। मतदान मुख्यत: पार्टी की तर्ज पर हुआ जिसमें एक रिपब्लिकन ने प्रस्ताव के पक्ष में मत दिया और अन्य पांच अनुपस्थित रहे।

25 वें संशोधन को राष्ट्रपति जान एफ केनेडी की हत्या के चलते 50 वर्ष से अधिक समय पूर्व अपनाया गया था, जो राष्ट्रपति के सेवा प्रदान करने के अयोग्य होने की स्थिति में उसके उत्तराधिकार हेतु व्यवस्था प्रदान करता है। संशोधन के अंतर्गत, उपराष्ट्रपति तथा अधिसंख्य कैबिनेट अथवा कांग्रेस द्वारा निर्धारित कोई अन्य निकाय राष्ट्रपति को पद से हटा सकता है।

बुधवार का प्रस्ताव माइक पेंस द्वारा सदन स्पीकर नैंसी पेलोसी को पत्र लिखे जाने के बाद आया जिसमें उन्होंने कहा है कि वो 25वें संशोधन का प्रयोग नहीं करेंगे। पूर्व में, सदन की न्यायिक समिति के अध्यक्ष जेरोल्ड नैडलर ने ट्रंप पर महाभियोग के लिए बहुमत से स्टाफ रिपोर्ट जारी की। 50 पृष्ठों की रिपोर्ट में रिपब्लिकन राष्ट्रपति पर महाभियोग हेतु एक मजबूत आधार निर्मित हुआ है। ऐसे समय पर, रिपब्लिकन सीनेटर मिट रोमनी द्वारा जारी की गई चेतावनियों को याद कर सकते हैं। मार्च 2016 में राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने आगाह किया था कि ट्रंप ऐसे व्यक्ति हैं जिनका न तो राष्ट्रपति बनने योग्य स्वभाव है न ही विवेक।

जॉन मैक्केन और लिंडसे ग्राहम सरीखे अन्य वरिष्ठ सीनेटरों ने भी ट्रंप के राष्ट्रपति बनने को लेकर चेताया था। प्रचार के दौरान, ट्रंप ने धमकी दी थी : ''यदि मैं राष्ट्रपति बन जाता हूं तो मीडिया को समस्या होगी।'' उन्होंने मीडिया को लोगों के सर्वाधिक बेईमान समूह की संज्ञा दी थी। फरवरी 2017 को किए गए ट्वीट में, ट्रंप ने, मीडिया को अमेरिकी जनता का दुश्मन बताया था, तब आलोचकों ने उस शब्द का संज्ञान लिया था, जिसे माओ जेदांग और स्टालिन द्वारा प्रयोग किया जाता था। यह सुनिश्चित करने के लिए, कि राष्ट्रपति के पद पर ऐसे लोग आसीन न होने पाएं जिनमें साजिश करने एवं लोकप्रियता के तुच्छ कृत्यों को अंजाम देने की प्रवृत्ति होती है, अमेरिकी संविधान निर्माताओं ने एक जटिल निर्वाचन कार्य प्रणाली स्थापित की थी, यह खीझ पैदा करने वाली बात है कि ट्रंप देश के 45वें राष्ट्रपति बन गए।

कैपिटल हिल पर पर 6 जनवरी को ट्रंप के दंगाई समर्थकों द्वारा किया गया शर्मनाक हमला, जब कांग्रेस निर्वाचक मंडल के वोटों की गिनती का संज्ञान लेने के लिए सम्मिलित सत्र में थी, उनके राष्ट्रपतित्व के ताबूत में आखिरी कील साबित हुआ। पूर्व नियोजित हिंसा इस कदर भीषण थी कि रिपब्लिकन सीनेट बहुमत नेता मिच मैक्कोनेल ने भी विधि निर्माताओं से विफल विद्रोह के चलते गिनती खत्म करने की अपील की थी।

वोटों की गणना की गई और सीनेट के पदेन अध्यक्ष माइक पेंस द्वारा परिणाम घोषित किए गए। जो बाइडेन निर्वाचित घोषित हुए, ट्रंप की धमकी के बावजूद कि : ''यह करो माइक, यह अत्यधिक साहस दिखाने का समय है।''

विधि निर्माता, अधिकतर डेमोक्रेट और कुछ रिपब्लिकनों ने ट्रंप का अपने निरंतर भ्रामक भाषणा के साथ हिंसा भड़ाकने का आरोप लगाया है और उन्हें तुरंत महाभियोजित करना चाहते हैं। यद्यपि, नए राष्ट्रपति के पदासीन होने में कुछ ही दिन बचे हैं, फिर भी डेमोक्रेट और काफी संख्या में रिपब्लिकन नेता व पदाधिकारी चाहते हैं कि 20 जनवरी से पहले ट्रंप को पदच्युत किया जाए। वे ट्रंप पर इस हद तक सत्ता के दुरुपयोग का आरोपी मानते हैं कि उन्होंने जानबूझकर ऐसे बयान दिए और प्रोत्साहन दिया जिसकी परिणिति कैपिटल हिल पर गैर कानूनी कार्रवाइयों के तौर पर हुई। महाभियोग के प्रारूप में ट्रंप के चुनाव को बाधित तथा प्रभावित करने के पूर्व एवं निरंतर प्रयासों का उल्लेख किया गया है और बाइडेन से राज्य हार जाने के बाद जॉर्जिया के सचिव से और अधिक वोट जुटाने को कहे जाने का भी संदर्भ दिया गया है। प्रारूप में आगे कहा गया है : ''ट्रंप ने गलत दावा किया है कि चुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली हुई है, तथा निराधार दावे बार-बार कांग्रेस के रिपब्लिकनों द्वारा दोहराए जाते रहे... राष्ट्रपति ट्रंप ने संयुक्त राज्य अमेरिका तथा सरकार की संस्थाओं की सुरक्षा को खतरे में डाला... उन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था की सत्यनिष्ठा को खतरे में डाला, सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण में दखलंदाज़ी की और सरकार की समन्वय शाखा को मुसीबत में डाल दिया। इस तरह उन्होंने राष्ट्रपति के तौर पर अपने विश्वास के साथ दाग किया जिससे अमेरिका की जनता को चोट पहुंची है।''

कैपिटल हिल पर पर 6 जनवरी को ट्रंप के दंगाई समर्थकों द्वारा किया गया शर्मनाक हमला, जब कांग्रेस निर्वाचक मंडल के वोटों की गिनती का संज्ञान लेने के लिए सम्मिलित सत्र में थी, उनके राष्ट्रपतित्व के ताबूत में आखिरी कील साबित हुआ। पूर्व नियोजित हिंसा इस कदर भीषण थी कि रिपब्लिकन सीनेट बहुमत नेता मिच मैक्कोनेल ने भी विधि निर्माताओं से विफल विद्रोह के चलते गिनती खत्म करने की अपील की थी।

महाभियोग प्रक्रिया ट्रंप के लए कोई नई बात नहीं है। उन पर सदन ने 18 दिसंबर 2019 को दो आधारों पर महाभियोग लगाया था : सत्ता का दुरुपयोग तथा कांग्रेस में अवरोध उत्पन्न करना। स्वाभाविक रूप से, उन्हें रिपब्लिकनों ने बचा लिया। फिर भी, ट्रंप पर राष्ट्रपतित्वकाल के अंतिम समय में दूसरा महाभियोग प्रस्ताव आने का कलंक लगा है। सामान्य रूप से, सदन द्वारा महाभियोग की जांच की जाती है और उसके सबूत सदन की न्यायिक समिति को भेजे जाते हैं, जो सुनवाई करती है, लेख प्रारूपित करती है और उन्हें पूर्ण सदन को भेजती है। 2019 में ट्रंप पर चले महाभियोग में तीन महीने का समय लगा था।

हालांकि, इस बार, जब चंद दिन बचे थे, डेमोक्रेटों में यह भावना व्याप्त थी कि जो भी हुआ उसकी जांच करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि जब भीड़ ने हमला किया तब कांग्रेस के अधिकतर सदस्य कैपिटल हिल में ही थे। स्पीकर पेलोसी ने फ्लोर मतदान कराया जिसमें न्यायिक समिति का कोई उल्लेख या सुनवाई नहीं हुई थी। अब जबकि सदन ने एक प्रस्ताव पेश कर उपराष्ट्रपति माइक पेंस से आग्रह किया है कि वो राष्ट्रपति ट्रंप को पदच्युत करने के लिए 25वें संशोधन का प्रयोग करें, आर्टिकल और प्रमाण सीनेट को भेजे जाएंगे, जहां मुकदमा चलेगा और तब निष्कासन अथवा दोषमुक्ति पर अंतिम मतदान होगा। इससे ट्रंप का कार्यकाल अंत तक चलेगा।

हालांकि, अब भी, कई रिपब्लिकनों, यहां तक कि वे भी जिन्होंने ट्रंप की आलोचना की थी, का कहना है कि महाभियोग से कोई लाभ नहीं होगा, क्योंकि इससे फायदा कम नुकसान ज्यादा पहुंचेगा। लेकिन डेमोक्रेट और कुछ रिपब्लिकनों का लगता है कि यह स्पष्ट किया जाए कि अब या भविष्य में कोई भी राष्ट्रपति अमेरिकी सरकार के खिलाफ विद्रोह न कर सके।

अब तक कोई भी अमेरिकी राष्ट्रपति कभी भी महाभियोग प्रक्रिया के द्वारा पद से हटाया नहीं गया है और किसी भी राष्ट्रपति को सदन द्वारा एक से अधिक बार महाभियोजित नहीं किया गया है। महाभियोग की कार्यवाही चार राष्ट्रपतियों, यथा एंड्रयू जॉनसन-1868, रिचर्ड निक्सन-1974, बिल क्लिंटन-1998 और डोनाल्ड ट्रंप-2019 के खिलाफ हो चुकी है लेकिन प्रस्ताव पारित नही हो पाए।

निक्सन ने कार्यवाही प्रारम्भ होने से पहले इस्तीफा दे दिया था। कानूनी विशेषज्ञ ट्रंप के विरुद्ध महाभियोग की कार्यवाही की वांछनीयता को लेकर तीन खेमों में बंटे हुए थे। एक का विचार है कि किसी राष्ट्रपति पर केवल पद पर रहते हुए ही महाभियोग प्रस्ताव लाया जा सकता है। अन्य मत यह है कि यदि सदन पद पर रहते हुए राष्ट्रपति के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव पर मतदान करता है, तो सीनेट राष्ट्रपति के पद छोड़ने के बाद भी मुकदमे की कार्यवाही कर सकती है। और तीसरा विचार है कि संपूर्ण प्रक्रिया राष्ट्रपति के पद से बाहर हो जाने के बाद भी प्रारम्भ की जा सकती है।

किसी भी राष्ट्रपति को पदमुक्त होने के बाद महाभियोजित नहीं किया गया है। लेकिन, सदन स्पीकर होने के नाते, पेलोसी ने कहा : ''डेमोक्रेट ट्रंप को पदच्युत करने हेतु बाध्य करने का प्रत्येक विकल्प सुरक्षित रखेंगे, 25वें संशोधन के द्वारा अथवा महाभियोग के द्वारा।'' अंतत: ट्रंप महाभियोग की चपेट में आ ही गए। दूसरे महाभियोग का कलंक डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपतित्व का उपयुक्त अंतिम परिणाम है। यदि वो सम्मानित अथवा बेहतर समझ वाले व्यक्ति होते तो पद त्याग देते। लेकिन गरिमापूर्ण ढंग से पद छोड़ना डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली ही नहीं है।

न्यायोचित नहीं अपराध से अधिक दंड

विधायिका या न्यायपालिका को ऐसे कानून या नियम बनाने की अनुमति नहीं होनी चाहिए जो संदर्भित अपराधों की तुलना में आवश्यकता से अधिक दंड का प्राविधान करें।

अभय राज मिश्र
(लेखक प्रहार एनजीओ के अध्यक्ष हैं)

आदिम काल से मानव सभ्यता ने नियम विनियम बना कर सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने का काम किया है जिनका क्रियान्वयन जनता को निष्पक्ष न्याय देने वाली विभिन्न एजेंसियों द्वारा किया जाता है। न्याय अपनी प्रकृति से एक उचित व सही चीज का प्रतिनिधित्व करता है। यह इस संदर्भ पर निर्भर करता है कि निष्पक्ष व उचित का न्यायिक विचार क्या है। उन्नीसवीं शताब्दी के न्यायविद व अपने नैतिक सिद्धान्त के लिए विख्यात प्रोफेसर हेनरी सिगविक की राय थी कि देश की राजनीतिक सफलता का मानक उसके प्रशासनिक न्याय से लगाया जा सकता है। आदिम समाजों में दंड का लक्ष्य नियम न मानने वालों के प्रति क्रूरता प्रदर्शित कर भय पैदा करना था। उम्मीद की जाती थी कि यह सबक की तरह काम कर दूसरों को अपराध से विरत करेगा। लेकिन विकास एवं सामाजिक परिवर्तन के साथ अब दंड को मानवाधिकार के रूप में देखा जाता है तथा गलत काम करने वालों को पीड़ा पहुंचाने के बजाय उनको सुधारने पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है।

भारत एक कल्याणकारी राज्य है और उसने सुधारात्मक दृष्टिकोण अपनाया है जहां अपराधी का पुनर्वास मुख्य लक्ष्य है। पूर्व आईजी जेल किरन बेदी ने 1993 में तिहाड़ जेल में सुधारात्मक कदम उठाते हुए इस कुख्यात जेल में बंदियों के कल्याण के कार्यक्रम चलाए थे जिन्होंने तिहाड़ जेल को पूरी तरह बदल दिया था। सुधार नीति में शिक्षा, ध्यान व योग के माध्यम से बंदियों के दृष्टिकोण में परिवर्तन, व्यावसायिक कौशल उपलब्ध कराना, जेल प्रशासन को जवाबदेह बनाना, बंदियों के लिए मोबाइल याचिका बाक्सों की व्यवस्था करना, विभिन्न पंचायतें व दैनिक सभायें, बेहतर भोजन व रहन-सहन की स्थितियों में सुधार, नशाखोरों को नशा मुक्ति केन्द्रों की सहायता तथा विचाराधीन कैदियों की विधिक सेलों द्वारा सहायता शामिल हैं।

इसी प्रकार सरकार ने 2016 में माडल जेल सुधारों द्वारा बड़ा कदम उठाते हुए बंदियों संबंधी कानूनों, नियमों व विनियमों में एकरूपता लागू की है।

लेकिन सजा देने के निर्देशों व ढांचों की एकरूपता में अभी भारी अंतर है। विभिन्न समितियों द्वारा समय-समय पर उठाए जाने के बावजूद विधायिका या न्यायपालिका ने कोई ढांचागत मानक नहीं बनाए हैं। गृह मंत्रालय द्वारा दंड न्याय प्रणाली में सुधारों पर गठित मलीमथ समिति ने 2003 में अपनी रिपोर्ट में सजा देने के निर्देशों की आवश्यकता बताई थी ताकि सजा देने में अनिश्चितता न्यूनतम की जा सके। कुछ साल बाद माधव मेनन कमेटी ने भी भारत में सजा देने की नीति पर जोर दिया। 2010 में तत्कालीन विधि मंत्री ने कहा था कि भारत एक 'समान सजा नीति' बनाने पर विचार कर रहा है जो अमेरिका व ब्रिटेन पर आधारित होगी। लेकिन इस दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई है। इसके बजाय सिगरेट एंड अदर टोबैको प्राडक्ट एक्ट 2020-कोटपा 2020 ने विपरीत दिशा में चलने के संकेत दिए हैं। इसने तंबाकू उत्पाद बेचने वाले छोटे दूकानदारों पर अत्यधिक दंड के प्राविधान किए हैं। इसमें एक लाख के जुर्माने से लेकर सात साल कैद तक के प्राविधान हैं। इन उल्लंघनों को संज्ञेय अपराध बनाया गया है जिसका अर्थ है कि पुलिस को दूकानदारों को बिना वारंट या अदालत की अनुमति के गिरफ्तार करने का अधिकार है तथा जमानत के लिए मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करना जरूरी होगा। इन उल्लंघनों में 21 वर्ष से कम आयु वाले को तंबाकू उत्पाद बेचना व शिक्षा संस्थानों के 100 मीटर दायरे के भीतर इनको बेचना शामिल है। बहुत पुराने जमाने से खुली सिगरेटें बेचने की परंपरा रही है, पर अब इसे जेल की सजा वाला अपराध बना दिया गया है। ऐसे समय जब 18 वर्ष आयु के विधिक वयस्क को मताधिकार मिला है, इस प्रकार का नियंत्रण बहुत कठोर है।

भारत एक कल्याणकारी राज्य है और उसने सुधारात्मक दृष्टिकोण अपनाया है जहां अपराधी का पुनर्वास मुख्य लक्ष्य है। लेकिन सजा देने के निर्देशों व ढांचों की एकरूपता में अभी भारी अंतर है। विभिन्न समितियों द्वारा समय-समय पर उठाए जाने के बावजूद विधायिका या न्यायपालिका ने कोई ढांचागत मानक नहीं बनाए हैं।

इन छोटे दूकानदारों का बड़ा हिस्सा पैदल चल कर सामान बेचता है और हमारे यहां शैक्षिक संस्थानों की सुनिश्चित परिभाषा नहीं है क्योंकि इनमें स्कूल से लेकर निजी ट्यूशन केन्द्र तक सभी शामिल हैं। यह प्रस्ताव छोटे खुदरा व्यापारियों को जघन्य अपराधियों जैसा बना देता है और स्थानीय पुलिस अधिकारियों की सनक व दया पर छोड़ देता है जिनमें से अनेक भ्रष्ट हो सकते हैं। भारतीय दंड संहिता-आईपीसी में अन्य अपराधों के लिए दंड व जेल की सजा को देखते हुए यह अत्यधिक कठोर व अनुचित दंड है। आईपीसी की धारा 275 में नकली दवाओं की बिक्री पर 6 महीने कैद, धारा 279 में खतरनाक ड्राइविंग के लिए 6 महीने कैद, दंगे के लिए धारा 384 में तीन साल कैद, धारा 324 में घातक हथियार से चोट पहुंचाने पर तीन साल कैद, फिरौती के लिए धारा 384 में तीन साल कैद, तेजाब डालने के लिए 326बी में पांच साल कैद व धारा 363 में अपहरण के लिए सात साल कैद का प्राविधान है।

उपरोक्त कदम से छोटे खुदरा व्यापारियों में भारी गुस्सा है क्योंकि उनको अपराधियों की तरह देखा जाता है। 18 वर्ष के वयस्क को बीड़ी या सिगरेट बेचने के संभावित सामाजिक नुकसान को पसंद के मूलाधिकार के साथ रख कर देखा जाना चाहिए और इसकी तुलना अपहरण, तेजाब फेंकने या नकली दवाओं की बिक्री से नहीं होनी चाहिए। तंबाकू एक वैध उत्पाद है और सरकार को इससे भारी राजस्व प्राप्त होता है, फिर इसे वैध वयस्क को बेचना अपराध कैसे हो सकता है? इससे ऐसे कानून बनाने के पीछे छिपी प्रक्रिया पर ही सवाल उठते हैं। क्या ऐसे प्रस्ताव तैयार करने के पीछे नौकरशाहों की अपर्याप्त शोध शामिल है जिसके चलते वे इनकी तुलना अन्य प्राविधानों से नहीं करते हैं अथवा इसके पीछे तंबाकू उपयोग पर जल्दी से लगाम लगाने की भावनात्मक सोच है। ये खुदरा व्यापारी रोजमर्रा जरूरत की अन्य चीजें, जैसे चाय, पानी, जूस, साफ्ट ड्रिंक, बिस्कुट, टाफी, आदि भी बेचते हैं। इनकी उपस्थिति भारतीय शहरों में खुदरा बिक्री परिदृश्य का हिस्सा तथा उनकी आत्मनिर्भरता का अंग है। इससे समाज के सबसे गरीब लोग अपनी उद्यमिता से जीवन काटते हैं।

सरकार के आलोचक अपने नतीजे निकालते हुए इसे असंगठित खुदरा व्यापार पर हमला बता रहे हैं तथा एनजीओ इसे विदेशी फर्मों द्वारा भारत में तंबाकू के अंतरराष्ट्रीय ब्रांड थोपने का प्रयास कह सकते हैं। लेकिन यह स्पष्ट रूप से विधायिका व न्यायपालिका के बीच संतुलन की कमी का प्रमाण है जो ऐसे निर्देश देते समय होनी चाहिए। विधायिका या न्यायपालिका को ऐसे कानून या नियम बनाने की अनुमति नहीं होनी चाहिए जो अपराध की तुलना में कठोर दंड का प्राविधान करते हों। इसे स्थिति में जनता का कानून के शासन से विश्वास उठ सकता है।

अतीत में न्यायपालिका ने आवश्यकता से अधिक दंड देने वाले मामलों को खारिज किया है। सोमन बनाम केरल राज्य, 2012 में सर्वोच्च न्यायालय ने खुदरा शराब विक्रेता पर उच्च न्यायालय द्वारा लगाया दंड खारिज किया था जिसके कारण 6 लोगों की मौत हो गई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था, 'अपराधी को दंड देना दंड न्याय व्यवस्था का केन्द्र है, पर हमारे देश में यह दंड न्याय प्रशासन का सबसे कमजोर हिस्सा है।' अदालत ने दंड देते समय समानुपतिकता, निवारण व पुनर्वास आयामों पर विचार जरूरी बताया था। सजा अपराध की गंभीरता देखते हुए होनी चाहिए। यहां नकली शराब विक्रेता पूरी श्रृंखला की सबसे कमजोर कड़ी है जिसमें निर्माता और डिस्ट्रीब्यूटर प्रमुख हैं। इसलिए अदालत ने उसकी सजा पांच साल से घटा कर तीन साल कर दी। तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में कोई बहस नहीं है तथा इसका प्रयोग घटाया जाना चाहिए। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से कठोर सजा देने वाले दंड के प्राविधान व्यवस्था का मजाक उड़ाते तथा न्यायिक विडंबना वाली स्थिति तैयार करते हैं।

इस प्रकार देश में कानून बनाने की प्रक्रिया पर सवाल उठते हैं। अनेक लोगों की आजीविका प्रभावित करने वाले ऐसे कानून बनाने के पहले काफी बहस होनी चाहिए और उनकी समीक्षा विशेषज्ञ समितियों द्वारा होनी चाहिए जिनमें न्यायिक विशेषज्ञ, समाज विज्ञानी व उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल हों। जनता द्वारा भी इनकी समीक्षा होनी चाहिए। ऐसे कानूनों को अनुमति देने से जजों की संवेदनशीलता भी प्रभावित हो सकती है क्योंकि अपराध की तुलना में अत्यधिक कठोर दंड देते समय वे विरोधाभास का शिकार हो सकते हैं।

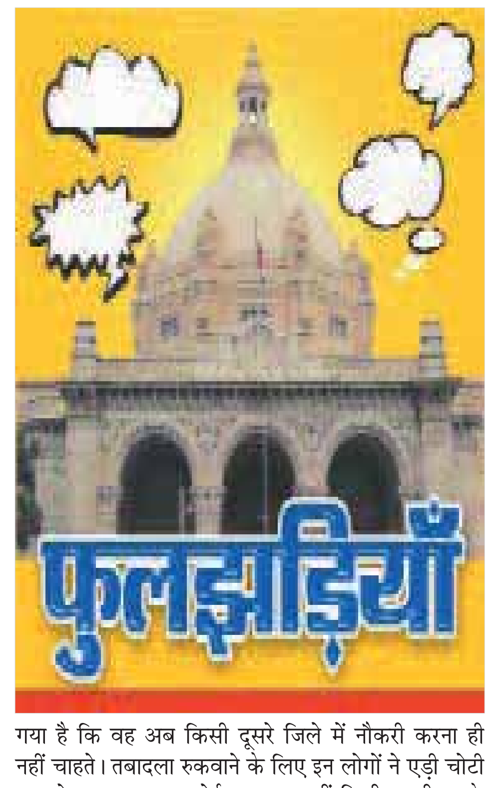

सांसत में बुआ

सूबे में विधान परिषद चुनाव का बिगुल बज चुका है। चुनावी चौसर पर सत्ताधारी दल और मुख्य विपक्षी दल मैदान में हैं। चुनावी अंकगणित में अन्य दल फिट नहीं बैठ रहे हैं। ऐसे में मुकाबला रोचक होने को है क्योंकि मुख्य विपक्षी दल औकात से ज्यादा दूरी नापने की फिराक में है। ऐसे में उसे भितरघातियों पर ज्यादा भरोसा है। उसे यकीन है कि चलाचली की बेला में भविष्य सुरक्षित करने वाले उसे वोट कर सकते हैं। वही भैया से खार खाई बुआ भी हर पल अपने सिपहसालारों के साथ बैठक कर रही हैं। पार्टी के हर विधायक पर उनकी नजर है और वह लगातार इनसे सम्पर्क भी बनाये हुए हैं। जिससे पार्टी लाइन से हटकर कोई वोट न दे दे। वैसे पिछली बार बुआ ने कह भी दिया था कि बबुआ को हराने के लिए उनकी पार्टी सत्ताधारी दल को भी वोट कर सकती है। तब सत्ताधारी दल की मदद से बुआ जी ने अपने एक कैंडिडेट को निचले सदन में भेज दिया था इसलिए इस बार अहसान चुकाने की बारी है। पर दिक्कत यह है कि अहसान चुकाने में कहीं उनका समीकरण न छिटक जाय। एक तरफ अहसान दूसरी तरफ समीकरण को लेकर बुआ सांसत में फंसी हैं। करें तो क्या करें। फिलहाल अब आने वाला वक्त ही बता पायेगा की बुआ जी अहसान चुकाती हैं या फिर अपनी चिर परिचित शैली में किनारा कर लेती हैं।

पैलगी पर भारी महिला

मामला एक नामचीन नेता के परिचित का हाउस टैक्स के बिल संशोधन का था। संशोधन के नाम पर हाउस टैक्स बिल में छेड़छाड करने से महिला निरीक्षक भड़क गयीं। फिर क्या था। आव देखा न ताव शुरू हो गईं। महिला निरीक्षक यही नहीं रुकीं। पैलगी हाउस टैक्स अधिकारी पर बरस पड़ी। देखते ही देखते पूरे जोन में इस चर्चा ने जोर पकड़ लिया। कार्यालय में महिला कर्मी ने पूरे माहौल को ऐसा बिगाड़ा कि हाउस टैक्स के अधिकारी को शर्मसार होना पड़ा। बेचारे ! जब मुख्यालय में थे तो पैलगी करने वालों का तांता रहता था। सोचा था कि जोनल कार्यालय के पास माता जी के आर्शीवाद दर्शन कर अपने को और दिव्य बना लेंगे लेकिन क्या करते बेचारे पैलगी अधिकारी। महिला कर्मी ने पहले झकाया, फिर उल्टे जोन के बड़े अफसर के सामने पेशी भी करा दी। अब पैलगी अधिकारी का बचा खुचा रौब बड़े साहब ने बैठक के दौरान मिटा डाला। समीक्षा बैठक के दौरान साहब ने बड़ी फजीहत कर दी। पहले प्रतिष्ठा गई, फिर पगार भी कई महीनों की रोक दी।

तेरे दर पर आया हूं....

खाकी महकमे के विशेष बल के मुखिया का यूं तो पहले से ही काफी जलवा है लेकिन पिछले कुछ दिनों से यह और बढ़ गया है। आखिर जलवा हो भी तो क्यों न। संगठित अपराध और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए इस बल के पास चुनिंदा अफसरों की टीम जो है। दुर्दांत अपराधियों पर नकेल कसने की जब कभी भी जरूरत पड़ती है तो इसी बल को याद किया जाता है। बल के प्रभारी पिछले काफी अरसे से एकक्षत्र प्रभाव बनाए हुए हैं। तभी तो उनके सामने यहां कोई दूसरा अफसर टिक ही नहीं पाता है। पिछले दिनों लखनऊ कमिश्नरेट में अपराध तेजी से बढ़े तो लंबे समय से जमे कुछ धुरंधर थानेदारों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। इन थानेदारों को लखनऊ से कुछ इतना लगाव हो गया है कि वह अब किसी दूसरे जिले में नौकरी करना ही नहीं चाहते। तबादला रुकवाने के लिए इन लोगों ने एड़ी चोटी का जोर लगाया मगर कोई सफलता नहीं मिली। मुसीबत के इस समय में थानेदारों ने विशेष बल के मुखिया की चौखट पर माथा टेक दिया है। ये सब इसी प्रयास में है कि विशेष बल में किसी प्रकार जगह मिल जाए और लखनऊ से बाहर न जाना पड़े। अब इन सभी की उम्मीद विशेष बल के मुखिया की रजामंदी पर टिकी हुई है। अब देखना है कि आखिर यह जलवेदार मुखिया इन थानेदारों का कल्याण करते हैं या फिर इन्हें यहां से भी निराशा हाथ लगती है।

बुढ़ापे में बुलंदी

भाग्य के बहुत धनी हैं। ऐशो आराम और शान जैसे ऊपर वाले से लिखवा कर आए हैं। जीवन का सैकड़ा पूरा करने में बस कुछ साल बचे हैं। फिर भी सितारे बुलंद हैं। पहले खाकी की रौब और धमक थी अब खादी का जलवा है। जब तक शरीर पर खाकी थी तब तक नीली बत्ती का रौब रहा। जब खाकी छोड़ खादी पहनी तो लाल बत्ती का जलवा मिल गया। खादी में भी लंबे समय तक शानदार पारी खेलने के बाद जब रिटायरमेंट का समय आया तो वहां भी इनकी सीनियारिटी ने अपना जलवा दिखा दिया कि इनके पास अनुभव बहुत ज्यादा है। अब यह सभापति बनने का ख्वाब देख रहे हैं। सही मायने में इनके खेमे से भी इन्हें मंजूरी मिल चुकी है। इसीलिए तो इन्हें सेंचुरी के करीब होने के बावजूद भी चुनावी समर में उतारा गया है।

यह कौन आया......

यूपी में उच्च सदन की रिक्त हुई सीट के लिए जरिए उच्च सदन में जाने के लिए जब अफसर से नेता जी बने माननीय की लैंडिंग लखनऊ में हुई तो भगवा संगठन के कई लोगों का गणित बिगड़ गया। यही नहीं सरकार में भी एक डिप्टी सीएम साहब की नींद उड़ गई है। वैसे डिप्टी साहब का संगठन व सरकार में गणित अभी बिगड़ा नहीं है लेकिन एक ही जाति होने के कारण उनको अनजाना सा भय सताने लगा है। उधर संगठन के कई ऐसे चेहरे थे जो अपनी-अपनी गणित को लेकर गुणा-भाग लगा रहे थे लेकिन जब लखनऊ एयरपोर्ट पर अफसर से नेता बने महानुभाव की पार्टी कार्यालय में एंट्री हुई तो सब मामला गड़बड़ हो गया। अब तो सब नेतृत्व की अगली रणनीति का इंजतार कर रहे है कि मंत्रिमंडल विस्तार में लैंडिंग वाले साहब को क्या जिम्मेदारी मिलेगी क्योंकि उसी के बाद कई बड़े दिग्गजों के भविष्य तय होंगे।

चाहिए एक पीए की

बात योगी सरकार के एक ऐसे मंत्री की है जिन्हें राजनीति और मंत्रिमंडल में स्थान पिता की विरासत के रूप में मिला है। इनके कंधों पर साफ-सफाई का काम योगी सरकार ने डाल रखा है। मंत्री को एक ऐसे निजी सहायक की जरूरत है जो उनके पुराने सहायक की कमी को पूरा कर सके। इसके लिये मंत्री जी अपने विभाग के कई लोगों को आजमा चुके हैं लेकिन कोई उनकी कसौटी पर खरा नहीं उतरा है। पुराने सहायक की कमी को पूरा करने की मंत्री की तलाश अभी जारी है। नये सहायक की तलाश का काम इतने जोरों पर है कि विभाग में इसकी चर्चा चलने लगी है। मंत्री के बेहद करीबी उनके एक निजी सहायक की विगत माह कोरोना के चलते मौत हो गई। इस सहायक की परिवार में इन्ट्री मंत्री के पिता के शासनकाल में हुई थी लेकिन पिता से ज्यादा मंत्री जी के साथ इनकी निकटता हो गई थी। हालांकि मंत्री ने उस वक्त राजनीति में कदम नहीं रखा था और पर्दे के पीछे से अपने मंत्री पिता का सहयोग करते थे।

कामगारों को आयुष्मान योजना से जोड़ें: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रवासी कामगारों तथा श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि इन्हें आयुष्मान भारत योजना तथा मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के माध्यम से लाभान्वित किया जाए। मुख्यमंत्री शनिवार को अपने सरकारी आवास पर श्रमिकों एवं कामगारों के हितार्थ की जा रही कार्यवाही की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कामगारों और श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा तथा उनके सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा ष्उत्तर प्रदेश कामगार और श्रमिक (सेवायोजन एवं रोजगार) आयोग गठित किया गया है। उन्होंने आयोग की संस्तुतियों एवं निर्णयों के क्रियान्वयन की जनपद तथा मण्डल स्तर पर नियमित रूप से साप्ताहिक एवं पाक्षिक समीक्षा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कामगारों एवं श्रमिकों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अधिक से अधिक रोजगार के अवसर सृजित करते हुए उन्हें योग्यता व क्षमता के अनुरूप कार्य उपलब्ध कराया जाए। रोजगार उपलब्ध कराने में एमएसएमई सेक्टर सहित ष्एक जनपद, एक उत्पाद योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना जैसी योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस सेक्टर व योजनाओं के माध्यम से कामगारों श्रमिकों को व्यापक पैमाने पर रोजगार प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने इस कार्य को और गति प्रदान किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, मुख्य सचिव आरके तिवारी, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टण्डन, कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी, पुलिस महानिदेशक हितेश सी अवस्थी, अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव वित्त संजीव मित्तल, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एसपी गोयल तथा राहत आयुक्त संजय गोयल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रैन बसेरों का बेहतर संचालन और अलाव का इंतजाम करें: सीएम

लखनऊ। कडाके की ठंड में लगातार बढती ठिठुरन को ध्यान में रखते हुये मुख्यमंत्री योगी ने रैन बसेरों के बेहतर संचालन और अलाव की प्रभावी व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने कहा है कि यह भी ध्यान रखा जाए कि कोई भी व्यक्ति खुले में न सोए। उन्होंने कहा है कि शहरी व ग्रामीण इलाकों में सभी प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाने की व्यवस्था की जाए। जरूरतमंदों को कंबल भी बांटे जाएं। मुख्यमंत्री ने शनिवार को समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि गरीबों और निराश्रितों को शीतलहर में राहत प्रदान करने के लिए रैन बसेरों की व्यवस्था की है। रैन बसेरों में सुरक्षा और स्वच्छता की समुचित व्यवस्था की जाए। रैन बसेरों के संचालन में कोविड.19 के प्रोटोकॉल का पालन किया जाए। जिला प्रशासन के अधिकारियों को अलाव, रैन बसेरा संचालन और कंबल वितरण कार्य की नियमित समीक्षा की जाए। धान खरीद कार्य पूरी सक्रियता से संचालित किया जाए। इसके लिए जरूरत के अनुसार अतिरिक्त काटों की व्यवस्था भी की जाए। उन्होंने किसानों को मक्का एवं मूंगफली की उपज का उचित मूल्य दिलाने के भी निर्देश दिए।

लखनऊ में लाल जी टण्डन फाउण्डेशन द्वारा श्रीराम जन्मभूमि निर्माण हेतु पांच लाख रुपये की चेक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले को भेंट करते हुए फाउण्डेशन के अध्यक्ष आशुतोष टण्डन 'गोपाल जी,' सचिव प्रदीप भार्गव एवं सदस्यगण। इस अवसर पर संघ के प्रान्त प्रचारक कौशल, सह प्रान्त कार्यवाह प्रशान्त भाटिया भी उपस्थित रहे।

प्रसपा ने 3 और सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया (प्रसपा) प्रमुख शिवपाल सिंह यादव ने विधानसभा चुनाव 2022 के लिए तीन और प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। इससे पहले शिवपाल सिंह यादव मेरठ से चुनावी बिगुल फूंकते हुए मेरठ की सिवालखास विधानसभा सीट से अमित जानी को पार्टी का प्रत्याशी घोषित कर चुके हैं। इसके उपरांत शनिवार को प्रसपा प्रमुख शिवपाल सिंह यादव ने एक कार्यक्रम के दौरान तीन और विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जिसमें क्रमशरू सिरसागंज से हरिओम यादव, जसराना से अनिल यादव, शिकोहाबाद से मीना राजपूत को प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया ने विधानसभा 2022 के चुनाव के लिए प्रत्याशी बनाया है।

नमक घोटाला मामले में मुल्जिम आशीष की जमानत अर्जी खारिज

लखनऊ। नमक घोटाला मामले में निरुद्ध मुल्जिम आशीष राय की जमानत अर्जी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विशेष अदालत ने खारिज कर दी है। विशेष जज संदीप गुप्ता ने प्रथम दृष्टया मुल्जिम के अपराध को गंभीर करार दिया है। कहा है कि मामला आर्थिक अपराध से जुड़ा है। सरकारी वकील प्रभा वैश्य के मुताबिक मुल्जिम पर नमक सप्लाई का ठेका दिलाने के एवज में छ:ह करोड़ छ:ह लाख की ठगी का इल्जाम है। 11 अगस्त, 2020 को इस मामले की एफआईआर नीलम नरेंद्र भाई पटेल ने थाना हजरतगंज में दर्ज कराई थी। उन्होंने एनके कन्नौजिया उर्फ आशीष राय फर्जी अधिकारी संयुक्त सचिव के अलावा सुनील गुर्जर उर्फ मोंटी गुर्जर, राघव फर्जी अधिकारी खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, एसके अग्निहोत्री वित विभाग, रितुल जोशी, लोकेश मिश्रा, कलीम अहमद व अन्य के खिलाफ तहरीर दिया था। उनकी तहरीर पर अभियुक्तों को आईपीसी की धारा 506, 471, 468, 467, 420, 419 व 120बी के साथ ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 व 13 के तहत नामजद किया गया था। 28 अगस्त, 2020 से आशीष इस मामले में न्यायिक हिरासत में निरुद्ध है।

योगी-मोदी सरकार जनविरोधी और पूंजीपति पोषक: दीपक

● कोरोना महामारी के दौरान कृषि ऋण ब्याज पूरी तरह हो माफ: दीपक सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस विधान परिषद दल के नेता दीपक सिंह ने राज्य की योगी सरकार की नीतियों पर तीखा हमला करते हुए कहा कि वर्ष 2006 में बने राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण कानून के अनुसार प्रत्येक राज्य सरकार को उक्त प्राविधान के धारा 3 की उपधारा 1(घ) के अनुसार गरीब जनता को निशुल्क भोजन, आवास, पेयजल ओर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य है लेकिन पिछले दो महीने से योगी सरकार ने बन्द कर दिया है। यह भाजपा की योगी सरकार की पूंजीपरस्त जनविरोधी नीति का परिचायक है।

दीपक सिंह शनिवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज जबकि गरीबों की समस्याएं वैसी ही हैं जैसे कोरोना महामारी के शुरूआत के दौरान थीं और इस कानून के अन्तर्गत व्यवस्थाएं की गयी थीं परन्तु आज भी गरीबों के रोजगार, धन्धे चैपट हैं कोई नये आय के साधन नहीं बने हैं ऐसे में जब तक यह महामारी चल रही है तब तक इस कानून के प्राविधान के तहत गरीबों को मिलने वाला नि:शुल्क खाद्यान्न, स्वास्थ्य एवं अन्य सुविधाएं जारी रहनी चाहिए। सिंह ने कहा कि 15.15 लाख रूपये सभी के खाते में डालने की बात करके सत्ता में आयी भाजपा सरकार ने कोरोना महामारी के चलते आर्थिक विपन्नता के दौर में जनता के खाते में पड़ने वाली रसोई गैस सब्सिडी को भी डालना बन्द कर दिया है। भाजपा सरकार ने परेशान हाल जनता पर एक और आर्थिक चोट करते हुए आम जनता को मिलने वाली रसोई गैस सब्सिडी को भी बन्द करके उससे 732 रुपए वसूल रही है जबकि पूर्ववर्ती यूपीए सरकार के दौरान 292 रुपए में मिलने वाली रसोई गैस की सब्सिडी को जब खाते में दिया जा रहा था उस समय भाजपा कहती थी कि 400 रूपये एकमुश्त किसी जनता के लिए देना असम्भव है। आज जब वही रसोई गैस लगभग दो गुनी दर पर जनता को खरीदनी पड़ रही है तो ऐसे में पूरा पैसा 732 रुपए आर्थिक विपन्नता के इस दौर में जनता कैसे दे पा रही है, इसे सरकार नहीं समझ पा रही है। सिंह ने कहा कि किसानों को मिलने वाला ऋण अगर वह समय से किश्तों का भुगतान करता है तो मात्र 4 प्रतिशत ब्याज की दर से उसे वापस करना होता है किन्तु जनविरोधी और किसान विरोधी योगी सरकार ने इस आपदा काल में भी किसान ऋण की ब्याज दर को 4 प्रतिशत से बढ़ाकर 8 प्रतिशत करके वसूली कर रही है। जबकि राज्य आपदा प्रबन्धन कानून के तहत ऐसे समय ऋण की ब्याज दर में बढ़ोत्तरी नहीं की जा सकती है, योगी सरकार का यह कृत्य पूरी तरह गैर कानूनी और किसान विरोधी कदम है। कांग्रेस विधान परिषद दल के नेता ने मांग की है कि गरीबों को मिलने वाला नि:शुल्क अनाज कोरोना महामारी के समाप्त होने तक जारी रहना चाहिए, स्वास्थ्य सुविधाएं निशुल्क प्रदान की जानी चाहिए। इसके साथ ही कोरोना महामारी के दौरान किसानों के ऋण पर ब्याज पूरी तरह माफ होना चाहिए।

लोनिवि के 6 सेवानिवृत्त उच्चाधिकारियों को थिंक टैंक का बनाया गया सदस्य

● उपमुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग के नए लोगो का किया अनावरण

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि लोक निर्माण विभाग में विभाग के सेवानिवृत्त उच्चाधिकारियों का थिंक टैंक बनाए जाने से लोक निर्माण विभाग के कार्यों में गति तो आयेगी ही, साथ ही गुणवत्ता भी आयेगी और जटिल से जटिल समस्याओं का समाधान बड़ी आसानी से हो सकेगा। श्री केशव प्रसाद मौर्य आज लोक निर्माण विभाग मुख्यालय स्थित तथागत सभागार में आयोजित कार्यक्रम में थिंक टैंक के सदस्यों को साल व प्रतीक चिन्ह भेंट कर उन्हें सम्मानित किया और विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभवों से विभाग ही नहीं, उत्तर प्रदेश के विकास को नए पंख लगेंगे।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वर्तमान और निवर्तमान अभियंता मिलकर लोक निर्माण विभाग के भविष्य की नीव मजबूत करेंगे ,अच्छे से अच्छा करके दिखाएंगे ।सेवानिवृत्त अनुभवी इंजीनियरों से उनके अनुभवों का अच्छा लाभ मिलेगा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जिस प्रकार से सैनिक देश की रक्षा करते हैं ,उसी प्रकार से आप लोगों को भी अपनी तकनीकी दक्षता का उपयोग करते हुए प्रदेश की 24 करोड़ जनता की कसौटी पर खरा उतरना है और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करना है। लोक निर्माण विभाग की क्षवि निखारना है। अनुभवी तथा दक्ष व सक्षम इंजीनियरों के बल पर आने वाला भविष्य भी उज्जवल होगा। उन्होंने कहा कि इंजीनियर अपने नए. नए विचार देंगे और नई तकनीकी के प्रयोग में सहयोग प्रदान करेंगे और उत्तर प्रदेश की परिस्थितियों के अनुरूप सड़कों का संजाल बिछ सकेगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों में मुख्य रूप से फोकस करना है और बहुत ही सृजनात्मक कार्य किए जाने हैं। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग द्वारा उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं । उन्होंने कहा अभी कई ग्रामीण इलाके मुख्य मार्गों से कनेक्टिविटी के लिए बचे हैं ,उन्हें हमें शीघ्र से शीघ्र जोड़ना है और ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों को कम से कम 5 मीटर चौड़ा बनाना है।

केशव प्रसाद मौर्य ने विश्वास व्यक्त किया वर्तमान और निवर्तमान अभियन्ता मिलकर लोक निर्माण विभाग में अभिनव कार्यो का संपादन कर प्रदेश के विकास में लोक निर्माण विभाग को उच्च स्तर पर रखने का कार्य करेंगे और जन आकांक्षाओं पर खरा उतरेंगे। जटिल समस्याओं के समाधान में थिंक टैक एक मजबूत कड़ी साबित होगा ।उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस अभिनव प्रयोग निश्चित रूप से अच्छे परिणाम लेकर आएगा।

प्रदीप जैन ने किया सरेंडर, अदालत ने निरस्त किया वारंट

विधि संवाददाता। लखनऊ

वर्ष 2015 में धरना-प्रदर्शन के दौरान तोड-फोड़ व पुलिस बल पर हमला करने आदि के एक मामले में कांग्रेस नेता प्रदीप जैन आदित्य ने एमपी.एमएलए की विशेष अदालत में आत्मसमर्पण किया और वारंट रिकाल करने की गुहार लगाई। विशेष जज पवन कुमार राय ने वारंट रिकाल करते हुए इन्हें 50 हजार के निजी मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया। शनिवार को इस मामले में रीता बहुगुणा जोशी की डिस्चार्ज अर्जी पर भी सुनवाई हुई। मामले की अगली सुनवाई अब 22 जनवरी को होगी। 17 अगस्त, 2015 को इस घटना की नामजद एफआईआर एसआई प्यारेलाल प्रजापति ने थाना हजरतगंज में दर्ज कराई थी। 25 दिसंबर, 2015 को विवेचना के बाद पुलिस ने रीता बहुगुणा जोशी, राज बब्बर, प्रदीप जैन आदित्य व अजय राय समेत 18 मुल्जिमों के खिलाफ आईपीसी की कई गंभीर धाराओं व क्रिमिनल लॉ अमेंडमेंट एक्ट की धारा में भी आरोप पत्र दाखिल किया था।

वैक्सीन लगवाने के लिए पहले भाजपा के लोग आगे आएं: अखिलेश

● भारत का झंडा बदलने की हो रही है साजिश: सपा मुखिया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि भारत का झंडा बदलने की साजिश हो रही है। अखिलेश ने कहा कि वैक्सीन लगवाने के लिए पहले भाजपा के लोग आगे आएं, जब सपा की सरकार बनेगी तब समाजवादी पार्टी के लोग सबसे आगे आकर वैक्सीन लगवाएंगे। अखिलेश ने कहा कि मुझे खुशी इस बात की है कि सरकार ने वैक्सीन का काम शुरू कर दिया है लेकिन सरकार को यह पास साफ करनी चाहिए कि गरीबों तक वैक्सिंग कब पहुंचेगी और क्या उन्हें फ्री लगेगी। सपा मुख्यालय में शनिवार को आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान अखिलेश ने कहा कि अव्यवस्था का आलम यह है कि वैक्सीन के लिए जो सेंटर बनाए गए हैं वहां अभी तक कोई फंड नहीं पहुंचा गया है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा की गलत नीतियों के चलते नौजवानों की रोजगार और नौकरियां चली गई है। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कोई मुख्यमंत्री नहीं है कोई सरकार नहीं है जो सरकार है वह जाने वाली है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा षडयंत्रकारी जातिवादी पार्टी है। उसका काम नफरत फैलाना है। किसानों को लूटा जा रहा है। गलत नीतियों से नौजवानों का रोजगार छिना है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राज में लूट की अनंत कथाएं हैं। नकली एनकाउण्टर और हिरासत में मौतों पर मानवाधिकार आयोग नोटिसें जारी कर चुका है। झूठे मुकदमें, खासकर समाजवादी पार्टी के नेताओं पर लगाए जा रहे हैं। किसान परेशान है। समाजवादी पार्टी किसानों के आंदोलन के साथ हैं। तीनों कानून वापस होने चाहिए। किसान को बाजार के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। भाजपा ने नौजवानों से रोटी.रोजगार छीना है। भाजपा राज में न एक यूनिट बिजली उत्पादित हुई है। श्री यादव ने कहा कि भारत में भूख, बेकारी, कुपोषण सबसे ज्यादा है। मंहगाई चरम पर है।

उन्होंने कहा समाजवादी पार्टी की सरकार के समय पूर्वांचल एक्सप्रेस.वे बननी शुरू हुई थी। भाजपा अभी तक पूरी नहीं कर पायी है। श्री यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव में 8.9 महीने रह गए हैं, भाजपा सरकार क्या कुछ कर पाएगी। जनता सरकार को सबक सिखाने का मन बना चुकी है। पत्रकार पत्रकार वार्ता के उपरांत आयोजित कार्यक्रम के दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से सिद्धार्थनगर से आए बौद्धभिक्षु डॉ उपनंद संकिसा मैनपुरी, भिक्षु देवेन्द्र श्रावस्ती, भिक्षु धर्मानंद कपिलवस्तु एवं भिक्षु आनंद सागर कपिलवस्तु ने भेंट की।

मेरठ की मेयर सुनीता वर्मा समेत पूर्व सांसद व पूर्व विधायक सपा में शामिल

लखनऊ। समाजवादी पार्टी में शनिवार को मेरठ की मेयर सुनीता वर्मा एवं लखीमपुर के पूर्व सांसद दाऊद अहमद तथा पूर्व मंत्री अवधेश वर्मा, कई पूर्व विधायक समेत बड़ी संख्या में बहुजन समाज पार्टी, भारतीय जनता पार्टी और अन्य संगठनों के प्रमुख नेता समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। इस मौके पर मौजूद सपा मुखिया अखिलेश यादव ने उम्मीद जताई है कि इन साथियों के आने से समाजवादी पार्टी का मनोबल बढ़ेगा और सन् 2022 के चुनाव में समाजवादी पार्टी की मजबूत सरकार बनेगी। भारतीय जनता पार्टी समाजवादी पार्टी का मुकाबला नहीं कर सकती है। सपा मुख्यालय में समाजवादी पार्टी में शामिल होने वालों में प्रमुख हैं मेरठ की मेयर सुनीता वर्मा, हस्तिनापुर मेरठ के पूर्व विधायक योगेश वर्मा, ठाकुरद्वारा मुरादाबाद के पूर्व विधायक विजय यादव, लखीमपुर के पूर्व सांसद दाऊद अहमद और शाहजहांपुर के पूर्व मंत्री अवधेश वर्मा, बरेली के पूर्व विधायक विजय पाल सिंह, अलीगढ़ की पूर्व लोकसभा प्रत्याशी लक्ष्मी धनगर बहुजन समाज पार्टी छोड़कर आए है जबकि मिर्जापुर के पूर्व विधायक राम भारतीय तथा गोरखपुर के आरएसएस प्रचारक डॉ विनीत शुक्ला भाजपा से संबद्ध रहे हैं। इनके अलावा कई डाक्टर तथा एडवोकेट भी समाजवादी पार्टी के सदस्य बन गए हैं।

कुकरैल नाले का फाइटो रैमिडिएशन तकनीक से होगा शोधन

● टीम के साथ नगर आयुक्त ने बारीकी से कुकरैल नाले का लिया जायजा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कुकरैल नाले को फाइटोरैमिडिएशन तकनीकि से शोधन करने के लिए नगर निगम द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने बारीकी से कुकरैल नाले का जायजा लिया। इस तकनीकि से प्रदूषित जल को सेंडीमेंटेशन टैंक के माध्यम से स्क्रीन मैश एवम् स्टोन बॉल्डर्स की दीवार बनाकर विशेष प्रकार के पौधों के मध्य से गुजार जाएगा।

शनिवार को नगर आयुक्त अजय कुमार द्विवेदी द्वारा कुकरैल बंधे पर फाईटो रैमीडिएशन तकनीकी से पानी के शोधन की शुरुआत की। इसके लिए नगर आयुक्त द्वारा अन्य अधिकारियों के साथ स्थल का निरीक्षण किया गया। नगर निगम द्वारा फाईटो रैमीडिएशन तकनीक से प्रदूषित जल के ट्रीटमेंट की तैयारी की जा रही है। जिसके तहत प्रदूषित जल को सेंडीमेंटेशन टैंक के माध्यम से स्क्रीन मैश एवम् स्टोन बॉल्डर्स की दीवार बनाकर विशेष प्रकार के पौधों के मध्य से गुजार जाएगा, जिसके कारण प्रदूषित जल का प्रदूषण स्तर वॉटर बॉडीज के लिए आवश्यक मानकों के अनुरूप हो जाएगा एवं ऑक्सीजन का स्तर उच्च हो जाएगा। इस तकनीक का प्रयोग इस समय दिल्ली में किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट को शुरू करने के लिए लखनऊ नगर निगम टीम ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रो. डॉ सी आर बाबू से विचार विमर्श किया। निरीक्षण के दौरान कुकरैल बंधे पर लगभग 500 मी. के स्थान को चिन्हित किया गया है जहां पर शहर के कई नाले गिरते हैं। इस स्थान को फाईटो रैमी डिएशन प्लांट लगाने के लिए विकसित किया जाएगा।

टीकाकरण अभियान आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को दर्शाता है: मोदी

भाषा। नई दिल्ली

कोविड-19

कोविड-19 के खिलाफ विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान की भारत में शुरुआत के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करते हुए भाजपा नेताओं व केंद्रीय मंत्रियों ने शनिवार को कहा कि यह देश के लिए ऐतिहासिक क्षण है और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री ने आज भारत में टीकाकरण अभियान की शुरुआत की और इस अवसर पर देश को आश्वस्त किया कि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने भारत में बने टीकों के प्रभावों से संतुष्ट होने के बाद ही इनके उपयोग की अनुमति दी है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे अफवाहों और टीके के बारे में भ्रामक प्रचार से गुमराह न हों।भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने अभियान की शुरुआत को भारतीय इतिहास का महत्वपूर्ण क्षण बताया और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कोरोना के खिलाफ लड़ाई में आगे बढ़कर देश का नेतृत्व कर रहे हैं और जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराना सुनिश्चित कर रहे हैं।उन्होंने कहा, हम अपनेचिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को उनके शानदार प्रयासों के लिए नमन करते हैं। सबसे बड़े टीकाकरण अभियान के वे ही वास्तविक नायक हैं। टीका हमें कोरोना वायरस से बचाएगा लेकिन हमें भी मास्क पहनकर, लगातार हाथ धोकर और उचित दूरी का पालन करना है।

गृह मंत्री अमित शाह ने कोविड-19 टीकाकरण अभियान की सराहना करते हुए कहा कि विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान भारत के वैज्ञानिकों की अपार क्षमता और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का परिचायक है। शाह ने ट्वीट किया, यह अभियान हमारे नेतृत्व की शक्ति को दर्शाता है और यह विश्वपटल पर एक नए आत्मनिर्भर भारत का उदय है। टीका के लिए वैज्ञानिकों की प्रशंसा करते हुए शाह ने कहा कि भारत उन चुनिंदा देशों में से एक है जिसने मानवता के विरुद्ध आए सबसे बड़े संकट को समाप्त करने की दिशा में विजय पाई है। शाह ने कहा, इस अभूतपूर्व उपलब्धि से हर भारतीय गौरवान्वित है और यह विश्वपटल पर एक नए आत्मनिर्भर भारत का उदय है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाला यह नया भारत आपदाओं को अवसर में और चुनौतियों को उपलब्धियों में बदलने वाला भारत है।

शाह ने कहा कि यह मेड इन इंडिया वैक्सीन आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की परिचायक है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक दिन पर वह सभी कोरोना योद्धाओं को कोटि-कोटि नमन करते हैं। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कोरोना वायरस के विरुद्ध लड़ाई में भारत ने एक अहम पड़ाव को पार किया है और विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान भारत के वैज्ञानिकों की अपार क्षमता और हमारे नेतृत्व की शक्ति को दर्शाता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि स्वदेशी टीके केवल भारतवासियों को ही नही लगाई जाएंगे बल्कि दुनिया के दूसरे देशों को भी इसे निर्यात किया जाएगा।उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसा देश है जिसने केवल अपनी चिंता नही की है बल्कि सारे विश्व की चिंता की है।उन्होंने कहा, यदि हमारे डाक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ जिन्हें हम कोरोना वारियर्स के रूप में जानते है, न होते तो हम शायद इस कोरोना महामारी की चुनौती का मुकाबला नही कर पाते। इसलिए ही चिकित्सकों को हम धरती पर दूसरा भगवान मानते हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर कहा कि टीकाकरण अभियान प्रधानमंत्री के स्वस्थ्य भारत की प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने लोगों से कोरोना संबंधी अफवाहों से बचने और टीका लगाने के लिए अपनी बारी का इंतजार करने का आग्रह किया। योगी ने कहा कि भारत पहला ऐसा देश है जिसने दुनिया में दो टीकों की शुरूआत की है।

नई दिल्ली में सिंघु सीमा पर आंदोलनकारी किसानों के लिए सब्जी बनाने में सहायता करती एक बच्ची

सबसे पहले प्रधानमंत्री को टीका लगवाना चाहिए : आंबेडकर

भाषा। औरंगाबाद (महाराष्ट्र),

वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) के नेता प्रकाश आंबेडकर ने शनिवार को कहा कि लोगों के संदेह को दूर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सबसे पहले कोविड-19 का टीका लगवाना चाहिए। आंबेडकर ने संवाददाताओं से कहा कि तीन नए कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग करते हुए दिल्ली की अलग-अलग सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे किसानों के समर्थन में वीबीए 27 जनवरी को पूरे महाराष्ट्र में प्रदर्शन करेगी।उन्होंने संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री (महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे) को सबसे पहले कोविड-19 का टीका लगवाना चाहिए और लोगों के संदेह को दूर करना चाहिए। उनको टीका लगते ही मैं भी टीका लगवाने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए आगामी आंदोलन वीबीए के मुस्लिम स्वयंसेवक करेंगे। आंबेडकर ने कहा, दिल्ली के शाहीन बाग आंदोलन के दौरान सिखों ने आंदोलनकारियों की सुरक्षा की थी और अब मुस्लिम इस आंदोलन के प्रति अपना समर्थन दिखाएंगे। उन्होंने प्रस्तावित आंदोलन का नाम किसान बाग दिया।

पलामू में हिरण के मांस के साथ छह व्यक्ति हिरासत में

मेदिनीनगर। पलामू जिले के हुसैनाबाद थानान्तर्गत कादलकुर्मी गांव के छह लोगों को जंगली हिरण के मांस के साथ हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हुसैनाबाद के कादलकुर्मी गांव में आज सुबह भटक कर एक हिरण आ गया था जिसे कुछ लोगों ने पकड़ कर मार डाला।पुलिस

●पुलिस सूत्रों ने बताया कि हुसैनाबाद के कादलकुर्मी गांव में आज सुबह भटक कर एक हिरण आ गया था जिसे कुछ लोगों ने पकड़ कर मार डाला

सूत्रों के अनुसार हिरण के मांस बिकने की सूचना पर स्थानीय पुलिस ने कारवाई करते हुए छह व्यक्तियों को तत्काल हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई के लिए वनविभाग के कर्मचारियों को सौंप दिया। उन्होंने बताया कि वन विभाग ने हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ के आधार पर चार किलोग्राम मांस और हिरण के सिर समेत शरीर के कुछ हिस्से को बरामद कर लिया है। मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

जिन्हें दिक्कत है, उन्हें विकल्प देखने के बजाय पार्टी से इस बारे मे बात करनी चाहिए :शताब्दी रॉय

भाषा। कोलकाता

बीरभूम से तृणमूल कांग्रेस सांसद शताब्दी रॉय ने शनिवार को कहा कि जिन पार्टी कार्यकर्ताओं को समस्या है उन्हें दूसरे विकल्प देखने के बजाय पार्टी से इस बारे में बात करनी चाहिए। शताब्दी ने कुछ समय के असंतोष के बाद कल रात ही पार्टी से समझौता किया है। इससे पहले उनके भाजपा में जाने की अटकलें थीं। अभिनय की दुनिया से राजनीति में आईं शताब्दी रॉय ममता बनर्जी की पार्टी के फिल्म संस्कृति से जुड़े लोगों में प्रमुख चेहरा हैं। शताब्दी ने कहा कि जब पार्टी कड़े मुकाबले का सामना कर रही है, ऐसे में दूसरे विकल्पों की ओर देखना अनैतिक होगा। बाद में उन्होंने एक फेसबुक पोस्ट में अपनी बात धैर्य से सुने जाने पर तृणमूल कांग्रेस नेता और सांसद अभिषेक बनर्जी की प्रशंसा की और कहा कि जिस तरह से युवा नेता ने उनके सभी मुद्दें के समाधान का आश्वासन दिया, उससे वह खुश हैं। उन्होंने कहा, सारे मुद्दे सुलझा लिए गए हैं। पार्टी इन मुद्दों को देखेगी। मैं सभी कार्यकर्ताओं से कहना चाहती हूं कि अगर उन्हें कोई समस्या है तो उन्हें अन्य विकल्पों की ओर देखने के बजाय इस मामले पर पार्टी के साथ चर्चा करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक के साथ शुक्रवार को दो घंटे तक चली बैठक के बाद शताब्दी रॉय ने कहा था कि उनके तृणमूल कांग्रेस छोड़ने का कोई सवाल ही नहीं उठता। इसके बाद उन्होंने शनिवार को प्रस्तावित अपनी दिल्ली यात्रा को रद्द कर दिया था।

क्विक न्यूज

पीएमएलए : सरनाइक के सहयोगी चंदोले की जमानत याचिका खारिज

मुंबई। मुंबई मे पीएमएलए की विशेष अदालत ने शिवसेना के विधायक प्रताप सरनाइक के कथित सहयोगी अमित चंदोले की प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज धनशोधन मामले मे जमानत याचिका शनिवार को खारिज कर दी।चंदोले को पिछले वर्ष नवंबर मे धनशोधन निवारण अधिनियम के मामले मे गिरफ्तार किया गया था। मामला सुरक्षा एवं अन्य सेवाएं प्रदान करने वाली एक कंपनी से जुड़ा हुआ है।उनकी जमानत याचिका को पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश ए. ए. नंदगांवकर ने खारिज किया। हालांकि विस्तृत आदेश अभी उपलब्ध नही हुआ है।ईडी ने कहा है कि वह चंदोले, सरनाइक, सुरक्षा सेवा प्रदान करने वाली कंपनी टॉप्स ग्रुप और इसके प्रवर्तक राहुल नंदा के कथित संदिग्ध लेन-देन की जांच कर रही है। इन सभी ने आरोपों से इंकार किया है।

ठाणे के परिवार ने ट्रांसजेंडर के साथ हल्दी कुमकुम मनाया

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले मे रहने वाले परिवार ने समावेशी समाज का संदेश देने के लिए अनूठा तरीका अपनाया और पारंपरिक हल्दी कुमकुम के उत्सव में ट्रांसजेंडर को आमंत्रित किया। महात्रे परिवार ने अपने खोपरी आवास मे शुक्रवार को इन विशेष आमंत्रितो का गर्मजोशी से स्वागत किया। परिवार के एक सदस्य ने बताया कि इससे पहले उन्होने पारिवारिक शादी समारोह में ट्रांसजेंडर को आमंत्रित किया था। इस उत्सव में हल्दी, कुमकुम, तिल, पूरन पोली और माला का इस्तेमाल किया जाता है और ट्रांसजेंडर को आमंत्रित करने का विचार पेशे से स्थानीय पत्रकार प्रज्ञा महात्रे का था। उल्लेखनीय है कि हल्दी कुमकुम उत्सव मे सुहागिन औरतें पति की लंबी आयु के लिए एक दूसरे को हल्दी कुमकुम देती है।

पीएम-केयर्स कोष में पारदर्शिता पर 100 पूर्व नौकरशाहों ने सवाल उठाए

नई दिल्ली, 16 जनवरी (भाषा) सौ पूर्व नौकरशाहो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शनिवार को लिखे एक खुले पत्र मे पीएम-केयर्स निधि मे पारदर्शिता को लेकर सवाल उठाए है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जवाबदेही के मानकों के पालन के मद्देनजर प्राप्तियो और खर्चों का वित्तीय ब्योरा उपलब्ध कराना जरूरी है ताकि किसी तरह की अनियमितता के संदेह से बचा जा सके। पूर्व अधिकारियो ने खुले पत्र मे लिखा, हम पीएम-केयर्स या आपात स्थिति मे नागरिक सहायता और राहत के बारे में जारी बहस पर करीब से नजर रख रहे है। यह कोष कोविड महामारी से प्रभावित लोगों के फायदे के लिए बनाया गया था। जिस उद्देश्य से यह कोष बनाया गया और जिस तरह से इसे संचालित किया गया, दोनो को लेकर कई सवाल अनुत्तरित है। उन्होने कहा, आवश्यक है कि प्रधानमंत्री से जुड़े समस्त लेनदेन मे पूरी तरह पारदर्शिता सुनिश्चित करके प्रधानमंत्री के पद और दर्जे को अक्षुण्ण रखा जाए। पत्र पर पूर्व आईएएस अधिकारियों अनिता अग्निहोत्री, एस पी अंब्रोसे, शरद बेहार, सज्जाद हासन, हर्ष मंदर, पी जॉय ओमेन, अरुणा रॉय, पूर्व राजनयिको मधु भादुड़ी, के पी फाबियान, देब मुखर्जी, सुजाता सिंह और पूर्व आईपीएस अधिकारियो ए एस दुलात, पी जी जे नंबूदरी तथा जूलिया रीबीरो आदि के हस्ताक्षर है।

औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजीनगर करने का निर्णय सर्वसम्मति से होगा : आदित्य ठाकरे

औरंगाबाद। शिवसेना नेता और महाराष्ट्र के मंत्री आदित्य ठाकरे ने शनिवार को कहा कि औरंगाबाद का विकास एक महत्वपूर्ण पहलु है और उसका नाम बदलकर संभाजीनगर करने का निर्णय सत्तारूढ़ महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के घटको के बीच सर्वसम्मति से लिया जाएगा।

नाम परिवर्तन का पैरोकार रही शिवसेना एमवीए के घटक कांग्रेस के विरोध का सामना कर रही है जबकि भाजपा यह दावा करते हुए उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली पार्टी पर हमला कर रही है कि वह बस सत्ता मे बने रहने के लिए अपनी पुरानी मांग त्याग रही है। औरंगाबाद स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कोरपोरेशन लिमिटेट द्वारा तैयार किए गए अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र, कमान नियंत्रण कक्ष और साइकिल मार्ग का उद्घाटन करने यहां आए आदित्य ठाकरे ने कहा, हम औरंगबाद शहर की सूरत बदलने पर ध्यान दे रहे है। उन्होने कहा, इस शहर का नाम बदलने का फैसला राज्य की एमवीए सरकार द्वारा सर्वसम्मति से किया जाएगा। भाजपा की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के सदस्यो द्वारा शहर मे कुछ स्थानो पर लगाए गए नमस्ते संभाजीनगर साइनबोर्ड के आलोक मे मंत्री ने कहा कि शिवसेना की पूर्व सहयोगी जब पांच साल तक राज्य मे सत्तासीन थी तब उसने इस शहर का नाम बदलने के लिए कुछ नही किया।

मणिपुर मंत्रिमंडल ने 27 जनवरी से स्कूलों और कॉलेजों को पुन: खोलने की मंजूरी दी

भाषा। इम्फाल

मणिपुर सरकार ने राज्य में 27 जनवरी से स्कूलों और कॉलेजों को फिर से खोलने का फैसला किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में फैसला हुआ कि 9वीं से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए स्कूलों को फिर से खोला जाएगा। सूचना और जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार फैसला किया गया है कि कोविड-19 की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का कड़ाई से पालन करते हुए 27 जनवरी से सभी कॉलेजों को पुन: खोला जाएगा। विज्ञप्ति के अनुसार कामजोंग जिला मुख्यालय में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में स्वायत्त जिला परिषद तथा शहरी निकायों में चुनाव कराने पर भी सहमति बनी।

महाराष्ट्र: अदालत ने पालघर भीड़ हिंसा मामले में 89 आरोपियों को जमानत दी

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक विशेष अदलत ने पालघर भीड़ हिंसा मामले में 89 आरोपियों को शनिवार को जमानत दे दी। यह घटना पिछले साल अप्रैल में हुई थी, जिस दौरान दो साधुओं और उनके वाहन चालक की भीड़ ने पीट-पीट कर हत्या कर दी थी। जिला न्यायाधीश एस बी बाहलकर ने अपने आदेश में 89 आरोपियों को जमानत दे दी। साथ ही, उन्होंने मामले की अगली सुनवाई की तारीख 15 फरवरी निर्धारित की है। आरोपियों की ओर से पेश हुए वकील अमृत अधिकारी और अतुल पाटिल ने अदालत में दलील दी कि याचिकाकर्ताओं की हमले में कोई भूमिका नहीं थी और पुलिस ने महज संदेह के आधार पर उन्हें गिरफ्तार किया था। इस मामले में कुल 201 लोग गिरफ्तार किए गए थे और उनमें से 75 मुख्य आरोपी जेल में हैं।

मुंबई के एक अस्पताल में कोविड वैक्सीनेशन की प्रधानमंत्री द्वारा शुरुआत करने के दौरान सेल्फी लेतीं स्वास्थ्य कर्मी

उत्तराखंड पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक रियलिटी शो की मेजबानी करेंगे अमिताभ बच्चन

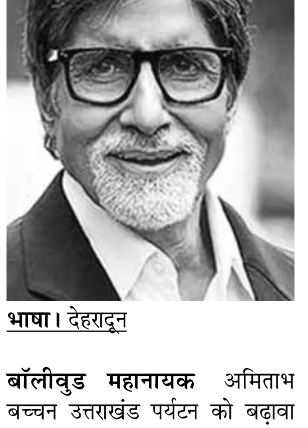

भाषा। देहरादून

बॉलीवुड महानायक अमिताभ बच्चन उत्तराखंड पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही एक रियलिटी शो की मेजबानी करेंगे। उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने शुक्रवार देर रात मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया। कैबिनेट मंत्री और राज्य सरकार के प्रवक्ता मदन कौशिक ने कहा कि 100 डेज इन हेवन नाम के शो की मेजबानी दिग्गज बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन करेंगे, जिसका प्रसारण कई टीवी समाचार और मनोरंजन चैनलों पर किया जाएगा। उन्होंने कहा, "यह कार्यक्रम उत्तराखंड पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक तरह का विज्ञापन अभियान होगा, जो काम अभिनेता गुजरात के लिए कर रहे हैं। कौशिक ने कहा कि फिल्म निर्माण कंपनी मेसर्स जंपिंग टोमैटो मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड यह शो बनाएगी, जिसके लिए राज्य सरकार उसे 12.81 करोड़ रुपए देगी।

अवैध शराब पकड़ने गए पुलिस दल पर लोगों ने किया हमला, दो पुलिसकर्मी घायल

राजगढ़ (मप्र)। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में अवैध शराब बनाने वालों को पकड़ने के लिए शनिवार सुबह एक गांव में पहुंचे पुलिस दल पर शराब निर्माण करने वालों ने हमला कर दिया। इस हमले में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए।सारंगपुर के अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) जॉयस दास ने बताया कि शनिवार सुबह को चार थानों के संयुक्त पुलिस दल ने पचौर थाना क्षेत्र के तहत कंजरपुरा गांव में अवैध शराब बनाने वालों के ठिकाने पर छापा मारा। उन्होंने बताया कि छापे के दौरान अवैध शराब बनाने वालों ने पुलिस दल पर पथराव कर दिया। इससे दो सिपाई घायल हो गए। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद छापे के दौरान पुलिस दल ने शराब बनाने में इस्तेमाल सामग्री को नष्ट किया और सात लोगों को मौके से गिरफ्तार किया। दास ने कहा कि पत्थरबाजी के जवाब में पुलिस को आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा।एसडीओपी पुलिस ने बताया कि इस मामले में एक दर्जन लोगों के खिलाफ संबद्ध धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

कोविड-19 टीकाकरण अभियान शुरू होना क्रांतिकारी कदम: ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शनिवार को शुरू हुए कोविड-19 टीकाकरण अभियान को क्रांतिकारी कदम करार दिया और महामारी के दौरान स्वास्थ्य कर्मचारियों तथा अग्रिम मोर्चे पर तैनात कर्मियों द्वारा किए गए प्रयासों को याद किया। मुख्यमंत्री ने यहां बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में कोविड केन्द्र में टीकाकरण अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि जब कोई उपचार उपलब्ध नहीं था तब कोरोना योद्धाओं ने निस्वार्थ तरीके से कोविड-19 रोगियों का इलाज किया। उन्होंने कहा, उन दिनों के याद करके मैं अब भी सहम जाता हूं। उस समय हालात सचमुच बहुत प्रतिकूल और नाजुक थे। हर किसी के सामने यही सवाल था कि अब आगे क्या किया जाए और कोई समाधान नहीं नजर नहीं आ रहा था। हालात के चलते हर कोई दबाव में था। ठाकरे ने कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों और कोरोना योद्धाओं के प्रयासों का नतीजा है कि इस कोविड केन्द्र में अब कोई संक्रमित इलाज के लिए नहीं रह गया है।

मौजूदा तानाशाही शासन के खिलाफ खड़े होने के लिए राहुल गांधी को याद रखेगा इतिहास: महबूबा

भाषा। श्रीनगर

पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को कहा कि मौजूदा तानाशाही शासन के खिलाफ खड़े रहने के लिए इतिहास राहुल गांधी को याद रखेगा। मुफ्ती ने ट्विटर पर लिखा कि वास्तव में नया भारत चुनिंदा लोगों की गिरफ्त में है और गांधी एकमात्र नेता हैं जो सच बोलने की हिम्मत रखते हैं।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख मुफ्ती ने कहा, आप राहुल गांधी का कितना भी मजाक उड़ाएं, लेकिन वह एकमात्र नेता हैं जो सच बोलने की हिम्मत रखते हैं। यह तथ्य है कि नया भारत चुनिंदा लोगों और साठगांठ रखने वाले पूंजीपतियों की गिरफ्त में है। मौजूदा तानाशाही शासन के खिलाफ खड़े रहने के लिए इतिहास उनको याद रखेगा। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती ने एक और ट्वीट किया कि केन्द्र सरकार ने अपनी पालतू एजेंसी राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) को तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहीं किसान यूनियन के पीछे लगा दिया। उन्होंने लिखा, भारत सरकार की पालतू एजेंसी अब किसान यूनियनों के पीछे पड़ी है। भारत की शीर्ष आतंकवाद जांच एजेंसी के पाखंड को कश्मीरियों, किसान और असहमति रखने वालों को फंसाने के उसके ढंग से समझा जा सकता है।

असम के पूर्व मुख्यमंत्री प्रफुल्ल महंत को अस्पताल में भर्ती कराया गया, हालत स्थिर

गुवाहाटी। असम के पूर्व मुख्यमंत्री प्रफुल्ल कुमार महंत को सीने में दर्द होने के बाद यहां के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर है। यह जानकारी शनिवार को अस्पताल की एक प्रवक्ता ने दी।सीने में दर्द और सांस लेने में दिक्कत की शिकायत के बाद 68 वर्षीय पूर्व छात्र नेता को शुक्रवार रात को अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती कराया गया। असम में अवैध प्रवासियों के खिलाफ उन्होंने छह वर्षों तक आंदोलन चलाया था।उन्होंने कहा कि वह जठरशोथ की बीमारी से पीड़ित थे और उनकी हालत स्थिर है और आज सुबह उन्हें आईसीयू से निकालकर एक केबिन में भेजा गया। महंत को पिछले वर्ष सितंबर में इसी अस्पताल में उच्च रक्त चाप के बाद भर्ती कराया गया था, लेकिन उनकी हालत में सुधार आने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।महंत फिलहाल बहरामपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं जिसका वह 1991 से लगातार पांच बार से प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।महंत के नेतृत्व में असम गण परिषद 1985 और 1996 में दो बार सत्ता में रही।

नेपाल घरेलू राजनीति में कभी हस्तक्षेप स्वीकार नहीं करता : प्रदीप ज्ञवाली

भाषा। नई दिल्ली

नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीप कुमार ज्ञवाली ने शनिवार को कहा कि नेपाल अपनी घरेलू राजनीति में हस्तक्षेप स्वीकार नहीं करता क्योंकि वह अपनी आंतरिक समस्याओं को संभालने में सक्षम है। ज्ञवाली के बयान नेपाल की संसद भंग होने के बाद उस देश में राजनीतिक संकट में चीन के दखल की पृष्ठभूमि में आए हैं।

ज्ञवाली ने एक पत्रकार वार्ता में यह बात कही। उनसे पिछले महीने नेपाल में तेजी से घटे राजनीतिक घटनाक्रम के बाद चीन के हस्तक्षेप के प्रयासों के बारे में पूछा गया था। नेपाली विदेश मंत्री ने कहा, हम अपनी घरेलू राजनीति में कभी हस्तक्षेप स्वीकार नहीं करते। हम अपनी समस्याओं के समाधान में सक्षम हैं। करीबी पड़ोसी होने के नाते कुछ चिंताएं या सवाल हो सकते हैं, लेकिन हम कभी दखल मंजूर नहीं करते। नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली के संसद को भंग करने और सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) में आंतरिक विवाद के बीच नए सिरे से चुनाव कराने के फैसले के बाद वहां राजनीतिक संकट गहरा गया था। संकट गहराने के बीच चीन ने हड़बड़ी में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के अंतरराष्ट्रीय विभाग के उप मंत्री गुओ एझोऊ की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय दल को एनसीपी के प्रतिद्वंद्वी गुटों से बातचीत के लिए काठमांडू भेजा था। इससे पहले नेपाल में चीनी राजदूत ने भी मतभेदों को सुलझाने का प्रयास किया लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। इस दल ने नेपाल के सभी शीर्ष नेताओं के साथ बातचीत की लेकिन उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा। नेपाल के राजनीतिक घटनाक्रम में चीन की दखलंदाजी पर नेपाल से कड़ी प्रतिक्रिया आई। ज्ञवाली ने कहा कि नेपाल के रिश्ते भारत और चीन दोनों के साथ बहुत अच्छे हैं और वह कभी एक दूसरे के साथ संबंधों की तुलना नहीं करता है। राजनीतिक संकट और एनसीपी नेता पुष्प कमल दहल प्रचंड की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर ज्ञवाली ने सीधी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी लेकिन कहा कि नेपाल के विदेश मंत्री के रूप में वह नेपाल में सभी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

उन्होंने संसद भंग करने के ओली के फैसले को भी उचित ठहराया और कहा कि उन्होंने लोगों से नए सिरे से जनादेश मांगने के लोकतांत्रिक सिद्धांत का पालन किया है जिनका फैसला लोकतंत्र में सर्वोपरि होता है। नेपाल और भारत के बीच सीमा विवाद पर विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देशों की इस मुद्दे के समाधान की एक जैसी प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा, सीमा की शुचिता और सुरक्षा समग्र विकास सहयोग के विस्तार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। हम दोनों ने इस जरूरत को समझा है। नेपाल ने पिछले साल एक नए राजनीतिक मानचित्र का प्रकाशन किया था और उसमें तीन भारतीय क्षेत्रों– लिंपियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख को अपने हिस्सों के तौर पर दर्शाया था जिसके बाद दोनों के बीच संबंधों में तनाव आ गया था। इन क्षेत्रों पर भारत के दावे के बारे में पूछे जाने पर ज्ञवाली ने कहा, ऐतिहासिक दस्तावेज वास्तविकता बयां करते हैं। उनका इशारा था कि ए क्षेत्र नेपाल के हैं। उन्होंने कहा कि हम समाधान निकालने के लिए परस्पर विश्वास के साथ बैठकर बात कर सकते हैं। नेपाल के विदेश सचिव भरत राज पौडयाल के साथ ज्ञवाली बृहस्पतिवार को तीन दिन की यात्रा पर यहां पहुंचे थे। ज्ञवाली ने शुक्रवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर बात की।

भारत-नेपाल संबंधों में असीम संभावनाएं हैं: राजनाथ सिंह

भाषा। नई दिल्ली

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने नेपाल के विदेशमंत्री प्रदीप कुमार ज्ञवाली के साथ शनिवार को हुई बैठक के बाद कहा कि भारत-नेपाल संबंधों में असीम संभावनाएं हैं। उल्लेखनीय है कि ज्ञवाली, नेपाल के विदेश सचिव भरत राज पौडयाल के साथ बृहस्पतिवार को तीन दिवसीय भारत यात्रा पर आए हैं।

ज्ञवाली ने शुक्रवार को भारत के विदेशमंत्री एस जयशंकर के साथ हुई बैठक में द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की थी। राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया, नेपाल के विदेशमंत्री प्रदीप कुमार ज्ञवाली के साथ आज बैठक शानदार रही। नेपाल के साथ भारत के संबंध दोनों देशों की सरकारों तक सीमित नहीं हैं बल्कि यह दोनों देशों के लोगों द्वारा संचालित हैं।

नई दिल्ली में शनिवार को केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने अपनी बैठक से पहले नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीप ज्ञवाली को बधाई दी।

भारत और नेपाल के संबंध असीमित संभावनाओं वाले हैं। उल्लेखनीय है कि नेपाल द्वारा पिछले साल नया राजनीतिक मानचित्र जारी करने एवं उसमें लिम्पियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख को नेपाल का हिस्सा दिखाए जाने के बाद से दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण हो गए थे। ज्ञवाली और जयशंकर के बीच बृहस्पतिवार को हुई बातचीत में दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की गई और संपर्क, व्यापार एवं ऊर्जा जैसे अहम क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने के लिए सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की गई।

बेंगलुरु में शनिवार को एचएएल हवाई अड्डे के बाहर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा को माला पहनाते पार्टी कार्यकर्ता।

भाजपा ने शाहनवाज हुसैन को बिहार विधान परिषद चुनाव में उम्मीदवार बनाया

नई दिल्ली। भाजपा ने राष्ट्रीय प्रवक्ता व पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन को बिहार विधान परिषद चुनाव के मद्देनजर शनिवार को उम्मीदवार बनाया। इसके साथ ही हुसैन की चुनावी राजनीति में वापसी हो गई है। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में हार के बाद यह पहला मौका है जब वह चुनाव मैदान में उतरेंगे। वर्ष 2014 में वह भागलपुर से लोकसभा का चुनाव हार गए थे जबकि 2019 में उन्हें पार्टी ने टिकट नहीं दिया था। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के कार्यकाल में वह नागरिक उड्डयन मंत्री भी रह चुके हैं। पार्टी ने हुसैन को बिहार से उम्मीदवार बनाने के अलावा उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव के लिए भी छह उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। इनमें कुंवर मानवेन्द्र सिंह, गोविंद नारायण शुक्ला, सलिल बिश्नोई, अश्विनी त्यागी, धर्मवीर प्रजापति और सुरेन्द्र चौधरी शामिल हैं। राज्य की 12 विधान परिषद सीटों के लिए 28 जनवरी को मतदान होना है और नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तारीख 18 जनवरी है।

देश में कोविड-19 के 15,158 नए मामले

संक्रमण से 175 मरीजों की मौत

भाषा। नई दिल्ली

देश में कोविड–19 के 15,158 नए मामले सामने आने के साथ शनिवार को देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 1,05,42,841 हो गए, वहीं संक्रमण से उबरने वालों की संख्या भी बढ़कर 1,01,79,715 हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

मंत्रालय की ओर से जारी सुबह आठ बजे के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार देश में 175 और संक्रमितों की मौत हुई जिससे मृतक संख्या बढ़कर1,52,093 हो गई है। आंकड़ों के अनुसार संक्रमणमुक्त होने वाले लोगों की संख्या बढ़ कर 1,01,79,715 हो गई है तथा ठीक होने वालों की दर बढ़कर 96.56 फीसदी हो गई है। देश में कोरोना वायरस से मृतक दर 1.44 फीसदी है। शनिवार को कोविड–19 के

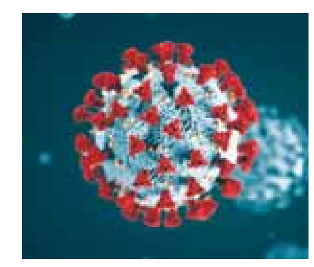

उपचाराधीन मरीजों की संख्या तीन लाख से कम बनी रही। आंकड़ों के मुताबिक देश में कोरोना वायरस के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 2,11,033 है जो संक्रमण के कुल मामलों का दो फीसदी है। भारत में सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को 40 लाख के पार चली गई थी।

वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितम्बर को 50 लाख, 28 सितम्बर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवम्बर को 90 लाख और 19 दिसम्बर को एक करोड़ के पार चले गए थे। भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार देश में 15 जनवरी तक कुल 18,57,65,491 नमूनों की कोविड–19 संबंधी जांच की गई। उनमें से 8,03,090 नमूनों की जांच शुक्रवार को की गई। कोविड–19 से जिन 175 लोगों की मौत हुई है उनमें से 45 महाराष्ट्र से, 23 केरल से, 16 पश्चिम बंगाल से, 15 उत्तर प्रदेश से, 12 पंजाब से और 10 दिल्ली से हैं।

देश में कोरोना वायरस के कारण अब तक कुल 1,52,093 लोगों की मौत हुई है जिनमें से 50,336 महाराष्ट्र से, 12,251 तमिलनाडु से, 12,158 कर्नाटक से, 10,732 दिल्ली से, 10,026 पश्चिम बंगाल से, 8,558 उत्तर प्रदेश से, 7,139 आंध्र प्रदेश से तथा 5,485 लोग पंजाब से हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अभी तक जिन लोगों की मौत हुई, उनमें से 70 प्रतिशत से ज्यादा मामलों में मरीजों को अन्य बीमारियां भी थीं। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि आईसीएमआर के आंकड़ों के साथ उसके आंकड़ों का मिलान किया जा रहा है।

बाइडन टीम में शामिल की गई कश्मीर मूल की महिला के रिश्तेदारों ने कहा: गर्व की बात

भाषा। श्रीनगर

कश्मीर मूल की समीरा फाजिली को अमेरिका व्हाइट हाउस में राष्ट्रीय आर्थिक परिषद की उप निदेशक नियुक्त किए जाने पर उनके रिश्तेदारों ने कहा कि यह पूरे कश्मीर के लिए गर्व की बात है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की हस्तांतरण टीम ने व्हाइट हाउस में राष्ट्रीय आर्थिक परिषद की उप निदेशक के रूप में फाजिली को नामित किया है। परिषद आर्थिक नीति-निर्माण प्रक्रिया का समन्वय करती है और अमेरिकी राष्ट्रपति को सलाह प्रदान करती है। फाजिली कश्मीर मूल की ऐसी दूसरी भारतीय-अमेरिकी हैं जिन्हें बाइडन प्रशासन में एक महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया गया है। समीरा फाजिली के एक रिश्तेदार राऊफ फाजिली ने पीटीआई-भाषा से कहा, हमें बहुत गर्व है। कश्मीर में हर किसी को गर्व होना चाहिए क्योंकि यह पूरे कश्मीर के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा, हम सभी के लिए यह सम्मान की बात है और बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, वह यहां पैदा नहीं हुई थी और उसके माता-पिता ने 1970-71 में घाटी छोड़ दी थी, लेकिन उसका कश्मीर के साथ एक मजबूत रिश्ता है। वह अंतिम बार 2007 में घाटी आई थीं। समीरा फाजिली के पिता एक सर्जन और मां एक पैथोलॉजिस्ट हैं। उनके परिवार के एक और करीबी सदस्य ने कहा कि समीरा एक होनहार बच्ची थी और पढ़ाई में अच्छी थी। रिश्तेदार ने कहा, उसके माता-पिता चाहते थे कि वह एक चिकित्सक बने, लेकिन उसकी अन्य योजनाएं थीं। उसका झुकाव जन सेवा की ओर था। उन्होंने कहा कि समीरा फाजिली एक बहुत सक्रिय व्यक्ति हैं जो स्कीइंग, तैराकी, टेनिस और यात्रा करना पसंद करती हैं। उन्होंने कहा कि वह कश्मीरी व्यंजनों की बहुत शौकीन थी। वह वर्तमान में बाइडन-हैरिस हस्तांतरण पर आर्थिक एजेंसी का नेतृत्व कर रही है और इससे पहले फेडरल रिजर्व बैंक ऑफ अटलांटा में नियुक्त थी। गौरतलब है कि दिसम्बर में कश्मीर मूल की एक अन्य महिला आयशा शाह को व्हाइट हाउस की डिजिटल रणनीति टीम में एक प्रमुख अधिकारी के तौर पर शामिल किया गया था।

पाकिस्तान पर भारत की जीत की प्रतीक स्वर्णिम विजय मशाल नैनीताल पहुंची

भाषा। नैनीताल

वर्ष 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत की प्रतीक स्वर्णिम विजय मशाल यहां पहुंच गई है। यह विजय मशाल शुक्रवार को यहां भारतीय सेना के सिग्नल कोर मुख्यालय पहुंची और इसे शनिवार को जनता के अवलोकन के लिए रखा गया। इस अवसर पर सेना के बैंडों ने प्रस्तुति दी।

सिग्नल कोर के कर्मियों तथा डीएसबी कॉलेज के एनसीसी कैडेटों ने विजय मशाल का भव्य स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले साल 16 दिसंबर को दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक से चार विजय मशालों को देश के अलग-अलग हिस्सों के लिए रवाना किया था। वर्ष 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर जीत के उपलक्ष्य में भारत हर साल 16 दिसंबर को विजय दिवस मनाता है। इस युद्ध में भारतीय सेना की वीरता के कारण बांग्लादेश के रूप में एक नया देश अस्तित्व में आया था।

कोविड टीका: वैज्ञानिकों की सराहना में एक भी शब्द नहीं बोलने को लेकर भाजपा ने साधा राहुल पर निशाना

भाषा। नई दिल्ली

भाजपा नेताओं ने कोविड–19 टीकाकरण के सरकार के प्रयासों पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के सवाल उठाने और टीकाकरण अभियान की शुरुआत के मौके पर वैज्ञानिकों और स्वास्थ्य कर्मियों की सराहना में एक भी शब्द नहीं बोलने को लेकर शनिवार को उनपर निशाना साधा।

भाजपा नेता अमित मालवीय ने ट्वीट किया, राहुल गांधी ने कोविड–19 टीकाकरण को लेकर सरकार के प्रयासों पर सवाल उठाए, लेकिन भारत में बने दो टीकों को मोदी प्रशासन द्वारा मंजूरी देने के बाद आज जब भारत ने सबसे बड़े टीकाकरण अभियान की शुरुआत की तो उनका (राहुल का) एक भी ट्वीट नहीं आया। भारतीय वैज्ञानिकों और स्वास्थ्यकर्मियों की सराहना में एक शब्द तक नहीं ? मालवीय ने टीके को लेकर सरकार की आलोचना वाले राहुल गांधी के ट्वीट भी साझा किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कोविड–19 के खिलाफ भारत में विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान की शुरुआत की और देश को आश्वस्त किया कि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने भारत में बने टीकों के प्रभावों से संतुष्ट होने के बाद ही इनके उपयोग की अनुमति दी है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे अफवाहों और टीके के बारे में भ्रामक प्रचार से गुमराह न हों। अभियान की शुरुआत से पहले राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि यही टीके अब भारत को कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में निर्णायक जीत दिलाएंगे। प्रधानमंत्री ने जनता से आग्रह किया कि जिस तरह धैर्य के साथ उन्होंने कोरोना वायरस का मुकाबला किया, वैसा ही धैर्य अब टीकाकरण के समय भी दिखाना है।

गौरतलब है कि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित ऑक्सफोर्ड के कोविड–19 टीके कोविशील्ड और भारत बायोटेक के स्वदेश विकसित टीके कोवैक्सीन को देश में सीमित आपात इस्तेमाल के लिए भारत के औषधि नियामक ने हाल ही में मंजूरी दी थी।

बीआरओ ने जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर बेलि पुल का काम पूरा किया

रामबना, जम्मू। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर केला मोड़ पर बेलि पुल के निर्माण का काम पूरा कर लिया गया है और इस पर पूर्व परीक्षण भी सलफतापूर्वक कर लिया गया है। इससे सामरिक दृष्टि से अहम सड़क पर यातायात बहाल करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने शनिवार को बताया कि जम्मू कश्मीर के दो राजधानी शहरों को जोड़ने वाली सड़क पर 10 जनवरी को यातायात बंद कर दिया गया था क्योंकि रामबन में केला मोड़ के पास सड़क का एक हिस्सा ढंस गया था। इस घटना से कुछ घंटे पहले 270 किलोमीटर लंबे राजमार्ग को खोला गया था जो भारी बर्फबारी और कई स्थानों पर हुए भूस्खलन की वजह से एक हफ्ते से बंद था। प्रोजेक्ट बीकॉन के मुख्य अभियंता ब्रिगेडियर आई के जग्गी ने बताया, हमने महज 60 घंटों में महत्वपूर्ण पुल का काम पूरा कर लिया है। इस पर यातायात बहाल हो सकता है क्योंकि शनिवार को पूर्व परीक्षण सलफतापूर्वक कर लिया गया है। पुल के निर्माण की निगरानी कर रहे है ब्रिगेडियर जग्गी ने बताया कि पुल पर गाड़ियों की आवाजाही शनिवार शाम से शुरू होगी।

पीएफआई के सदस्य को अदालत लेकर नहीं पहुंच सकी पुलिस दोबारा से किया जाएगा प्रयास

भाषा। मथुरा

उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद में पुलिस को कथित तौर विदेशी फण्डिंग के जरिए प्रदेश में साम्प्रदायिक दंगा भड़काने के प्रयास आदि के गंभीर मामलों में पापुलर फ्रण्ट ऑफ इण्डिया के खिलाफ चल रहे मुकदमे में पुलिस केरल में गिरफ्तार किए गए उसके एक अन्य महत्वपूर्ण सदस्य रऊफ शरीफ को अपर जिला जज एवं सत्र न्यायालय (प्रथम) की अदालत में पेश नहीं कर सकी।

जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तरकर ने बताया, चार जनवरी को हुई पिछली सुनवाई के दौरान तय किया गया था कि पुलिस केरल में गिरफ्तार किए गए पीएफआई के कुख्यात सदस्य रऊफ शरीफ को अदालत में पेश करेगी। तरकर ने बताया कि अदालत ने इसके लिए विशेष कार्यबल (एसटीएफ) को बी-वारंट जारी किया था, लेकिन जब पुलिस केरल पहुंची तो पता लगा कि रऊफ ने वहां उच्च न्यायालय में स्वयं को निर्दोष सिद्ध करने के लिए मामला दायर किया हुआ है। उन्होंने बताया कि इस कारण केरल की जेल से उसे मथुरा की अदालत में पेश करने के लिए नहीं भेजा जा सकता।

उन्होंने बताया कि इसी वजह से पुलिस उसे यहां की अदालत में पेश नहीं कर सकी। उल्लेखनीय है कि मांट पुलिस ने हाथरस में दंगा भड़काने व देशद्रोह के आरोप में कार से दिल्ली से हाथरस जाते समय एक्सप्रेस-वे के मांट टोल पर पीएफआईसीएफआई के चार सदस्यों मंसूर, आलम, अतीकुर्हमान व कप्पन सिद्दीक को गिरफ्तार किया था। उनसे मिली जानकारी के आधार पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केरल निवासी रऊफ शरीफ को गिरफ्तार किया था। रऊफ ने ही उन लोगों के खाते में विदेश से प्राप्त धन की अच्छी-खासी मात्रा ट्रांसफर की थी।

पेज 1 का शेष

भारत में...

ने कहा कि टीका देश में कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में निर्णायक जीत सुनिश्चित करेगा। अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री उस वक्त भावुक हो गए जब उन्होंने कोरोना संक्रमण काल के दौरान लोगों को हुई तकलीफों, अपने प्रियजनों को खोने और यहां तक कि उनके अंतिम संस्कार तक में शामिल न हो पाने के दर्द का जिक्र किया। रुंधे गले से प्रधानमंत्री ने महामारी के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों और संक्रमण के जोखिम की आशंका वाले मोर्चे पर तैनात कर्मचारियों की कुर्बानियों को याद किया जिनमें से सैकड़ों की संक्रमण की वजह से मौत हो गई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारा टीकाकरण कार्यक्रम मानवता की चिंता से प्रेरित है, जिन लोगों को सबसे अधिक खतरा है, उन्हें प्राथमिकता मिलेगी। उल्लेखनीय है कि पूरे भारत में बड़े पैमाने पर टीकाकरण का रास्ता साफ करते हुए भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने इस महीने की शुरुआत में ऑक्सफोर्ड व एस्ट्रेजेनेका द्वारा विकसित और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा उत्पादित कोविशील्ड एवं भारत बायोटेक द्वारा विकसित स्वदेशी कोवैक्सीन को आपात इस्तेमाल की मंजूरी दी थी। अधिकारियों ने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थापित 3006 केंद्रों पर पहले दिन करीब तीन लाख स्वास्थ्य कर्मियों का टीकाकरण होगा और प्रत्येक सत्र में 100 लोगों को टीका दिया जाएगा। कोविड–19 से बचाव के लिए टीके की खुराक सबसे पहले अनुमानित एक करोड़ स्वास्थ्य कर्मियों को और इसके बाद दो करोड़ अग्रिम मोर्चे पर काम करने वाले कर्मियों को दी जाएगी। इसके बाद 50 साल से अधिक उम्र वालों एवं अन्य बीमारियों से ग्रस्त 27 करोड़ लोगों का टीकाकरण करने की योजना है। एम्स में अभियान की शुरुआत के बाद डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि दोनों टीके– भारत बायोटेक के स्वदेषी कोवैक्सीन और ऑक्सफोर्ड/ एस्ट्राजेनेका के कोविषील्ड इस महामारी के खिलाफ लड़ाई में एक संजीवनी हैं। हमने पोलियो के खिलाफ लड़ाई जीती है और अब हम कोविड के खिलाफ युद्ध जीतने के निर्णायक चरण में पहुंच गए हैं।

महाराष्ट्र से...

अनिच्छा जाहिर की। इस वैक्सीन के तीसरे चरण के ट्रायल के परिणाम आने अभी बाकी हैं। ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) ने इस महीने की शुरुआत में सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा निर्मित ऑक्सफोर्ड की वैक्सीन कोविशील्ड और भारत बायोटेक की स्वदेशी वैक्सीन कोवैक्सीन को आपात इस्तेमाल की मंजूरी दी थी। आरएमएल के रेजिडेंट डॉक्टरों की एसोसिएशन आरडीए ने इस संबंध में चिकित्सा अधीक्षक को पत्र लिखकर कोविशील्ड का टीका लगवाने की मांग की। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन के चेयरमैन और संस्थापक डॉ. मनीष जांगड़ा ने पायनियर को बताया कि आरएमएल के डॉक्टर कोवैक्सीन के ट्रायल के नतीजे नहीं आने से इसकी प्रभावकारिता को लेकर आशंकित थे। एसोसिएशन के महासचिव डॉ. निर्मल्य महापात्र ने नॉर्वे का जिक्र करते हुए कहा कि इस यूरोपीय देश में फाइजर–बायोएनटेक कोविड–19 वैक्सीन लेने के बाद 23 बुजुर्ग लोगों की मौत हो गई। इसलिए टीका बनाने वाली कंपनी को ट्रायल के नतीजे मिलने तक सरकार को इंतजार कर लेना चाहिए था। फोर्टिस अस्पताल (गुड़गांव) के इंस्टीट्यूट ऑफ ब्लड डिसऑर्डर एंड बोन मैरो ट्रांसप्लांट के निदेशक डॉ. राहुल भार्गव ने भी ऐसे ही विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सरकार ने तीसरे चरण के ट्रायल से संबंधित प्रोटोकॉल को संशोधित करने का प्रयास किया है। सरकार को फाइजर और एसआईआई की वैक्सीन को हरी झंडी दे देनी चाहिए थी, क्योंकि उन्होंने आवश्यक अध्ययन पूरा कर लिया है। बायोटेक अभी भी ट्रायल के दौर से गुजर रही है। ऐसे में वर्तमान आंकड़ों के आधार पर इसे आगे बढ़ाना लोगों के लिए हानिकारक हो सकता है। डॉ. भार्गव ने कहा कि प्रतिकूल घटनाओं पर बारीकी से नजर रखने की जरूरत है।

कोवैक्सीन टीके...

से संबंधित अन्य सावधानियों का पालन नहीं किया जाना चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि प्रतिकूल प्रभाव के मामले में पीड़ित व्यक्ति को सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकीय रूप से मान्यता प्राप्त देखभाल प्रदान की जाएगी। फार्म में कहा गया है कि गंभीर प्रतिकूल प्रभाव होने पर मुआवजा दवा कंपनी (भारत बायोटेक) द्वारा तब दिया जाएगा जब यह साबित हो जाए कि दुष्प्रभाव टीके के कारण हुआ है। टीका लगवाने वालों को एक फैक्टशीट और सात दिनों के भीतर प्रतिकूल प्रभावों की सूचना देने के लिए एक प्रपत्र भी दिया गया है। भारत बायोटेक द्वारा स्वदेशी तौर पर विकसित कोवैक्सीन को जनहित में आपात स्थितियों में सीमित इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है।

शीर्ष अदालत...

मार्फत दायर कर 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के दिन प्रस्तावित ट्रैक्टर मार्च या किसी अन्य प्रदर्शन पर रोक लगाने की मांग की है। प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ प्रस्तावित ट्रैक्टर मार्च के खिलाफ केंद्र के आवेदन पर 18 मार्च को सुनवाई के लिए सहमत हो गई थी। भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति उन 40 किसान संगठनों में शामिल है जो कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग करते हुए करीब 50 दिनों से दिल्ली की विभिन्न सीमाओं पर आंदोलन कर रहा है। उच्चतम न्यायालय ने एक अंतरिम आदेश में अगले आदेश तक नए कृषि कानूनों के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी थी और शिकायतों को सुनने तथा गतिरोध के समाधान पर अनुशंसा करने के लिए चार सदस्यीय समिति का गठन किया था। समिति में भारतीय किसान यूनियन के भूपेंद्र सिंह मान, अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति शोध संस्थान के दक्षिण एशिया के निदेशक डॉ. प्रमोद कुमार जोशी, कृषि अर्थशास्त्री अशोक गुलाटी और शेतकारी संगठन के अध्यक्ष अनिल घानावत शामिल हैं। बहरहाल, मान ने 14 जनवरी को खुद को समिति से हटा लिया था। भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति ने वकील ए. पी. सिंह के मार्फत दायर जवाब में शीर्ष अदालत से आग्रह किया कि समिति से इन तीनों सदस्यों को हटाया जाए और उन लोगों को नियुक्त किया जाए जो परस्पर सौहार्द के आधार पर रिपोर्ट दे सकें...। ट्रैक्टर रैली पर दिल्ली पुलिस द्वारा रोक लगाने की मांग करने के मुद्दे पर इसने कहा कि सीआरपीसी की धारा 144 के तहत नई दिल्ली क्षेत्र में पहले से ही निषेधाज्ञा लागू है। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न हिस्सों से आए किसान दिल्ली की अलग-अलग सीमाओं पर तीनों नए कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग करते हुए प्रदर्शन कर रहे हैं।

महाराष्ट्र के...

गई। इन नमूनों को निर्धारित प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा गया है। उसने कहा कि इसके अलावा मध्यप्रदेश के छत्तरपुर जिले, गुजरात के सूरत, नवसारी और नर्मदा जिलों, उत्तराखंड के देहरादून जिले और उत्तर प्रदेश के कानपुर में कौवों में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। बयान में कहा गया है कि इसके अतिरिक्त दिल्ली में नजफगढ में कबूतर और ब्राउन फिश उल्लू एवं रोहिणी में सारस में एवियन इंफ्लूएंजा पाया गया। मंत्रालय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के बालोद में कुक्कुट पंछियों को मारने का काम चल रहा है। मध्यप्रदेश में भी त्वरित कार्वाई दलों को तैनात किया गया है। हर्दा जिले में मुर्गियां मारी जा रही हैं। सरकार ने कहा कि देश के प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की निगरानी के लिए बनाए गए केंद्रीय दल प्रभावित स्थलों का दौरा कर रहा है और चीजों का अध्ययन कर रहे हैं।

टीकाकरण का आरंभ

ट्विटर पर छाया- सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान

प्रधानमंत्री के द्वारा कोविड टीकाकरण आरंभ करने के बाद मुंबई में 87 वर्षीय डॉक्टर आशा सिंघल को पहली खुराक देते डॉक्टर

भाषा। नई दिल्ली

भारत के कोविड-19 टीकाकरण अभियान की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरूआत करने के कुछ ही घंटों बाद शनिवार को सोशल मीडिया पर लार्जेस्ट वैक्सीन ड्राइव (सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान) हैशटैग छा गया। साथ ही, लोगों ने राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान शुरू करने के लिए इन ऑनलाइन मंचों पर प्रधानमंत्री की सराहना की।

टीकाकरण की शुरूआत के बाद ट्विटर और अन्य सोशल मीडिया मंचों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन पर चर्चा शुरू हो गई। कई लोगों ने प्रधानमंत्री की टिप्पणियों और टीकाकरण अभियान शुरूआत करने की सरहाना की। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान शुरू होने के कुछ ही घंटों बाद ट्विटर पर 4.3 लाख ट्वीट के साथ लार्जेस्ट वैक्सीन ड्राइव हैशटैग ट्रेंड करने लगा(छा गया)। ट्विटर पर एक व्यक्ति ने कहा, दुनिया परेशान है, फिर भी भारत के लोग आशावादी हैं क्योंकि प्रधानमंत्री हमें बचाएंगे। अर्थव्यस्था का बुरा हाल है, फिर भी भारतीय आशान्वित हैं कि प्रधानमंत्री इसे संभाल लेंगे। टीकों पर भ्रम की स्थिति थी, फिर भी भारत के लोग निश्चंत हैं क्योंकि हम जानते थे कि प्रधानमंत्री सर्वश्रेष्ठ टीके का चयन करेंगे। एक अन्य ट्विटर यूजर ने कहा, एक बार फिर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के लोगों को आश्वस्त किया है कि हम कोविड-19 को शिकस्त देंगे। परिवार के मुखिया के रूप में हमारी देखरेख करने के लिए प्रधानमंत्री, आपका धन्यवाद। एक अन्य व्यक्ति ने (टीका विकसित करने के) अथक प्रयासों के लिए वैज्ञानिकों की संकट के समय में उनके त्रुटिरहित नेतृत्व को लेकर उनकी सराहना की।

ट्विटर यूजर ने कहा, भारत ने विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान की शुरूआत की हैउ वैश्विक टीकाकरण में भारत जो नेतृत्व प्रदर्शित कर रहा है उसका कोई सानी नहीं है। प्रधानमंत्री के संबोधन की सोशल मीडिया पर कई अन्य लोगों ने भी सराहना करते हुए उसे प्रेरणादायक बताया। एक ट्विटर यूजर ने लिखा, संकट के दौरान आपके अतुल्य नेतृत्व के लिए प्रधानमंत्री को बधाई।

हालांकि, टीके को लेकर ट्विटर पर कुछ आलोचना और आगाह करने वाली टिप्पणी भी देखने को मिली। वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने मीडिया में आई एक रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि नार्वे में कोविड-19 टीके की प्रथम खुराक लेने के कुछ ही दिनों के अंदर 23 लोगों की मौत हो गई।
उन्होंने कहा कि लेकिन फिर भी यहां भारत में, हम बगैर उपयुक्त परीक्षण या पारदर्शिता के टीकाकरण शुरू कर रहे हैं, जबकि कोविड से होने वाली मौतों और संक्रमण के मामलों में तेजी से कमी आई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी ने ट्वीट किया, टीकाकरण आरंभ हो गया है और यह अजोबो-गरीब है कि भारत के पास (टीकों के) आपात उपयोग को अधिकृत करने का कोई नीतिगत ढांचा नहीं है। फिर भी दो टीकों के आपात स्थिति में नियंत्रित उपयोग की अनुमति दी गई। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, कोवैक्सीन की अलग ही कहानी है। इसे उचित प्रक्रिया के बिना अनुमति दी गई। उन्होंने मीडिया में आई एक खबर को अपने ट्वीट में टैग करते हुए यह कहा। इस खबर में यह दावा किया गया है कि हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक के कोवैक्सीन के सीमित उपयोग की अनुमति के मुद्दे पर वैज्ञानिक और चिकित्सक बंटे हुए हैं।

टीआरपी घोटाले में गिरफ्तार बीएआरसी के पूर्व सीईओ अस्पताल में भर्ती

भाषा। मुंबई

टेलीविजन रेटिंग एजेंसी बीएआरसी के पूर्व सीईओ पार्थ दासगुप्ता को रक्त शर्करा का स्तर स्तर बढ़ने के बाद यहां स्थित एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती किया गया है। दासगुप्ता को कथित फर्जी टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट्स (टीआरपी) मामले में गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी। दासगुप्ता की पुत्री ने ट्वीट करके आरोप लगाया कि उन्हें जेल में प्रताड़ित किया गया। दासगुप्ता की पुत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य से उनका जीवन बचाने की अपील भी की। जेल के एक अधिकारी ने बताया कि मधुमेह से पीड़ति दासगुप्ता को रक्त शर्करा का स्तर बढ़ने पर करीब मध्यरात्रि में नवी मुंबई स्थित तलोजा केंद्रीय जेल से यहां स्थित सरकारी जे जे अस्पताल अस्पताल ले लाया गया। अधिकारी ने बताया कि दासगुप्ता को आईसीयू में भर्ती कराया गया है और उन्हें आक्सीजन दी जा रही है। बीएआरसी के पूर्व सीईओ दासगुप्ता को मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने गत वर्ष 24 दिसम्बर को कथित टीआरपी हेराफेरी मामले में गिरफ्तार किया था। मुंबई की एक अदालत ने इस महीने की शुरुआत में दासगुप्ता की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी और कहा था कि पुलिस के मामले के अनुसार, वह टीआरपी में हेराफेरी के घोटाले में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते प्रतीत हुए हैं। मुंबई पुलिस ने इससे पहले अदालत को बताया था कि रिपब्लिक टीवी के प्रधान संपादक अर्णब गोस्वामी ने समाचार चैनल के दर्शकों की संख्या बढ़ाने के लिए दासगुप्ता को लाखों रुपए की कथित रिश्वत दी थी। शनिवार को दासगुप्ता की पुत्री प्रत्यूषा दासगुप्ता ने मांग की कि उन्हें किसी प्रतिष्ठित निजी अस्पताल में स्थानांतरित किया जाए।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पीएमओ के साथ-साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को टैग करते हुए एक असहाय बेटी की दर्द भरी अपील शीर्षक से एक संदेश ट्वीट किया।प्रत्यूषा दासगुप्ता ने कहा कि उनकी मां को शुक्रवार देर रात लगभग 3 बजे फोन आया कि उसके पिता को बेहोशी की हालत में शुक्रवार को अपराह्न एक बजे अस्पताल लाया गया है। प्रत्यूषा ने कहा कि 14 घंटे तक परिवार में किसी को भी दासगुप्ता की स्थिति के बारे में सूचित नहीं किया गया क्योंकि अधिकारियों के पास उनके संपर्क नंबर कथित तौर पर नहीं थे। उन्होंने कहा कि जब वे अस्पताल पहुंचे, तो पाया कि उनके पिता बोलने में असमर्थ हैं। प्रत्यूषा ने आरोप लगाया कि यह स्पष्ट है कि उन्हें जेल के अंदर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ति किया गया था।

अगले चरण में लगवाऊंगा टीका: मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह

भाषा। मोहाली(पंजाब)

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने यहां कोरोना वायरस टीकाकरण अभियान की शुरुआत करते हुए शनिवार को कहा कि वह अगले चरण में टीका लगवाएंगे। यहां सिविल हॉस्पिटल में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में तीन डॉक्टरों समेत चार स्वास्थ्य कर्मियों को "कोवीशील्डै टीके की पहली खुराक दी गई। सिंह ने इन स्वास्थ्य कर्मियों को सराहना के प्रतीक के तौर पर पौधे उपहार में दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह आरंभ में ही टीका लगवाना चाहते थे, लेकिन भारत सरकार के निर्देशों के तहत प्रथम चरण में सिर्फ स्वास्थ्य कर्मियों को ही टीका लगाया जाना है। उन्होंने कहा," मैं निश्चित रूप से अगले चरण में टीका लगवाऊंगा।" सिंह ने कहा कि भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पहले स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगाया जाएगा। इसके बाद सेना और पुलिस कर्मियों को टीका लगाया जाएगा। पहले चरण में 1.74 लाख स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगाया जाएगा। सिंह ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कम आय समूहों से आने वाले लोगों के लिए टीके के निशुल्क वितरण की इजाज़त मांगी थी। टीके की सुरक्षा को लेकर किए गए सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर वैज्ञानिक टीके की सुरक्षा को लेकर निश्चित नहीं होते, तो टीके को मंजूरी नहीं दी गई होती। सिंह ने कहा कि ब्रिटेन की 93 वर्षीय महारानी एलिज़ाबेथ, उनके 99 साल के पति प्रिंस फिलिप समेत कई प्रतिष्ठित लोगों ने कोविड-19 का टीका लगवाया है और इसका कोई दुष्प्रभाव सामने नहीं आया है। इससे पहले, अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यव्यापी कोविड टीकाकरण की शुरुआत करते हुए उन्हें खुशी हो रही है। उन्होंन लोगों से अपील की कि वे मास्क लगाए, दूरी बनाए रखें एवं अन्य सुरक्षा उपाय अपनाना जारी रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि पांबदियां, कर्फ्यू आदि लगाने का मकसद यह था कि महामारी को चरम पर पहुंचने में देर की जाए, ताकि टीका उपलब्ध हो सके। सिंह ने मुश्किल दौर में संयम बरतने और सहयोग करने के लिए लोगों का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई की टीकाकरण से कोविड महामारी पंजाब और देश से पूरी से तरह से खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि देश में कोरोना वायरस का पहला मामला 20 जनवरी 2020 को केरल में सामने आया था जबकि पंजाब में पांच मार्च 2020 को संक्रमण का पहला मामला मिला था।

स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू ने बताया कि टीकाकरण को सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि शुरुआती चरण में 408 टीकाकरण टीमें गठित की गई हैं।

कृषि कानूनों पर घमासान

सरकार पहले अपनी गलती स्वीकार करे: चिदंबरम

● वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने सरकार पर लगाए अनदेखी और मनमानी के आरोप

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने शनिवार को कहा कि कृषि कानूनों को लेकर चल रहे गतिरोध को खत्म करने के लिए सरकार को पहले अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए और फिर नए सिरे से बातचीत शुरू करनी चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया, जैसा कि उम्मीद थी, किसानों और सरकार के बीच वार्ता का एक और दौर विफल रहा है। दोष सरकार का है क्योंकि वह विवादित कानूनों से छुटकारा पाने के लिए सहमत नहीं होगी। पूर्व वित्त मंत्री ने दावा किया, आरटीआई आवेदनों से मिली जानकारी ने सरकार के झूठे को बेनकाब कर दिया कि कृषि अध्यादेशों को जारी करने से पहले व्यापक विचार-विमर्श किया गया था। उन्होंने कहा, सच्चाई यह है कि किसी से भी सलाह नहीं ली गई थी। राज्य सरकारों से परामर्श नहीं किया गया था। चिदंबरम ने कहा, गतिरोध से बाहर निकलने का एकमात्र तरीका सरकार को अपनी गलती स्वीकार करना और नए सिरें से बात शुरू करने के लिए सहमत होना है।

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that our client intends to entered into a agreement in respect of Plot No.2/20, land measuring 265 Sq.Yds., Lane No.1 & 2, Anupam Garden, New Delhi, (hereinafter referred to as **'Schedule Property'**) with **Mr. Nitin Kohli** son of **Shri S.L. Kohli.** It is hereby informed to the general public that any person/ bank/ financial institutions etc. having any claim, charge, mortgage, right, title & interest etc, in respect thereof, are hereby requested to inform the undersigned in writing by Registered Post A.D. at Kaushik & Associates, M-52-A, Malviya Nagar, New Delhi alongwith supported documents within a period of fifteen days from the date of publication of this notice, failing which the claim of such persons will be deemed to have waived and / or abandoned & our client shall proceed to complete the proposed transaction.
(Advocate : Sachin Kumar) M-52A, Malviya Nagar, ND-17 # 9911363700, 9858150000

ई-निविदा प्रेस सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यकारी अभियंता, सिविल मंडल-4, सिंचाई एवं बाढ नियंत्रण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, एल एम बंध, कार्यालय परिसर, शास्त्री नगर, दिल्ली 31 कार्य के लिए सिंचाई एवं बाढ नियंत्रण विभाग से पंजीकृत और अन्य पंजीकृत फार्म/और कोई अन्य सरकारी विभाग (सीपीडब्लूडी, रेलवे, एमईएस, और पीएंडटी) अनुमोदित एजेंसी/फार्म/पात्र ठेकेदारों और सरकारी पंजीकृत से आनलाईन प्रतिशत दर दिनांक 18.01.2021 तक अपराह्न 3:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं।
एच.ओ.ए ट्रांस यमुना एरिया डिवलमेंट बोर्ड टीवाईएडीबी
1 एन आई टी न0 176 रि ई/सी डी-4/आई एफ सी/2019-20 (आई डी न0 2020_आई एफ सी_198473_1) कार्य का नामः मुस्तफाबाद विधान सभा क्षेत्र एसी.69 शिव विहार से मुखिया मार्केट से करावल नगर 80 फीट में विकास का कार्य। अनुमानित लागत 1,41,08,882/-समापन की अवधि 180 दिन।
एच.ओ.ए ट्रांस यमुना एरिया डिवलमेंट बोर्ड टीवाईएडीबी
2 एन आई टी न0 217 रि ई/सी डी-4/आई एफ सी/2018-19 (आई डी न0 2020_आई एफ सी_198530_1) कार्य का नामः मुस्तफाबाद विधान सभा क्षेत्र एसी.69 अंबिका विहार में यूपी बोर्डर से एमपीभी पब्लिक स्कूल से 33 फूट चौडा रोड़ के विकास का कार्य। अनुमानित लागत 1,39,89,324/-समापन की अवधि 180 दिन।
नोटः-1) ठेकेदारों की सूचीबद्धता निविदा खुलने की अन्तिम तिथि को वैध होनी चाहिए अगर निविदा खोलने की तिथि आगे बढाई जाती है तो उसी वैधता तारीख निविदा खुलने वाले दिन तक समझी जायेगी।
2) निम्नलिखित की प्रतियाँ भी ई निविदा, पर डालना अनिवार्य है।
1 जीएसटी पंजीकरण की छाया प्रति।
2 सूचीबद्धता पंजीकरण उपयुक्त वर्ग में।
3 धरोहर राशि की छाया प्रति।
4 पेन नं0/स्थायी खाता संख्या की छाया प्रति।
5 वैध फोन न0 वटसप न0/ई मेल आई. डी।
6 ईपीएफ और ईएसआईसी पंजीकरण की छाया प्रति सरकारी संस्था द्वारा।
7 वर्क एक्सपीरियेंस सर्टिफिकेट कंडीशन 1.2 आफ पीडब्लूडी 6 (सिर्फ 2 के लिए)।
3) धरोहर राशि की घोषणा की छाया प्रति http://govtprocurement.delhi.gov.in साइट पर अपलोड की जायेगी निविदा जमा अवधि के अन्दर होगी और निविदा खोलने तक भौतिक रूप में कार्यकारी अभियंता सिविल मंडल-4, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, एल एम बंध, कार्यालय परिसर, शास्त्री नगर, दिल्ली 31 में निविदा जमा अवधि के अन्दर होगी जोकि सत्यापित होगी धरोहर राशि की घोषणा की छाया प्रति के साथ। उपरोक्त उल्लेखित कार्य का विवरण वेबसाईट http://govtprocurement.delhi.gov.in से देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।
4) निविदा दस्ती जमा नहीं की जाएगी। केवल निविदा वेबसाईट ई प्रोक्योरमेन्ट पर अपलोड की हुई मान्य है।
हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता, सी डी-4
DIP/Shabdarth/0554/2020-21

कोर्ट ने गुजरात राज्य पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अदालत का समय बर्बाद करने के लिए गुजरात राज्य पर 25,000 रुपए का जुर्माना लगाया है। न्यायालय ने याचिका दायर करने में एक वर्ष से ज्यादा का विलंब करने पर राज्य सरकार की निष्क्रियता और अक्षमता को लेकर नाराजगी जताई। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली पीठ ने अपील दायर करने में ढुलमुल रवैया अपनाए जाने पर राज्य सरकार को आड़े हाथ लिया और उसकी याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय भी पीठ का हिस्सा थे। पीठ ने कहा कि इस तरह के मामलों को ठंडे बस्ते में डालने की मंशा से न्यायालय में विलंब से अपील दायर की जाती है ताकि वह खारिज हो जाए और इसी आधार पर मामले को खत्म कर दिया जाए। राज्य सरकार ने गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा मार्च 2019 में पारित एक आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में याचिका 427 दिनों की देरी से दायर की थी। न्यायालय ने कहा, इसका उद्देश्य महज औपचारिकता पूरी करना और अपने उन अधिकारियों को बचाना है जो निर्धारित प्रक्रिया को पूरा नहीं कर सके।

गुवाहाटी में राजभवन घेराव रैली के दौरान कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई को हिरासत में लेते पुलिसकर्मी

बच्ची से दुष्कर्म मामले में आरोपी को उम्रकैद

कोटा (राजस्थान)। राजस्थान के झालावाड़ जिले की एक अदालत ने एक व्यक्ति को साढ़े तीन साल की एक बच्ची के साथ दुष्कर्म के जुर्म में प्राकृतिक तरीके से मौत होने तक उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।सरकारी वकील लालचंद मीणा ने बताया कि बाल यौन अपराध संरक्षण (पॉक्सो) अदालत क्रमांक-2 ने अक्टूबर 2018 में बच्ची के साथ दुष्कर्म के दोषी जानकीलाल लोढ़ा (40) पर बीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। मीणा ने बताया कि लोढ़ा बरन जिले के एक गांव का रहने वाला था और वह बच्ची को उस वक्त बहला फुसला कर ले गया था जब वह अन्य बच्चों के साथ घर के बाहर खेल रही थी। उन्होंने बताया कि बाद में वह बच्ची को उसी हालत में छोड़ कर फरार हो गया था। उन्होंने बताया कि बच्ची के पिता की शिकायत के आधार पर उसके खिलाफ मनहोरे थाना पुलिस में मामला दर्ज किया गया था।

PUBLIC NOTICE
It is publically notified that the residential house No B-53B, Sector-19, Noida, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P, allottee G.L Wadhwa S/o Sh. Karam Chand Wadhwa R/o Quarter No. 66, Type-II, ESIC Colony, Basaidarapur, New Delhi had sold on the basis of General Power of Attorney to the following persons. The General Power of attorney was registered on dated 03.05.1988 in the name of Mr. Mahender Pal Singh S/o Sh. Kishan Singh Adhikari R/o House No. B-53B, Sector-19, Noida and agreement to sell is not executed.
Because agreement to sell is not executed so it is publically notified that the transfer of the property bearing residential house No. B-53B, Sector-19, Noida, Distt. Gautam Budh Nagar U.P is going to transfer through G.P.A in the name of Mrs. Basanti Adhikari W/o Mahender Pal Singh R/o House no. B-53B, Sector-19, Noida, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P
If some one has any objection he/she file his/her objection along with the sufficient proof in the housing Department of Noida Authority within 15 days from the date of publication of this Notice.

सेन्ट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी (सिपेट)
(रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार)
सिपेट सम्पर्क कार्यालय, आई.पी.एफ.टी. परिसर, सैक्टर-20, उद्योग विहार, एन.एच.-8, एम्बियंस मॉल के सामने, गुरुग्राम-122016 (हरियाणा), दूरभाष : 0124-2340456, 2340459, मो. 93183-11417
ई-मेल cipetliaisonoffice@gmail.com, वेबसाईट : www.cipet.gov.in
अभिरुचि की अभिव्यक्ति (EOI)अल्प अवधि
सिपेट संस्थान भारत सरकार के अधीन नए सिपेट संस्थानो के उद्घाटन के संबंध मे निम्नलिखित कार्ये करने के लिए अनुभवी एवं योग्य फर्म/एर्जेसी से कोटेशन आमंत्रित करता है। Video Film Making on the theme of CIPET Inauguration (in HD)- 02 से 05 मिनट। इस कार्ये हेतु इच्छुक फर्म/एर्जेसी सिपेट संस्थान मे उपरोक्त पते पर संपर्क कर कार्ये से संबन्धित विशेष विवरण व जानकारी प्राप्त कर सकते है, उसके उपरांत अपनी कोटेशन, ऑफर, अनुभव प्रलेख व अन्य विवरण के साथ बंद लिफाफे मे अथवा ई-मेल cipetliaisonoffice@gmail.com द्वारा सिपेट, गुरुग्राम संस्थान मे दिनांक 22.01.2021 समय 14:00 पूर्वाह्न तक जमा कर सकते है। सिपेट को किसी भी अथवा सभी प्राप्त निविदाओ को बिना किसी कारण/शर्त के निरस्त करने का पूर्णअधिकार है।
विज्ञापन क्रमांक : 2020-21/21
प्रधान निदेशक एवं प्रमुख

THE PIONEER CLASSIFIEDS
LOST & FOUND
I, Zaheeruddin, S/o Hakimuddin, R/o. H-66, Muradi Road, Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025 have lost my 10th class original Marksheet & Certificate Roll No.19151 Enrollment No.8796 (1961) issued from the Board of High School and Intermediate Education Uttar Pradesh.
PD(8886)A
LOST & FOUND
I, Anurag Sharma S/o Shiv Sharan Sharma & Enakshi Khular Sharma W/o Anurag Sharma residence of A-17,4, C-Street, I.I.T Campus, Hauz Khas, New Delhi-110016 we have lost our share Certificate no 109 of Rs 100/- and 4 of Rs 4900/- against our flat number 74 Anupam CGHS Ltd Vadundhra Enclave, Delhi-110096

आईएफएफआई केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं: केंद्रीय मंत्री

● केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावेडकर ने फिल्म उद्योग व अन्य क्षेत्रों से की सहयोग की अपील

भाषा। पणजी

केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने शनिवार को फिल्म उद्योग और अन्य क्षेत्रों से भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के आयोजन में सरकार के साथ साझेदारी का आग्रह किया। वार्षिक फिल्म समारोह के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए जावडेकर ने कहा कि ऐसे आयोजनों में गैर-सरकारी क्षेत्रों से सक्रिय भागीदारी की जरूरत है। जावडेकर ने अपने संबोधन में कहा, हर साल केंद्र सरकार और गोवा सरकार आईएफएफआई का आयोजन करते हैं। क्यों? फिल्म उद्योग और अन्य उद्योगों से साझेदारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा, सरकार की जिम्मेदारी कला और संस्कृति का माहौल बनाने और इन्हें बढ़ावा देने की है, इसका मतलब यह नहीं है कि सरकार को ही सबकुछ करना चाहिए। मंत्री ने भविष्य में इस महोत्सव में निजी क्षेत्र के लोगों को भागीदारी के लिए आमंत्रित किया। 51वें आईएफएफआई का आज यहां उद्घाटन हुआ। कोरोना वायरस महामारी के कारण नवंबर, 2020 में इसका आयोजन स्थगित कर दिया गया था। समारोह 24 जनवरी तक चलेगा। समारोह यहां डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी इनडोर स्टेडियम में आयोजित किया गया। समारोह मिश्रित तरीके से आयोजित किया जा रहा है, जहां प्रतिनिधि डिजिटल तरीके से शामिल हो सकते हैं और फिल्में देख सकते हैं। उन्होंने कहा, सात थिएटरों में फिल्मों की स्क्रीनिंग होगी, लेकिन सभी प्रतिनिधियों के लिए ऑनलाइन देखने की सुविधा होगी। यह तकनीक के लिहाज से बदलता समय है और हम उससे लाभ प्राप्त कर रहे हैं। जावडेकर ने घोषणा की कि इंडियन पर्सनलिटी ऑफ द ईयर पुरस्कार जानेमाने अभिनेता-फिल्मकार बिस्वजीत चटर्जी को दिया जाएगा।

पेट्रोलियम उत्पादों के संरक्षण को सभी स्तरों पर अपनाएं: मिश्र

● कार्यक्रम के ऑनलाइन उद्घाटन में कही ये बात

भाषा। जयपुर

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ सतत विकास की सोच से काम करने का आह्वान करते हुए कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों के संरक्षण को सभी स्तरों पर अपनाने से ही विकास का समान रूप से सभी को लाभ मिल सकता है। मिश्र शनिवार को पेट्रोलियम उत्पादों के संरक्षण के लिए देशभर में चलाए जाने वाले सक्षम 2021, अभियान के ऑनलाइन उद्घाटन के बाद लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के अधिकतम दोहन की नींव पर लंबे समय तक विकास टिक नहीं सकता इसलिए जरूरी है कि तेल की प्रत्एक बूंद को बचाने में हर व्यक्ति अपना योगदान दें। उन्होंने आम जन को यथासम्भव सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने, जब भी सम्भव हो साइकिल का इस्तेमाल करने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ ईंधन-एलपीजी अथवा पीएनजी के उपयोग को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए भी यह हम सबका कर्तव्य है।मिश्र ने ऊर्जा संरक्षण के लिए जन-जन को प्रेरित करने पर जोर देते हुए कहा कि ऊर्जा की बचत से ही भविष्य बेहतर किया जा सकता है राज्यपाल ने सौर और पवन ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करने पर जोर देते हुए कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों में इसी उद्देश्य से सौर ऊर्जा के संयंत्र लगाए जाने की पहल की गई है।इससे पहले इंडियन ऑयल के कार्यकारी निदेशक सुनील गर्ग, हिंदुस्तान पेट्रोलियम के महाप्रबंधक संजय कुमार शर्मा, गेल इंडिया के रवि अग्रवाल और भारत पेट्रोलियम के संजय चौबे ने एक माह के सक्षम जागरूकता अभियान के बारे में जानकारी दी।

AXIS BANK
एक्सिस बैंक लिमिटेड, एक्सिस हाउस, टॉवर-2, द्वितीय तल, आई-14, सेक्टर-128, नोएडा एक्सप्रेसवे, जेपी ग्रीन्स विशटाउन, नोएडा (उ.प्र.) -201301, नियंत्रण कार्यालय : एक्सिस हाउस, बाम्बे डाइंग कम्पाउण्ड, पाण्डुरंग बुधकर मार्ग, वर्ली, मुम्बई-400 025
अचल सम्पत्ति की बिक्री के लिए बिक्री सूचना
वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8(6) के परंतुक के तहत अचल आस्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना
एतद्द्वारा सर्व साधारण को और विशेष रूप से कर्जदार(रों) तथा गारंटर(रों) को सूचना दी जाती है कि प्रत्याभूत लेनदार के पास बंधक/प्रभारित निम्नवर्णित अचल सम्पत्ति, जिसका भौतिक कब्जा प्रत्याभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्राप्त किया जा चुका है, श्री मनीष पॉल की तरफ प्रत्याभूत लेनदार की 13-01-2021 तक बकाया राशि रू. 48,75,844/- उसके वास्तविक भुगतान तथा/अथवा वसूली की तिथि तक आगे यथा लागू ब्याज, अनुषंगी खर्चों, लागतों, प्रभारों इत्यादि की वसूली के लिए दिनांक 04-02-2021 को पूर्वा. 11.30 बजे एक्सिस हाउस, टॉवर-2, द्वितीय तल, आई-14, सेक्टर-128, नोएडा एक्सप्रेसवे, जेपी ग्रीन्स विशटाउन, नोएडा (उ.प्र.)-201301 में "जैसी है जहां है", जैसी है जो है" तथा "जो भी है वहां है" आधार पर बेची जाएगी। सुरक्षित मूल्य रू. 25,49,532/- तथा धरोहर राशि जमा रू. 2,54,953.2/- होगी।

खाता नंबर	कब्जे में ली गई तथा बिक्री हेतु प्रस्तुत अचल सम्पत्ति/प्रतिभूत आस्ति की अवस्थिति/विवरण	ऋणभार, यदि कोई, जो बैंक को ज्ञात है
पीएचआर07920 1317106	सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : ग्राम फज्जूपुर माजरा, नीमका, उप तहसील तिगांव, जिला फरीदाबाद की राजस्व सम्पदा के भीतर स्थित सेक्टर-76, फरीदाबाद, हरियाणा में पार्क फ्लोर्स नामक ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट में स्थित टावर 15 के द्वितीय तल पर पूर्ण सज्जित फ्लैट नंबर टी-15-201, सुपर एरिया 1225 वर्ग फीट (113.805 वर्ग मीटर), जिस बिल्डिंग में उक्त यूनिट अवस्थित है उसके नीचे भूमि में यथानुपात, अविभाजित, अवियोजनीय हिस्सा और सभी कॉमन एरियाज, पाथ्स, पैसेजेज के उपयोग एवं अभिगम के अधिकार तथा उक्त यूनिट अथवा उसके किसी भाग के अनुषंगी हितों व लाभों सहित और वेन्डी के उपयोग के अधिकार सहित।	

बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए, कृपया प्रतिभूत लेनदार की वेबसाइट में उपलब्ध कराया गया लिंक नामतः https://www.axisbank.com/auction-notices/ देखें।
हस्ता./-, प्राधिकृत अधिकारी,
एक्सिस बैंक लिमिटेड
तिथि : 17-01-2021, स्थान : फरीदाबाद

पंजाब लगातार चार जीत से नाकआउट में जगह बनाने के करीब

अलूर। पंजाब शनिवार को यहां सैयद मुश्ताक अली ट्राफी के ग्रुप ए मैच में जम्मू कश्मीर को 10 विकेट से हराकर लगातार चौथी जीत से नाकआउट में जगह बनाने के करीब पहुंच गया। जम्मू कश्मीर ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 139 रन बनाए जिसमें शुभम पुंडीर 42 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। पंजाब ने 14.3 ओवर में यह लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज की जिसमें सलामी बल्लेबाज सिमरन सिंह (42 गेंद में चार छक्कों से नाबाद 59 रन बनाए) और अभिषेक शर्मा (46 गेंद में छह छक्कों से नाबाद 73 रन) ने पहले विकेट के लिए 140 रन की नाबाद साझेदारी निभाई।

बड़ौदा की विजई लय जारी, महाराष्ट्र को 60 रन से हराया

वड़ोदरा। बड़ौदा ने शनिवार को यहां सैयद मुश्ताक अली ट्राफी टी20 टूर्नामेंट में जीत की लय जारी रखते हुए एलीट सी ग्रुप मैच में महाराष्ट्र पर 60 रन से जीत दर्ज की। यह लीग चरण में बड़ौदा की लगातार चौथी जीत है, इससे पहले उसने पहले तीन मुकाबलों में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ को हराया था। बल्लेबाजी का न्यौता मिलने के बाद बड़ौदा ने कार्यवाहक कप्तान केदार देवधर की 71 गेंद में नाबाद 99 रन की पारी से चार विकेट पर 158 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। मध्यम गति के गेंदबाज अतीत सेठ (17 रन देकर चार विकेट) ने फिर महाराष्ट्र को महज 98 रन पर समेटने और अपनी टीम को पूरे चार अंक दिलाने में अहम भूमिका अदा की।

असम ने बंगाल को हराकर उलटफेर किया, तमिलनाडु का शानदार प्रदर्शन जारी

कोलकाता। कप्तान रियान पराग के हरफनमौला खेल के दम पर असम ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट के एलीट ग्रुप बी के मैच में शनिवार को बंगाल को 13 रनों से हराकर उलटफेर किया। ग्रुप के एक अन्य मैच में तमिलनाडु ने हैदराबाद को हराकर लगातार चौथी जीत के साथ तालिका में शीर्ष पर जगह बना ली है।
पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर पराग की 54 गेंद में 77 रन की पारी से असम ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 157 रन बनाने के बाद बंगाल को आठ विकेट पर 144 रन पर रोक दिया। पराग ने अपनी पारी में पांच छक्के और इतने ही चौके लगाए। उन्होंने इस दौरान इशान पोरेल (34 रन पर दो विकेट) के 18वें ओवर में 18 रन जुटाए।जीत के लिए 158 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बंगाल 18वें ओवर में तीन विकेट पर 130 रन बनाकर मजबूत स्थिति में था लेकिन आखिरी दो ओवरों में उसकी पारी लड़खड़ा गई और टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 144 रन ही बना सकी।

रोहित व गिल पवेलियन लौटे

चौथा टेस्ट : आस्ट्रेलिया के 369 रन के जवाब में भारत के दो विकेट पर 62 रन

भाषा। ब्रिसबेन

रोहित शर्मा एक बार फिर गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलकर अपना विकेट गंवा बैठे जिससे आस्ट्रेलिया के पहली पारी के 369 रन के जवाब में चौथे क्रिकेट टेस्ट के वर्षाबाधित दूसरे दिन भारत अच्छी शुरूआत से वंचित रह गया। भारी बारिश के कारण चाय ब्रेक के बाद खेल नहीं हो सका।
उस समय भारत का स्कोर दो विकेट पर 62 रन था। रोहित शर्मा ने शानदार शुरूआत करते हुए 74 गेंद में 44 रन बनाए लेकिन एकाग्रता टूटने का उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा। अपना सौवां टेस्ट खेल रहे नाथन लियोन ने उन्हें डीप में मिशेल स्टार्क के हाथों लपकवाया। इससे पहले शुभमन गिल (सात) ने पैट कमिंस की गेंद पर स्टीव स्मिथ को कैच थमाया। चाय ब्रेक के समय चेतेश्वर पुजारा आठ और अजिंक्य रहाणे दो रन बनाकर खेल रहे थे।
दोनों ने ब्रेक से पहले 37 गेंद में महज दो रन बनाए। रोहित ने कमिंस और जोश हेजलवुड को बखूबी खेला और अपनी पारी में छह चौके भी लगाए। उन्होंने दूसरे विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी भी की जबकि पुजारा दूसरा छोर संभालकर खेलते रहे। इससे पहले भारत के युवा और अनुभवहीन गेंदबाजों ने बेहद अनुशासित प्रदर्शन करते हुए आस्ट्रेलिया के आखिरी पांच विकेट पहले ही सत्र में लेकर उसे पहली पारी में 369 रन पर आउट कर दिया। शारदुल ठाकुर ने 94 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि पहला टेस्ट खेल रहे वाशिंगटन सुंदर ने 89 और टी नटराजन ने 78 रन देकर तीन तीन विकेट चटकाए। लंच से पहले आस्ट्रेलिया ने 95 रन के भीतर पांच विकेट गंवा दिए। अपने प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से जूझ रही भारतीय टीम के इन गेंदबाजों का प्रदर्शन इसलिए भी काबिले तारीफ है कि इनके पास टेस्ट क्रिकेट का अनुभव नहीं है और सामने आस्ट्रेलिया जैसा प्रतिद्वंद्वी है। पांच मुख्य गेंदबाजों के चोट के कारण नहीं खेल पाने से भारत को नेट गेंदबाज नटराजन और सुंदर को इस मैच में उतारना पड़ा। नाथन लियोन ने 22 गेंद में 24 और मिशेल स्टार्क ने 35 गेंद में 20 रन बनाकर आस्ट्रेलिया को 350 रन के पार पहुंचाया। आस्ट्रेलिया ने गाबा पर 350 से अधिक रन बनाने के बाद कभी कोई टेस्ट नहीं गंवाया है। अपने कल के स्कोर पांच विकेट पर 274 रन से आगे खेलते हुए टिम पेन (50) और कैमरन ग्रीन (47) ने 98 रन की साझेदारी पूरी की। ठाकुर ने पेन को दूसरी स्लिप में रोहित शर्मा के हाथों लपकवाकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद ग्रीन की भी एकाग्रता टूटी और वह सुंदर की गेंद पर बोल्ड होकर पवेलियन लौट गए। पैट कमिंस को ठाकुर ने पगबाधा आउट किया। आस्ट्रेलिया का स्कोर पांच विकेट पर 311 रन से आठ विकेट पर 315 रन हो गया। इसके बाद स्टार्क और अपना सौवां टेस्ट खेल रहे लियोन ने 39 रन जोड़े और टीम को 350 रन के पार पहुंचाया। सुंदर ने लियोन को बोल्ड किया जबकि नटराजन ने जोश हेजलवुड को आउट करके आस्ट्रेलियाई पारी का अंत किया।

स्कोरबोर्ड

आस्ट्रेलिया पहली पारी : डेविड वॉर्नर का रोहित बो सिराज 1, हैरिस का सुंदर बो ठाकुर 5,लाबुशेन का पंत बो नटराजन 108, स्मिथ का रोहित बो सुंदर 36,वेड का ठाकुर बो नटराजन 45,ग्रीन बो सुंदर 47, पेन का रोहित बो ठाकुर 50, कमिंस पगबाधा बो ठाकुर 2 , स्टार्क नाबाद 20,लियोन बो सुंदर 24,हेजलवुड बो नटराजन 11, **अतिरिक्त :** 20 रन, **कुल योग :** 115 . 2 ओवर में 369 रन, **विकेट पतन :**1-4, 2-17, 3-87, 4-200, 5-213, 6-311, 7-313, 8-315, 9-354, **गेंदबाजी :** सिराज 25-10-66-1, नटराजन 24-23-78-3, ठाकुर 24-6 -93-3, सैनी 7.5-2- 21- 0, सुंदर 31-6-89-3, रोहित 0.1-0-1- 0

भारत पहली पारी : रोहित का स्टार्क बो लियोन 44, गिल का स्मिथ बो कमिंस 7, पुजारा नाबाद 8,रहाणे नाबाद 2, **अतिरिक्त :** एक रन, **विकेटपतन :** 1-11, 2-60 **गेंदबाजी :** स्टार्क 3-1-8-0, हेजलवुड 8-4-11- 0, कमिंस 6-1-22-1, ग्रीन 3-0-11- 0, लियोन 6-2- 10 -1

भारतीय प्रशंसक ने एससीजी में तीसरे टेस्ट के दौरान नस्लवाद की शिकायत की

सिडनी। भारतीय क्रिकेट टीम के एक प्रशंसक ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी क्रिकेट मैदान (एससीजी) पर खेले गए तीसरे टेस्ट मैच के पांचवें दिन सुरक्षा अधिकारी पर नस्लीय टिप्पणी और दुर्व्यवहार का आरोप लगाया, जिसके बाद इस मैदान के अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। इससे पहले भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को इस ड्रा टेस्ट मैच के तीसरे और चौथे दिन दर्शकों द्वारा नस्लीय दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा था। सिडनी निवासी कृष्ण कुमार ने गुरुवार को न्यू साउथ वेल्स के विधिक आधिकारी से मुलाकात कर आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई जिसमें उन्होंने नस्लीय दुर्व्यवहार और गलत तरीके से जांच करने का आरोप लगाया। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की खबर के अनुसार उन्होंने अधिकारियों से कहा कि तीसरे टेस्ट के अंतिम दिन (11 जनवरी) उन्हें ऐसा लगा कि जैसे उनके कपड़े उतारे जा रहे है।

रोहित ने नटराजन और अन्य गेंदबाजों की प्रशंसा की

ब्रिसबेन। भारतीय उप कप्तान रोहित शर्मा थांगारासु नटराजन के मजबूत व्यक्तित्व से काफी प्रभावित हैं और उनका मानना है कि तमिलनाडु का बाएं हाथ का यह गेंदबाज शीर्ष स्तर पर सफलता हासिल करने की भूख की बदौलत अच्छा प्रदर्शन करता रहेगा। नटराजन टीम के साथ नेट गेंदबाज के तौर पर आए थे। उन्होंने गेंदबाज मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर और शारदुल ठाकुर के साथ मिलकर आस्ट्रेलिया को पहली पारी में 369 रन पर समेट दिया और रोहित के अनुसार यह किसी उपलब्धि से कम नहीं। रोहित ने पदार्पण करने वाले नटराजन (78 रन देकर तीन विकेट) के बारे में कहा, ईमानदारी से कहूं तो नटराजन ने काफी अच्छी गेंदबाजी की। देश के बाहर (अंतरराष्ट्रीय टेस्ट में) वह पहली बार खेल रहा है और इतने अपार अनुभवी बल्लेबाजों को गेंदबाजी कर रहा था, यह इतना आसान नहीं था और वह कोई दबाव में भी नहीं था। पहली गेंद से ही, वह अच्छा था। उसने संयम दिखाया, वह मजबूत व्यक्तित्व का खिलाड़ी है जो ज्यादा बोलता नहीं लेकिन हम सभी जानते हैं कि वह मजबूत व्यक्तित्व वाला खिलाड़ी है। वह टीम और खुद के लिए अच्छा करना चाहता है।

लियोन पर उस शॉट खेलने का कोई पछतावा नहीं, इस तरह के स्ट्रोक्स खेलता रहूंगा: रोहित

ब्रिसबेन। रोहित शर्मा गलत समय पर आउट होने के कारण हो रही अपनी आलोचना को अच्छी तरह समझते है लेकिन भारतीय उप कप्तान को नाथन लियोन की गेद पर उस शॉट को खेलने का कोई पछतावा नही है और उन्होने कहा कि यह गेदबाजो को दबाव मे लाने का उनका तरीका है। रोहित 74 गेद मे 44 रन की पारी के दौरान अच्छी लय मे दिख रहे थे लेकिन लियोन की गेद को मिडविकेट पर उठाने की कोशिश मे आउट हो गए और यह उसी तरह का शॉट है जो टेस्ट मैचो मे शुरू मे भी उनके आउट होने का कारण बनता था। रोहित ने दिन का खेल समाप्त होने के बाद वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस मे कहा, आपके पास हमेशा एक योजना होती है और वास्तव मे मुझे उस शॉट को खेलने का कोई पछतावा नही है। मै हमेशा गेंदबाजो पर दबाव बनाना चाहता हूं। नाथन लियोन चतुर गेंदबाज है और उसने मुझे ऐसी गेंदबाजी की जिसमे मेरे लिए गेंद को कुछ ऊपर उठाना मुश्किल हो गया।

वाशिंगटन ने अनुशासित गेंदबाजी की और अश्विन के स्थान पर काफी अच्छी गेंदबाजी की : मैकडोनल्ड

ब्रिसबेन। आस्ट्रेलिया के सहायक कोच एंड्रयू मैकडोनल्ड ने शनिवार को अंतिम टेस्ट के लिए भारत के अनुभवहीन गेंदबाजी आक्रमण की सराहना की और विशेषकर वाशिंगटन सुंदर की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस युवा ऑफ स्पिनर ने रविचंद्रन अश्विन की जगह उतरकर काफी अच्छी गेंदबाजी की। ये दोनों नेट गेंदबाज के तौर पर टीम के साथ थे। मैकडोनल्ड ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा, मुझे लगा कि वे (भारतीय गेंदबाज) काफी निरंतर रहे। मुझे लगा कि विशेषकर वाशिंगटन सुंदर काफी अनुशासित था और उसने रवि अश्विन के स्थान पर उनकी भूमिका को अच्छी तरह निभाया और कसी गेंदबाजी की और वह इस दौरान कुछ विकेट भी हासिल करने में सफल रहा।

पंड्या भाइयों के पिता का निधन, कृणाल बायो बबल से बाहर

वडोदरा। भारतीय हरफनमौला हार्दिक पंड्या और उनके भाई कृणाल के पिता हिमांशु का शनिवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 71 वर्ष के थे। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बड़ौदा की कप्तानी कर रहे कृणाल परिवार के पास पहुंचने के लिए टूर्नामेंट के लिए बनाए गए बायो बबल से बाहर निकल गए हैं। संघ के सचिव अजित लेले ने यह जानकारी दी। हार्दिक यह टूर्नामेंट नहीं खेल रहे हैं क्योंकि वह इंग्लैंड के खिलाफ आगामी श्रृंखला की तैयारी में जुटे हैं। वह भी मुंबई से वडोदरा रवाना हो गए। हिमांशु ने अपने बेटों की सफलता में बड़ी भूमिका निभाई थी।

इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंका का संघर्ष जारी

● थिरिमाने की जुझारू पारी

भाषा। गॉल (श्रीलंका)

सलामी बल्लेबाज लाहिरु थिरिमाने (189 गेंद में नाबाद 76 रन) की अर्धशतकीय पारी के दम पर श्रीलंका ने शुरूआती टेस्ट मैच के तीसरे दिन शनिवार को यहां इंग्लैंड से पहली पारी में 286 रन से पिछड़ने के बाद तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में दो विकेट पर 156 रन बनाकर अपना संघर्ष जारी रखा है।
श्रीलंका की टीम अब भी इंग्लैंड से 130 रन पीछे है और उसके आठ विकेट बचे हुए है। कप्तान जो रूट (228) की करियर की चौथी दोहरी शतकीय पारी के दम पर इंग्लैंड ने पहली पारी में 421 रन बनाए। रूट ने 321 गेंद की अपनी पारी में 18 चौके और एक छक्का लगाया। दिलरुवान परेरा (109 रन पर चार विकेट) की गेंद पर उनके आउट होने के साथ ही लंच से पहले इंग्लैंड की पहली पारी खत्म हुई। वह क्रिस गेल (333), वीरेन्द्र सहवाग (नाबाद 201) और मुशफिकर रहीम (200) के बाद गॉल के मैदान पर दोहरा शतक लगाने वाले चौथे बल्लेबाज बने। श्रीलंका की पहली पारी 135 रन पर सिमट गई थी। थिरिमाने ने पहले विकेट के लिए कुशल परेरा (62) के साथ 101 रन की साझेदारी की। उन्होंने अपनी नाबाद पारी में छह चौके लगाए। परेरा ने 109 गेंद की अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया। उन्होंने 91 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। वह हालांकि टेस्ट करियर का 21वां शतक पूरा करने के बाद तेज गेंदबाज मार्क वुड की गेंद पर चोटिल हो गए। वह दिन के आखिरी सत्र में सैम कुरेन की गेंद पर जैक लीच को कैच देकर वह आउट हुए।

अर्जेंटीना दौरे से तैयारियों के बारे में पता चलेगा: हॉकी कप्तान रानी

ब्यूनस आयर्स। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल का मानना है कि कोविड-19 महामारी के कारण दुनिया भर में प्रतियोगिताओं के रूकने के लगभग एक साल बाद अर्जेंटीना दौरे से खेल के स्तर के बारे में पता चलेगा। यह महिला टीम अंतरराष्ट्रीय मैचों को फिर से शुरू करने वाली भारत की पहली हॉकी टीम बनेगी, जिसे अर्जेंटीना दौरे पर खेले जाने वाले आठ मैचों के पहले मुकाबले को रविवार को खेलना है। हॉकी इंडिया से जारी मीडिया विज्ञप्ति में रानी में कहा, यह दुनिया भर में खेल से जुड़े लोगों के लिए एक अजीब तरह का समय रहा है लेकिन हम जिस चीज से सबसे ज्यादा प्यार करते हैं उसे फिर से शुरू करने का एहसास सबसे अच्छा है।

आस्ट्रेलियाई ओपन शुरू होने से पहले ही तीन कोरोना पॉजिटिव

भाषा। मेलबर्न

आस्ट्रेलियाई ओपन के लिए लॉस एजिलिस और अबुधाबी से खिलाड़ियों , कोचों और अधिकारियों को लेकर यहां पहुंची चार्टर्ड फ्लाइटों में तीन व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं।इन दोनों विमान से यहां 47 खिलाड़ी पहुंचे है। जिसमें से दो मामले लॉस एजिलिस से आए विमान जबकि एक मामला अबुधाबी से आए विमान से जुड़ा है। लॉस एंजिलिस से आए विमान में पॉजिटिव पाए गए व्यक्तियों में हवाई चालक दल का एक सदस्य और एक यात्री शामिल है जो खिलाड़ी नहीं है। इसके बावजूद अब इस उड़ान में मौजूद सारे यात्री 14 दिन होटल के कमरों से बाहर नहीं निकल सकेंगे और खिलाड़ी अभ्यास नहीं कर पाएंगे। विक्टोरिया प्रांत के स्वास्थ्य विभाग ने एक बयान में कहा , हवाई चालक दल का एक सदस्य और आस्ट्रेलियाई ओपन का प्रतिभागी (जो खिलाड़ी नहीं है) कोरोना जांच में पॉजिटिव पाया गया है। इसमें कहा गया , बाकी सभी 66 सहयात्रियों को करीबी संपर्क में आया माना जा रहा है। ए अब पृथकवास छोड़कर अभ्यास नहीं कर सकेंगे। बाकी सभी चालक दल के सदस्य नेगेटिव आए हैं और अपने अपने शहर बिना यात्रियों के जाने की अनुमति मिल गई है।

पुरुष ट्रैप निशानेबाजी में लक्ष्य का दबदबा

भाषा। नई दिल्ली

लक्ष्य शेरोन शनिवार को यहां राष्ट्रीय निशानेबाजी ट्रायल में पुरूषों के ट्रैप स्पर्धा के दूसरे चरण (टी2) में विजेता रहे जबकि 10 मीटर एयर पिस्टल के पुरूष और महिला वर्ग में हरियाणा के दो निशानेबाजों क्रमश: सरबजोत सिंह और रिदम सांगवान विजेता बनकर उभरे।एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता लक्ष्य दूसरे चरण के क्वालीफाइंग में 122 अंक के साथ शीर्ष पर रहने के बाद फाइनल्स में 43 अंक बनाए। उन्होंने तमिलनाडु के पृथ्वीराज तोंदाइमन को पछाड़कर इस वर्ग में अपना दबदबा कायम किया। इससे पहले बुधवार को वह ट्रैप निशानेबाजी के पहले चरण (टी1) के भी विजेता रहे थे।

एयर पिस्टल में रिदम व सरबजोत जीते

एचडीएफसी बैंक का तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 14.36 प्रतिशत बढ़कर 8,760 करोड़ रुपए पर

मुंबई। देश के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक ... एचडीएफसी बैंक का चालू वित्त वर्ष की दिसंबर में समाप्त तीसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 14.36 प्रतिशत बढ़कर 8,760 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। मुख्य कारोबार से आमदनी बढ़ने से बैंक का मुनाफा बढ़ा है। एकल आधार पर बैंक का शुद्ध मुनाफा 18.09 प्रतिशत बढ़कर 8,758.29 करोड़ रुपए रहा। इस दौरान बैंक की मुख्य शुद्ध ब्याज आय 15.1 प्रतिशत बढ़कर 16,317 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। बैंक की जमा में 19.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं कम लागत के चालू और बचत खाते की जमा का हिस्सा 43 प्रतिशत रहा। एचडीएफसी पहला बड़ा बैंक है जिसने दिसंबर तिमाही के नतीजों की घोषणा की है। बैंक के नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक शशिधर जगदीशन की अगुवाई में यह पहला तिमाही नतीजा है। इस दौरान बैंक की संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार हुआ। जगदीशन ने बैंक के प्रमुख के रूप में आदित्य पुरी का स्थान लिया है। तिमाही के दौरान बैंक की ऋण वृद्धि 15.6 प्रतिशत तथा शुद्ध ब्याज मार्जिन 4.2 प्रतिशत रहा। इस दौरान गैर-ब्याज आय 11 प्रतिशत बढ़कर 7,443 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इसकी मुख्य वजह निवेश पर लाभ है जो बढ़कर।,109 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

तीन महीने में 20 प्रतिशत महंगा हुआ अखबारी कागज, प्रकाशकों की सीमा शुल्क हटाने की मांग

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी के बीच मांग-आपूर्ति के असंतुलन से पिछले तीन माह में अखबारी कागज (न्यूजप्रिंट) का दाम 20 प्रतिशत बढ़ गया है। इसके चलते समाचार पत्र प्रकाशकों ने सरकार से न्यूजप्रिंट पर पांच प्रतिशत का आयात शुल्क हटाने की मांग की है। इंडियन न्यूजपेपर सोसायटी के अध्यक्ष एल आदिमूलम ने कहा कि कोविड-19 महामारी से उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। ऐसे में ज्यादातर समाचार पत्रों ने उन ग्रामीण क्षेत्रों में अखबार भेजना बंद कर दिया है, जहां 50 से कम प्रतियां जाती हैं। वितरण की लागत घटाने के लिए समाचार पत्रों ने यह कदम उठाया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बजट से पहले सौंपे ज्ञापन में आईएनएस ने अखबारी कागज के आयात पर सीमा शुल्क कटौती का सुझाव दिया है। ज्ञापन में कहा गया है या तो उद्योग को प्रोत्साहन पैकेज दिया जाए या कम से कम प्रकाशनों को 50 प्रतिशत बढ़े शुल्क के साथ विज्ञापन जारी कर मदद की जाए।

सॉफ्टवेयर के बाद अब भारत को हार्डवेयर के क्षेत्र में भी क्षमता विकसित करनी चाहिए: लेखी

नई दिल्ली। सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में भारत की ताकत को पूरी दुनिया जानती है लेकिन अब डिजिटल दुनिया के मौजूदा दौर में भारत को हार्डवेयर के क्षेत्र में भी अपनी मजबूत क्षमता को विकसित करना चाहिए क्योंकि डेटा रखरखाव और डेटा प्रबंधन में हार्डवेयर प्रौद्योगिकी की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। डेटा संरक्षण विधेयक पर गठित संसदीय समिति की चेयरपर्सन और भारतीय जनता पार्टी की सांसद मीनाक्षी लेखी ने शनिवार को यह कहा। लेखी ने इस बात का उल्लेख किया कि आज जितने बड़े पैमाने पर डेटा का उपयोग हो रहा है और जितने बड़े स्तर पर इसकी खपत हो रही है, उनके मद्देनजर डेटा की सुरक्षा और संरक्षण के लिए एक व्यापक विधेयक की आवश्यकता सामने आई है। आज नई-नई प्रौद्योगिकियों का अविष्कार हो रहा है। चाहे वह कृत्रिम मेधा हो, इंटरनेट ऑफ थिंग्स की बात हो या फिर क्लाउड कम्प्यूटिंग हो।

रिजर्व बैंक वृद्धि को समर्थन के लिए और उपाय करने को प्रतिबद्ध : दास

भाषा। चेन्नई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने कहा है कि केंद्रीय बैंक वित्तीय स्थिरता से समझौता किए बिना वृद्धि को समर्थन देने के लिए और उपाय करने को प्रतिबद्ध है। दास ने शनिवार को वर्चुअल मंच से 39वें नानी पालकीवाला स्मृति व्याख्यान में कहा कि महामारी के दौरान प्रमुख लक्ष्य आर्थिक गतिविधियों को समर्थन देना था। जब हम पीछे देखते हैं, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारी नीतियों की वजह से महामारी के आर्थिक प्रभाव को कम करने में मदद मिली। दास ने कहा, मैं यह कहूंगा कि रिजर्व बैंक जरूरत के मुताबिक आगे और उपायों के लिए भी तैयार है। साथ ही हम वित्तीय स्थिरता कायम रखने को भी पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि वित्तीय स्थिरता कायम रखने के लिए बैंकों को अग्रिम में बफर के रूप में संसाधन जुटाने की जरूरत है। गवर्नर ने कहा कि आगे चलकर देश के वित्तीय संस्थानों को आर्थिक वृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए कठिन हालात से जूझना होगा। साथ ही उन्हें दीर्घावधि में वित्तीय प्रणाली की स्थिरता को भी कायम रखना होगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा कोविड-19 महामारी के झटके से गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) के संदर्भ में बैंकों के बही-खातों पर काफी दबाव पड़ा है। इससे बैंकों की पूंजी घटी है। दास ने कहा कि सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के बैंकों को बफर बनाने तथा पूंजी जुटाने की जरूरत है। यह सिर्फ ऋण का प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए ही जरूरी नहीं है, बल्कि इससे वित्तीय प्रणाली का जुझारूपन भी बढ़ेगा। दास ने कहा, हमने सभी बैंकों, बड़ी जमा नहीं लेने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और जमा लेने वाले एनबीएफसी से कोविड-19 के अपने बही-खाते, संपत्ति की गुणवत्ता, पूंजी पर्याप्तता पर असर का आकलन करने और इससे संभावित बचाव के उपाय ढूंढने को कहा है। ए उपाय पूंजी जुटाने, आपात नकदी योजना और अन्य के रूप में हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ बड़े सार्वजनिक क्षेत्र और साथ ही निजी क्षेत्र के बैंकों ने पहले ही पूंजी जुटा ली है। कुछ पूंजी जुटाने की तैयारी में हैं। इस प्रक्रिया को तेज करने की जरूरत है। दास ने कहा कि वित्तीय स्थिरता को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखने की जरूरत है। यह सिर्फ वित्तीय प्रणाली और मूल्य की स्थिरता नहीं, बल्कि राजकोषीय स्थिरता और बाहरी क्षेत्र की स्थरिता भी है।

आयात के विकल्प वाले उत्पादों की पहचान को और शोध करने की जरूरत : गडकरी

भाषा। औरंगाबाद

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रम (एमएसएमई) मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि ऐसे उत्पादों की पहचान के लिए और शोध करने की जरूरत है, जिनका विनिर्माण देश में हो सकता है। उन्होंने कहा ए उत्पाद आयात का लागत-दक्ष विकल्प हो सकते हैं। उद्योगों तथा उद्योग संघों को इन विकल्पों की पहचान के लिए और शोध करने की जरूरत है, ताकि आयात पर अंकुश लगाया जा सके। गडकरी ने शुक्रवार को एक वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कलपुर्जो का आयात करने के बजाय उद्योग को वेंडरों को उनके देश में बने विकल्प को तलाशने में मदद करनी चाहिए। मराठा एक्सिलरेटर फॉर ग्रोथ एंड इन्क्यूबेशन काउंसिल (मैजिक) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि उद्योग को अपने वेंडरों का समर्थन और मदद करनी चाहिए, जिससे वे सभी कलपुर्जो का उत्पादन देश में ही कर सकें। उन्होंने कहा कि शुरुआत में वैकल्पिक कलपुर्जे का दाम 10 से 20 प्रतिशत अधिक हो सकता है, लेकिन जब इनका उत्पादन बड़े पैमाने पर होने लगेगा तो ए सस्ते दाम पर उपलब्ध होंगे। कि अब समय आ गया है कि जब हम आयात का घरेलू विकल्प तलाश करें। यह लागत-दक्ष और प्रदूषण-मुक्त भी होगा।

इंडिगो दिल्ली से लेह के लिए उड़ान सेवा 22 फरवरी को शुरू करेगी

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की विमानन कंपनी इंडिगो दिल्ली से लेह के लिए 22 फरवरी को उड़ान सेवा शुरू करेगी। इंडिगो ने शनिवार को इसकी घोषणा की। इंडिगो के लिए लेह 63वां गंतव्य स्थल होगा। लेह के लिए इस दैनिक उड़ान के लिए बुकिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। एयरलाइन ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी है। इसमें कहा गया है, लद्दाख की राजधानी लेह को साफ सुथरे वातावरण, वहां की सुंदरता, बेहतर गतिविधियों, बौद्ध उपासना स्थलों और त्योहारों के लिए जाना जाता है। लेह में अप्रैल से सितंबर की अवधि के दौरान पर्यटक आकर्षित होते है। एयरलाइन के मुख्य रणनीतिक एवं राजस्व अधिकारी संजय कुमार ने कहा, हम क्षेत्रीय संपर्क सूत्र को जोड़ने की दिशा मे काम कर रहे है इससे न केवल इन स्थानों के लिए लोगों की पहुंच बढ़ेगी बल्कि देश में घरेलू व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

टाटा क्रूसिबल कैंपस क्विज-2021 का नया ऑनलाइन फॉर्मेट तैयार

मुंबई। भारत में कैम्पसेस के लिए आयोजित की जाने वाली सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित बिज़नेस क्विज़ टाटा क्रूसिबल कैम्पस क्विज़ की घोषणा की गयी है। इस बार अपने 17 वे साल में यह प्रतियोगिता और भी रोमांचक और तीव्र होगी।
टाटा क्रूसिबल कैम्पस क्विज़ 2021 नए वर्चुअल फॉर्मेट में आयोजित की जाएगी। इसमें हिस्सा लेने के लिए 2 जनवरी से 2 फरवरी 2021 तक रेजिस्ट्रेशन्स किए जा सकते हैं। देश भर के कॉलेज छात्रों की प्रतिभा को प्रदर्शित करने के अवसर दिलाने के लिए हर साल टाटा ग्रुप द्वारा इस क्विज़ का आयोजन किया जाता है। वैश्विक महामारी के कारण समय की ज़रूरत को समझते हुए टाटा क्रूसिबल कॉर्पोरेट क्विज़ 2020 का पूरी तरह से ऑनलाइन आयोजन किया गया। कैम्पस क्विज़ में भी उसी फॉर्मेट का उपयोग किया जाएगा।

देशभर में पीएनजी स्टोव कार्यक्रम का क्रियान्वयन करेगी ईईएसएल

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड ने देशभर में ऊर्जा दक्षता पीएनजी कुकिंग स्टोव कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ के साथ करार किया है। ईईएसएल बिजली मंत्रालय के तहत सार्वजनिक क्षेत्र का संयुक्त उपक्रम है। ईईएसएल ने अखिल भारतीय स्तर पर ईईपीएस कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत पीसीआरए के साथ सहमति ज्ञापन (एमओयू) किया है।

व्हॉट्सएप के खिलाफ कैट की सुप्रीम कोर्ट में याचिका

भाषा। नई दिल्ली

व्यापारियों के संगठन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने व्हॉट्सएप की नई निजता नीति के खिलाफ शनिवार को उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की। कैट ने उच्चतम न्यायालय से आग्रह किया है कि वह व्हॉट्सएप को अपनी इस नई नीति को वापस लेने का निर्देश दे।
कैट ने अपनी याचिका में कहा है कि व्हॉट्सएप की प्रस्तावित निजता नीति संविधान द्वारा प्रदत्त नागरिकों के विभिन्न मौलिक अधिकारों का अतिक्रमण है। कैट ने यह भी कहा है कि व्हॉट्सएप जैसी बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों को संचालित करने के लिए केंद्र सरकार को दिशा-निर्देश तैयार करने चाहिए और ऐसी नीतियां बनानी चाहिए जो नागरिकों और व्यवसायों की गोपनीयता की रक्षा करें। याचिका में विशेष रूप से यूरोपीय संघ के देशों और भारत में व्हॉट्सएप की निजता नीति में अंतर का हवाला देते हुए कहा गया है की भारतीय प्रयोगकर्ताओं के डेटा का इस तरह की बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों द्वारा दुरुपयोग कैसे किया जा सकता है।

व्हॉट्सएप ने नीतिगत बदलाव को 15 मई तक टाला

नई दिल्ली। व्हॉट्सएप ने नीति में बदलाव (अपडेट) को 15 मई तक के लिए टाल दिया है। अपने हालिया निजता नीति बदलावों को लेकर व्हॉट्सएप को भारत सहित वैश्विक स्तर पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। दुनियाभर मे इस बात को लेकर चिंता जताई जा रही है कि व्हॉट्सएप उपयोक्ताओं के डेटा को अपनी मूल कंपनी फेसबुक से साझा कर सकती है। यह घटनाक्रम इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि भारत व्हॉट्सएप के लिए सबसे बड़े बाजारों मे से है। भारत मे व्हॉट्सएप के प्रयोगकर्ताओं की संख्या 40 करोड़ से अधिक है। व्हॉट्सएप ने ब्लॉग पोस्ट मे लिखा है कि प्रयोगकर्ताओं के लिए नीतिगत अपडेट की शर्तों पर अपनी मंजूरी देने की तिथि को आगे बढ़ाया जा रहा है। व्हॉट्सएप ने ब्लॉग पोस्ट मे कहा, किसी का भी खाता आठ फरवरी को निलंबित या बंद नही किया जाएगा। हम व्हॉट्सएप पर निजता और सुरक्षा को लेकर फैली गलत सूचनाओं को दूर करने के लिए और अधिक काम करेंगे।

बाइडन की 100 दिनों में 10 करोड़ लोगों को टीका लगाने की योजना

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए अपने कार्यकाल के पहले 100 दिनों में 10 करोड़ अमेरिकियों को कोविड-19 के टीके लगाने की महत्त्वाकांक्षी एाजना की घोषणा की है।

बाइडन 20 जनवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालने वाले हैं। उससे पहले, उन्होंने शुक्रवार को अपनी टीम के साथ स्वास्थ्य संकट के समाधान के लिए एक बैठक की।

जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के कोरोना वायरस ट्रैकर के अनुसार, अमेरिका में अब तक 2,35,23,000 से अधिक लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं और 3,91,955 लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका दुनिया में इस बीमारी से सबसे अधिक प्रभावित देश है।

अपने चुनाव अभियान के दौरान, बाइडन ने कोविड-19 महामारी को बड़ा मुद्दा बनाया था और मतदाताओं से इससे निपटने और इससे उत्पन्न आर्थिक संकट को दूर करने का वादा किया था।बाइडन ने विलमिंगटन में संवाददाताओं से कहा, अमेरिका में अब तक टीकाकरण अभी तक पूरी तरह विफल रहा है और आज की बैठक में हमने पांच चीजों पर चर्चा की। इन पांच चीजों के जरिए हम स्थिति को बदलने का प्रयास करेंगे, इन पांच चीजों से हम निराशा को आशा में बदलेंगे। ए पांच चीजें हमारे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में 10 करोड़ टीके लगाने के हमारे लक्ष्य को पूरा करने में मदद करेंगी।

उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि हम इसे पूरा कर सकते हैं, और यह साहस और दृढ़ विश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए बड़े लक्ष्य निर्धारित करने का समय है क्योंकि राष्ट्र का स्वास्थ्य सचमुच दांव पर है। सबसे पहले, हम अधिक प्राथमिकता वाले समूहों के लिए टीकाकरण शुरू करने के उद्देश्य से सभी राज्यों के साथ मिलकर तुरंत काम करेंगे।

बाइडन ने कहा कि इस नए प्रयास में पूरे राष्ट्र को एकजुट किया जाएगा और टीकाकरण, जांच और महामारी से निपटने के अन्य उपायों के लिए संघीय कोष से अरबों डालर खर्च किए जाएंगे।उन्होंने शुक्रवार को कहा,"आप लोगों से मेरा वादा है: हम इस अभियान से इस महामारी को काबू में करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए संसद को अधिक धन खर्च करने की मंजूरी देनी होगी। उन्होंने लोगों से मास्क पहनने, भीड़भाड़ से बचने और अक्सर अपने हाथों को धोते रहने जैसे बुनियादी सावधानियों का पालन करने की भी अपील की। बाइडन ने कहा, यह राजनीतिक मुद्दा नहीं है। यह जीवन बचाने के बारे में है। मुझे पता है कि यह एक पक्षपातपूर्ण मुद्दा बन गया है, लेकिन यह मूर्खतापूर्ण है और मूर्खतापूर्ण चीजें हो रही है। बाइडन ने महामारी से निपटने और अस्थिर अर्थव्यवस्था को तात्कालिक सहायता प्रदान करने के लिए 1.9 ट्रीलियन डॉलर के"अमेरिकन रेस्क्यू प्लान" की घोषणा करने के एक दिन बाद यह बात कही। इस योजना में 400 बिलियन डॉलर कोरोना वायरस के प्रसार को नियंत्रित करने के उद्देश्य से खर्च किया जाएगा। इस योजना के तहत पूरे अमेरिका में बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान चलाने और महामारी से निपटने संबंधी कई अन्य उपाए किए जाने हैं।

कैपिटल हिल पर हमले के दौरान मास्क नहीं पहनने वाले रिपब्लिकन सांसदों से बाइडन ने नाराजगी जताई

भाषा। वाशिंगटन

नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कैपिटल बिल्डिंग में छह जनवरी की हिंसा के दौरान सुरक्षित ठिकाने की तलाश करते समय मास्क नहीं पहनने वाले रिपब्लिकन सांसदों से नाराजगी जताते हुए कहा है कि अब परिपक्व होने का समय आ गया है।ट्रंप के समर्थकों द्वारा अमेरिकी संसद भवन पर किए गए हमले में पांच लोगों की मौत हो गई थी। हिंसा के बाद से अमेरिकी कांग्रेस के कम से कम चार सांसद कोरोना वायरस संक्रमित पाए गए हैं जिनमें डेमोक्रेट नेता प्रमिला जयपाल, ब्रैड श्नीडर और बोनी वाटसन कोलमैन भी शामिल हैं।बाइडन ने डेलावेयर के विलमिंगटन में शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, साफ कहूं तो कैपिटल पर जब अपराधियों की भीड़ ने घातक हमला किया, उस समय कांग्रेस के कुछ सदस्यों को सुरक्षित ठिकानों पर जाते समय मास्क पहनने से इनकार करते देखना स्तब्ध करने वाला है। उन्होंने कहा, मुझे डेलावेयर राज्य से कांग्रेस की सदस्य लीजा ब्लंट रोचेस्टर पर गर्व है जो उस समय मास्क पहनने की कोशिश कर रही थीं जब लोग फर्श पर बचने के लिए लेट रहे थे। वहीं उनके रिपब्लिकन सहयोगी मास्क पहनने से मना कर रहे थे। आपको दिक्कत क्या है? यह परिपक्व होने का समय है। बाइडन ने कहा, नतीजा क्या हुआ? कांग्रेस के कम से कम चार सदस्य आज संक्रमित मिले जिनमें से एक कैंसर से उबरे हैं। कोलमैन (75) कैंसर से उबर चुके हैं और हाल ही में कोविड-19 से ग्रस्त पाए गए हैं।

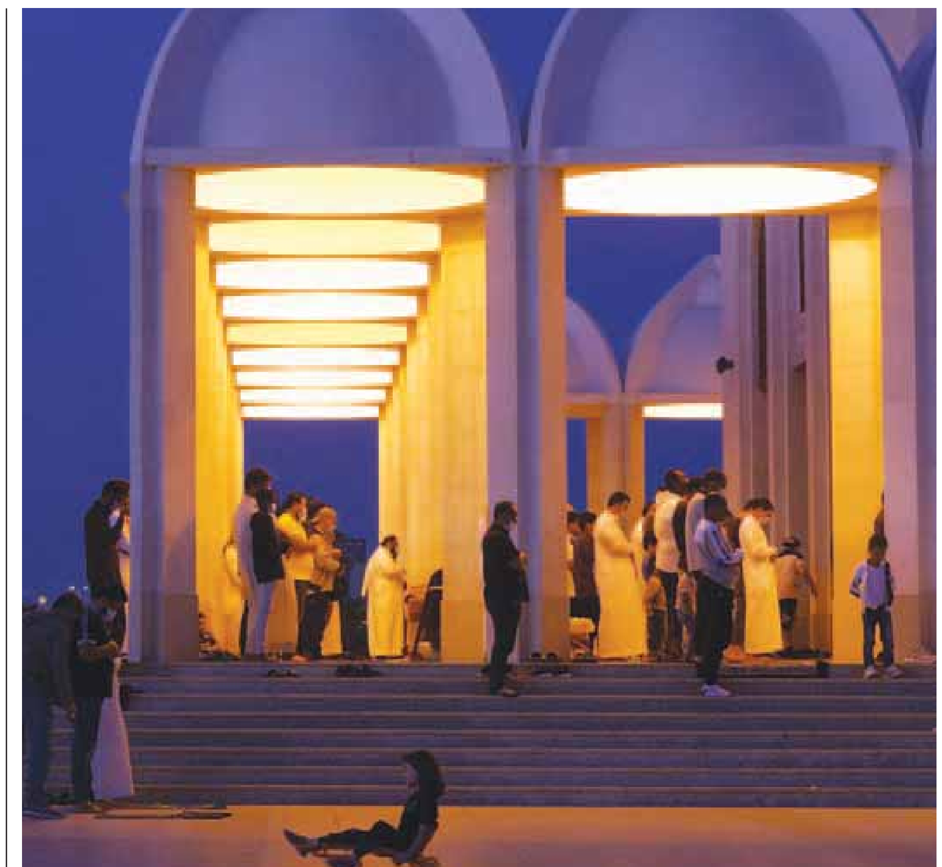

सऊदी अरब मे बढ़ते कोरोना वायरस को लेकर जेद्दाह की एक मस्जिद के बाहर प्रार्थना करते लोग

कैबिनेट ने इमरान खान के सहयोगी को पीटीवी अध्यक्ष पद से हटाया

भाषा । इस्लामाबाद

पाकिस्तान की कैबिनेट ने उच्च न्यायालय के आदेश पर प्रधानमंत्री इमरान खान के निकट सहयोगी नईम बुखारी को सरकारी पाकिस्तान टेलीविजन (पीटीवी) के अध्यक्ष पद से हटा दिया है। मीडिया की कई खबरों में बताया गया कि उच्च न्यायालय ने उन्हें चैनल के प्रमुख के तौर पर काम करने से रोक दिया जिसके बाद यह कदम उठाया गया।उच्चतम न्यायालय के वकील, नेता और पूर्व टीवी प्रस्तोता बुखारी को पिछले वर्ष नवंबर में सरकारी चैनल का प्रमुख नियुक्त किया गया था, जिसके बाद प्रधानमंत्री खान का करीबी होने का फायदा मिलने को लेकर उनकी आलोचना हुई थी। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने उनकी नियुक्ति को लेकर दायर कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए बृहस्पतिवार को बुखारी को पीटीवी के अध्यक्ष पद पर काम करने से रोक दिया और इसे 2018 में इसी तरह के मामले में उच्चतम न्यायालय के आदेश का उल्लंघन बताया।न्यायमूर्ति मीनल्लाह ने टिप्पणी की कि कैबिनेट ने 65 वर्षीय बुखारी की आयु सीमा में ढील देने पर स्पष्ट निर्णय नहीं लिया।डॉन न्यूज ने केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री फवाद चौधरी के हवाले से खबर दी कि कैबिनेट ने एक सर्कुलर जारी कर बुखारी और पीटीवी के दो अन्य निदेशकों को उनके पदों से हटा दिया क्योंकि उनकी उम्र 65 वर्ष से ज्यादा है।जियो न्यूज ने खबर दी कि कैबिनेट ने आमेर मंजूर को पीटीवी के प्रबंध निदेशक पद से भी हटा दिया। मंजूर को एक जनवरी को पद से हटाया गया।

संयुक्त राष्ट्र के शांतिरक्षक की हत्या

बांगुई (मध्य अफ्रीकी गणराज्य)। मध्य अफ्रीकी गणराज्य (सीएआर) के ग्रिमारी के नजदीक हथियारबंद विद्रोहियों के दो हमलों में कम से कम एक शांतिरक्षक की मौत हो गई तथा दो अन्य घायल हो गए। देश के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने इसकी जानकारी दी।मिशन ने बताया कि ए हमले शुक्रवार को हुए जब बुरुंडी और बांग्लादेश के शांतिरक्षक बांगुई से लगभग 200 किमी दूर स्थित ग्रिमारी के नजदीक सुरक्षा अभियान चला रहे थे। मिशन ने एक वक्तव्य में बताया कि हमले में बुरुंडी के एक शांतिरक्षक की मौत हो गई तथा बांग्लादेश के दो शांतिरक्षक घायल हो गए जिनका उपचार चल रहा है। बीते कुछ हफ्तों से यहां हिंसा की घटनाएं बढ़ गई है जिनके चलते 60,000 से अधिक लोग देश से पलायन कर गए है।

अमेरिका ने आतंकवादियों की सूची में लश्कर-ए-तैयबा को बरकरार रखा

वाशिंगटन। अमेरिका ने आतंकवादियों की सूची की समीक्षा करने के बाद आईएसआईएल-सीनाई पेनिनसुला (आईएसआईएल-एसपी) और अन्य संगठनों के साथ पाकिस्तान से संचालित लश्कर-ए-तैयबा और लश्कर-ए-झंगवी (एलजे) को उसमें बरकरार रखा है। सत्ता के हस्तांतरण के महज कुछ दिन पहले अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसने एलजे और आईएसआईएल-एसपी से जुड़े संगठनों को शामिल करने के लिए घोषित आतंकवादियों की सूची में संशोधन किया है। प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक विदेश मंत्रालय ने अतंरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों की सूची की समीक्षा की और एलजे, आईएसआईएल-एसपी, लश्कर-ए-तैयबा, जैश रिजाल अल तारिक अल नक्शबंदी, जमातुल अंसारुल मुस्लिमिनिया फी बिलादीस-सूडान (अंसारु), अल-नुस्रत फ्रंट, कंटिन्यूटी आयरिश रिपब्लिकन आर्मी और नेशनल लिब्रेशन आर्मी को इस सूची में कायम रखा है। इस महीने की 14 तारीख को जारी संघीय रजिस्टर अधिसूचना में विदेशमंत्री माइक पोम्पियो ने कहा, प्रशासनिक दस्तावेजों की समीक्षा के आधार पर ...मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि जिन परिस्थितियों के अधार पर अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन घोषित किया जाता है, उनमें इतना बदलाव नहीं आया कि इन्हें प्रतिबंधों से बाहर किया जाए और अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा उन संगठनों को प्रतिबंधों से बाहर करने की अनुमति नहीं देती। उल्लेखनीय है कि लश्कर-ए-तैयबा ने वर्ष 2008 में मुंबई पर हमले को अंजाम दिया था और अमेरिका द्वारा 2001 से ही अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन घोषित है।

क्विक न्यूज

ट्रंप के कारोबारी लेनदेन के बारे में माइकल कोहेन से पूछताछ

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के अभियोजकों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व निजी अटॉर्नी माइकल कोहेन से कई घंटे तक पूछताछ की और राष्ट्रपति के कारोबारी लेनदेन के संबंध में लेकर अनेक सवाल किए। इस घटनाक्रम से जुड़े तीन लोगों ने यह जानकारी दी है।इन तीन लोगों ने नाम जाहिर न करने की शर्त पर बताया कि बृहस्पतिवार को हुई पूछताछ के दौरान ट्रंप के सबसे बड़े तथा दीर्घकालिक ऋणदाता ड्यूश बैंक से उनके संबंधों के बारे में विशेष रूप से सवाल किए गए। मैनहट्टन जिला अटॉर्नी कार्यालय ने दूसरी बार कोहेन से पूछताछ की है। यह पूछताछ ऐसे समय में की गई है जब ट्रंप के कारोबारी लेन-देन की जांच चल रही है। जिला अटॉर्नी साइरस आर वेंस जूनियर राष्ट्रपति के कर रिकॉर्ड हासिल करने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं।

भारतीय नागरिक ने 80 लाख डॉलर के रोबोकॉल घोटाले में दोष स्वीकार किया

वाशिंगटन। अमेरिका के न्याय विभाग ने कहा है कि भारत के एक नागरिक ने करीब 80 लाख डॉलर के रोबोकॉल घोटाले में साजिश रचने तथा पहचान बदलकर लोगों से पैसा ठगने का अपराध स्वीकार कर लिया है। इस घोटाले में अमेरिका के हजारों लोगों के साथ धोखाधड़ी हुई थी जिनमे बड़ी संख्या बुजुर्गों की थी।अदालत के दस्तावेजों के मुताबिक 39 वर्षीय शहजाद खान पठान गुजरात के अहमदाबाद में एक कॉल सेंटर चलाता था और वहां से अमेरिका में पीड़ितों को स्वचालित रोबोकॉल किए जाते थे। इन कॉल के जरिए पठान और उसके साथी लोगों से मोटी रकम वसूलते थे। वे कई योजनाओं मे फंसाकर लोगों को पैसा भेजने के लिए राजी कर लेते थे। कई बार वे एफबीआई या अन्य सरकारी एजेंसियों के अधिकारी बनकर उन पर पैसा देने का दबाव बनाते थे। दस्तावेजों के मुताबिक पीड़ितों से आने वाले धन को एकत्र करने के लिए अमेरिका के कई राज्यो मे पठान के लिए काम करने वाले लोग थे।इस तरह पठान ने अमेरिका मे पांच हजार से अधिक पीड़ितों से कम से कम 80 लाख डॉलर की धोखाधड़ी की।पठान को 14 मई को सजा सुनाई जाएगी तथा उसे अधिकतम बीस साल की कैद हो सकती है।

अमेरिका ने मानवाधिकार उल्लंघनों का हवाला देकर क्यूबा के गृह मंत्रालय पर प्रतिबंध लगाया

हवाना। अमेरिका के वित्त विभाग ने क्यूबा के गृह मंत्रालय और उसके नेता पर मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का आरोप लगाते हुए उन पर पाबंदियां लगाई है।वित्त विभाग के इस कदम से क्यूबा के मंत्रालय और उसके प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल लाजारो अल्बर्टो अलवारेज कासास के अमेरिका में मौजूद बैंक खातों पर रोक लग जाएगी तथा अमेरिकी कंपनियों के साथ उनके व्यवसायिक कामकाज पर भी पाबंदी होगी।वित्त मंत्री स्टीवन मनुचिन ने शुक्रवार को एक वक्तव्य में कहा, क्यूबा तथा दुनियाभर मे मानवाधिकारों से जुड़े संकटों को दूर करने के लिए अमेरिका हर संभव प्रयास करता रहेगा। अमेरिका की सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति में क्यूबा के असंतुष्ट नेता जोस डेनियल फेरर के मामले का जिक्र किया गया है जिन्हें गृह मंत्रालय के अधीन आने वाली जेल में कैद करके रखा गया है। ऐसी खबरें है कि फेरर का उत्पीड़न किया गया, उनसे मारपीट हुई तथा उन्हे जेल में चिकित्सा सुविधा मुहैया करवाने से भी इनकार कर दिया गया।क्यूबा की सरकार असंतुष्टों पर आरोप लगाती है कि उन्हें अमेरिकी समूहों की ओर से पैसा मिल रहा है जो समाजवादी सरकार को बदनाम करना चाहते हैं। इससे पहले, गत सितंबर में अमेरिकी विदेश विभाग ने क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति तथा क्यूबा की कम्युनिस्ट पार्टी के नेता राऊल कास्त्रो एवं उनके चार बच्चों पर प्रतिबंध लगाए थे।

अमेरिका ने संयुक्त अरब अमीरात एवं बहरीन को प्रमुख रणनीतिक सहयोगी करार दिया

वाशिंगटन। अमेरिका ने संयुक्त अरब अमीरात एवं बहरीन को प्रमुख रणनीतिक साझेदार करार दिया है। व्हाइट हाउस ने इसकी घोषणा की है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और नव निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया चल रही है।व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कायली मैक्नेनी ने यह घोषणा की।मैक्नेनी ने शुक्रवार को कहा, आज हम संयुक्त अरब अमीरात एवं किंगडम आफ बहरीन को अमेरिका के प्रमुख रणनीतिक सहयोगी के रूप में घोषित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात एवं बहरीन के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक भागीदार का दर्जा विशिष्ट है।मैक्नेनी ने कहा कि यह हमारी असाधारण सुरक्षा साझेदारी को मान्यता देता है और पूरे क्षेत्र में हिंसक चरमपंथ का मुकबला करने के लिए प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि खास बात यह है कि, दोनों देशों ने पिछले 30 वर्षों में अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन में भाग लिया है।प्रवक्ता ने कहा कि आज का निर्णय अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात एवं बहरीन के बीच साझेदारी के एक नए स्तर को प्रदर्शित करता है तथा आर्थिक और सुरक्षा सहयोग के लिए एक स्थाई प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है।

इंडोनेशिया के मामुजू में आए भूकंप के बाद गिरी इमारत के बीच राहत कार्यों में जुटे आपदा कर्मी

सुरक्षा परिषद में सुधार की प्रक्रिया पर 25 जनवरी को शुरू होगी

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष वोल्कन बोजकिर ने कहा है कि सुरक्षा परिषद में सुधार की प्रक्रिया को लेकर अंतर-सरकारी वार्ताएं इस महीने के अंत में फिर से शुरू की जाएंगी। उन्होंने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की सदस्यता के साथ-साथ उसके काम करने के तरीके में 21वीं सदी की वास्तविकताओं की झलक मिलनी चाहिए।सुरक्षा परिषद के अस्थाई सदस्य के तौर पर भारत का दो वर्ष का कार्यकाल इस साल शुरू हुआ है और वह संयुक्त राष्ट्र के इस 15 सदस्ईय शक्तिशाली अंग में सुधार के लिए लंबे समय से आवाज उठाता रहा है।

भारत का कहना है कि वह परिषद की स्थाई सदस्यता हासिल करने का हकदार है और मौजूदा स्वरूप के तहत सुरक्षा परिषद 21वीं सदी की भू-राजनैतिक वास्तविकताओं का प्रतिनिधित्व नहीं करती।बोजकिर ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि सुरक्षा परिषद की सदस्यता तथा इसके कामकाज के तरीके में 21वीं सदी की वास्तविकताओं की झलक मिलनी चाहिए। यह अंतर-सरकारी तथा सदस्य देशों द्वारा संचालित प्रक्रिया है। बोजकिर से जब पूछा गया कि क्या वह काफी समय से लंबित सुरक्षा परिषद सुधारों की दिशा में प्रगति का कोई संकेत देखते हैं तो उन्होंने कहा आईजीएन प्रक्रिया के सह-अध्यक्ष के रूप में नियुक्त कतर तथा पोलैंड के स्थाई प्रतिनिधि 25 और 26 जनवरी को 75वें अधिवेशन में अंतर-सरकारी वार्ताएं शुरू करेंगे।

करीब 1.8 करोड़ आबादी के साथ भारतीय दुनिया का सबसे बड़ा प्रवासी समूह

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

प्रवासी भारतीयों की संख्या विश्व में सबसे अधिक हैं जो दुनिया के अलग-अलग देशों में रह रहे हैं और ए सबसे अधिक विविधता और जीवतंता वाले समुदायों में से एक है। संयुक्त राष्ट्र ने बताया कि वर्ष 2020 में करीब 1.8 करोड़ भारतीय अपने वतन से दूर दुनिया के अलग-अलग देशों में रहते हैं और इस मामले में यह विश्व का सबसे बड़ा प्रवासी समूह है। विश्व निकाय ने बताया कि सबसे अधिक संख्या में प्रवासी भारतीय संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और सऊदी अरब में रहते हैं।संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग (डीईएसए) में जनसंख्या प्रभाग में जनसंख्या मामलों की अधिकारी क्लेर मेनोजी ने शुक्रवार को पीटीआई-भाषा से एक साक्षात्कार में कहा, दुनिया में भारत की सबसे अधिक परा देशीय आबादी है। भारत के करीब 1.8 करोड़ लोग दुनिया के अलग-अलग देशों में रहते हैं। सबसे रोचक बात यह है कि भारतीय प्रवासी आबादी का वितरण पूरी दुनिया में है। मेनोजी ने कहा कि कुछ परादेशीय आबादी वास्तव में एक देश या क्षेत्र तक केंद्रित है जबकि भारतीय प्रवासी सभी महाद्वीपों एवं क्षेत्रों - खाड़ी से लेकर अमेरिका तक, ऑस्ट्रेलिया से लेकर ब्रिटेन तक- में फैली हुई है।उन्होंने कहा, यह दुनिया की सबसे विविधता युक्त एवं गतिशील समुदाय है। संयुक्त राष्ट्र डीईएसए के जनसंख्या प्रभाग द्वारा शुक्रवार को जारी अंतरराष्ट्रीय प्रवास-2020 रिपोर्ट के मुताबिक 1.8 करोड़ भारतीय अपने जन्मस्थान से दूर दूसरे देशों में रहते हैं।भारत के अलावा अन्य देश जिनकी बड़ी आबादी विदेश में रहती है, उनमें मैक्सिको और रूस हैं। इन दोनों देशों की 1.1-1.1 करोड़ आबादी विदेश में रहती है। वहीं, एक करोड़ चीनी और 80 लाख सीरियाई भी दूसरे देशों रहते हैं।विदेशों में रहने वाले भारतीयों में सबसे अधिक 35 लाख संयुक्त अरब अमीरात में रहते हैं जबकि 27 लाख भारतीय अमेरिका में और 25 लाख सऊदी अरब में रहते हैं। इनके अलावा ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, कुवैत, ओमान, पाकिस्तान, कतर और ब्रिटेन में भी भारतीय प्रवासियों की बड़ी संख्या है।रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2000 से 2020 के बीच दुनिया के हर देश एवं क्षेत्र में विदेश से आनेवाले प्रवासियों की संख्या में वृद्धि हुई और इसका सबसे अधिक लाभ भारत को हुआ जिसकी विदेश में रहने वाली आबादी की संख्या में एक करोड़ की वृद्धि हुई। इसके बाद सीरिया, वेनेजुएला, चीन और फिलीपीन का स्थान आता है।संयुक्त राष्ट्र निकाय के जनसंख्या प्रभाग के निदेशक जॉन विलमोथ ने कहा कि भारत से प्रवास की मुख्य वजह रोजगार और पारिवारिक कारण रहे और जबरन प्रवास का प्रतिशत (करीब 10 प्रतिशत) कम रहा।अमेरिका प्रवासियों का अब भी सबसे पसंदीदा स्थल बना हुआ है और वर्ष 2020 में कुल 5.1 करोड़ अंतरराष्ट्रीय प्रवासी अमेरिका में थे जो विश्व में कुल अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों का 18 प्रतिशत है।1.6 करोड़ प्रवासियों के साथ जर्मनी दूसरे स्थान पर रहा जबकि सऊदी अरब, रूस और ब्रिटेन क्रमश: 1.3 करोड़, 1.2 करोड़, 90 लाख अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों के साथ तीसरे, चौथे, पांचवे स्थान पर रहे।रिपोर्ट में कहा गया कि अंतरिम आकलन के मुताबिक कोविड-19 महामारी की वजह से वर्ष 2020 के मध्य में अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों की संख्या की वृद्धि में करीब 20 लाख की कमी आई जो मध्य 2019 के अनुमान के मुताबिक 27 प्रतिशत कम है।

संयुक्त राष्ट्र का अगला महासचिव चुने जाने की दिशा में कदम 31 जनवरी के बाद

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा तथा सुरक्षा परिषद को इस वैश्विक संगठन का अगला प्रमुख चुनने की दिशा में इस महीने के अंत में पहला कदम उठाए उठाए जाने की उम्मीद है। महासभा के अध्यक्ष वोल्कान बोजकिर ने शुक्रवार को कहा कि वह और संयुक्त राष्ट्र में ट्यूनीशिया के राजदूत एवं सुरक्षा परिषद के मौजूदा प्रमुख तारिक लादेब 31 जनवरी से पहले संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों को पत्र भेजकर कह सकते हैं कि अगर मौजूदा महासचिव एंतोनियो गुतारेस के खिलाफ उनका कोई उम्मीदवार है तो वे उसे पेश करें। संयुक्त राष्ट्र के मौजूदा महासचिव एवं पुर्तगाल के प्रधानमंत्री रह चुके गुतारेस का पांच वर्ष का कार्यकाल 31 दिसंबर को खत्म हो रहा है। उन्होंने सोमवार को बोजकिर तथा लादेब को पत्र लिखकर कहा था कि वह दूसरे कार्यकाल के लिए तैयार हैं।महासभा 15 सदस्ईय सुरक्षा परिषद की अनुशंसा पर महासचिव का चुनाव करती है। सुरक्षा परिषद के पांच स्थाई सदस्यों के पास वीटो शक्ति होती है। इसलिए उनका समर्थन बेहद महत्वपूर्ण है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन पहले ही गुतारेस का समर्थन कर चुके हैं, लेकिन वीटो शक्ति प्राप्त अन्य देशों अमेरिका, रूस, चीन और फ्रांस ने इस पर अभी तक कुछ नहीं कहा है।

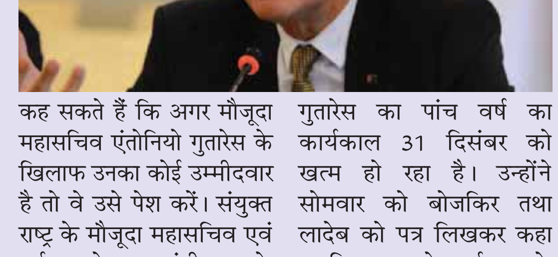

पायनियर
रविवार, 17 जनवरी, 2021

एजेण्डा

जीवन कठिन है और यदि आपमें इस पर हंसने की योग्यता है तो आपमें इसका आनंद लेने की भी योग्यता है
- सलमा हाइक

अनोखे बच्चे

16 वर्षीय आगरावासी उद्यमी, ओजस बत्रा तथा 14 वर्षीया रैना गोयल से लेकर 8 साल की मान्या सिंघल ऐसे मेधावी बच्चे हैं, जिन्होंने 24 देशों की यात्रा की, यहां तक कि रोजमर्रा वस्तुओं को पहचानने में सहायता करने के लिए एक मोबाइल एप विकसित किया है। इन नन्हीं प्रतिभाओं के सामने कोई सीमा नहीं है। इन अनोखी प्रतिभाओं की उपलब्धियों को सामने लाने के लिए इनसे चर्चा करती मुस्बा हाशमी की रिपोर्ट

उम्र कोई सीमा नहीं

16 साल की उम्र में, वह एक उद्यमी और एक लेखक है। उसने अपने करियर की शुरूआत तब की, जब वह दस साल की उम्र का था और इस दौरान उसने उतार और चढ़ाव दोनों देख लिए हैं। मिलिए आगरावासी ओजस बत्रा से। जो हाइव ग्रुप आफ कंपनीज के सीईओ व संस्थापक तथा टीनएज एएफ नामक पुस्तक के लेखक हैं जो सभी पाठकों के लिए प्रकाशस्तंभ का काम करेगी और जीवन में आगे बढ़ने व खुद को बेहतर बनाने व ढलने में उनकी सहायता करेगी।

अपनी यात्रा के बारे में बताएं। 10 साल की उम्र में कैसे आपने अपने करियर की शुरूआत की?

बत्रा बताते हैं, '' जब मैं 10 साल का था, मैंने महसूस किया, स्कूल मुझे बहुत ज्यादा उपयोगी नहीं लगते थे क्योंकि जो मैं सीख रहा था वो ज्यादातर वहां लागू नहीं होता था और व्यवहारिक उपयोग एक खास स्तर पर पुराने किस्म का था। यही कारण था कि मैंने प्रयोग करना शुरू किया और उन व्यवहारिक योग्यताओं को तलाशना शुरू किया जिनकी अहमियत थी और जिनकी असल दुनिया को आवश्यकता थी। मैंने भिन्न योग्यताओं के साथ प्रयोग करना और अपनी योग्यताओं को लागू करने के लिए फ्रीलांस किया और समझा कि यह मेरे लिए उपयोगी है या नहीं। जब मैं ऐसा कर रहा था। मैं संयोग से ई-कामर्स पर पहुंच गया, खासतौर पर ड्रॉपशिपिंग पर, जब मैं 12 साल का था और मैं उसकी अवधारणा के प्रति आकर्षित हो गया, इसलिए मैंने उसमें थोड़ा धन निवेश किया जो मैंने अपने पहले स्टोर में फ्रीलांस के जरिए कमाया था। स्टोर विफल रहा, लेकिन मैं ई-कामर्स और मार्केटिंग के कामकाज के बारे में काफी कुछ समझ गया। ''

विफल होने के बाद भी, बत्रा ने हिम्मत नहीं हारी। उसने गलतियों से सीखा और इस विचार पर एक बार फिर से प्रयास किया। वह स्पष्ट करते हैं, '' मैंने अपना दूसरा स्टोर खोला और यह मेरी उम्मीदों से कहीं ज्यादा कामयाब रहा। मैंने 14 सफल ई-कामर्स तैयार किए और उन सभी को बेचा, फिर मैंने 2019 में ड्रॉपशिपिंग छोड़ दिया क्योंकि मुझे महसूस हुआ कि इसका बाजार सिकुड़ने जा रहा है और यह दूरगामी स्तर पर अनुकूल नहीं है। जब मैं अपने ई-कामर्स स्टोर्स चला रहा था, मैंने छात्र समुदाय के लिए एक एडटेक स्टार्टअप भी आरंभ किया क्योंकि हर किसी को स्कूल छोड़ने और अपने ढंग से बाहर निकलने व अपनी योग्यताओ के साथ प्रयोग करने का अवसर नहीं मिलता है। मेरे स्टार्ट-अप ने उन योग्यताओं को सीखने में इन छात्रों की सहायता की जिनका मैंने प्रयोग किया था, मसलन सस्ती कीमत पर वेब डेवलपमेंट, डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट क्रिएशन, थ्रीडी एवं वीएफएक्स, जब वे स्कूली पढ़ाई में लगे रहते हैं। ''

यह स्टार्ट अप 2019 में एक साल के भीतर ही अर्जित हो गया। वह बताते हैं, '' मेरे पास 25 फीसदी इक्विटी के विनिमय में निवेश अर्जित करने का विकल्प था, लेकिन मैंने मना कर दिया और समूचा स्टार्ट-अप प्रस्तावित किया क्योंकि मुझे पता था कि हालांकि विचार अच्छा था और हम फायदे की स्थिति में थे, मगर मुझे स्टार्टअप को मापने के लिए आवश्यक योग्यताओं व जानकारी की कमी लगी। इसीलिए अपने स्टार्ट अप को हासिल करने के बाद, मैंने कंपनी को मापने के लिए आवश्यक योग्यताओं व काम काजों को समझने के लिए अनेक स्टार्ट अप्स और अनेक कार्पोरेट्स के साथ काम करना शुरू किया। मैंने 2019 के मध्य में अपनी मार्केटिंग एजेंसी - एडवेंजर्स - भी शुरू की। जब मुझे स्टार्ट अप्स मापने तथा चलाने की योग्यताओं के मामले में पर्याप्त भरोसा हो गया, मैंने टीन हाइव एवं स्किल हाइव की शुरूआत की, जो किशोरों की जीवन योग्यताएं विकसित करने में सहायता करने पर ध्यान देती है, मानसिक स्वास्थ्य के बारे में उन्हें शिक्षित करती है। जो सुनिश्चित करती है कि उनके पास उचित सोच है और वे स्वयं अपना करियर रोडमैप बना सकें, इसमें उनकी सहायता करती है, व्यक्तियों की वेब डेवलपमेंट, डाटा एनालिटिक्स, डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट किएशन एवं अन्य योग्यताओं के साथ तजुर्बा करने में सहायता करती है। ''

बत्रा से यह पूछने पर कि इतनी कम उम्र में इतना ज्यादा हासिल करने में क्या महसूस होता है- तो बत्रा तत्काल जवाब देते हैं कि - विफलता और आत्मविश्वास की स्वीकार्यता।

बत्रा कहते हैं, '' अपने जीवन के किसी मुकाम पर कुछ हासिल करने के लिए, चाहे यह बच्चे के रूप में हो, या किशोर या फिर वयस्क के बतौर हो, व्यक्ति को विफलताओं को स्वीकारना व उनसे सीखना चाहिए। आत्म विश्वास, आत्म विश्लेषण, अपने लक्ष्य के प्रति लगन, फैसले लेने की योग्यता व उसका सर्वोत्तम हासिल करना भी समान रूप से महत्वपूर्ण होता है। साथ ही व्यक्ति को आलोचना और निंदा के बीच अंतर को समझना चाहिए और खुले मन से उससे सीखना चाहिए। ''

>> पेज 3

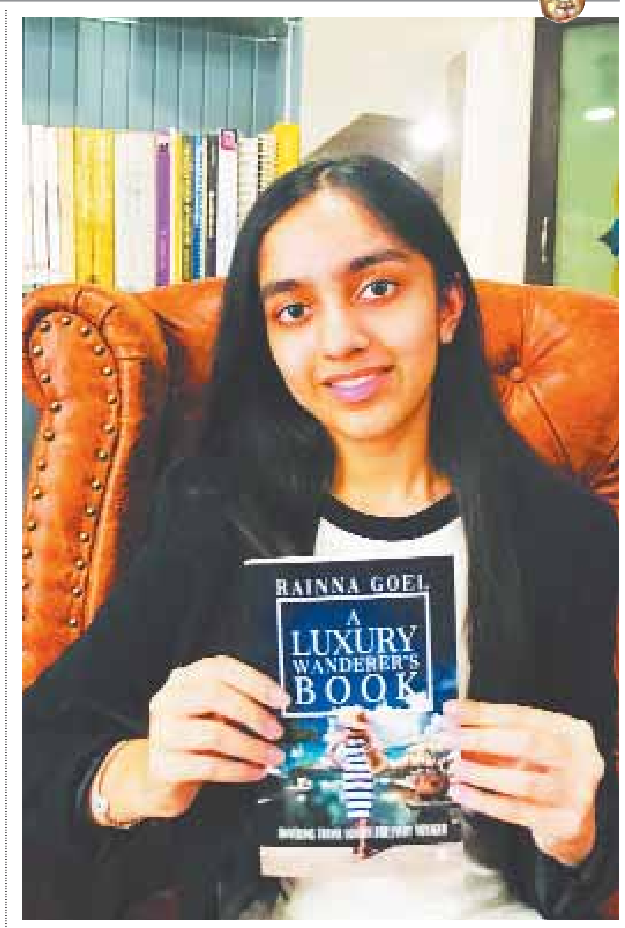

जहां चाह, वहां राह

कभी न कभी हम सभी ने दुनिया की यात्रा करने का सपना जरूर देखा होता है। लेकिन उम्र के साथ, यह सपना अक्सर धुंधला जाता है। लेकिन मुंबई वासी, 15 साल की रैना गोयल के मामले में ऐसा नहीं रहा जिन्होंने सबसे पहले यात्रा की शौकीन हैं, साथ ही लेखक व फोटोग्राफर हैं।

रैना बताती हैं, 'मैंने यात्रा करनी शुरू की, जब मैं बहुत छोटी थी और गर्मी व वसंत के दौरान छुट्टियों पर अपनी माता पिता के साथ घूमने जाती थी।' वह कहती हैं, उनकी पहली यात्रा दुबई की थी जब वह सिर्फ दो साल की थी। बकौल रैना, जो 24 देशों की यात्रा कर चुकी हैं, 'मुझे याद है जब मैं अपनी पहली यात्रा पर दुबई, यूएई गयी थी, जब मैं एक या दो साल की थी, शायद कारण छुट्टियां थीं। मुझे उसके बारे में ज्यादा कुछ याद नहीं आता लेकिन इसने निश्चित रूप में यात्रा करने और दुनिया को जानने के प्रति मेरे प्यार को बढ़ाया।' उनके मुताबिक, उनकी सबसे यादगार यात्रा डिज्नी क्रूज के लिए जाना थी। वह बताती हैं, 'यह डिज्नी का अपना क्रूज था, जो हमें स्कैंडिनेवयन-नार्वेजियन मार्ग पर ले जा रहा था। जब मैं लगभग 10 साल की थी तभी से डिज्नी मुझे आकर्षित करता था, और उसके साथ समंदरों की यात्रा पर जाना सर्वोत्तम हिस्सा था, क्योंकि जैसा कि मैंने कहा, नयी जगहों को खोजना कुछ ऐसा है जो मुझे सर्वाधिक पंसद है। यह सचमुच एक सपना था क्योंकि डेनमार्क और नार्वे बहुत शांत व बेइंतिहा शानदार स्थल थे।' यात्रा के प्रति अपने प्यार को अगले स्तर पर ले जाने के लिए, गोयल ने हाल में 'ए लक्जरी वांडर्स बुक' की शुरूआत की जो इस समझदारी से संबंधित है कि लक्जरी या विलास का आपने लिए क्या अर्थ है, आपने यात्रा करने को तरजीह दिया। वह बताती है, 'यह किताब

मैंने तीन साल अपना ब्लॉग लिखना जारी रखते हुए मैं हमेशा किताब लिखना चाहती थी। इसलिए मैंने अपने सुविधा दायरे से बाहर कदम रखा और खुद को इस आधार पर सामने लाने के लिए प्रेरित किया

आपको विभिन्न स्थानों व गंतव्यों पर ले जाती है जिनके बारे में आपने कभी सुना तक नहीं होता है। होटलों से तथा प्रसिद्धि से लेकर अपने गंतव्य तक जाना तक, इस किताब में सबका उल्लेख है।' तीन सालों तक यात्रा संबंधी ब्लॉग लिखकर, किताब लिखना सदैव उनके लिए लाजिमी था। वह बताती हैं, 'मैंने अपना ट्रेवल ब्लॉग लिखना शुरू किया जब मैं 12 साल की थी। लेखन और चित्रों के जरिए, मैं अपना यात्रा अनुभव बयान करती हूं। मेरे ब्लॉग का नाम ट्रेवल्स अ ला कार्ते है। और मैंने तीन साल अपना ब्लॉग लिखना जारी रखते हुए मैं हमेशा किताब लिखना चाहती थी। इसलिए मैंने अपने सुविधा दायरे से बाहर कदम रखा और खुद को इस आधार पर सामने लाने के लिए प्रेरित किया क्योंकि मेरे ब्लॉग लेखन के कारण मेरी प्रशंसा की जाती थी। अब, अंततोगत्वा मेरे पास एक विषय है जिसे मैं जानती थी, जिसके बारे में किताब लिखने का मेरा बहुत मन था और इसलिए मैंने किताब लिखी।'

>> पेज 3

आठ साल की उम्र में अपना खुद का एप

अगर आप सोचते हैं कि आठ साल के बच्चे केवल समुद्र तट की मिट्टी के किले बनाने में ही माहिर हैं, तो आप बिलकुल गलतफहमी में हैं। मिलिए मान्या सिंहल से, जो सनसिटी स्कूल, गुरूग्राम, हरियाणा, की कक्षा चौथी की छात्रा हैं जिन्होंने रोजमर्रा चीजों की पहचानने में सहायता के लिए मोबाइल एप्प विकसित किया है। पिक्काबू, नामक एप (गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध), बच्चों की नाम सुनने हेतु वास्तविक चीजों को पहचानने में सहायता करता है। एप्लीकेशन वस्तु का चित्र लेता है और उसे माइक्रोसाफ्ट इमेज प्रोसेसिंग एपीआई को भेजता है। जब एपीआई विवरण वापस भेजता है तो यह ट्रांसलेटर एपीआई को (भाषा सेटिंग पर आधारित) जाता है। परिणाम फिर टेक्स्ट और स्पीच कन्वर्टर और ट्रांसलेट इंजन के पास जाता है जो फिर वस्तु का नाम पांच भिन्न भाषाओं - अंग्रेजी, हिन्दी, स्पेनिश, फ्रेंच और जर्मन -में पहचान कर बताता है।

सिंहल बताती हैं, '' मुझे यह विचार अपनी ढाई साल की बहन को देखकर आया जो हर किसी से अपने रोजमर्रा जीवन में काम आने वाली वस्तुओं के बारे में पूछा करती है। और किसी के पास चीजों के नाम दोहराते रहने का पर्याप्त धैर्य नहीं रहता था, जब तक कि वह उसे खुद बोलना सीख नहीं जाती है। इसलिए मैंने उसे व अन्य बच्चों को आत्मनिर्भर महसूस कराने के लिए इस एप्प को बनाया। ''

सात महीने हुए हैं जबसे सिंहल व्हाइटहाट जूनियर पर कोडिंग सीखती आई है। और एप्प और कुछ नहीं बल्कि सीखी गयी योग्यताओं को क्रियान्वित करने का नतीजा है।

सिंहल स्पष्ट करते हुए बताती है कि कुछ विशेषताएं हैं जिन्हें वह एप्प में शामिल करना चाहती है। वह कहती है, 'ऐसे मौके आए थे जब मैं एप्प बनाते समय उलझ गयी थी। कभी कभी डिजाइन वो नहीं था जैसा चाहती थी और कभी कभी नतीजा उत्तम नहीं था। उस समय, मैंने अपने टीचर की सहायता ली और समस्या का समाधान किया। इसके अलावा, कोई बड़ी समस्याएं नहीं हुईं, हालांकि

डिजाइन सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्सा था।' उनमें से एक है एप्प तक अधिक वैयक्तिक स्पर्श होना।

एप्प बनाने में उसे लगभग एक महीना लगा, कारण यह कि यह अपने सरलतम रूप में है। वह बताती है, 'मैं एप्प पर रोजाना लगभग दो घंटे काम करती थी।' तकनीक के अलावा, अनेक चीजें हैं जिनमें सिंहल की रूचि है। वह कहती है, 'मुझे योग, डांस व किताबें पढ़ना पसंद है।'

एक संदेश जो सिंहल अपने हमउम्र बच्चों को देना चाहती है, वो यह कि किसी को भी दूसरों को नीचा दिखाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। वह बताती है, 'बहुत सारे बच्चे होते हैं जो अपने सहपाठियों पर धौंस जमाते हैं। कुछ यह बताते हुए दूसरों को नीचा दिखाने का प्रयास करते हैं कि वे फ्लां काम नहीं कर सकते। बल्कि व्यक्ति को हमेशा अपने सहपाठियों को प्रोत्साहित करना चाहिए। यह सबसे बड़ा गुण है जो व्यक्ति सीख सकता है।'

सिंहल को इतनी कमउम्र में अपने क्षेत्र में बुलंदी हासिल करते देखकर उसके माता पिता, शिक्षक और मित्र पहले से नौंवी बुलंदी पर हैं।मान्या के माता-पिता, शिखा और हर्ष सिंहल बताते हैं,' मान्या समर्पित भाव से अपनी बहन को नयी चीजें सिखाने में समय बिताती है। हालांकि उसे अपनी वो नन्हीं दिनचर्याएं पसंद हैं, मगर वह कुछ ऐसा बनाना चाहती थी जो न केवल छोटे बच्चे की जिज्ञासु स्वभाव को पोषित करने में सहायता करेंगे बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर भी बनाएंगे, और उन्हें सीखना मजेदार अनुभव भी होगा। हमें इस एप्प को बनाने की मान्या की दक्षता पर गर्व है। यह सुखद है कि खुद बच्ची होने के बावजूद, वह तकनीक की सहायता से वास्तविक जीवन-समस्याओं से निपटने में दूसरे बच्चों की मदद करने की कोशिश कर रही है। हम उसे ऐसी रचनात्मक परियोजनाएं तलाशने में निरंतर प्रोत्साहित करेंगे जो उसके समग्र विकास में योगदान करते हों।' हालांकि सिंहल के खाते में कोई विशेष चीज नहीं है लेकिन वह तकनीक का सर्वोत्तम उपयोग करने तथा भविष्य में भी अपने माता पिता को गर्व महसूस कराने को लेकर आश्वस्त है।

यदि हम नहीं बदलते हैं, हम प्रगति नहीं करते हैं। यदि हम प्रगति नहीं करते हैं तो हम जीते नहीं हैं

- गेल शीही

बेहतर जीने की सूक्ष्म कला

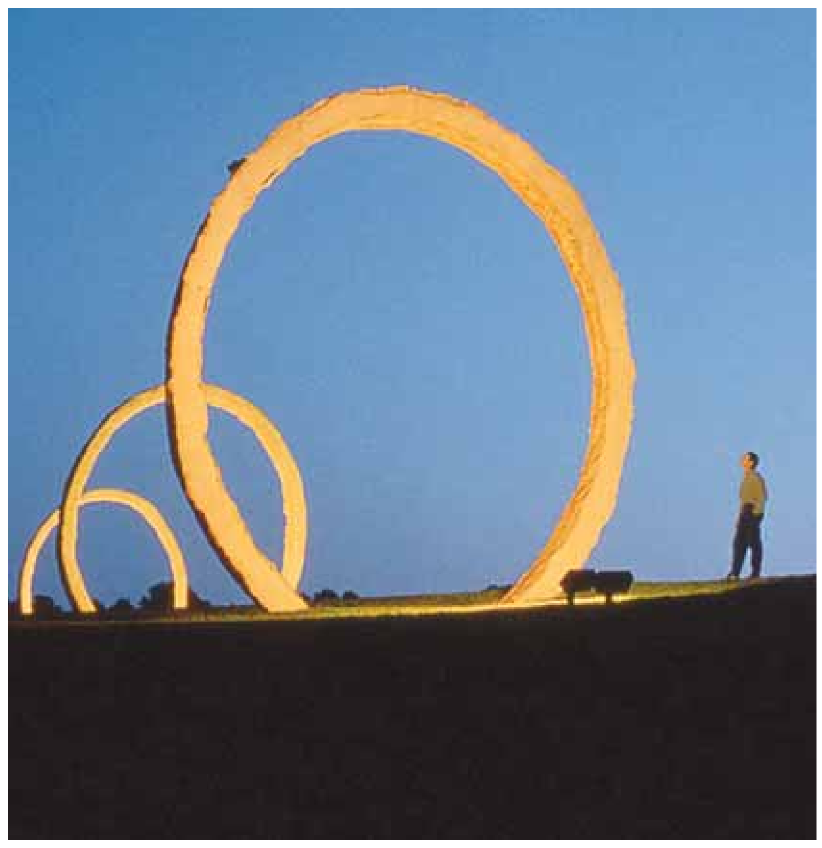

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

यदि आप उस खेल का आनंद लेना चाहते हैं जिसे आप खेल रहे हैं तो सबसे पहले, आपको इसे खेलने के नियमों तथा खेलने की कला से परिचित होने की आवश्यकता है। दूसरा, आपको खेल को दक्षतापूर्वक खेलने के लिए आवश्यक तकनीकों को तजुर्बेकार प्रशिक्षक से सीखने की जरूरत है। तीसरा, आपको साथी खिलाड़ियों के साथ बेहतर घुलने मिलने की जरूरत है, क्योंकि उसके बिना, खेल में सफलता पाना संभव नहीं होगा। और अंत में, आपका मानसिक रूप से पूर्ण सजग होना होगा ताकि पहले से विरोधियों द्वारा पेश की जाने वाली चुनौतियों का पूर्व आंकलन कर सकें। यह केवल समग्रतापूर्ण नजरिया के जरिए ही है जो आपको विजेता बना सकता है।

मानव जीवन का साधारण क्रम भी, कुछ खेल खेलने जैसा ही है। अंतर केवल इतना है कि खेलने में खिलाड़ियों की संख्या सीमित होती है, लेकिन जीवन खेल के क्रम में, आपको असंख्य प्रतिस्पर्धी सहयात्रियों के साथ मुकाबला करना होता है। जो जीवन खेल को और भी जटिल व चुनौतीपूर्ण बनाता है, खासतौरपर जब प्रत्येक व्यक्ति अनोखा जन्मा है। सभी की अपनी विशिष्ट खूबियां हैं जो अक्सर दसूरों के साथ विध्वंसक खेल खेलती हैं। खेल योजना को जो चीज और भी ज्यादा जटिल बनाती है, वो है इंसानी मन, जो व्यक्ति को संचालित करता है, जो अपने आपमें चालबाज कहा जाता है। क्योंकि दोहरेपन की अंतर्निहित भावना स्व-आमंत्रित विवादास्पद विचारों का शिकार बन जाती है। मन पुन:, मिथ्यापूर्ण प्रत्यक्ष दुनिया की लुभावनी चमक दमक से प्रभावित रहता है। जो चीज समस्याओं को और भी बढ़ा देती है, वो यह कि हम सभी पूर्वाग्रही मन के साथ जन्म लेते है जो स्प-परिभाषित पैमानों से परे देखने की ज्यादा मोहलत नहीं प्रदान करता है, नतीजा यह कि सत्य अक्सर हमसे परे रहता है।

हालाँकि, जीवन को लगातार आगे बढ़ना होता है। इसलिए, अब सवाल है: इस गतिरोध से निकलने का रास्ता क्या है जिससे कि जीवन के खेल में उपलब्धिकर्ता साबित हो सकें ? इस प्रश्न का उत्तर समग्रता में 'आर्ट आफ लिविंग' सीखने में मौजूद है। जो अंतर्निहित कमजोरियों को पहचानने और फिर उन्हें सुधारने, अंतर्निहित क्षमताओं को स्वीकारने तथा आत्मसात करने एवं आसपास की दुनिया के साथ घुलने मिलने के लिए अनिवार्य अंतर-वैयक्तिक संबंध योग्यताएं विकसित करने की मांग करता है। साथ ही, आपको उभरते दौर में विविधतापूर्ण आयामों की मांगों से समझदारी से निपटने के लिए पूर्ण मानसिक सजग होने की आवश्यकता है।

आप चाहें या न चाहें, लेकिन आपको कैसे भी करके सीखना तो पड़ेगा चाहे सचेत रूप से या जब हालात से मजबूर हो जाएं। जब आप सजगतापूर्वक सीखते हैं तो जीवन आसान हो जाता है। वर्ना, जब हालात द्वारा मजबूर किए जाते हैं तो लोग आम तौरपर दो प्रकार से प्रतिक्रिया करते हैं। कुछ बहुत ज्यादा परेशान हो जाते हैं, खीझ उठते हैं, अपराध बोध में आ जाते हैं, आत्मविश्वास खो देते हैं, अपनी क्षमता पर संदेह करने लगते हैं, और जीवन बोझिल हो जाता है। अन्य, अपनी गलतियों से सबक निकालते हैं, अपना परिष्कार करते हैं, और अंत में अपनी स्वप्निल मंजिल हासिल करते हैं। लेकिन सारा कहा और किया, भले ही आप अपनी विफलता पर काबू पाते हैं, आप देर से शुरू करने वाले साबित हो सकते हैं, क्योंकि आप पहले से समय की दौड़ में पीछे छूट गए हैं।

प्रमाणित रूप में, बेहतर क्रम है निरंतर समय रहते सीखने की प्रक्रिया में बने रहें। उसके लिए, आपके पास एक गुरू होना चाहिए जो पहले आपको आपकी प्रतिछवि दिखाता है, वह आपको अपनी कमजोरियों पर काबू पाने में मदद करता है और फिर आपकी क्षमताओं को उभारता है। इस संदर्भ में ज्योतिष भी शानदार सहायता साबित हो सकता है, क्योंकि यह तटस्थतापूर्वक आपको आपकी मूल बनावट से परिचित कराता है।

यहां एक ऐसे व्यक्ति का मामला उल्लेखनीय है जो अपनी आयु के चालीसवें साल में होने के बावजूद जीवन में स्थिर नहीं हो पाया है। वह जानना चाहता था: वह क्यों जीवन साथी के सुख से वंचित बना हुआ है ? उसे बताया गया कि उसकी समस्या की जड़ उसकी स्वभाव प्रवृत्तियों में मौजूद है। आइए अब उसके व्यक्तित्व संबंधी प्रारूप के ज्योतिष संकेतकों पर नजर डालते हैं।

सूर्य का बाधाकारी शनि के साथ संयोग होना नकारात्मकता की अंतर्निहित भावना इंगित करता है जो उसे किसी भी चीज को देखने के मामले में शंकालु स्वभाव का बनाता है। साथ ही, भय और असुरक्षा की भावना मौजूद है जिसने उसे स्वभावत: पलायनवादी बना दिया है। मन संकेतक चन्द्रमा वरूण और केतु के बीच पिसा हुआ है, जो धनु राशि पर काबिज है, और उसमें ढुलमुल मन की ओर इशारा करता है जो उसे समय पर फैसला लेने की अनुमति नहीं देता है। इस कारण, वह अक्सर अवसरों को खो देता है। दूसरा, वह अकुशल और अव्यवहारिक है। वह अक्सर अपने आसपास के लोगों की पैरवी में आवेगवश बेतुके व अनुचित वचन बोल जाता है। तीसरा, बुध का राहु और केतु के विपरीत मुद्रा में होना उसे लंबे समय तक अपने लक्ष्य में एकाग्र नहीं रहने देता है। परिणामस्वरूप, वह हाथ में लिए गए काम उसके अंतिम अंजाम तक नहीं पहुंचा पाता और उन्हें अधूरा छोड़ देता है।

सबसे बड़ी समस्या है उनकी भावनात्मक अस्थिरता, जो कि प्रचंड वीनस के कारण हो सकता है, इसे बृहस्पति की चन्द्रमा के विपरीत मुद्रा में होने की स्थिति से जोड़कर पढ़ें। फिलहाल, हालात ने उसे मजबूर किया है कि वो मेरे पास मार्गदर्शन लेने के लिए आए, और उनका अनुपालन के बाद वह अपना सर्वोत्तम प्रस्तुत करने में जल्द सक्षम होगा।

अच्छे कार्य-जीवन संतुलन के लिए कृत्रिम मेधा

अश्विनी उपाध्याय, कोमल खंडेलवाल एवं जयंती अयंगर का कहना है कि अनेक लोगों के लिए उत्तम कार्य-जीवन संतुलन पाना एक दूर का सपना है। संपादित अंश...

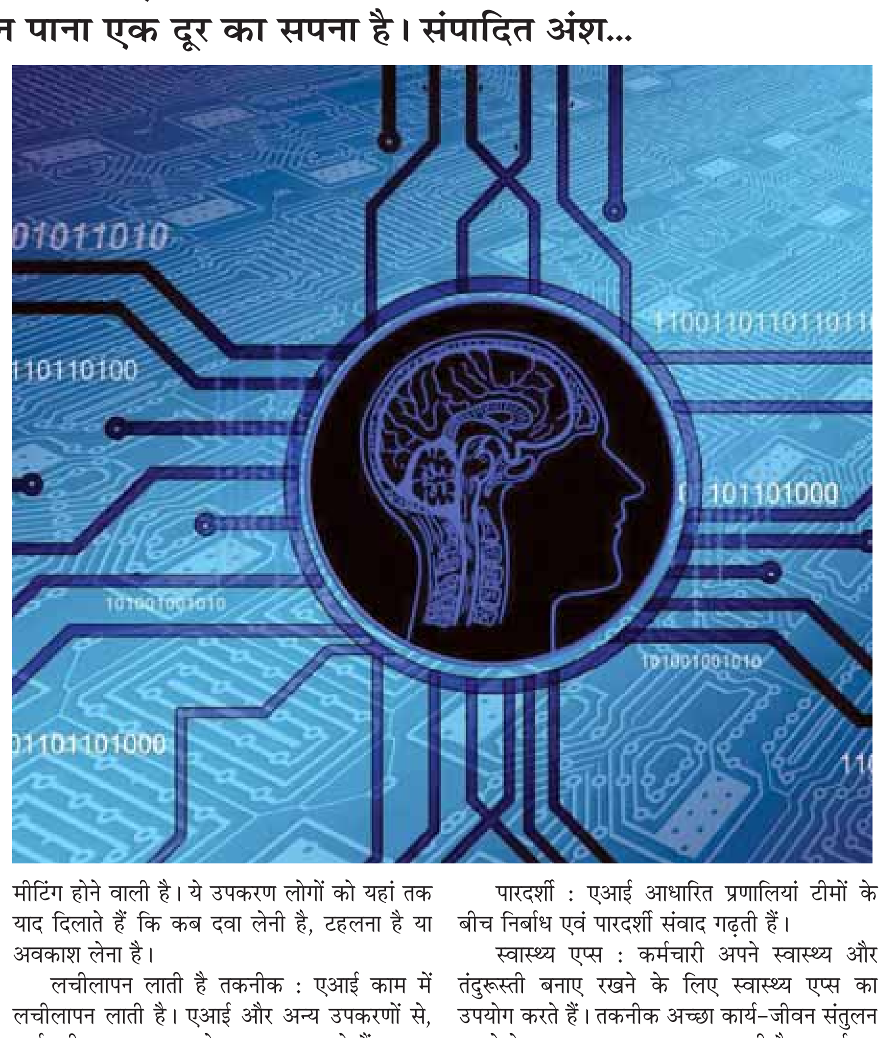

तकनीक ने हमारे व्यक्तिगत एवं पेशेवर जीवन को प्रभावित किया है। एआई काम को अधिक आसान और अधिक तेज बनाती है और हमें अपने मन को स्थिर होने का मुक्त समय प्रदान करती है। यह अनिवार्य है कि व्यक्तिगत एवं पेशेवर जीवन दोनों के लिए तकनीक के उपयोग में संतुलन लाया जाए। इन दिनों, जब लोग व्यक्तिगत एवं पेशेवर जीवन की सीमा में घर से काम करने के लिए मजबूर हैं, तो यह जरूरी है कि एआई का उपयोग किया जाए ताकि कर्मचारियों को सामरिक काम और अपनी रूचियां पूरी करने के लिए फुर्सत का समय पाने में सहायता मिले। डिजीटलीकरण से जुड़ी सबसे बड़ी चुनौती यह है कि काम और घरेलू जीवन का फर्क मिट रहा है। ईमेल चेक करना और परिवार के साथ टेलीविजन देखना वास्तविकता बन गया है। फिल्म देखने के दौरान बिजनेस कॉल सुनना पुन: एक आम बात है।

उत्तम कार्य-जीवन संतुलन पाना एक दूर का सपना है। अनेक लोग बढ़ते काम के असर को अपने स्वास्थ्य पर ब्लडप्रेशर व डायबिटीज जैसे जीवनशैलीगत रोगों के रूप में देख रहे हैं। अनेक पेशेवर लोग बेचैनी और अवसाद जैसी तनाव संबंधी समस्याओं से पीड़ित हैं। रोजमर्रा दिनचर्या में स्वास्थ्य को शामिल करने में अब एआई उपयोगों के जरिए सहायता मिल रही है। एआई अब अच्छा कार्य-जीवन संतुलन संतुलन बढ़ाने का माध्यम है। आइए देखें कि एआई किस प्रकार कार्य-जीवन संतुलन स्थापित करने में सहायता कर सकती है।

उत्पादकता बढ़ाना : गूगल जैसी कंपनियां ईमेल, वीडियो कांफ्रेसिंग, डाकूमेंट साझीदारी, ठोस संदेशन तथा अन्य बहुत सारे कामों का समावेशन करने में सक्षम हो रही हैं। ये उपकरण दिनचर्याओं को अधिक आसानी से निर्धारित एवं समन्वित कर सकते हैं। एआई आधारित उपकरणों का बैठकें तय करने तथा काम पूरा करने में उपयोग किया जा रहा है।

काम को आसानन बनाना : अनेक एआई आधारित एप्स अनेक परमुखी एवं दोहरावपूर्ण कार्यों को आटोमेशन के जरिए काम करना आसान बनाते हैं। आटोमेशन रिमाइंडर एप्स याद दिला सकते हैं कि कब मीटिंग होने वाली है। ये उपकरण लोगों को यहां तक याद दिलाते हैं कि कब दवा लेनी है, टहलना है या अवकाश लेना है।

लचीलापन लाती है तकनीक : एआई काम में लचीलापन लाती है। एआई और अन्य उपकरणों से, कर्मचारी अब दूरदराज से काम कर सकते हैं। गूगल हैंगआऊट्स और जूम जैसे उपकरण आनलाइन एवं वर्चुअल बैठकें करने में सहायता करते हैं। प्रत्यक्ष मीटिंग में शामिल होने की अब आवश्यकता नहीं है जिसका नतीजा है कि सफर में समय और धन की बचत होती है। तकनीक कार्य-जीवन संतुलन बनाने हेतु समय बचाने में सहायता करती हे।

पारदर्शी : एआई आधारित प्रणालियां टीमों के बीच निर्बाध एवं पारदर्शी संवाद गढ़ती हैं।

स्वास्थ्य एप्स : कर्मचारी अपने स्वास्थ्य और तंदुरूस्ती बनाए रखने के लिए स्वास्थ्य एप्स का उपयोग करते हैं। तकनीक अच्छा कार्य-जीवन संतुलन बनाने हेतु एक उपकरण का काम करती है। एआई का उपयोग अर्थपूर्ण नेटवर्किंग, उत्पादकता एवं एकाग्रता की ओर ले जा सकता है। (माथुर, 2019)

- अश्विनी उपाध्याय, कोमल खंडेलवाल और जयंती अयंगर द्वारा लिखित पुस्तक एआई रिवोल्यूशन इन एचआरएम : द न्यू स्कोरकार्ड के सपांदित अंश। पुस्तक सेज पब्लिकेशंस, इंडिया से प्रकाशित है।

ईश्वर बहुत दयालु है

अजित कुमार बिश्नोई का कहना है कि ईश्वर समस्त भली आत्माओं से प्रेम करता है, और वह उन्हें नवाजने तथा जीवन में प्रोत्साहित करने के लिए अत्यंत उत्सुक है

हमें सृष्टि विधान को समझना होगा। सबसे ऊपर है ईश्वर- सर्वशक्तिमान, सर्वव्यापी और सर्वज्ञानी। उसमें सभी सदगुण भरे हुए हैं। (भगवतगीता (10.41)), एक शक्ति जो कि वह है, की कल्पना करना असंभव है, लेकिन वह सचमुच एक वास्तविकता है, क्योंकि ईश्वर के लाखों पुराने व वर्तमान भक्तों द्वारा अनुभव किया गया है। फिर, आते हैं देवी और देवता। ये विशेष आत्माएं हैं, जो वहां भौतिक जगत का कामकाज पर नजर रखने के लिए हैं। वे ऐसा ईश्वर की देखरेख में करते हैं। (9.10) वे कर्मफल सिद्धांत लागू करते हैं, जो, जैसा आप बोते हैं, वैसा काटते हैं, का सिद्धांत है। वे इस सिद्धांत के आधार पर दंड व पुरस्कार देते हैं। वे शक्तियां सीमित होती हैं और वे अपने स्वामी- ईश्वर द्वारा स्थापित सीमाओं के भीतर काम करते हैं।

फिर आती हैं, हम आत्माएं। सृष्टि विधान हमसे मांग करती है कि हम देवताओं व देवियों की निगरानी में रहें। समझदार आत्माएं ईश्वर के साथ संबंध स्थापित करती हैं। इस तरह वे विशेष बन जाती हैं। वे ऐसा ईश्वर के नाम, मसलन राम का जाप जैसे आध्यात्मिक कार्य करके करते हैं, उन्हें अपने ईश्वर के दिव्य रूपों में दर्शन होते हैं। ईश्वर ऐसे कार्यों पर ध्यान देता है, क्योंकि वह सर्वव्यापी है, और वह ऐसी सभी कार्यों का पुरस्कार देता है। बुरी आत्माओं को दंड देने का कर्तव्य आम तौरपर दिव्य शक्तियों पर छोड़ दिया जाता है। ईश्वर बिरले ही हस्तक्षेप करता है जैसा कि जब उसने रावण को दंड दिया था।

ईश्वर अच्छी आत्माओं से प्रेम करता है, और वह उन्हें पुरस्कृत करने तथा इस प्रकार उन्हें प्रोत्साहित करने का अत्यंत इच्छुक रहता है। ये सद आत्माएं हैं: वे लोग जिन्होंने ईश्वर का आसरा लिया है (18.62), जो धर्मपरायण हैं, मसलन धर्म के अनुपालक, कल्याण कृत हैं, यानी कल्याणकारी कार्य करने वाले, और अधिकांशतया भलाई की मनस्थित में रहते हैं (14.11)। जिस तरह ईश्वर सर्वव्यापी है, वह ऐसी आत्माओं पर ध्यान देता है। ईश्वर उन्हें कैसे नवाजता है ?

अब मैं पूर्व उल्लिखित चार प्रकार के लोगों को ईश्वर की कृपाओं की जानकारी देता हूं। मेरा पसंदीदा है जब ईश्वर खुद बताता है, मसलन, जब भक्त उसकी उपस्थित को जानकार हो जाता है। ये उनके लिए अत्यंत विशेष पल होते हैं। मेरी अगली पसंद है ईश्वर का उन्हें विभिन्न उददेश्यों हेतु निमित के रूप में इस्तेमाल करना, मसलन दूसरों तक उनके उपदेश प्रसारित करना। फिर, ईश्वर नीयति से निपटने में सहायता करता है, केवल वही ऐसा कर सकता है। मैं वो नहीं होता जो मैं आज हूं यदि ईश्वर ने मेरे हित में असंख्य बार हस्तक्षेप नहीं किया होता। ईश्वर ऐसे लोगों को दिशा दिखाता है, जो सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, और वह नियमित तौर पर उन्हें आदेश देता है। स्वाभाविक तौर पर, वह चेतावनी या सतर्क भी करता है, जो मुश्किल में पड़ने से उन्हें बचाता है। निश्चित रूप से, वह बुरे लोगों या बुरी सोहबत से उन्हें बचाता है। वह अंधकार की अवस्था यानी तमोगुण के प्रभाव पर काबू पाने में सहायता भी करता है।

ईश्वर ऐसे व्यक्तियों को बनाए रखता है, वह समस्त आवश्यक संसाधन प्रदान करता है। यह कोई आश्चर्य नहीं है कि उन्हें शांति व कृपा की नेमत मिलती है और वे शांतिपूर्वक सो सकते हैं। मैं बता सकता हूं कि क्योंकि ईश्वर की कृपाएं अनंत हैं। सभी प्रकार के आत्मबल जैसी क्षमताएं मैं कहां से पाता हूं ? ईश्वर मेरा समर्थन है और वह क्षमा भी करती है जब मैं अनिवार्यतया गलतियां कर जाता हूं। ये नेमतें किए गए प्रयासों के अनुपात में दी जाती है, मसलन व्यक्ति हकदार होना चाहिए। सबसे उच्च स्वप्निल सा लग सकता है, वे हैं। ईश्वर व्यक्तिगत रूप से वही फैसला सुनाता है जिसके लायक व्यक्ति होता है। उसके प्रति उनका नजरिया क्या है ? क्या यह आसरा लेने का मूड है ? क्या वे जो मांगते हैं उसके लिए पर्याप्त हकदार हैं ?

क्या उनके कार्य की गुणवत्ता उच्च वर्गीय है या वे सिर्फ आध्यात्मिक कार्य करते हैं या वे सिर्फ उन्हें करने के नाम पर आध्यात्मिक गतिविधियां कर रहे हैं। हां, ईश्वर बहुत सख्त है ठीक उसी तरह वह बहुत उदार भी है। संक्षेप करते समय, मैं बहुत ईमानदार रहूंगा, मैं उसकी कृपाओं का लाभार्थी बनने के लिए आज या कभी भी ईश्वर के बिना कुछ नहीं कर सकता हूं।

इस सप्ताह आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

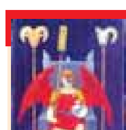

जैसे जैसे सप्ताह आगे बढ़ेगा आप अपने सभी संघर्षों में विजय पाएंगे। आपकी दृढ़ता आपके लक्ष्यप्राप्ति में आपकी सहायता करेगी। कार्य मोर्चे पर, आपने परियोजना में अच्छा काम किया है और अब समय अच्छा प्रतिफल पाने का है। एक संतुष्ट महत्वाकांक्षा और उम्मीद से कहीं ज्यादा सफलता आपको प्रसन्न बनाएगी। घरेलू यात्रा पर जाने के आसार हैं। सावधान रहें, यह सफलता आपको अहंकारी बना सकती है। कुछ मामलों में अनिश्चितता आपके लिए हानिकारक साबित हो सकती है।

शुभ अंक: 9 **शुभ रंग:** नारंगी **शुभ दिन:** शनिवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

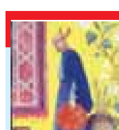

इस सप्ताह आपका घरेलू और पारिवारिक जीवन आपको प्रसन्न रखेगा। भावी घटनाओं को लेकर चर्चाएं होंगी। आप पारिवारिक परंपराओं का अनुभव लेंगे और बुजुर्गों से ज्ञान सीखेंगे। करियर मोर्चे पर, आप ऐसा करियर चाहेंगे जो आपको पूर्णता का भाव, वित्तीय सुरक्षा तथा दूसरों से जुड़ाव प्रदान करता है। इस सप्ताह आपको अपना रास्ता पाने के लिए अपनी बुद्धि का उपयोग करने की जरूरत है। आपका उदार, दूरदर्शितापूर्ण व विश्लेषणात्मक नजरिया आपके जीवन में बदलाव ला सकता है।

शुभ अंक: 18 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** शुक्रवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

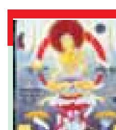

इस सप्ताह आप आशावादी, अन्वेषी और सबकुछ करने के लिए तैयार होंगे। आपमें से कुछ लोग अधीर हो सकते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी उपयोगिता को स्वीकार किया जाए, आत्मविश्वास इस सप्ताह का मंत्र है। अपनी सीमाओं को जांचें, आप किसी कठिन कार्य को पूरा करने के लिए अतिरेक पर जा सकते हैं। आपमें से कुछ लोग रचनात्मक बेचैनी महसूस करेंगे जो जीवन के नए दौर का आरंभ करेगी। यह अपने भाग्य को बदलने का अवसर बनेगा। आपकी जिज्ञासा आपसे खुद को व्यक्त करने की मांग करती है।

शुभ अंक: 12 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** रविवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

आपका धैर्य, दृढ़ता और कोशिशें आपको अपने सपने साकार करने का अवसर देंगे। अपनी योग्यता उन्नत करने से सफलता का अवसर बढ़ाने में सहायता मिलेगी। निरंतर सीखते रहें, शैक्षणिक कार्य जारी रखें। करियर मोर्चे पर, पदोन्नति या वेतन बढ़ोत्तरी के आसार हैं। मित्रों व विरोधियों का समानता से प्रतिउत्तर दें। आपकी उपलब्धियां आपको ईर्ष्या का विषय बनाएंगी। समर्पित भाव से अपना काम करने से आपका आत्मविकास होगा। सप्ताह के अंत तक, आप अपने जीवन के पुनर्मूल्यांकन हेतु एकांत में जा सकते हैं।

शुभ अंक: 21 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** बुधवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

भय, नशों, व अन्य हानिकारक आवेगों जैसी बाहय शक्तियों के जाल में न फंसें। आप धोखे या भ्रम का शिकार हो सकते हैं। एकाग्रचित्त रहने के लिए ध्यान या प्राणायाम करें। करियर मोर्चे पर, किसी नए उद्यम या नयी नौकरी तलाशने का यह शुभ समय नहीं है। जल्दीबाजी से फैसला लेना हानिकारक हो सकता है। ईमानदार व उचित तरीका जीवन में आपको अच्छे लाभ प्रदान करेगा। आप आलीशान जीवन जीते हैं। ज्यादा परियोजनाए या व्यापार अवसर मिलने वाले हैं, जो आपको अत्यंत व्यस्त रखेंगे।

शुभ अंक: 6 **शुभ रंग:** गुलाबी **शुभ दिन:** शुक्रवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

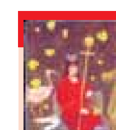

आप अनुशासन, आत्मविश्वास व धैर्य के साथ सभी अत्यावश्यक कार्य पूरे करेंगे। आप आत्मज्ञान व सहजता की महत्ता को महसूस करेंगे। जैसे जैसे दिन बीतेंगे, आप आंकलन करेंगे कि जीवन में क्या महत्व रखता है। घर पर शांति व खुशहाली रहेगी। आप एकांत सुख का लाभ ले सकते हैं। कार्य मोर्चे पर, वेतन वृद्धि के आसान नजर आते हैं। विवादों से टकराव लेने से परहेज करें। वित्तीय प्राप्ति बेहतर दिखती है लेकिन इस मौके पर किसी भी प्रकार का निवेश करने के बारे में न सोचें। जीवन में सुरक्षा व संयोग है।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** कत्थई **शुभ दिन:** मंगलवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

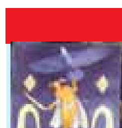

यह सप्ताह शांत रहने का प्रयास करें और किसी भी प्रकार की बहसों में न उलझें, वर्ना, टकराव की स्थिति कर सकते हैं। आपको समझने की जरूरत है कि प्रतिस्पर्धा का अर्थ क्या है। अपने विरोधियों का सम्मान करें मगर अपनी बात पर दृढ़ भी रहें। चूंकि अतीत बीत गया और भविष्य अनिश्चित है, इसलिए आपके लिए डरने या निराश होने की कोई आवश्यकता नहीं है। खुद को शांत, आत्मनिर्भर रखें। अपनी स्थिति पर पूरा ध्यान केन्द्रित करें। पेशेवर मोर्चे पर, कार्यस्थल पर तीखे विवादों व हिंसा का सामना कर सकते हैं।

शुभ अंक: 19 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** शुक्रवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

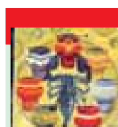

इस सप्ताह आंकलन करें कि आप कहां पर हैं और जहां आप महसूस करते हैं वहां से अपना प्रभाव बढ़ाना और उसके मुताबिक पहल करनी चाहिए। आप भरपूर ऊर्जा व उत्साह से भरे होंगे। आपको महिला मित्र या संबंधी का मददगार हाथ मिलने की संभावना है। आप जीवन में हर कहीं हड़बड़ी में हैं। यह हड़बड़ी, एक मन:स्थिति एक अच्छी परिस्थिति को बुरी स्थिति में बदल सकती है। कार्य मोर्चे पर, आप व्यापार या धन की कमी को लेकर चिंतित हो सकते हैं और सोचेंगे कि आपने पूर्व में गलत फैसले किए हैं। लेकिन सकारात्मक रहें।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** नीला **शुभ दिन:** गुरूवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

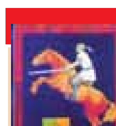

इस सप्ताह आप ऊर्जावान रहेंगे। खुद को प्रोत्साहित करने पर ध्यान दें। आपमें अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने की प्रेरणा व दृढ़ता रहेगी। चीजों को थोपने का प्रयास न करें, इससे नतीजे अपेक्षा के विपरीत हो सकते हैं। करियर मोर्चे पर, उन बहसों में मत उलझें जिनसे कार्य का वातावरण बिगड़ सकता है। गुप्त मंशाएं व सूचना आपको कठिन परिस्थिति में डाले रखेंगे। आपको विषय की गहराई तथर अपनी बेचैनियों, डरों, व मनोवैज्ञानिक गांठों की तह में जाने की जरूरत है। अपने अधीनस्था पर नजर रखने की जरूरत है।

शुभ अंक: 3 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** बुधवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

आप अपने इर्दगिर्द उपचारक व ताजगीपूर्ण ऊर्जा महसूस करेंगे। ऊर्जा की शुद्धता आपकी रचनात्मकता को बढ़ाएगी। सकारात्मक विचार उभरेंगे। सुनिश्चित करें कि आप अपनी स्वास्थ्य दिनचर्या बनाए रखते हैं। शारीरिक व्यायाम आपके व्यक्तित्व को अतिरिक्त आकर्षण प्रदान करेंगे। जिन लोगों को किसी प्रकार के रोग हैं उन्हें जल्द ठीक होने के आसार हैं लेकिन फिर भी डाक्टर से सलाह ले लें। करियर मोर्चे पर, आप रचनात्मक, मौलिक तथा विचारों व आलोचनाओं द्वारा थोपी गय पाबंदियों से मुक्त हैं।

शुभ अंक: 20 **शुभ रंग:** इंडिगो **शुभ दिन:** मंगलवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

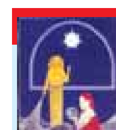

इस सप्ताह आप अपार ऊर्जा व क्षमता से भरे होंगे। आप खेलों व रोमांचकारी गतिविधियों को आनंद लेने वाले हैं। आपको खुराक, व्यायाम, व विटामिन-खनिजों जैसे सख्त स्वास्थ्य दिनचर्या का पालन करना चाहिए। ऊर्जा का आनंद लेने के लिए संक्षिप्त अवकाश के आसार हैं। करियर मोर्चे पर, अक्सर यात्राओं के आसार हैं जो आपकी पेशेवर प्रगति के लिए नए द्वार खोल सकती हैं। जो लोग साक्षात्मक या प्रतियोगी परीक्षा में भाग ले रहे हैं, उनके सितारे अनुकूल हैं। संबंध में कुछ चुनौतियां का सामना कर सकते हैं।

शुभ अंक: 22 **शुभ रंग:** लाल **शुभ दिन:** बुधवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

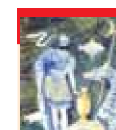

आपकी संवेदनाएं व भावनाएं इस सप्ताह आपके दिल व दिमाग पर राज कर सकती हैं। आपको अपने जीवन में महत्वपूर्ण लोगों के साथ महत्वपूर्ण मसले या असहमति पर विवाद का समाधान करने का अवसर प्राप्त होगा। आप अपने परिवार के साथ संबंध सुधार या सहायता करने वाले हैं। बातचीत से परे, व्यक्ति को संतुलन बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। ऐसे दौर होंगे जब आपको अपने जीवन व स्थिति का पूनर्मूल्यांकन करने के लिए अकेले समय बिताना चाहिए। आपके धैर्य व दृढ़ता की परीक्षा ली जाएगी।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** सोमवार

भागवतगीता का चमत्कार
इसका जीवन ज्ञान का
वास्तविक सुंदर रहस्योद्घाटन
है जो दर्शन को धर्म में
बदलने में सक्षम होता है
- हरमन हेस्स

गीता : एक स्थायी जुड़ाव

राधास्वामी का कहना है कि भागवतगीता पूरब और पश्चिम में एक समान प्रशंसित आध्यात्मिक ग्रंथ है। आइए ज्ञान के टुकड़ों से लाभ प्राप्त करें और दूसरों में बांटें

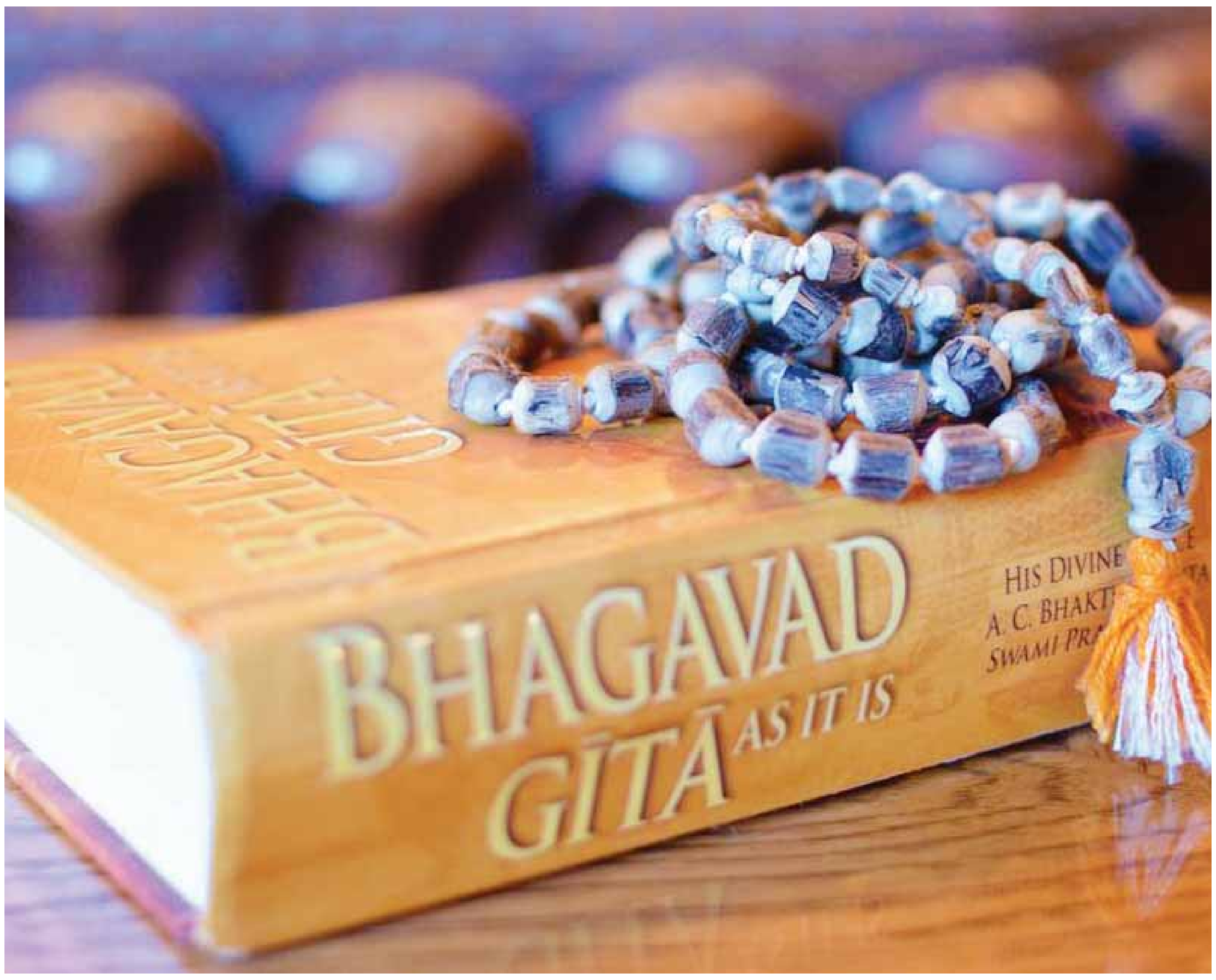

हम हिस्सों व नेटवर्कों के दौर में रहते हैं। वे हमारी - संवाद से लेकर सामाजीकरण, स्वास्थ्य सुधार से लेकर संपत्ति कमाने- की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। मामूली संपर्कहीनता कभी कभी विध्वंसक साबित हो सकती है- मसलन हवाईजहाज का कंट्रोल टावर से संपर्क टूट जाना, मरीज का जीवन रक्षक प्रणाली से अलग हो जाना। अपने काम या सृजल के दौरान एक कमजोर, विचित्र संपर्क भयानक चिढ़, का कारण बन सकता है, हमारे मन की शांति छीन सकता है। हमें एकाग्र व शांत मन के साथ काम करने के लिए अपने स्मार्टफोन, कंप्यूटर पर एक स्थिर एवं मजबूत संपर्क संजाल की जरूरत है।

इसी आधार पर, हमें हृदय में एक मजबूत, स्थिर व संतोषजनक संपर्क की आवश्यकता है। हममें से हर कोई किसी से सच्चा प्रेम करना तथा किसी से सच्चा प्रेम पाना चाहता है। यह हममें से हर किसी का सहज स्वभाव है,चाहे हम किसी भी दुनियावी दायरों में हों- अमीर, गरीब, साक्षर, निरक्षर, श्वेत, अश्वेत आदि।

हम किसी के साथ मजबूत जुड़ाव चाहते है जहां हम अपना सच्चे प्रेम प्रस्तुत कर सकें और जहां हम सच्चा प्रेम पा सकें। क्योंकि ऐसे जुड़ाव के बिना, हमें इस दुनिया में शांति नहीं मिलती है। और हमारे जीवन में खुशी गायब हो जाती है। भागवतगीता (2.66) इसे स्पष्ट करती है- ''जिस व्यक्ति में स्थिर जुड़ाव की कमी होती है, उसकी समझ भ्रमित तथा भावनाएं खंडित होती हैं। ऐसे व्यक्ति में शांति नहीं होती हैं और उसी कारण वह खुश नहीं रहता है।''

हमारा जीवन बेचैनी, तनाव, क्रोध, असुरक्षा आदि से भरा है। पिछली कुछ सदियों में हमारी उन्नति ने उल्लेखनीय स्तर पर कुछ समस्याओं को हल किया है। लेकिन यह इस समस्या को हल नहीं कर पाई। पुराने जमाने की शारीरिक समस्याओं की जगह, वर्तमान की मनोवैज्ञानिक समस्याएं अब प्रमुख स्वास्थ्य समस्याएं बन गयी हैं। सिग्ना स्वास्थ्य बीमा के अनुसार, 89 फीसदी भारतीय तनाव से पीड़ित हैं। हर तीन सेकेंड में एक आत्महत्या का प्रयास होता है। लेकिन यदि हम अपने जीवन की पड़ताल करें, तो हम विभिन्न प्रकार से विभिन्न स्तरों पर लोगों से जुड़ने का प्रयास करते हैं। हमसे चूक कहां पर हो रही है? भागवतगीता मूल कारण जानने में हमारा मार्गदर्शन करती है।

इस दुनिया में सुख के हमारे साधन अस्थायी हैं इसीलिए हम भय, बेचैनी और असुरक्षा से ग्रसित रहते हैं। राजा से लेकर सड़क का भिखारी तक, हर कोई इस तजुर्बे से होकर गुजरता है। कोई भी अपवाद नहीं है। परिणाम यह कि इस दुनिया में हम जो कुल प्रसन्नता पाते हैं वो उसी क्षण पाते हैं।

यदि हम अपने आसपास की दुनिया को देखें तो हम पाते हैं कि दुनिया में चीजें स्थायी नहीं हैं। उनकी एक शुरूआत और एक अंत है। इस दुनिया में हर चीज समय की तेज हवाओं से उड़ जाती है। जो इमारतें हम बनाते हैं, जो संपत्ति हम जुटाते हैं, जो उपकरण हम खरीदते हैं, यहां तक हमारा शरीर भी एक दिन समाप्त होता है। भागवतगीता (5.22)समझाती है - 'समझदार व्यक्ति बाह्य प्रसन्नता में आनंद नहीं लेता है। इसकी एक शुरुआत है और एक अंत है। इसलिए यह दुख का स्रोत है।' हम अपनी खुशी को इसी दुनिया की निरंतर बदलती एवं नश्वर चीजों पर टिका रहे हैं। इस दुनिया में सुख के हमारे साधन अस्थायी हैं इसीलिए हम भय, बेचैनी और असुरक्षा से ग्रसित रहते हैं। राजा से लेकर सड़क का भिखारी तक, हर कोई इस तजुर्बे से होकर गुजरता है। कोई भी अपवाद नहीं है। परिणाम यह कि इस दुनिया में हम जो कुल प्रसन्नता पाते हैं वो उसी क्षण पाते हैं। हमें एक अनंत एवं निरंतर बढ़ती खुशी चाहिए। इस दुनिया में खुश होने की कोशिश करना उबाऊ, रेगिस्तानी यात्री द्वारा पानी की एक बूंद से खुद को संतुष्ट करने की कोशिश करने जैसा है। यह काफी नहीं होने जा रहा है। ऐसा लगता है कि हम अंतिम छोर तक पहुंच गए हैं। क्या हमारे पास कोई समाधान है? हां। भागवतगीता हमें समाधान प्रदान करती है। यह हमें खाली हाथ नहीं छोड़ती है।

भागवतगीता (2.13)कहती है कि ''हम आत्मिक जीव हैं और हम बचपन, जवानी, बुढ़ापा और मृत्यु से होकर गुजरते हैं।'' हम सिर्फ भौतिक काया नहीं हैं जिसे हम अपनी प्रत्यक्ष आंखों से देखते हैं। हमारी कुल भौतिक काया हार्डवेयर की तरह है, सूक्ष्म काया मन, बुद्धि और अहंकार से बनती है जो कि साफ्टवेयर की तरह हैं और हमारी आत्मा एक यूजर की तरह है। नींद के दौरान, हमारी भौतिक काया निष्क्रीय होती है, जबकि सूक्ष्म काया सपनों के रूप में सक्रिय रहती है। सपने में, मन दृश्य पटल है, और दृष्टा है आत्मा। हम भौतिक काया और मन द्वारा ढंके गए आध्यात्मिक लोग हैं। हम अपनी खुशी को पूर्णतया अपनी भौतिक काया, मन और अपने इदगिर्द चीजों के प्रति जुड़ावों पर टिका रहे हैं। हम यह मानते हुए दूसरों से जुड़ रहे हैं कि वे आत्मा से अंजान पदार्थ के उत्पाद हैं। यही कारण है कि हमारे मन की शांति व खुशी गायब है। पदार्थ के विपरीत, आत्मा अनंत, अटल व परम है। केवल आध्यात्मिक मंच से हम स्थायी खुशी प्राप्त कर सकते हैं जो हमारा अनुवांशिक जुड़ाव है। इसीलिए समाधान यह है कि अपने खोए हुए आध्यात्मिक जुड़ाव को पुन: स्थापित करें।

आध्यात्मिक आत्मों के रूप में हम उस परमशक्तिमान का अभिन्न हिस्सा हैं जो सर्वाधिक आकर्षक व सबसे दयालु है। ईश्वर से टूटा आध्यात्मिक संपर्क योग की प्रक्रिया द्वारा स्थापित किया जा सकता है। योग में पहला चरण है नश्वर दुनिया की वास्तविकता, अपने सच्चे आत्म, ईश्वर के साथ अपने खोए संबंध तथा उस संबंध को पुनर्जीवित करने के विज्ञान के प्रति खुद को जागरूक बनाना। इसे गीता जैसे आध्यात्मिक साहित्य के नियमित पाठन तथा अन्य ज्ञानीजनों की सोहबत के जरिए हासिल किया जा सकता है। दूसरा चरण है ध्यान, पूजा व भगवान की भक्ति की प्रक्रिया का अभ्यास करना (भागवतगीता 9.34)। यह चरण आध्यात्मिक जुड़ाव पुन:स्थापित करने में हमारी सहायता करता है। यह स्थायी आध्यात्मिक जुड़ाव हमें एकाग्रता प्रदान करता है, निरंतर बदलती, उथल पुथल व अस्थिर दुनिया में रहते हुए जीवन में संतुष्टि तथा अपने दुनियावी कर्तव्यों को निभाने की प्रेरणा देता है। 5000 साल पहले भगवान कृष्ण द्वारा कुरूक्षेत्र में अपने योद्धा-मित्र अर्जुन को सबसे पहले भागवतगीता का उपदेश दिया था। भागवतगीता ऐसा आध्यात्मिक ग्रंथ है जो गांधी से लेकर आइंस्टीन तक, पूरब और पश्चिम दोनों में प्रशंसनीय है। आइए ज्ञान के इन टुकड़ों से लाभ प्राप्त करें और दुनिया के साथ इसे साझा करें जिसे इस ज्ञान की परम आवश्यकता है।

- लेखक इस्कोन में आध्यात्मिक गुरू हैं।

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

समूची मानवता के लिए सबसे बुरा साल

किसी भी पैमाने से यह साल, जो बीता है - अगर ज्यादा नहीं तो कम से कम, बीते 75 सालों में समूची मानवता के लिए सबसे बुरा साल रहा। एक सबसे सूक्ष्म जीव, जो एक अनुमान के मुताबिक, खरबवें ग्राम के लाखवें हिस्से के बराबर भार का है, ने समूची दुनिया को कष्टदायी गतिरोध में ला खड़ा किया । और निसंदेह एक चीज को साबित किया कि विज्ञान और तकनीक में हमारी समूची प्रगति का प्रकृति की सर्वोच्चता से कोई मुकाबला नहीं है। लेकिन बात यह नहीं है। कहने का तात्पर्य यहां यह है कि जो हुआ और हमने कैसे उसका सामना किया, उसका आत्ममंथन किया जाए, ताकि हम आने वाले दशकों या सदियों या उससे भी आगे की ओर देख सकें। जो कुछ हुआ तो किसी दुस्वप्न से कम नहीं था, जिसे हम सभी भुलाना चाहेंगे, यदि निश्चित रूप से, हम कर पाएं। हमने अनेक चीजें खोईं। बच्चों ने स्कूल खोया, कर्मचारियों ने नौकरियां खोईं, अर्थव्यवस्थाओं ने मंदी का सामना किया, बच्चों से खेलने का आनंद छिन गया और बूढ़ों की शांति खो गयी, लोकतंत्रों ने आजादी खोई- सूची अनंत है।

एक वाक्य में समूची मानवता ने जीवन खोया। क्या कोई उपाय था? इसका उत्तर देना आसान नहीं है। क्या इससे बेहतर ढंग से निपटा जा सकता था? कुछ पता नहीं। हालांकि, यदि हम वस्तुगत ढंग से मुड़कर देखें तो हम बेहतर आंकलन कर सकते हैं कि हालांकि व्यापक आबादी ने महामारी के कारण उत्पन्न उथल पुथल के कारण दुख झेला, मगर सत्ताधारी अभिजात्य दुनिया के कुछ खास तबके थे जिन्हें महामारी के नाम पर संपूर्ण सत्ता पर कब्जा करने का अवसर मिला। परिणाम स्वाभाविक तौर पर वही था जैसा लार्ड एक्टन ने कहा था - पूर्ण सत्ता पूर्णतया भ्रष्ट बनाती है। कुछ गिने चुने अपवादों को छोड़कर, समूची दुनिया के सत्ताधारी अभिजात्य ने लगभग एक जैसा ही आचरण किया- सत्ता शक्ति का भोंड़ा प्रदर्शन। इसको ध्यान में रखते हुए हम फिर यह कह सकते हैं कि इस नजरिए के हिसाब से, महामारी से बेहतर ढंग से निपटा जा सकता था। इसलिए, एक अहम योगदान - जो गुम पाया गया था, - वो है भरोसा देता नेतृत्व। कुछ राज्यों के मुखिया थे जिन्होंने तिकड़म के बतौर समूचे खतरे को दरकिनार किया जबकि कुछ अन्य थे जो बहुत तेज व लगातार शोर मचाते रहे कि ज्यादा लोग बिमारी के बजाय डर के कारण मर गए। समय की आवश्यकता थी नेतृत्व, जो लोगों को आश्वस्त करते हुए उनमें आत्मविश्वास जगा सकता था कि हम आपकी सुरक्षा के लिए हैं, अपने सारे दुखों को हम पर छोड़ दें। और यह सिर्फ देशों के नेतृत्व का मामला नहीं था। संस्थानों के नेतृत्व ने भी मुसीबत की घड़ी में अपने लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया । प्रतिउत्तर में जो चीज गायब थी वो था प्रसिद्ध आश्वासन जो भगवान कृष्ण ने गीता के नौवें अध्याय के 22वें श्लोक में अर्जुन को दिया था- योगक्षेम वहाम्यं। इसकी एक सरल व्याख्या यह है, ''उन लोगों को, जिनके मन हमेशा मुझमें रमे रहते हैं, मैं वो प्रदान करता हूं जो उनके पास नहीं है और उसकी रक्षा करता हूं जो उनके पास है।'' और यह किया जा सकता था। क्या एक मां अपने नवजात असहाय बच्चे को छोड़ने की सोचती है जो पूरी तरह उस पर निर्भर है। लोगों का खयाल रखने का दायित्व नेतृत्व पर होता है। यह लोग नहीं थे जिनमें आस्था में कमी पायी गयी। यह नेतृत्व था जो आत्मविश्वास निर्मित करने के मामले में कमी पायी गयी। राज्य जगत ने शीशविहीत, हृदयहीन नौकरशाही पर भरोसा किया जिसने संवेदनहीनता व स्वार्थपूर्ण आचरण किया। यह समय वेबर के नजरिए की पुन:पड़ताल करने का है कि तंत्र की तटस्थता व वस्तुगतता, जो उसने प्रस्तावित की थी, और जो बहुत ज्यादा प्रचलित है, असलियत में संकट के समय में उपयोगी है या नहीं। परानुभूति की ही आखिरकार इस संकटकालीन स्थितियों में मांग होती है। भरोसा ऐसी चीज है जो किसी भी अन्य चीज की तुलना में नेतृत्व की कार्रवाई पर ज्यादा निर्भर करता है।

स्वयं को गंभीरता से लें

महेन्द्र पाल

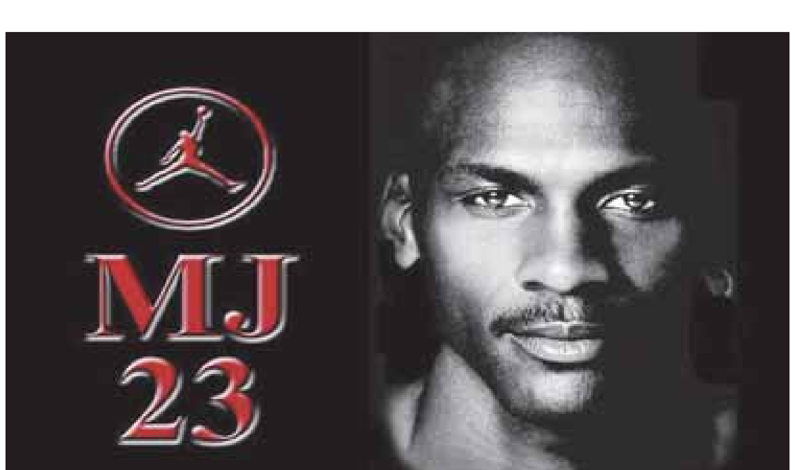

दोस्तों, जीवन में कामयाबी पाने के लिए हमें खुद को उस कामयाबी के लायक बनाने, या दूसरे शब्दों में खुद की योग्यताओं व क्षमताओं को पहचानने और उन्हें उन्नत करने की अनिवार्य जरूरत होती है। याद आते हैं

माइकल जेफ्री जॉर्डन जिनको एम जे के नाम से भी जाना जाता है, 17 फ़रवरी 1963 को ब्रुकलिन, न्यू यॉर्क में जन्मे माइकल जॉर्डन अमरीका के एक बहुत ही प्रसिद्ध बास्केटबॉल खिलाड़ी रहे हैं। इन्होंने नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन के द्वारा बहुत नाम कमाया है! उनके खेल का प्रदर्शन इतना अच्छा था कि सारे लोग उनसे बहुत प्रभावित हुए। सन 1991 में इन्होंने अपनी पहली बास्केटबाल चैंपियनशिप जीती और उसके बाद लगातार दो साल तक इस जीत को बनाये रखा। ऐसा भी वक्त आया, जब जॉर्डन बास्केटबॉल से निवृत्त होकर बेसबॉल में दिलचस्पी दिखाई लेकिन फिर उन्होंने अपना करियर बास्केटबॉल में ही बनाने का निर्णय लिया।

जीवन में कामयाबी के मद्देनजर माइकल जॉर्डन एक ऐसे व्यक्ति हैं जो आज की युवा पीड़ी का साहस बढ़ा सकते हैं। जब माइकल जॉर्डन 13 साल के हुए तो उनके पापा ने उसे इस्तेमाल किया हुआ कपड़ा दिया और पूछा कि इसकी कीमत कितनी हो सकती है? तो माइकल ने कहा कि 1 डॉलर का होगा, तो उनके पिता ने कहा कि इसको 2 डालर में बेचकर आ।

माइकल ने उस कपड़े को अच्छे से धोया, तह लगाया, चूंकि उस टाइम उनके पास इस्त्री तो थी नहीं, इसलिए उन्होंने उस कपड़े को किसी कपड़ों के ढेर के नीचे सलीके से रख दिया, जब कपड़ा सूख गया तो अगले दिन ट्रेन स्टेशन के पास गया और 6 घण्टे की मेहनत के बाद माइकल को उस कपड़े के दो डालर मिले।

कुछ दिन बाद पिता ने एक कपड़ा देते हुए फिर माइकल से कहा कि इस कपड़े को 20 डालर में बेचकर दिखा, तो माइकल ने कहा कि यह कैसे हो सकता है, इसके 20 डालर कौन देगा? पापा ने कहा कि कोशिश तो करो। माइकल अपने दोस्त की मदद लेने गया और उस कपड़े पर मिकी माऊस की पेंटिंग बनवाई और अमीर बच्चों के स्कूल पहुंच गया, वहां एक छोटे से बच्चे ने पेंटिंग को पसंद किया और उसे खरीद लिया, साथ ही उसे 5 डालर टिप के रूप में भी दिए, यानी 25 डॉलर, जो उसके पिता के एक महीने की तनख्वाह के बराबर थे।

जब माइकल वापस आया तो उसके पापा ने तुरंत एक और कपड़ा हाथ में दे दिया और बोला कि इसे 200 डॉलर में बेच के दिखा, इस बार माइकल ने अपने पिता से कुछ नहीं बोला कि ये कैसे हो सकता है। वो तरीका सोचने में लगे थे कि तभी उन्हें पता चला कि उनके सिटी में फिल्म की शूटिंग के लिए एक नामचीन अभिनेत्री आई है। माइकल सुरक्षा दायरे को तोड़ते हुए उस अभिनेत्री के पास गये और बोला कि कृपया, ऑटोग्राफ दे दीजिये।

मासूम से बच्चे को देखकर वो एक्ट्रेस मना नहीं कर पाई और उस एक्ट्रेस ने उस कपड़े पर अपना ऑटोग्राफ दे दिया। आटोग्राफ लेने के बाद माइकल तेज-तेज चिल्लाते हुए बोलने लगे कि 200 डॉलर में फलां अभिनेत्री के आटोग्राफ वाला कपड़ा खरीदें। और पलक झपकते वहां पर कपड़े को लेने के लिए नीलामी शुरू हो गई और अंतत: उसने उस कपड़े को 1200 डालर में एक व्यापारी को बेच दिया।

जब माइकल 1200 डालर लेकर अपने घर पहुंचा तो उसके पिता की खुशी का ठिकाना नहीं रहा, वो रो पड़े और पूछा कि बेटा तुम इतने दिनों से जो ये कपड़े बेच रहे हो, इससे क्या सिखा तुमने? बेटा बोला, पापा जहां चाह वहां राह (जहां पर इरादे होते हैं रास्ता अपने आप वहां आ जाता है) पिता ने हामी भरते हुए कहा कि बिलकुल सही हो, लेकिन मेरा उद्देश्य ये बिलकुल नहीं था। मैं तो तुम्हें बस यही दिखाना चाहता था कि जो कपड़े का टुकड़ा सिर्फ 1 डालर का था जब हम उसकी कीमत बढ़ा सकते है तो हम अपनी कीमत क्यों नहीं बढ़ा सकते। क्योंकि हम तो इंसान हैं, सोच सकते हैं, विचार कर सकते हैं, कुछ भी कर सकते हैं। इसीलिए स्वयं माइकल जार्डन का मानना है कि मैं असफलता को स्वीकार कर सकता हूँ, हर कोई किसी ना किसी चीज में विफल होता है। लेकिन मैं प्रयास ना करना नहीं स्वीकार कर सकता।

पेज 1 का शेष

उम्र कोई सीमा नहीं

वह कहते हैं कि उनका सफलता का मंत्र हमेशा सुविधा क्षेत्र से बाहर चीजों को तलाशना और अपने आपको चुनौती देते रहना रहा है। हालांकि, बत्रा के जीवन में सबकुछ इतना आसान नहीं था जितना कि लगता है। उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा।

वह बताते हैं, '' जब मैंने योग्यताओं के साथ सीखने और प्रयोग करने की अपनी यात्रा आरंभ की, तो मुझे यूट्यूब और गूगल की सहायता से खुद सब कुछ सीखना पड़ा क्योंकि संस्थान दस साल के लड़के को एडमिशन देना नहीं चाह रहे थे जो एक अच्छी बात साबित हुआ, क्योंकि मैंने खुद चीजों का पता लगाना और शोध करने की योग्यता सीखी। मैंने अपने रिश्तेदारों, शिक्षकों व आसपास के दोस्तों से काफी ताने भी सुने, जो सोचते थे कि यह मेरे बस की बात नहीं है और यह कि मेरा ध्यान इस उम्र में पढ़ाई करने पर होना चाहिए। यह कुछ ऐसा था जिसने मुझे शुरूआती दिनों में खुद सवाल करना सिखाया। जब मैंने फ्रीलासिंग भी शुरू की तो मुझे मुफ्त में कई प्रोजेक्ट कार्य करने पड़े , क्योंकि ग्राहक अपना काम कराने के लिए दस साल के बच्चे पर भरोसा करने के लिए तैयार नहीं थे। लेकिन मैंने इससे भी सीखा। आज, मैं अपने छात्रों तक से अपने पहले कुछ प्रोजेक्ट कार्य मुफ्त में करने की सलाह देता हूं ताकि वे समझ सकें कि चीजें किस तरह सही ढंग से क्रियान्वित की जाती हैं। एक और बड़ी चुनौती जिसका मैंने सामना किया जब मैंने अपनी पहली कंपनी शुरू की। जब मैंने कर्मचारी काम पर रखे तो वे मेरे लिए मेरी कंपनी चलाना चाहते थे क्योंकि उन्हें एक 14 साल के लड़के के लिए काम करने में समस्याएं थीं, लेकिन उससे भी मैंने अनेक सीखें हासिल कीं, कि प्रतिष्ठा क्यों महत्व रखती है। ''

ऐसा नहीं था कि बत्रा को हाथ खड़े करने का खयाल नहीं आया। उसने बस अपने सभी झटकों व आशंकाओं पर जीत हासिल की। बत्रा कहते हैं, '' अनेक बार ऐसा हुआ जब मैंने मैदान छोड़ देने का खयाल आया। लेकिन मेरे माता पिता हमेशा मेरे साथ थे, जो मुझे कहते थे कि एक बार और कोशिश करो। मैंने यह भी महसूस किया कि ऐसी स्थितियां उद्यमिता का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, और उतार-चढ़ाव हमेशा वहां होंगे, हमें उस उनसे सीखने की जरूरत है। ''

बत्रा के पास उन छात्रों के लिए सलाह है जो जीवन में कुछ ऐसा ही करना चाहते हैं लेकिन आश्वस्त नहीं है कि कहां से शुरूआत करें। वह बताते हैं, '' महत्वपूर्ण बात यह है कि आप शुरू करते हैं, न कि आप कहां से शुरू करते हैं, वे योग्यताएं तलाशें जिनकी दुनिया में आवश्यकता है और ऐसी पांच चीजों की एक सूची बनाएं जिनमें आपकी रूचि हो सकती है। सीखना और उन्हें लागू करना शुरू करें, क्योंकि यह सब सीखना व प्रयोग करना है। एक अंतिम बात जो मैं उल्लेख करना चाहूंगा कि मेरे गुरू हमेशा कहते हैं कि भ्रम है, जो स्पष्टता की ओर ले जाता है। ''

जहां चाह वहां राह

वह कहती हैं कि यात्रा के दौरान जो सबसे बड़ी सीख उन्होंने सीखी है, वो यह कि यात्रा करना जीवन जीना है। गोयल, जिन्हे हाल में यंग एक्जूबरेंट टेऊव्रलर तथा एक उभरते लेखक के लिए इंडिया बुक आफरिकाड्र्स 2020 का पुरस्कार मिला है और वह द इंडिया आवाज 2020 द्वारा युवा लेखक पुरस्कार के लिए नामित हुई हैं, कहती हैं, '' मुझे लगता है कि हर बार जब मैं यात्रा करती हूं, मैं सबकुछ भूल जाती हूं और मुझे ऐसा लगता है कि मैं बस उसी पल में जी रही हूं। इस मूल भावना के बिना मुझे नहीं लगता कि जीवन पूरा है। और इसलिए सर्वाधिक यात्रा करना निश्चित रूप से जीवित रहना है। '' गोयल के माता पिता ने भी उनका भरपूर साथ दिया है और उन्होंने रैना को वो करने के लिए हमेशा प्रोत्साहित किया जो उन्हें सर्वाधिक पसंद होता है।

रैना बताती हैं, '' मैं समय-सीमाएं निर्धारित करके तथा अपने हर काम के लिए विशेष समय सुनिश्चित करके, अपने समय को बेहतर संतुलित करती हूं। मैं महत्वपूर्ण कार्यों को अहमियत देती हूं और अन्य कामों के साथ संतुलित करती हूं। मैं सचमुच मानती हूं कि यदि आप कुछ चाहते हैं तो आप उसके लिए अपने आप समय निकालते हैं और चूंकि मैं लेखन को, यात्रा करने और पढ़ाई करने को ऐसी चीजें मानती हूं जो मुझे पसंद हैं तो मैं खुद उनके लिए समय निकालती हूं। मुझे बिलकुल भी अतिरिक्त दबाव जैसा महसूस नहीं होता है।''

मेरा स्पेनिश एकल शीर्षक डी ऊना वेज़ एक ऐसी चीज़ की शुरुआत है जिसे मैं लंबे समय तक तलाशना चाहती थी। मुझे आशा है कि आप इसे उतना ही प्यार करेंगे जितना मैं करती हूं।
- सेलेना गोम्ज

'कॅरियर में कार्ययोजना बनाकर बस उसे क्रियान्वित करना होता है'

अभिनेत्री जैविशिया लेस्ली नई बैटवोमन बनने के पीछे की अपनी बताने के साथ ही इस चरित्र के समलैंगिक होने तथा अपनी मां से अपने लैंगिक अनुकूलन को लेकर संवाद भी करती है

जब जैविशिया लेस्ली लॉस एंजेल्स आई थी तो वो वहां के लोकप्रिय स्थान सनसेट बोलवार्ड वहां लगे टीवी और फिल्म के बोर्ड देखकर स्वयं को इनसे अभिप्रेरित करने जाती थी। अभिनय की आकांक्षा पाले वो प्राय: अपने प्रिय अभिनेता के बोर्ड के नीचे अपनी गाड़ी पार्क करती थी जो उसके प्रिय होते थे और अपने आगामी ऑडिशन के लिए उनका अध्ययन भी करती थी।

सालों तक वो, इस आशा में कि एक दिन हॉलिवुड में उनका बोर्ड भी ऐसे ही लगेगा, ऐसा करती रहीं। अंतत: उनका सपना तब सच हुआ जब इस 33 वर्षीय अभिनेत्री का, जिसने सीबीएस की गॉड फ्रेंडेड मी, तथा बीईटी प्लस पर कार्ल वेबर्स की 'द फैमिली बिजनेस' में भी भूमिकाएं कर चुकी है, भी एक बिलबोर्ड हॉलिवुड में लगाया गया जिसमें वो बैटवुमन का काला और लाल रंग का सूट पहने दिख रही हैं।

लेस्ली बैटवुमन की भूमिका धमाकेदार होने वाली है। इसका दूसरा सीज़न 17 जनवरी से प्रारंभ हो रहा है। इसमें वो रूबी रोज़ का स्थान लेंगी और इस प्रकार इस फ्रेंचाइज़ी की प्रथम अश्वेत अभिनेत्री होंगी जो सुपरहीरो की भूमिका करेंगी। इसमें वो एलजीबीटीक्यू चरित्र निभाती दिखेंगी।

बैटवुमन के रूप में वो र्यान विल्डर का चरित्र करेंगी जिसने सालों तक ड्रग्स का कारोबार चलाया था और गॉथम की पुलिस की आंखों में निरंतर धूल झोंकता रहा था। ये चरित्र हाथों से लड़ने में निपुण है लेकिन वो दयालु भी है और अपनी वैन में एक पौधे की देखभाल भी करता है। अपने हाल के एक साक्षात्कार में लेस्ली ने बैटवुमन बनने, चरित्र के समलैंगिक होने के महत्व तथा मां से समलैंगिकता क संबंध में संवाद करने से जुड़े अनेक प्रश्नों के उत्तर दिये। प्रस्तुत है बातचीत के अंश-

❖ बिलबोर्ड के सानिध्य में अपनी भूमिका के लिए आपने किस प्रकार की तैयारी करनी पड़ी ?

मै तो अपना काम करते हुए अंतिम परिणाम के बारे में सोचती रहती थी जो मैं चाहती भी थी। इसी से मुझे प्रेरणा मिलती रही और मुझे काम करने का आनंद भी आता रहा। कई बार तो ऐसा हुआ कि मैं अध्ययन करते करते ही सो गई, फिर मुझे जागकर घर वापस जाना पड़ता था।

❖ तो ये आप अपने पूर्वानुमान के बारे में हमसे साझा कर रही हैं ?

मैं वो सब अनुभव करती हूं जो मैं वर्तमान में जी रही हूं। प्रारंभ से लेकर पूरे विवरण तक। मैंने बैटवुमन के साथ भी मैंने एक साक्षात्कार मई माह में किया था। मुझसे पूछा गया था कि अब आप किस प्रकार का रोल करना चाहती हैं और मेरा उत्तर था, 'मैं सुपरहीरो का चरित्र करना चाहती हूं। और इसके अगले माह ही मुझे ऑडिशन का प्रस्ताव आ गया। मुझे तो पता भी नहीं था कि वे बैटवुमन के चरित्र के लिए किसी को ढूंढ रहे हैं आप कह सकते हैं कि मुझे पूर्वानुमान में विश्वास है।

❖ आपके लिए डीसी की फिल्मों में अश्वेत महिला लीड सुपरहीरो का चरित्र करना का क्या अर्थ है?

मैं सदा ही स्वयं को स्मरण कराती रहती हूं कि मेरा लक्ष्य केवल मेरे लिए नहीं होता। मैं दूसरे लोगों का सशक्तीकरण चाहती हूं। ईश्वर मुझे यहां किसी कारण से लाया होगा। उसने मुझे ऐसी स्थिति में किसी कारण के चलते ही डाला होगा। इसमें मेरे लिए डरने जैसा कुछ नहीं है क्योंकि मुझे पता है कि लोगों को अश्वेत बैटवुमन सुपरहीरो देखकर कुछ तो प्रेरणा मिलेगी ही। ऐसा क्षण आपके जीवन में बार बार नहीं आता। ये बहुत महत्वपूर्ण है। मैं बैटमैन और कैटवुमन तथा जोकर और पेंग्विन देखते हुए बड़ी हुई हूं। अब उनमें अश्वेत को देखना अत्यंत समावेशी घटना कही जा सकती है।

❖ इस चरित्र का समलैंगिक होना कितना महत्वपूर्ण है?

हर वर्ग का प्रतिनिधित्व होना ही महत्वपूर्ण होता है। डीसी के प्रशंसक तो हर किसी का प्रतिनिधित्व करते हैं फिर चाहे बात नस्ल की हो या समलैंगिकता की। लेकिन मैं अपने शो में सबसे अधिक जिस बात को पसंद करती हूं वो ये है कि इसमें हर चरित्र हर बात का प्रतिनिधित्व करता दिखाई देता है।

❖ अपनी मां को बैटवुमन का चरित्र मिलने से पहले, आपने अपने उभयलिंगी होने के बारे में उन्हें बताया था। ये किस प्रकार का संवाद था?

मैं अपनी मां से किसी भी विषय पर बात करने से नहीं डरती। ये ऐसा है कि कई बातों के बारे में तो मैं उनसे बात ही नहीं करती। वो समझ जाती हैं उन्हें पहले से ही पता रहता है। तो जब मैंने बात प्रारंभ की तो उनका कहना था, 'मैं तेरी मां हूं, तुम्हारे पास ऐसा कुछ भी नहीं है जो मुझे पहले से नहीं पता है।' वो मेरी सबसे अच्छी सहेली हैं और मेरा हर बात में समर्थन करती हैं।

❖ आपके चरित्र के गृहविहीन होने के चलते उसका काम कैसे चलता होगा ?

कुछ लोगों को ये समझ में नहीं आता है कि उसके साथ क्या और कैसे होता है। उसके पास अपनी वैन है और वो अपनी देखभाल स्वयं करती है। यही उसके लिए महत्वपूर्ण होता है। वो कई ऐसे फॉस्टर होम्स में रहती आई थी जिनमें बच्चों के साथ सही व्यवहार नहीं किया जाता था। एक व्यक्ति जो उसका ध्यान रखता था, उसके सामने ही उसकी हत्या कर दी गई। तो जिस बात में लोगों को कुछ भी नहीं लगता, उसके लिए उन्हीं बातों का व्यापक अर्थ होता है। वो उन्हीं बातों के सहारे रहती है।

❖ आपके चरित्र की परिस्थितियों के कारण उसके जीवन में क्या परिवर्तन हुए ?

मुझे लगता है कि उसके जीवन के स्याह पक्ष का यदि कोई कारण है तो वो उसके भीतर की बदले की भावना है। उसके भीतर मां के हत्यारे के प्रति प्रतिशोध पलता रहता है। बस इतना ही पर्याप्त है। यदि आप क्षमा नहीं कर सकते तो आप अच्छाई के लिए संघर्ष नही कर सकते। यदि आप बदले की भावना से शक्ति प्राप्त करते हैं तो आप सत्य के पक्ष में नहीं हो सकते।

❖ अब तक के आपके कॅरियर से लोगों को क्या सीखना चाहिये ?

कई बार ऐसा हुआ है जब मैं कह सकती थी कि 'ये कठिन है' और इससे अलग हो सकती थी। लेकिन मैं काम करती रही। एक बात जो मैं अपने जीवन में भी करती हूं और वो है कि आपको अपने पैशन के अनुसार काम करना चाहिये। यदि ऐसा होता है तो आप सफल होंगे। मुझे लगता है कि ईश्वर ने हमारे भीतर लगन किसी कारण के चलते ही डाली होगी। इसे पूरा करने के लिए आपको एक कार्ययोजना बनाकर उसे क्रियान्वित करना होता है।

'मेजर दीपेंद्र सेंगर की कहानी पर सीरीज़ करेंगे अमित साद'

अभिनेता अमित साद अपनी आने वाली वेबसीरीज़ 'जिद जीत की' में कारगिल युद्ध के नायक मेजर दीपेंद्र सिंह सेंगर के जीवन पर आधारित कहानी को परदे पर जियेंगे। उन्होंने सेना दिवस पर भारतीय सेना के वीर अधिकारियों को शुभकामना दी है।

अमित ने बताया, 'हमारा हर सैनिक शौर्य और पराक्रम का एक अनूठा उदाहरण है। हम अपने घरों में उनके इसी पराक्रम के चलते चैन से सो पाते हैं। हमारे सैनिकों के हमें सुरक्षा देने जैसे निस्वार्थ कार्य का कोई विकल्प नहीं है। मैं इस सैन्य दिवस पर हमारे शौर्यवान सैनिक अधिकारियों को हर शुभकामना प्रेषित करता हूं। मेजर दीपेंद्र का चरित्र निभाकर सम्मानित अनुभव करता हूं।'

इस सीरीज़ में उनके साथ अमृता पुरी तथा सुशांत सिंह भी हैं और इसका निर्देशन किया है विशाल मंगलोरकर ने जबकि निर्माण किया है बोनी कपूर, अरुनवा जॉय सेनगुप्ता तथा आकाश चावला ने।

इसके निर्माता ने इस शो के संबंध में विशेषज्ञ परामर्श लिया है स्पेशल फोर्सेज़ कंसलटेंट एवं मिशन कोरियोग्राफर कर्नल अशोक गलोथ तथा मेजर अर्जुन गलोथ से।

कर्नल अशोक गलोथ ने बताया, 'मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हूं इससे ये बात साबित होती है कि हमारी सेना में कितना पुरुषार्थ है। मुझे प्रसन्नता है कि निर्माताओं ने हमसे संपर्क किया और शो के बारे में हमारे सुझाव लिये। ये अच्छा अनुभव रहा।'

मेजर गलोथ ने बताया कि मेजर दीपेंद्र की कहानी न केवल हमारे लिए प्रेरणा है बल्कि दुनिया भर के लिए भी

एक प्रेरणा है। उन्होंने बताया, 'हमनें अपने ढंग से टीम की सहायता की और अपने दैनिक कार्यक्रम के बारे में बताया। लेकिन इसका पूरा श्रेय उन लोगों को जाता है जिन्होंने इस प्रेरणादायक कहानी पर पूरीसीरीज़ बनाने का निर्णय किया।' (सीरीज़ का प्रीमियर 22 जनवरी को ज़ी5 पर होगा)

फिल्मी हस्तियों ने कोरोना टीकाकरण अभियान की सराहना की, वैज्ञानिकों और डॉक्टरों का आभार जताया

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भारत के कोविड-19 टीकाकरण अभियान की शुरुआत की जिसके बाद भारतीय फिल्म जगत की कई हस्तियों ने सोशल मीडिया पर वैज्ञानिकों, डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के प्रयासों की सराहना की।

भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने इस महीने की शुरुआत में ऑक्सफोर्ड के सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा निर्मित कोविड-19 टीके कोविशील्ड और स्वदेश विकसित भारत बायोटेक के कोवैक्सीन को देश में सीमित आपात इस्तेमाल की मंजूरी प्रदान की थी।

पूर्व सांसद और अभिनेता परेश रावल ने ट्विटर पर लिखा, सबसे बड़ा टीकाकरण। सभी वैज्ञानिकों और डॉक्टरों तथा स्वास्थ्य कर्मियों को शुक्रिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार।

फिल्म निर्माता रॉनी स्क्रूवाला ने टीकाकरण की शुरुआत को बड़ा दिन बताया।

उन्होंने कहा, सभी स्वास्थ्य कर्मियों और वैज्ञानिकों का आभार।

अभिनेता कुणाल कपूर ने भी वैज्ञानिकों और डॉक्टरों का आभार

जताते हुए कहा, अथक काम किया और हमारे लिए दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान को चलाना संभव बनाया।

अभिनेत्री निमरत कौर ने उम्मीद जताई कि टीकाकरण अभियान सुगमता से चलेगा और सफल होगा।

फिल्मकार अशोक पंडित, बांग्ला अभिनेता परमब्रत चटर्जी, अदाकारों रणवीर शौरी, अनुपम खेर, अभिनेता-निर्माता तुषार कपूर आदि ने भी वैज्ञानिकों और स्वास्थ्य कर्मियों का आभार व्यक्त किया।

नए साल का गुड लक लेके आ गई नए किस्सों की गुल्लक

बेहद सराहे गए शो के दूसरे सीजन के साथ लौट आया है सोनीलिव

खस्ताहाल दीवारें, ताकझांक वाले पड़ोसी, कभी न खत्म होने वाली परेशानियां फिर भी भरपूर सपनों की ऊंची उड़ानययही सटीक परिचय है उस मिश्रा परिवार की खासियत बयान करने के लिए जिसने 2019 में दस्तक दे कर सभी के दिलों को छू लिया था। रेटिंग के साथ गुल्लक सीजन 1 ने अपने सुगठित पात्रों, बहुमुखी अभिनय और बेमिसाल निर्देशन से खूब तारीफ बटोरी और अब सोनीलिव 15 जनवरी 2021 से शो के शुरूआत के साथ नए सीजन के लिए नए किस्सों का खजाना लेकर आया है। ये सीजन इस अनोखे परिवार की जिंदगी में हर दिन पेश आने वाले उतार.चढ़ावों की जीवंत झलक दिखलाएगा।

एक सादी गुल्लक के नजरिए से बुना गया ये शो रोजमर्रा की जिंदगी को किस्सागोई के ऐसे अंदाज से पिरो कर आप तक पहुंचाएगा जो लीक से हट कर होगा। टीवीएफ की तरफ से निर्मित गुल्लक 2 मिश्रा परिवार की खट्टी-मीठी सच्चाइयों और रिश्तों के तानेबाने को आगे खंगालेगा, वो मिश्रा परिवार जिसके लिए मिलजुल कर रहना ही सबसे ज्यादा मायने रखता है। अपने घर की छोटी सीमाओं से बंधे इस परिवार की जिंदगी की कहानी में भावनाएं, तकरार और हंसी-मजाक, सब एक साथ माला की तरह गुथे नजर आएंगे। उत्तर भारत की पृष्ठभूमि पर बने गुल्लक सीजन 2 का निर्देशन पलाश वासवानी ने किया है। इसमें प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे. जमील खानए गीतांजलि कुलकर्णी, सुनीता राजवर, हर्ष मायर और वैभव राज गुप्ता।